



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राप्तिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० २८] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई ११, १९८१ (आषाढ़ २०, १९०३),
No २८] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 11, 1981 (ASADHA 20, 1903)

इस भाग में मिस्त्री पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड १

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-११००११, दिनांक ३० मई १९८१

सं० ए० ३८०१३/६/८०—प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संबंध के स्थायी अनुधाग अधिकारी तथा केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I में अवर सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री आर० एन० शर्मा को राष्ट्रपति द्वारा ३१ मई, १९८१ के प्रपराह से निव॰त्न आयु हो जाने के बाद सरकारी सेवा से निवृत हो जाने की सर्वे अनुमति दी जाती है।

दिनांक ८ जून १९८१

सं० ए० ३८०१५/४/८०—प्रशा०-II—३१ मई, १९८१ (अपराह्न) से निव॰त्न आयु प्राप्ति पर उनके सेवा निवृत हो जाने के परिणामस्वरूप श्री जे० एल० कपूर ने संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में सहायक नियन्त्रक (त० सं०) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

य० रा० गोपी,
अवर सचिव

(8251)

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक १८ जून १९८१

सं० ६ के० आर० सी० टी० २६—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एताप्त्वारा श्री आर० के० रिहानी, स्थायी नियी सहायक को आयोग में वरिष्ठ निजी सहायक रु० ६५०—३०-७४०-३५-८८०-६० बी०-४०-१०४० वेतनमान में दिनांक १५-६-१९८१ से अगले आदेश तक जो भी पहले हो स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

हृष्ण लाल मलहोदा
अवर सचिव
कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मंत्रालय
कार्मिक एवं प्रशासनिक सुप्रार
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो
नई दिल्ली, दिनांक १९ जून १९८१

सं० ए० १९०३६/११/७८—प्रशा० ५—केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्त महाराष्ट्र राज्य पुलिस के अधिकारी

श्री बी० एच० मीराजकर, पुलिस उप-प्रधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो की सेवायें दिनांक 8-6-1981 के पूर्वाह्न से महाराष्ट्र राज्य को सौंपी जाती हैं।

हीरो ए० शहानी
प्रशासनिक अधिकारी (लेखा)

महानिवेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल
नई दिल्ली-110022, दिनांक 16 जून 1981

सं० औ० दो० 1580/81-स्था०—राष्ट्रपति जो डा० इन्द्र मोहन ठाकुर को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी आफिसर ग्रेड-II (बी० एस० पी०/कम्पनी कमांडर) के पद पर डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्ते पर दिनांक 21-5-1981 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 जून 1981

सं० औ० दो० 354/70-स्था०—राष्ट्रपति, श्री बी० एल० तकियार को पदोन्नति पर आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में सहायक कमांडेंट के पद पर अस्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री बी० एल० तकियार ने सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार 65 वाहिन सी० आर० पी० एफ० में दिनांक 14 फरवरी, 1981 (अपराह्न), को संभाल लिया है।

ए० के० सूरी
सहायक निवेशक (स्था०)

महानिवेशक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 12 जून 1981

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक—पदोन्नति होने पर श्री बी० के० एल० राव ने 6 अप्रैल, 1981 के पूर्वाह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट, बोकारो स्टील लिमिटेड, बोकारो के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 15 जून 1981

सं० ई०-38013(4)/81-कार्मिक—पदोन्नति पर, श्री एन० ओष ने 27 अप्रैल, 1981 के पूर्वाह्न से सहायक कमांडेंट, के० औ० सु० ब० यूनिट, बी० एस० पी० भिलाई के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38014(5)/81-कार्मिक—पदोन्नति पर, श्री आर० एम० अस्त्रज्ञालिया ने 2 मई, 1981 के अपराह्न से सहायक कमांडेंट, के० औ० सु० ब० यूनिट, बी० एस० पी० भिलाई के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक—पदोन्नति पर श्री एस० डी० डंगवाल ने 2 मई, 1981 के अपराह्न से सहायक कमांडेंट, के० औ० सु० ब० यूनिट बी० सी० ली० एल० शरिया के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक—पदोन्नति पर, श्री बी० के० येहूता ने 19 मार्च, 1981 के पूर्वाह्न से सहायक कमांडेंट, के० औ० सु० ब० यूनिट, आई० आ० सी० गुजरात विळाइनसी, बड़ौदा के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक—पदोन्नति पर श्री दरभा विष्णवनाथ ने 20 अप्रैल, 1981 के पूर्वाह्न से सहायक कमांडेंट, के० औ० सु० ब० यूनिट, आई० एस० आर० औ० धुम्का के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक—मद्रास से स्थानांतरण होने पर, श्री एस० एस० कादिया ने 4 मई, 1981 के अपराह्न से सहायक कमांडेंट, के० औ० सु० ब० यूनिट, ए० एस० पी० दुर्गापुर, के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-16016/11/79-कार्मिक—निवर्तन की आयु पूरी होने से सेवा निवृत्ति पर, श्री एस० एन० दंडोना ने 30 अप्रैल, 1981 के अपराह्न से लेखा अधिकारी, के० औ० सु० ब० मुख्यालय, नई दिल्ली, के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सुरेन्द्र नाथ, महानिवेशक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 जून 1981

सं० 10/20/79-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 18 प्रगत्त, 1980 की समसेवक प्रविसूचना के अनुकाम में, श्रीमती छृष्णा चौधरी की, कलकत्ता में भारत के महापंजीकार के कार्यालय (भाषा अभ्यास) में भाषाविद् के पद पर तदर्थे नियुक्ति की अवधि को 30 जून, 1981 या जब तक पद नियमित आवधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, इस कार्यालय की तारीख 28 मार्च, 1979 की प्रविसूचना तं० 12-5-74-आर० जी० (प्रशा०-1) के पैराग्राफ 2 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार सहर्ष बढ़ाते हैं।

श्रीमती चौधरी का मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

सं० 7/6/80-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक मिवेशक (प्रोग्राम) के पद पर स्थानान्तर रूप से कार्यरत संघीयी आर० पी० गुप्त और प्रदीप मेहरा को तारीख 28 अक्टूबर 1980 से उसी पद पर, स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० 11/27/81-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, बिहार, पटना में जनगणना कार्य निवेशालय में अन्वेषक के पद पर कार्यरत

श्री एस० एम० मेहल कुसेन को उसी कार्यालय में 28 मई, 1981 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अधिकारी के लिये या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाय, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर पदोन्नति द्वारा सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री कुसेन का मुख्यालय पटना में होगा।

पी० पद्मनाभ
भारत के महापंजीकार

श्रम मंत्रालय

(श्रम ब्यूरो)

शिमला-171004, दिनांक 8 मई 1981

सं० 23/3/81-स०० प०० आई०—मई, 1981 में श्रीशोशिक श्रमिकों ना अधिक भारतीय उपमोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1980-100) अप्रैल, 1981 के स्तर से 6 अंक बढ़ कर 433 (चार सौ तीस) रहा। मई 1981 मास का सूचकांक आधार वर्ष 1949-100 पर परिवर्तित किए जाने पर 526 (पाँच सौ छब्बीस) आता है।

टी० योगानन्द,
उप निदेशक

वित्त मंत्रालय

ग्राहिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 18 जून 1981

सं० क्र० बी० एन० पी०/जी०/4/79—इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 20-5-81 के तारतम्य में श्री एस० बी० देशमुख की सहायक नियंत्रण अधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति उन्हीं शर्तों पर दिनांक 28-6-81 तक और अड्डायी जाती है।

मु० व० चौर
महाप्रबन्धक

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा

वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1981

सं० प्रशा०/1/8(27)11/26—भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक वित्त मंत्रालय की सहमति से श्री नन्द किशोर वर्मा, लेखा परीक्षा अधिकारी के भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड में स्थाई समावेशन हेतु दिनांक 1-12-78 से स्वीकृति प्रदान करते हैं। केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम 1972 के नियम 37 के अनुसार वे भारत सरकार

की सेवा से बी० एस० ई० एस० में समावेशन की तिथि से सेवा निवृत्त समझे जायेंगे।

एस० एस० सरना
भिवेशक लेखा परीक्षा

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विधार्ग

श्रीनगर, दिनांक 6 जून 1981

सं० प्रशा० I /60(83)/81-82/1063—महालेखाकार जम्मू व कश्मीर ने 3 जून (पूर्वाह्न) से (अगले आदेश जारी करने तक) एक स्थाई अनुभाग अधिकारी श्री अवतार कुण्ड कानूनगी को स्थानापन्थ हैसियत में लेखा अधिकारी के रूप में प्रोत्तत किया है।

ह० अपठनीय
वरिष्ठ उप महालेखाकार
(प्रशासन एवं अधिकरण)

महालेखाकार महाराष्ट्र (1) का कार्यालय

बम्बई-400 020, दिनांक 11 मई 1981

सं० प्रशा० 1/श्रीय० ए० डी०/5(337)/2—श्री ए० एल० सत्यनारायण डेस कार्यालय के स्थायी लेखा अधिकारी को गोवा शिपयार्ड लिमिटेड, गोवा में दिनांक 12-3-1981 (पूर्वाह्न) से स्थायी रूप में समा लेने के फलस्वरूप, केंद्रीय नागरी सेवा (निवृत्त वेतन) नियमावली 1972 के नियम 37, जो भारत सरकार, वित्त मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन सं० 44(1) ई-ली/71 दिनांक 13-4-73 के साथ पढ़ा जाये, के अंतर्गत दिनांक 12-3-1981 (पूर्वाह्न) से सेवानिवृत्त समझे जायेंगे।

भारत सरकार, वित्त मंत्रालय के कार्यालय ने श्री ए० एल० सत्यनारायण, लेखा अधिकारी को भारत सरकार के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, नई दिल्ली में उनके पद सं० 1057/जी० ई० 11/1-81 दिनांक 27-4-81 के साथ सूचित की गई शर्तों के अनुसार गोवा शिपयार्ड लिमिटेड नीवा में दिनांक 12-3-81 (पूर्वाह्न) से स्थायी रूप में समा लेने की मंजूरी दी है।

ह०/- उपनीस
वरिष्ठ उप महालेखाकार/एस०

इलाहाबाद, दिनांक 9 जून 1981

प्रशा०/11-144/अधिसूचना/—महालेखाकार (प्रथम) उत्तर अधिकारी, इलाहाबाद ने निम्नलिखित अनुभाग को अधिकारियों को उनके नामी के आगे अंकित तिथि से आगामी अप्रैल पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापन्थ लेखा अधिकारी नियुक्त किया है।

- श्री राम लक्ष्मण अमरवाल 2-6-1981 (पूर्वाह्न)
- श्री शिव प्रसाद शुक्ल 23-4-1981 (पूर्वाह्न)

3. श्री दिलोकी नाथ तिवारी 23-4-1981 (पूर्वाह्न)
 4. श्री सन्तोष कुमार मोदक 22-4-1981 (अप्र०)
 5. श्री रमेश अनन्द आनन्द 25-4-1981 (उप०)
 6. श्री रामधनी सिंह-1 2-5-1981 (पूर्वाह्न)
 7. श्री शिव प्रकाश बहादुर 25-4-1981 (अप्र०)
 8. श्री भगव चरण सिंह 2-6-1981 (पूर्वाह्न)

एस० जे० एस० आहुलालिया
 वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 12 जून 1981

सं० प्रशास०/1/1824/5/जिल्द-I—श्री डी० राधव राव,
 भाई० डी० ए० एस० को, दिनांक 29-12-1981 को
 (उनकी जन्म-तिथि 30-12-1923 होने के कारण)
 58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर, दिनांक 31-12-1981
 (अपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जायेगा
 और तबनुसार वे मूल नियमावली के नियम 56 (ए) की
 शर्तों के अनुसार, दिनांक 31-12-1981 (अपराह्न) से
 रक्षा लेखा विभाग के संख्यावल पर नहीं रहेंगे।

सी० डी० नारेन्द्र
 रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक (प्र०)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आईनेंस फैक्टरियां सेवा महानिदेशालय, आईनेंस फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 16 जून 1981

सं० 21/81/जी०—श्री एन० के० नायर, स्थानापन्थ
 सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 10
 अप्रैल, 1981 (अपराह्न) से स्वेच्छापूर्वक सेवा निवृत्त हुए।

डी० के० मेहता
 सहायक महानिदेशक, आईनेंस फैक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 जून, 1981

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण
 (स्थापना)

रं० 1/2/81-प्रशास० (राज०)/3616—राष्ट्रपति, श्रीमती
 पी० मोहन और श्री एम० एल० जयते (केन्द्रीय सचिवालय
 सेवा के वर्ग-1 प्रवरण सूची 1978) को अगला आदेश होने
 तक, 21-7-1980 से इस कार्यालय में केन्द्रीय सचिवालय
 सेवा के वर्ग-1 में और उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात
 के रूप में स्थानापन्थ रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त
 करते हैं।

रं० 6/540/59-प्रशास० (राज०)/3633—सेवा मिवृति
 की आयु होने पर, इस कार्यालय में स्थानापन्थ उप-मुख्य
 नियंत्रक, आयात-निर्यात श्री के० बी० लाल कपूर को 31
 मई, 1981 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त होने
 की घनुमति दी गई है।

ए० एन० कौल
 उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात
 कृते निं० प्रा० नि०

उद्योग मंत्रालय

श्रीशोगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 जून 1981

सं० ए० 19018/505/80-प्रशास० (राज०)—राष्ट्रपति श्री,
 श्री प्रवीप कुमार मुख्यर्जी को दिनांक 20 मई, 1981 (पूर्वाह्न)
 से अगले आदेशों तक, क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, कलकत्ता में उप
 निदेशक (यात्रिक) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सी० सी० राय
 उप निदेशक (प्रशास०)

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

प्रशासन-I

नई दिल्ली, दिनांक 12 जून 1981

सं० प्र०-1/1(1122)—पूर्ति निदेशक (वस्त्र)
 बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) ग्रेड-II
 श्री ए० आर० सुब्रमण्यन निवर्तमान आयु होने पर विनांक
 30 अप्रैल, 1981 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त
 हो गये।

सं० प्र०-1(1154)—महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान
 एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशक, बम्बई के कार्यालय में
 स्थानापन्थ सहायक निदेशक ग्रेड-II श्री एम० जे० टहल्यानी
 को दिनांक 8-5-81 (पूर्वाह्न) से पूर्ति निदेशक (वस्त्र)
 बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II)
 के पद पर स्थानापन्थ रूप से नियमित आधार पर नियुक्त
 करते हैं।

सं० प्र० 1/1(1164)—पूर्ति तथा निपटान निदेशक
 कलकत्ता के कार्यालय में स्थानापन्थ सहायक निदेशक (मुक-
 दमा) (ग्रेड-I) श्री पारितोष धोष को दिनांक 16-4-81
 (अपराह्न) से उसी कार्यालय में अवर क्षेत्र अधिकारी के
 पद पर अवनत किया जाता है।

सं० प्र०-1/1(1176)/81—महानिदेशक, पूर्ति तथा
 निपटान एतद्वारा मुख्यालय के अवर क्षेत्र अधिकारी, श्री
 एम० एकाम्बरम को दिनांक 29 मई, 1981 के पूर्वाह्न से
 और आगामी आदेश के जारी होने तक पूर्ति निदेशक
 (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में तदर्थ आधार पर सहायक
 निदेशक (ग्रेड I) के तौर पर स्थानापन्थ रूप से नियुक्त
 करते हैं।

श्री एकाम्बरम की सहायक निदेशक (ग्रेड II) के पद पर तदर्थं नियुक्त होने से उन्हें नियमित नियुक्ति का हक नहीं होगा और की गई सर्वथ सेवा ग्रेड में वरीयता और पदोन्नति व स्थायीकरण के लिये नहीं गिनी जाएगी।

श्री एकाम्बरम ने दिनांक 25-5-81 के अपराह्न से मुख्यालय में अवर क्षेत्र अधिकारी का पद छोड़ दिया और दिनांक 29-5-81 के पूर्वाह्न से पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक ग्रेड II का पदभार संभाल लिया।

(प्रशासन अनुभाग-6)

सं० ए०-17011/188-प्र०-६—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने निरीक्षण निदेशक, बर्णपुर के कार्यालय में भण्डार परीक्षक (धातु) श्री पी० पी० सेनगुप्त को दिनांक 22 मई के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) के पद पर स्थानापन्न रूप से पूर्णतः तदर्थं आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 6 जून 1981

सं० प्र०-6/247(543)—राष्ट्रपति, निरीक्षण निदेशक (धातु) बर्णपुर के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) श्री स्याम प्रसाद बसु को दिनांक 19 मई, 1981 के पूर्वाह्न से उसी कार्यालय में भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए धातु शाखा के ग्रेड II में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री बसु ने सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) का पदभार 19 मई, 1981 के पूर्वाह्न को छोड़ दिया।

श्री बसु दिनांक 19 मई, 1981 के पूर्वाह्न से 2 वर्ष के लिये परिदीक्षाधीन रहेंगे।

पी० डी० सेठ
उप निदेशक (प्रशासन)
हत्ते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 6 जून 1981

सं० ए० 31013/9/80-प्र०-६—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के निरीक्षण स्कन्ध के निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक अधिकारी के नाम के सामने दी गई तारीख से भारतीय निरीक्षण सेवा, ग्रुप ए के ग्रेड II की धातुकर्म शाखा में उप निदेशक निरीक्षण (धातु) के पद पर स्थायी रूप से स्थायी पद पर नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	वर्तमान पद	पद जिसके मद्दे स्थायी होने द्वाए	स्थायी होने की तारीख
1.	पी०सी० बोस सेवा निवृत्त	निरीक्षण निदेशक	उप निदेशक निरीक्षण	12-11-71

जमशेदपुर (धातु)

30-9-78

(अपराह्न)

से सेवा

निवृत्त।

2. के०सी० चटर्जी उप निदेशक —वही— 12-11-75

निरीक्षण

(बर्णपुर)

30-11-80

(अपराह्न)

से सेवा

निवृत्त

3. पी०के० मुस्तफी उप निदेशक —वही— 12-11-75

निरीक्षण

(जमशेदपुर)

4. आर०एम० रद्र उप निदेशक —वही— 1-7-76

सेवा निवृत्त

निरीक्षण

(बुर्गपुर),

निरीक्षण

निदेशक

(धातु)

जमशेदपुर

के अधीन

5. एस०के० पांडे उप निदेशक —वही— 14-7-78

(निरीक्षण)

मिलाई

निरीक्षण

निदेशक

(धातु)

जमशेदपुर

के अधीन

पी० डी० सेठ

उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 12 जून, 1981

सं० 3315बी/50/66(एस० ए०)—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के दक्षिणी क्षेत्र के शिफ्ट बास श्री एस० अनन्त राम को त्यागपत्र देने पर इस विभाग की सेवाओं से 5 दिसम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से मुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 15 जून 1981

सं० 3425बी०/ए-19012 (3-टी० के० एम०)/80-
19बी०—श्री तपन कुमार मंडल को सहायक रसायनश
के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु
प्रतिमाह के न्यूनतम वेतन पर 650-30-740-35-810-
इ० रो०-35-880-40-1000-इ० रो०-40-1200
रु० के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश
होने तक, 6-4-1981 पूर्वाह्नि से नियुक्त किया जा रहा
है।

दिनांक 16 जून 1981

सं० 3461बी०/ए-32014 (1-सहायक भूवैज्ञानिक)/
78-19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के बरिष्ठ तक-
नीकी सहायक (भूविज्ञान) श्री एस० धी० आर० मूर्ति को
सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमा-
नुसार 650-30740-35-810-इ० रो०-35-880-40-
1000-इ० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थाना-
पन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 2 अप्रैल, 1981
के पूर्वाह्नि से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है। ।

वी० एस० कृष्णस्वामी
महानिदेशक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग
महासर्वेक्षक का कार्यालय

वेहरादून, दिनांक 16 जून 1981

सं० सी०-5730/718-ए०—श्री एन० रामस्वामी,
कार्यालय अधीक्षक (बरिष्ठ वेतनमान) स० प्र० एवं मा०
उ० केन्द्र, हैदराबाद को दिनांक 24 अप्रैल, 1981 (अप-
राह्नि) से श्री के० वी० कृष्णमूर्ति, स्थापना एवं लेखा
अधिकारी, जो 45 दिन के अंतिम अवकाश पर गए हैं,
के स्थान पर सर्वे० प्रशिक्षण संस्थान, भारतीय सर्वेक्षण
विभाग, हैदराबाद में स्थापना एवं लेखा अधिकारी
(सा० सि० सेवा ग्रुप “बी”) के पद पर 840-40-1000-
इ० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में तदर्थ आधार पर
स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

सं० सी०-5731/718-ए०—श्री जी० आर० शर्मा,
स्थानापन्न अधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय, को सर्वेक्षण
प्रशिक्षण संस्थान, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हैदराबाद में
स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सा० सि० सेवा ग्रुप “बी”) ।
के पद पर दिनांक 2 मई, 1981 (पूर्वाह्नि) से 840-40
1000-इ० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान पर
श्री एस० एन० सुम्बाराव, स्थापना एवं लेखा अधिकारी का
स्थानान्तरण होने पर उनके स्थान पर, स्थानापन्न रूप में
तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

के० एल० खोसला
ले० जनरल,
भारत के महासर्वेक्षक क
(नियुक्ति प्राधिकारी)

भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

कलकत्ता-700012, दिनांक 15 जून 1981

सं० एफ 92-168/80-स्था०/9816—डा० राधेश्याम
मुरली धर शर्मा को, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण, अन्धमान निको-
वार शाखा, पोर्ट ब्लेयर में सहायक प्राणिवैज्ञानिक (ग्रु ‘बी’)
वेतनमान रु० 650-1200) के पद पर अस्थाई आधार
पर 21 अप्रैल, 1981 (पूर्वाह्नि) से आगामी आदेशों तक
निषुक्त किया जाता है।

डा० बी० के० टिकादार
निदेशक
भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली दिनांक 15 मई 1981

सं० 31/5/80-एस०-2—आकाशवाणी महानिदेशालय
निम्नलिखित फील्ड रिपोर्टरों को आकाशवाणी में उनके नाम
के आगे दर्शाई गई तिथियों में विस्तार अधिकारी के पद पर
प्रतिनियुक्त पर 650-1200 रु० के वेतनमान में नियुक्त
किया जाता है।

क्र० सं०	नाम	तिथि	कार्यालय जहां नियुक्त किया गया
1.	श्री पी० एन० मिश्र	19-12-80	आकाशवाणी नई दिल्ली
2.	श्री एम० सी० पी०	19-12-80	आकाशवाणी कालीकट
3.	श्री ए० सी० माझी	19-12-80	आकाशवाणी कटक
4.	श्री के० जी० सिन्हा	12-1-81	आकाशवाणी जयपुर
5.	श्री ए० दास	26-3-81	आकाशवाणी, पणजी

दिनांक 22 जून 1981

सं० 2/22/76-एस० धो—महानिदेशक आकाशवाणी
राइस द्वारा श्री रामप्रकाश मुख्य लिपिक लेखाकार, सेन्ट्रल स्टोर
आकाशवाणी नई दिल्ली 8-6-81 (पूर्वाह्नि) प्रशासनिक
अधिकारी आकाशवाणी लेह के पद पर स्थानापन्न रूप में
नियुक्त करते हैं।

एस० वी० सेषाद्रि ।
उपनिदेशक प्रशासन
कृते महा निर्देशक

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून, 1981

सं० 4(77)/75-एस०-एक—भारत के राजपत्र (पृष्ठ
36 पर संख्या 10, भाग-4) में प्रकाशित दिनांक 7-3-81

की अधिसूचना के संदर्भ में और गृह मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन संख्या 60/27/48-ऐस्टस दिनांक 3-11-1948 में दिये गये अनुदेशों के अनुसार श्री नन्द राम शर्मा कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, जोधपुर अब से "नन्द भारताज" के नाम से जाने जाएंगे।

दिनांक 17 जून 1981

सं० 5(54)/68-एस०-एक—श्रीमती ए० इन्दिरा जोसेफ, प्रसारण निष्पादक, विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, त्रिवेन्द्रम की नियुक्ति के संबंध में इस निदेशालय की अधिसूचना संख्या 5(54)/68-एस०-एक, दिनांक 22-4-81 की तीसरी पंक्ति में प्रकाशित शब्द "कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, त्रिवेन्द्रम" के स्थान पर "कार्यक्रम निष्पादक, विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी त्रिवेन्द्रम" पढ़ा जाए।

दिनांक 18 जून 1981

सं० 5(11)/68-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा श्री महमूद खान, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, विजयवाड़ा को आकाशवाणी पांडिजेरी में 30 मई, 1981 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थाई रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(29)/80-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा श्रीमती नीलिमा हरजस को आकाशवाणी, जयपुर में 30 मई, 1981 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थाई रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 5(9)/68-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री के० एस० रामानुजम, प्रसारण निष्पादक, विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, हैवसाबाब को आकाशवाणी तिरछिरापल्ली में 5 जून, 1981 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थाई रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5(33)/68-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा श्रीमती कुमुम जुल्सी, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, इलाहाबाद को आकाशवाणी, इलाहाबाद में 1 अप्रैल, 1981 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थाई रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

एच० सी० जयाल
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

नई विल्सी, दिनांक 12 जून 1981

सं० 10/37/30-एस०-३—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री पंकजकृष्ण जनाधीन कुमार को विश्व निदेशक का कार्यालय, विविध भारत सेवा, आकाशवाणी बम्बई में सहायक हृजीनियर के पद पर अगले आदेशों तक अस्थाई पश्चमता में 27-4-81 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

एच० एन० विश्वास
प्रशासन उप निदेशक
कृते महानिदेशक

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

मूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली-१, दिनांक 12 जून 1981

सं० ए०-12025/5/78-अस्था०—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, श्री भास्कर नायर, तकनीकी सहायक (विज्ञापन) को श्री सी० अब्राहम, सहायक माध्यम अधिकारी, जो अवकाश पर गये हैं के स्थान, इस निदेशालय में 1 जून, 1981 से तदर्थ आधार पर सहायक माध्यम अधिकारी नियुक्त करते हैं।

जनकराज लिखी
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1981

सं० 17-28/73-प्रसा०-I—सांख्यिकी विभाग, केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन, नई दिल्ली में विशेष कार्याधिकारी (आई० एस० एस० के घेड-२ का पद) के पद पर उनकी नियुक्ति के फलस्वरूप डा० पी० एम० राय ने 20 मई, 1981 के पूर्वाह्न को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में सांख्यिकी अधिकारी (आयोजना) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 16 जून 1981

सं० ए० 31013/5/80-(जे० आई० पी०) (प्रशा०-१)—इस निदेशालय को 14-5-1981 की अधिसूचना सं० ए० 31013/5/80 (जे० आई० पी०)/प्रशा०-१ में दी गई तारीख 26 दिसम्बर, 1979 के स्थान पर "26 दिसम्बर, 1977" पढ़ा जाये।

दिनांक 17 जून 1981

सं० ए० 12026/5/81 (एच० क्य०) प्रशा०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के सेन्ट्रल डिजाइन ब्यूरो के मुख्यवास्तु सहायक श्री एस० जी० भारद्वाज को 1 जून 1981 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक इसी निदेशालय में तकनीकी अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

टी० सी० जैम
उप निदेशक प्रशासन (ओ० एण्ड एम०)

नई विल्सी, दिनांक 12 जून 1981

सं० ए० 19019/5/79-सी० जी० एच० एस०-I—डा० (कुमारी) बी० एम० राय ने केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, मेरठ से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में अपना तबादला होने के फलस्वरूप 17-2-1981 के अपराह्न को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, मेरठ में होम्योपैथिक चिकित्सक के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा 18-2-1981 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य

योजना, दिल्ली में होम्योपैथिक चिकित्सक के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 15 जून 1981

सं० ए० 19018/13/81—के० स० स्वा० यो०—I— स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डाक्टर (श्रीमती) विनोद कुमारी को 6 मई, 1981 पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के अधीन आयुर्वेदिक चिकित्सक के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 12023/5/79—के० स० स्वा० यो०—I— हृकीम एम० ए० समद की केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना दिल्ली से सी० जी० एच० एस०, लखनऊ को बदली ही जाने के फलस्वरूप उन्होंने सी० जी० एच० एस० दिल्ली से 6-11-80 अपराह्न से यूनानी चिकित्सक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है और उन्होंने 17-11-80 पूर्वाह्न को सी० जी० एच० एस० लखनऊ में यूनानी चिकित्सक के पद का कार्य भार संभाल लिया है।

सं० ए० 19018/21/80—के० स० स्वा० यो०—I— स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० आर० ऊके को 4 मई, 1981 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के अधीन होम्योपैथिक चिकित्सक के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

टी० एस० राध
उप निदेशक प्रशासन

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1981

सं० 1-2/81-स्था०—I—ग्र० साँ०—सिन्चाई मंत्रालय के हित्यी अनुवादक (ग्रेड-2) श्री एम० एल० जैन को, अर्थ एवं सांख्यिकी सलाहकार, अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय में 15-4-81 (अपराह्न) से 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान में, तदर्थे आधार पर इस निदेशालय के समसंघक पद दिनांक 1-4-81 में निहित शर्तों के अनुसार हित्यी अधिकारी (समूह 'ख' राजपत्रित) के रूप में, नियुक्त करते हैं।

वरदानी लाल
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी
करते अर्थ एवं सांख्यिकी सलाहकार

भाषा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400 085, दिनांक 20 जून 1981

सं० पी० ए०/79(II)/79 आर० III—नियंत्रक— भाषा परमाणु अनुसंधान केन्द्र परमाणु ऊर्जा विभाग के विद्युत परियोजना इंजीनियरिंग प्रभाग के आशुलिपिक III श्री करतार सिंह गोपाल सिंह वासवानी को सहायक कार्मिक अधिकारी (रुपये 650-960) पद पर भाषा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में 1 जून, 1981 (पूर्वाह्न) से अग्रिम आदेशों तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 जून 1981

सं० पी० ए०/26(3)/79 आर०—III—नियंत्रक— भाषा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री सुरेन्द्र अवधनारायण मां, सहायक लेखा अधिकारी परमाणु ऊर्जा विभाग को लेखा अधिकारी II (रुपये 840-1200) पद पर वी० ई० सी० परियोजना भाषा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, कलकत्ता में 20 मई 1981 (अपराह्न) से अग्रिम आदेशों तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

ए० शान्ताकुमार मेनोन
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना

नरौरा, दिनांक 22 जून 1981

सं० क० न० प० वि० प०/प्रशा०/18(1)/81/एस०-7485 नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता, नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सेलेक्शन ग्रेड लिपिक श्री ओमप्रकाश, को दिनांक 1 जून, 1981 से 10 जूलाई, 1981 तक श्री एस० सी० जैन, सहायक कार्मिक अधिकारी के इटव श्रवण में, स्थानापन्न रूप में, रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में, सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

क० वी० सेतुमाधवन,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

नाभिकीय ईधन समिक्षा

हैदराबाद-500 762, दिनांक 10 जून 1981

सं० का० प्र० म०/0704/2889—नाभिकीय ईधन समिक्षा के मुख्य कार्यपालक, उच्च श्रेणी लिपिक, श्री एस० राघवेन्द्र राध को नाभिकीय ईधन समिक्षा में, ग्रवकाश रिक्ति के स्थान पर, स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर, तदर्थे आधार पर, दिनांक 1-6-1981 से 17-6-81

81 पर्यंत अथवा अगले आवेदों तक के लिये—जो भी पूर्व घटित हो, नियुक्त करते हैं।

जी० जी० कुलकर्णी,
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं
बम्बई-400 008, दिनांक 17 जून 1981

सं० 05052/81/फर०/4495—भारी पानी परियोजना के, विंगेट-हार्ड अधिकारी, श्री सुद्रमणियम नटराजन, अस्थाई फोरमैन, भारी पानी परियोजना (बड़ोदा) को उसी परियोजना में 1 फरवरी, पूर्वाह्न, 1981 से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 जून 1981

सं० 05000/आर० 1/प्री० पी०/4570—भारी पानी परियोजना के, विंगेट-कार्ड-प्रधिकारी, श्री पन्द्राधील पश्चान्तरन नाम्बिंग्राम, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थाई उच्च श्रेणी तिथिक तथा भारी पानी परियोजना (मुख्य कार्यालय) के स्थानापन्न सहायक लेखाकार को उसी कार्यालय में, श्री पृ० के० लिम्पे, सहायक लेखा अधिकारी जो परमाणु ऊर्जा विभाग, बम्बई में स्थानान्तरित हो गये हैं, के स्थान पर 20 मार्च, पूर्वाह्न, 1981 से 27 मई, अपराह्न, 1981 तक के लिये अस्थाई रूप में, तदर्थे आधार पर स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं। यह अधिसूचना इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 05000/आर० 1/प्री०/2077, दिनांक 30 अप्रैल, 1981 के स्थान पर जारी की जा रही है।

र० औ० कोटिप्रनकर
प्रशासन अधिकारी

तारापुर परमाणु विजलीघर

टी० ए० पी० पी०, दिनांक 3 जून 1981

सं० टी० ए० पी० पी०/1/18(3)/77-आर०—
मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु विजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग स्थाई प्रबरण कोटि तिथिक श्री के० बी० राधवन को दिनांक 20 अप्रैल, 1981 की पूर्वाह्न से 30 मई, 1981 की अपराह्न तक के लिये तदर्थे आधार पर तारापुर परमाणु विजलीघर में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के ग्रेड में (रु 650-30-740-35-880-द० रु०-40-960) स्थानापन्न रूप में अधिकारी नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री जे० एल० जैन, सहायक कार्मिक अधिकारी के स्थान पर की जा रही है जो छुट्टी पर गये हैं।

द० वि० मरक्के
प्रशासनिक अधिकारी-III

अन्तरिक्ष विभाग

अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

अहमदाबाद-380 053, दिनांक 6 जून 1981

सं० अ० उ० के०/इस्ट/ग्राई० एस० सी० ई० एस०/7099/81—निदेशक ने प्रसन्नतापूर्वक श्री विजय जे० भट्ट को अन्तरिक्ष विभाग के अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र में 27 अप्रैल, 1981 के पूर्वाह्न में 30 नवम्बर, 1981 तक की अवधि के लिये इंजीनियर एस० बी० के पद पर अस्थाई रूप से नियुक्त किया है।

सं० इस्ट०/ग्राई० एस० सी० ई० एस०/9001/81—निदेशक ने प्रसन्नतापूर्वक श्री निलिम जयन्तिलाल शाह को अन्तरिक्ष विभाग के अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र में अप्रैल 30, 1981 के पूर्वाह्न से नवम्बर 30, 1981 तक की अवधि के लिये इंजीनियर एस० बी० के पद पर अस्थाई रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 10 जून 1981

सं० इस्ट०/ग्राई० एस० सी० ई० एस०/5176/81—निदेशक, अ० उ० के० ने प्रसन्नतापूर्वक श्री डी० ए० शाह, अस्थाई इंजीनियर एस० बी० का 1 जून, 1981 के अपराह्न से इस केन्द्र की सेवा से उनका त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है।

सी० आर० शाह,
प्रशासन अधिकारी-II

पर्यटन एवं नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 20 जून 1981

सं० स्था० (1) 04317—भारत मौसम विज्ञान विभाग के मौसम विज्ञान के महानिदेशक के नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में मौसम विज्ञानी श्रेणी-I, डा० वाई० रामनाथन, शासकीय सेवा से 15-6-1981 अपराह्न से स्वेच्छा से सेवा निवृत्त हुए।

नूतन दास
निदेशक (प्रशासन)

हत्ते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 मई 1981

सं० ए० 38013/1/81/ई० सी०—नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित दो तकनीकी अधिकारियों ने प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन से निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी

सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 30-4-81 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है:—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
1.	श्री के० जी० लू॒इ	वैमानिक संचार स्टेशन, हैदराबाद।
2.	श्री आर० एम० मन्थ॒	रेडियो निर्माण एवं विद्युत एकक, नई दिल्ली।
प्रेम चन्द्र सहायक निदेशक प्रणाली कृते महानिदेशक नागर विमानन		

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1981

सं० ए० 38013/1/81-ई० ए०—अंतिम निदेशक, दिल्ली के कार्यालय के श्री स्वरूप मिह, विमानधोर अधिकारी ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 31 मई, 1981 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सुधाकर गुप्ता
उप निदेशक प्रणाली

नई दिल्ली, दिनांक 28 मई 1981

सं० ए० 32013/11/79-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित दो तकनीकी अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से 31-3-81 तक और दिए गए स्टेशन पर तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

क्र० सं०	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्य ग्रहण की तारीख
----------	-----	-----------------------------	----------------------	-------------------------

सर्वश्री

1.	एस० सी० दुरेजा	वे० सं० स्टेशन, पालम	वे० सं० स्टेशन पालम	30-4-81 (पूर्वाह्न)
2.	एस० पी० जैन	—वही—	—वही—	30-4-81 (पूर्वाह्न)

सं० ए० 39012/1/81-ई० सी०—राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टेशन, अहमदाबाद के श्री बी० बी० सिंह, संचार अधिकारी का त्यागपत्र दिनांक 31-3-81 (अप०) से स्वीकार कर लिया है।

दिनांक 15 जून 1981

सं० ए० 32013/2/80-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित तीन सहायक तकनीकी अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से 30-6-81 तक और दिए गए स्टेशन पर तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है:—

क्रम सं०	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्य ग्रहण करने की तारीख
----------	-----	-----------------------------	----------------------	---------------------------------

सर्वश्री

1.	एम० राधवन	वे० सं० स्टेशन, बम्बई	वे० सं० स्टेशन, बम्बई	16-4-81 (पूर्वाह्न)
2.	के० के० पिल्लै	—वही—	—वही—	2-5-81 (पूर्वाह्न)
3.	जे० के० चोपड़ा	वे० सं० स्टेशन पालम	वे० सं० स्टेशन पालम	2-6-81 (पूर्वाह्न)

सं० ए० 32013/10/80-ई० सी०—राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टेशन, त्रिवेन्द्रम के श्री एन० सदाशिव शर्मा, संचार अधिकारी को दिनांक 31-3-81 (पूर्वाह्न) से छ: मास की अवधि के लिये वरिष्ठ संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें निदेशक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास के कार्यालय में तैनात किया है।

दिनांक 16 जून 1981

सं० ए० 38013/1/81-ई० सी०—श्री एस० के० गुहा, सहायक तकनीकी अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 30-4-81 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

दिनांक 18 जून 1981

सं० ए० 32014/5/80-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने वैमानिक संचार स्टेशन, लखनऊ के श्री ओ० पी० बतारा, तकनीकी सहायक को दिनांक 29-4-81 (पूर्वाह्न) से सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है और इन्हें नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद में तैनात किया है।

सं० ए० 32014/5/80-ई० सी०—इस कार्यालय की दिनांक 5-5-81 की अधिसूचना सं० ए० 32014/5/80-

ई० सी० की कम संख्या 20 में आंशिक संशोधन करते हुए उसे निम्न प्रकार से पढ़ा जाएः—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
20. श्री आई० एस० बेदी	रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली।	

दिनांक 20 जून 1981

सं० ए० 38013/1/81-ई० सी०—नागर विमान विभाग विभाग के वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित तीन अधिकारियों ने प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से दिये गये स्टेशन से निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर अपने पद का कार्यभार त्याग दिया हैः—

क्रम सं०	नाम और पदनाम	तैनाती स्टेशन	सेवा निवृति की तारीख
----------	--------------	---------------	----------------------

सर्वश्री

1. कै० जी० जोफ़,	वै० सं० स्टेशन	30-4-81
सहायक तकनीकी अधिकारी	कोचीन	(अपराह्न)
2. आर० श्रीनिवासन,	वै० सं० स्टेशन,	30-4-81
सहायक तकनीकी अधि०	मद्रास	(अपराह्न)
3. एस० पी० साहनी,	निदेशक रेडियो	30-5-81
तकनीकी अधिकारी	निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली।	(अपराह्न)

प्रेम चन्द्र
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 20 जून 1981

सं० ए० 32013/11/79-ई० सी० (पार्ट)—राष्ट्रपति ने क्षेत्रीय नियंत्रक संचार, कलकत्ता एयरपोर्ट, कलकत्ता के श्री एस० सुन्दररमन, तकनीकी अधिकारी को दिनांक 7-4-81 (पूर्वाह्न) से छः भास की अवधि के लिए वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थे आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें उसी कार्यालय में तैनात किया है।

प्रेम चन्द्र
सहायक निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 20 जून 1981

सं० ए० 32013/3/79-ई० एस०—राष्ट्रपति ने श्री एस० जी० गोस्वामी को, श्री टी० के० नायर,

नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण, बंगलौर के स्थान पर जो अर्जित छुट्टी पर गये हैं, दिनांक 10-6-81 से 10-7-81 तक तदर्थे आधार पर उपनिवेशक/नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण के पद पर तदर्थे आधार पर नियुक्त किया है।

जै० सी० गर्ग
महायक निदेशक प्रशासन

विवेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 22 जून 1981

सं० 1/9/81-स्था०—विवेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा मद्रास के तकनीकी सहायक, श्री पी० वी० पेरुमल को 23 मार्च, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/118/81-स्था०—विवेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा विं प्र० श्र० के सहायक प्रशासन अधिकारी, श्री वी० वी० बेनेगल को नियमित आधार पर 28 फरवरी, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक मद्रास शाखा में स्थानापन्न रूप से प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 1/185/81-स्था०—विवेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा इन्द्रपाल सिंह को 24 फरवरी, 1981 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक विवेश संचार सेवा, क्षेत्र कार्यालय, श्रीनगर में अस्थाई रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/490/81-स्था०—विवेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा नई दिल्ली के तकनीकी सहायक श्री एम० जे० पुरी को 25 मार्च 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/492/81-स्था०—विवेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा नई दिल्ली के तकनीकी सहायक, श्री वी० के० शर्मा को 2 अप्रैल, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक श्रीमद उपग्रह भू-केन्द्र लाठीवाला, देहरादून में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

एच० एल० मल्होत्रा
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महा निदेशक

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून-1, दिनांक 12 जून 1981

सं० 16/362/80-स्था०-1—इस कार्यालय की संस्थायक अधिसूचना दिनांक 5 जुलाई, 1980 का अधिक्रमण करते हुए अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, रक्षा लेखा नियंत्रक (वायुसेना), देहरादून कार्यालय के लेखा अधिकारी श्री पदम सैन को 3 जून, 1980 के

अपराह्न से अन्य आदेश होने तक वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून का लेखा अधिकारी सहर्ष नियुक्त करते हैं। श्री पदमन्देश की प्रतिनियुक्ति विस मंत्रालय (व्यय विभाग) के समय समय पर संशोधित का० ज्ञा० सं० एफ० 10 (३ III/६० दिनांक ४ मई, १९६१ के प्रावधानों से नियंत्रित होगी।

रजत कुमार
कुल सचिव

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

समाहृतालय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क,
नागपुर, दिनांक 17 जून 1981

क्रमांक 6/81—उनकी स्थानान्तरण के फलस्वरूप, श्री ए० के० कौशल, अधीक्षक श्रेणी “क” केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, मुख्यालय, नागपुर ने दिनांक 6 मई १९८१ के पूर्वाह्न से अतिरिक्त अधीक्षक श्रेणी “क”, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क रेंज, बलारपुर के पद का कार्यभार संभाल लिया।

क्रमांक 7/81—उनकी स्थानान्तरण के फलस्वरूप, श्री हरजिंदर सिंह, अधीक्षक (तकनीकी) श्रेणी “क” केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग-१, नागपुर ने दिनांक 11 मई, १९८१ के अपराह्न से अतिरिक्त अधीक्षक (मूल्यांकन), श्रेणी “क”, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय, नागपुर के पद का कार्यभार संभाल लिया।

के० शंकररामन
समाहृता

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय
सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क,

नई दिल्ली, दिनांक 20 जून, 1981

सं० 8/81—श्री एन० के० आर० नथर, मूल्य निधारिक, सीमा शुल्क गृह, बम्बई ने, निदेशालय के दिनांक 8-12-80 के आदेश सी० सं० 1041/2/81 के द्वारा स्थानान्तरित होने पर, दिनांक 8-5-81 (अपराह्न) से, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के पश्चिमी प्रादेशिक यूनिट, बम्बई में, निरीक्षण अधिकारी (सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) मुपु “ख” के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 9/81—श्री एन० एम० कोहली ने, जो पहले दिल्ली समाहृतालय में केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के सहायक समाहृता के रूप में कार्यरत थे, राजस्व विभाग के दिनांक 13-5-81 के आदेश सं० 81/81 (फा० सं० ए०-22012/18/81-प्रशा० II) द्वारा निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के नयी दिल्ली स्थित मुख्यालय में स्थानान्तरित होने पर दिनांक 3-6-81 (अपराह्न) को निरीक्षण अधिकारी (सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप “क” के पद का कार्यभार संभाल लिया।

के० जे० रामन
निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 19 जून 1981

सं० ए० 32012/1/81-स्था० ५ (खण्ड २)—विभागीय पदोन्नति समिति (समूह ख) की सिफारिशों के प्राधार पर, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग तदर्थे प्राधार पर अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के रूप में केन्द्रीय जल आयोग में स्थानापन्न रूप में कार्य कर रहे निम्नलिखित अधिकारियों को रु० ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द० रो० -३५-८८०-४०-१०००-द० रो०-४०-१२०० के वेतनमान में उसी पद पर नियमित प्राधार पर, 10 जून, 1981 से, आगामी आदेशों तक, नियुक्त करते हैं:—

क्र० सं० अधिकारी का नाम

१	२
---	---

सर्वश्री

१. एस० पी० सहगल
२. अब्दुल सलीम
३. एस० सी० शर्मा
४. एस० सी० सिंघल
५. आर० एन० तिवारी
६. बी० एन० श्रीवास्तव
७. एच० सी० यादव
८. पी० पी० सिंह
९. बी० पी० पन्त
१०. विश्व रंजन दास
११. जे० एन० द्विवेदी
१२. डी० एन० बेरा
१३. नरेन्द्र नाथ
१४. थमनजीत सिंह
१५. एन० मथाई
१६. अवधेश शर्मा
१७. जी० पी० बर्मा
१८. महबूब अली
१९. पशुपति दास
२०. अशोक अहलूवालिया
२१. के० चौधरी
२२. मुश्ति राम
२३. बी० पी० एस० तोमर
२४. जे० सी० वास
२५. प्रमोद कुमार
२६. राम सुमिराम
२७. पी० के० चटर्जी
२८. जय राम
२९. एन० आर० सी० राव

1 2

सर्वश्री

30. एस० हरगोपाल राव
31. जय प्रकाश
32. उमेश कुमार
33. एस० डी० खन्नी
34. मंगल दत्त
35. आर० पी० निपाठी
36. एम० जी० लुला
37. आर० एन० राय
38. विनय कुमार शर्मा
39. अजय सिन्हा
40. जगमोहन सिंह तनेजा
41. ए० डी० सिंह
42. नकुल देव
43. आई० सी० स्थानी
44. एस० के० बब्बर
45. एस० आर० सेनी
46. रवीन्द्र कुमार बाडला
47. आई० जे० शर्मा
48. बी० के० मल्होत्रा
49. बाल किशन
50. ए० के० एम० गोविल
51. राजेश्वर प्रसाद
52. अजय कुमार शर्मा
53. के० आर० के० शास्त्री
54. गौतम प्रसाद माधुर
55. जे० के० चोपड़ा
56. एम० आर० चक्रवर्ती
57. जी० एम० मेरानी
58. बी० ए० सत्यराजन
59. कीर्ति पी० वेसाई
60. राजपाल सिंह बीर
61. शिव भरण
62. ए० एस० चावला
63. एस० एल० केवलरमानी
64. डी० एन० दहिया
65. बी० पी० रवीन्द्रन
66. विजय कुमार मिथ्या
67. छिदा सिंह

2. उपर्युक्त अधिकारी केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उपर्युक्त

तारीख से दो वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षा के आधार पर रहेंगे।

ए० भट्टाचार्य
अवर सचिव

नाम बदली करना

बम्बई, दिनांक 4 मई 1981

सं० एच० पी० बी०/गजेटेड/पी० एफ०/बी० टी०—
कुमारी बसन्ती तोपो सहायक मंडल चिकित्सा अधिकारी
भूसावल ने शादी के उपरान्त छछला व्यक्त की है कि भविष्य
में उन्हें श्रीमती बसन्ती मिज के नाम से संबोधित किया
जाये। इसे मान लिया गया है।

टी० न० रामचन्द्रन
महाप्रबन्धक

पूर्ति एवं पुनर्वास मंत्रालय

(पूर्ति विभाग)

कलकत्ता-27, दिनांक 9 जून 1981

सं० जी०-65/बी० (गो०)—महानिदेशक, राष्ट्रीय
परीक्षण गृह, अलीपुर, कलकत्ता, श्री पराग दत्ता वैज्ञानिक
सहायक (रसायन) राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता को,
वैज्ञानिक अधिकारी (रसायन) के पद पर उसी कार्यालय
में तदर्या आधार पर दिनांक 23-5-81 (पूर्वाह्नि) से किसी
अन्य आदेश के निकलने तक नियुक्त करते हैं।

ए० बैनर्जी
उपनिदेशक (प्रशासन)
महानिदेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह

विधि, न्याय एवं काम्पनी कार्य मंत्रालय

(काम्पनी कार्य विभाग)

काम्पनी लां बोर्ड

काम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय
काम्पनी अधिनियम, 1956 और यकसतन

कन्स्ट्रक्शन काम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
बंगलूर, दिनांक 16 जून 1981

सं० 2964/560/81-82—काम्पनी अधिनियम, 1956
की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा
यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के
अवसान पर यकसतन कन्स्ट्रक्शन काम्पनी प्राइवेट लिमिटेड
का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो

रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधिति कर दी जाएगी।

पी० ठी० गजबानी
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स धनाद बेनीफीट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 19 जून 1981

सं० 560/2085—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स धनाद बेनीफीट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधिति कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स केन ज्यूस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 19 जून 1981

सं० 560/1961—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स केन ज्यूस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिति हो गई है।

बी० बाई० राने

सहायक प्रमंडल पञ्जीयक, गुजरात राज्य

आय-कर अपील अधिकरण

बम्बई-400 020, दिनांक 20 जून 1981

सं० एफ० 48-ए० डी० (ए० ठी०)/81—श्री ए० रामाकृष्णन, अधीक्षक, आयकर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई जिन्हें तदर्थ आधार पर अस्थाई क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपील अधिकरण, अमृतसर न्यायपीठ, अमृतसर में दिनांक 26 मार्च, 1981 (पूर्वाल्प) से तीन महीने की अवधि तक स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया था, देखिए इस कार्यालय के दिनांक 6 अप्रैल, 1981 की अधिसूचना अमांक एफ 48-ए० डी० (ए० ठी०) 81 को अब आयकर अपील अधिकरण अमृतसर न्यायपीठ, अमृतसर में तदर्थ आधार पर अस्थाई क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर 26 जून, 1981 से तीन महीने की अवधि तक या तब तक जब तक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नहीं की जाती जो भी शीघ्रतर हो, स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति दी जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री ए० रामाकृष्णन को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिये कोई धावा नहीं प्रदान करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जायेगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोप्रत किये जाने की पावता ही प्रदान करेगी।

ठी० डी० शुक्ला
अध्यक्ष

प्रकरण नं. ३०००८०-१०००८०-

(1) श्री चरन सिंह सुपुत्र श्री लाला ग्राम-बिजवाशन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून 1981

निर्देश सं. आई० ए० सी०/एक्य०/-/एस०-आर०-३/१०-८०/

5228:—अतः मुझे, विमल बशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा याया है), की धारा 269-प के वधीन सम्बन्ध आदिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि इसाबाद सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 26,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो बिजवाशन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी छने या अन्य आस्तियों को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 विघे और 9 विघे रैकट नं. 37 किलानं. 2 माइल 0(4-09) ग्राम-बिजवाशन ।

विमल बशिष्ठ
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, दिल्ली ।

अतः एवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1) के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, अपेक्षित ५००

तारीख : 3-6-1981
मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज - 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून 1981
 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस०-आर०/३/१०-८०/
 5222:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बिजवाशन, दिल्ली
 में स्थित है (श्रीर इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
 है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 17) के अधीन,
 तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्नह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
 फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कठित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
 में, भौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष को उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्री चरन सिंह सुपुत्र श्री लाला, ग्राम-बिजवाशन।
 (अन्तरक)
 (2) मै० ग्रीन पार्क ट्रीटरेण एसोसिएटेड प्रा० लि० 115
 अंसल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
 है।

जनूल्लू

कृषि भूमि क्षेत्र 4 विधे और 9 विधे, रैक्ट नं० 37, किला नं०
 1 माझन (4-09) ग्राम-बिजवाशन।

[विमल वशिष्ठ
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेंज-1, दिल्ली।

तारीख : 3-6-1981.

मोहर:

प्रख्यु आई. टी. एन. पट्ट. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

- (1) श्री चरन सिंह मुपुत्र श्री लाला ग्राम-बिजवाशन ।
(अन्तरक)
(2) मैं ग्रीन पार्क ट्रीटरेश एसोसिएटेड प्रा० लि० 115,
अंशल भवन, 16 के० जी० मार्क, नई दिल्ली ।
(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/1/एस-आर-3/10-80/

5223—अतः मुझे, विमल विश्वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बिजवाशन में स्थित
है (ग्रीष्मसे उपावक्त्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अक्टूबर, 1980

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
सिविल में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

(क) अन्तरण से हूँ इन किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिथे और 9 विथे रेक्ट नं० 37 किला नं०
8 माइ नं० (4-09) ग्राम-बिजवाशन ।

विमल विश्वास
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3—146GI/81

तारीख : 3-6-1981.

मोहर :

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री चरन सिंह सुपुत्र साला, ग्राम—विजवाशन।

(अन्तरक)

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 जून 1981

निर्वेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्य०/१/एस-आर-३/१०/८०-

5229—ग्रातः मुझे, विमल विश्वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—विजवाशन, में स्थित
है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अन्तर्कारण 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृष्टमान प्रतिफल से ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के
पन्नु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ता) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याय गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निम्नलिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इसकी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या वस्तु आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्री चरन सिंह सुपुत्र साला, ग्राम—विजवाशन।

(अन्तरक)

(2) मै० ग्रीनपार्क ट्रीटरेश एसोसिएटेड प्रा० लि० 115-
अंसल भवन, 116-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाचियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्याप्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 विधे और 9 विधे, रेक्ट नं० 36, किला नं०
15 माइनर (4-09) ग्राम—विजवाशन।

विमल विश्वास
सक्षम आधिकारी
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख : 4-6-1981

मोहर :

प्रलम्प आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री चरन सिंह सुपुक्त श्री लाला ग्राम-बिजवाशन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना(2) मैं प्रीतपाल द्वीपरेखा एसोसिएट प्रा० नि० 115
अंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)

अर्जन रेंज-J, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस-आर-३/१०-८०/

5241—अतः मुझे, विमल बशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चत बाजार मूल्य
25,000 / रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो बिजवाशन में स्थित है (और
इससे उपायद्रव्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1 अक्टूबर 1980
को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, एसे छयमान प्रतिफल का
पन्थह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है:--करे यह सूचना घारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अवृत्त के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवृत्त के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवधियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरणः--इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
वायिल में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिथे और 9 बिथे, रैक्ट नं० 36, किला मं०
14-माझनर (4-09), ग्राम बिजवाशन।विमल बशिष्ट
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण);
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली।

तारीख : 4-6-1981.

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून 1981

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/एस-आर-3/10/80/

5227—प्रतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो बिजवाशन, दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अक्टूबर, 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वांकित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) श्री वरन सिंह सुपुत्र श्री लाला ग्राम-बिजवाशन,
(अन्तरक)

(2) मैं० श्रीनपार्क द्विटरेण एसोसिएटेड प्रा० लि० 115-
अंशल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोड़ भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिल्डे और 9 बिल्डे, रैम्पट नं० 37 किला नं०
10 माइल 0 (4-09) ग्राम-बिजवाशन ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा शक्त नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

विमल वशिष्ठ
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 3-6-1981.

मोहर :

प्रस्तुप प्राई. टी. एम. एस. - -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री चरन सिंह मुमुक्षु श्री लाला ग्राम-बिजवाशन।

(अन्तरक)

(2) मैं ग्रीन पार्क ट्रोटरेश एसोसिएटेड प्रा० लि० 115-
अंशल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- 1, नई दिल्ली

नई-दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/1/एस-आर-3/10-80/

5226:-अतः मुझे, विमल विश्वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने,
का लालन है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बिजवाशन, में
स्थित है (और इससे उत्तरवत् अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
दृश्यमान प्रतिक्रिया न निए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण तिथि में वास्तविक रूप से कथित
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तवों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिल्डे ग्रोव 9 बिल्डे रेक्ट नं० 36 किलो
नं० 6 माइल (4-09) ग्राम-बिजवाशन।

विमल विश्वास
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली,

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 3-6-1981.

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एट. एव्व.-----
बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 1 फरवरी, 1981

सिवेंग सं० ग्राइंड० ए० सी०/एक्स००/१/एस०-ग्रार-३/१०-८०/

5221:—ग्रातः सुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-विज्वाशन, में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अक्टूबर, 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिकार
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से एसे उद्यमान प्रतिफल का
पूर्व ह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीया) में जाह्य अन्तरण के निम्न तथा धारा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूर्दू किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

- (1) श्री चंद्रसिंह सुपुत्र श्री लाल, ग्राम-विज्वाशन ।
(अन्तरक)
(2) मै० ग्रीन पार्क ट्रीटरेश एसोसीएटेड प्रा० लि० 115,
अंशल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।
(मन्त्रिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीहारा करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्त्वावधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख व
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभावहस्ताशरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिल्ड और 9 बिल्ड, रेफट मं० 37, किला मा०
11 मार्ईन 0(4-09) ग्राम-विज्वाशन ।

(ख) एसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
मर्तिमा के लिए;

विमल वशिष्ठ
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

तारीख : 3-6-1981.

मोहर :

प्रस्तुप माइ० टी० एम० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायूमत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून 1981

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस-आर/३/१०-८०/
५२२०—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बिजवाशन, दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपायम् प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के इत्यमात्र
प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार
मूल्य, उम्मेद इत्यमात्र प्रतिफल स, ऐसे इत्यमात्र प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (जनररको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के द्वारा एसें अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदै० किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अहं: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अस्ति:—

(1) श्री चरन सिंह सुपुत्र श्री लाला ग्राम-बिजवाशन,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(1) मैं श्रीन पार्क ट्रीटरेश एसोसीएटेड प्रा० लि० ११५,
अंसल भवन १६-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्यो० भी आक्षय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहु विस्तृत व्यक्ति व्यक्ति द्वारा अधोस्तुताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ द्वारा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रनुसूची

कृषि भूमि लेन 4 बिष्टे और 9 विष्टे, रेकट नं० 6, किला नं०
21 माइ० (4-09), ग्राम-बिजवाशन, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली।

तारीख : 3-6-1981.

मोहर :

प्रस्तुत धाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, विनांक 3 जून, 1981

निर्देश सं० धाई० ए० सी०प्र०य०/१/एस-आर-३/१०/८०/
५२२४:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि

स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-विज्ञान में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड प्राधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिए पन्तरित की गई है मोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीन सम्पत्ति हा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का पश्चात् प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के द्वारा ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकूल, निर्वाचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(ए) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने पा उसमें बचने में मुश्यमान के लिए; और/या

(ओ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें पारसोंय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्यमान के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के प्रमुखरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली।

- (1) श्री चरन सिंह सुपुत्र लाला ग्राम-विज्ञान।
(अन्तरक)
(2) मैं ग्रीन पार्क ट्रीट्रेशन एमिसीएटेड प्रा० नि० 115 अंशम भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैत के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवैत के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राहत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;
(ख) इस सूचना के राहत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, प्रबोहस्तान रो के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अन्तर्य 20-क में परिपालित है, वही पर्व ढोगा जो उस अन्तर्य में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिथे और 9 बिथे रेक्ट नं० 37, किला नं० 9 माझन० (4-09), ग्राम-विज्ञान।

विमल वशिष्ठ
सभी प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली।

तारीख : 3-6-1981.
मोहर :

फृहरू आई० ली० एव० एस०----

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की भारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, समूचना आयकर प्राधिकरण (विधीकारी)

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई विस्ती-110002, किलोमैटर 3 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्य०/१/एस० आर०-३/१०/
८०/५२२५:—ग्राम: मुझे, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें
इसके पक्षनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विवास करने का कारबंद है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

और किसी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-विज्वाशन में स्थित
है (और इससे उपाधान अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित सम्भार मूल्य से कम के दृष्टमान
प्रतिफल के लिए अनुसूचित को पहुँचे है और मुझे यह विवास करने का
कारबंद है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्टमान प्रतिफल से ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से ही किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य अस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोधनार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभासा (1-1)
की अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

4—146GI/81

- (1) श्री चरन सिंह सुपुत्र श्री लाला ग्राम-विज्वाशन ।
(अन्तरक)
(2) मैं ग्रीन पार्क टीटरश एसासीएटेड प्रा० लि० 115-
अंशल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
वार्षिकाहिंा शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन में कोई भी भ्रान्ति ।—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अस्तियों पट-सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाहर में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से किसी
अस्तित द्वारा; या
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य अस्तित द्वारा प्रबोधनस्थानी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अन्याय 20-क में परिचायित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

मनूसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 3 बिधे और 9 विधे रेकट नं० 8 किला नं० 21
माझन० (0-07) रेकट नं० 36 किला नं० 6 माझन० (0-07),
14 माझन० (0-07), 15 माझन० (0-07) रेकट नं० 37,
किला नं० 1 माझन० (0-07), 2 माझन० (0-07), 8 माझन०
(0-02), 9 माझन० (0-02), 10 माझन० (0-07),
11 माझन० (0-07) और 26 (0-09), ग्राम-विज्वाशन ।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

तारीख : 3-6-1981.

मोहर :

इच्छा प्राप्ति ३० टो० एन० एस० —————

आकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली
नई दिल्ली-110002, विनांक 3 जून 1981

निर्वेश सं० प्राप्ति० ए० सी०/एस० १/एस-ग्राम-३/१०/८०/
५०९८:—प्रतः मुझे, विमल बशिष्ठ,
ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाम ग्राम्यकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो दिजाइन में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता ग्राम्यकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
प्रक्षत्रबार, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की जाई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उक्तके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तथा पाया जाया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कहित नहीं किया जाता है:—

(क) अन्तरण से नुई किसी धारा की वाचत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायितव में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन या अन्य घास्तियों
को, जिन्हे भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
जाया था। प्रयोजनार्थे द्वारा किया जाना चाहिए। उक्तानि में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवस्थियों, अर्थात् :—

- (1) श्री महाबीर सिंह सुपुत्र श्री नन्हे ग्राम-विजवाशन,
(अन्तरक)
- (2) मे० ग्रीनपार्क टीटरेश एसीसीएटेज प्रा० लि० 115-
अंसल भवन, 16के० ज०, र०, २८, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी ग्राम्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताभारी
के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अन्याय 20-क में
परिचालित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 3 विधे और 19 विधे, रेकट मं० 37, किला
नं० 22 (3-19) ग्राम-विजवाशन।

विमल बशिष्ठ,
सकाम ग्राम्यकारी,
सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

तारीख : 3-6-1981.
मोहर :

प्रकृति आई० दी० एन० एस०-----

ज्ञानकर मध्यनियम, 1981 (1981 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, विनांक 3 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्स००१/एस-प्रा०-३/१०/८०/५०९७:—प्रतः पुस्ते, विमल वशिष्ठ,
ग्रामकर मध्यनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त मध्यनियम' कहा गया है), की भारा 269-प
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यदृ विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषिभूमि है तथा जो विज्वाशन में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण मध्यनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अक्टूबर, 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्यान प्रतिकूल
के लिये अन्तरित की गई है और पुस्ते यदृ विश्वास करने का
कारण है कि यथादूर्धत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्ट्यान प्रतिकूल से, ऐसे दृष्ट्यान प्रतिकूल का पश्चात् प्रतिशत से
प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित
उक्त से उक्त प्रतिरक्षण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
मध्यनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्ष में
कमी करने या उसमें बदल में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय ग्रामकर मध्यनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त मध्यनियम, या धन-कर
मध्यनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनानु
बन्धरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त मध्यनियम, की भारा 269-प के अनु-
सद्ध में, मैं, उक्त मध्यनियम की भारा 269-प की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :—

(1) श्री महाबीर सिंह सुपुत्र श्री नन्हे ग्राम-विज्वाशन,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं ग्रीन पार्क टीटरेश एसोसीएटेड प्रा० लि० 115-
प्रसाल भवन, 16 के० जी० भार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यदृ सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यालयियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आलेप !—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

द्वारका करण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मध्य-
नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिले और 9 बिले रेक्ट नं० 37, किला नं०
23(4-07) और 29(0-02) ग्राम-विज्वाशन।

विमल वशिष्ठ;
सकाम अधिकारी;
सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण);
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

तारीख : 5-6-1981.

मोहर :

प्रकाशन संख्या ११००८० एवं ११००९०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना
आयकर संसदीय

कायालिय, आयकर आयुक्त सहायक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 5 जून 1981

निवेश सं. आई० ए० सी०/एकम०/१/एस-आर/३/१०-८० /
५०९५:—अतः मुझ, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो विज्ञापन में स्थित है (ग्रीर इससे उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालिय विल्सनी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980 को पूर्वीकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृढ़ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निषिद्ध में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बचन या आय अधिस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुवरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपर्योगी (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारियों, अवृत्ति:—

(1) श्री मंहेश्वर सिंह सुपुत्र श्री नन्देश ग्राम-विज्ञापन।

(2) मैं ग्रीन पार्क ट्रॉफिरेश एसोसिएटेड प्रा० लि०, 115
प्रश्न भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकृत संपत्ति के धर्जन के लिए कायालिय द्वारा।

उक्त सूचना के धर्जन के अन्वयन में कोई श्री अधिकारी:—

- (क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तारसम्बन्धी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि द्वारा में संमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत अधिकारी में से किसी अधिक द्वारा;
- (ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर प्रधान स्थानीय सम्बन्ध विवरण किसी अन्य अधिकारी द्वारा, अवोक्स्टाशनी के द्वारा लिखित रूप से किए जाएंगे।

संबोधित:—इसमें प्रमुखत शब्दों 'और पदों फा, या उक्त अधिनियम' के अन्तर्गत ३०-व में यथा परिभाषित हैं, वही पर्यंत होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र ३ विधे और ७ विधे, रेक्ट नं० ४४, किला नं० १-वाल्य (३-०७) ग्राम-विज्ञापन।

विमल वशिष्ठ,
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

तारीख : ५-६-१९८१.
मोहर :

प्र० श्री पंडित श्री० एस० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई विल्ली-110002, दिनांक 5 जून 1981

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस-आर-३/१०-८०/

५०९५.—अतः मुझे, विमल बिश्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अंतीम अधिकारी को, उक्त विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है।

और जिसकी सं० कुपि भूमि है तथा जो विज्ञाशन में स्थित है (भीर इससे उपावद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकरण के लिए अनुरोधित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का होता है कि यथापूर्वोक्त संगति का उचित बाजार मूल्य, उक्त वृश्यमान प्रतिकरण से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पक्का ह प्रतिकरण से उत्पन्न है पौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकी) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) हीव एवं अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकरण विभिन्न उद्देश्य व उक्त ग्रन्तरण विभिन्न में वास्तविक रूप में उपलिखित नहीं किया गया है:—

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अनुरक्त के दायित्व में कमी हरो या उपरोक्त में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन्यवाची या अधिकारियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उक्त कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अनुरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपर्याहा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अनुसूची-

(1) श्री महावीर सिंह सुपुत्र श्री नन्हेय, ग्राम-विज्ञाशन।
(अन्तरक)

(2) मै० ग्रीन पार्क टूटरेश एसोसिएटेड प्रा० लि० 115-
अंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिणी शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ती—

(क) इप सूचना के राजाव व में प्राप्तांक को तारीख से 45 दिन को प्रवधि या तसम्बन्धी अविकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी दें मे किसी अविकार हारा;

(ख) इप सूचना के राजाव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अविकार हारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

संबद्धी हटा :—इसमें प्रयुक्त गद्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, रु प्रधान 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उप प्रधान में दिया गया है।

मृत्युष्टी

कुपि भूमि क्षेत्र 4 विधे 16 विधे रेक्ट नं० 45, किला नं० 5 (4-16) ग्राम-विज्ञाशन।

विमल बिश्ट,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली ।

तारीख : 5-6-1981.

मोहर :

प्रकल्प प्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजनन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, विनांक 5 जून 1981

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्य०/१/एस-आर-३/१०-८०/
५०९४—ग्रन्त: मुझे, विमल बशिष्ठ,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो विज्ञान में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख
अक्टूबर, 1980

को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पच्छह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
ठहराय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिव
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रन्त: ग्रन्त, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा
(1) के प्रधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अवौतः:—

(1) श्री विकान सिंह सुपुत्र श्री रीसल, ग्राम-विज्ञवाशन।
(अन्तरक)

(2) मे० ग्रीन पार्क टीटरेश एसोसीएटेड प्रा० लि० 115-
प्रांसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के प्रजनन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजनन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्यों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत अवित्यों में से
किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवित्य द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अवि-
नियम के प्रछाय 20-क में परिभाषित है वही
मर्यादाएँ, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसंभवी

कृषि भूमि क्षेत्र 5 बिल्डिंग, रेक्ट नं० 37, किला नं०
21(4-08) और रेक्ट नं० 44, किला नं० 1 नर्थ(0-16),
स्थापित ग्राम-विज्ञवाशन।

विमल बशिष्ठ
सक्षम प्रधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रजनन रेंज I, नई दिल्ली

तारीख: 5-6-1981
मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
बारा 269-व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस-आर-३/१०-८०/
५२३२:—प्रतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा
269-व(1) के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, पहुँच विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बिजवाशन में स्थित
है (और इससे उपायद्रष्टव्यमुक्ति में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
फरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
मार्च 1990

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह हजार रुपए से प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और
प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से निर्धारित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरक से हुई किसी आय की वावत, उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायिक्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/ग;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों
को जिम्हे भारतीय प्रायकर प्रधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए वा, छिपाने
में सुविधा के लिए;

प्रतः घब, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-व(1) के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-व(1) की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयीत:—

(1) श्री सुरेन्द्र, नरेन्द्र और सतेन्द्र सुपुत्र स्वर्गीय श्री
भगवान् सिंह और माता श्रीमती गीदोदी, ग्राम-
बिजवाशन।

(अन्तरक)

(2) मैं दीपशिखा इस्टेंट्स प्रा० लि० 115-अंसल
भवन, 15-क० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए काब्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संदेश हारण:—इसमें प्रयुक्त गव्डों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ हीगा जो उस प्रधायाय में विद्या गया है।

अनुसूची

1/12 भाग कृषि भूमि क्षेत्र 46 बिल्डे और 18 बिल्डे, रेक्ट
नं० 6, खसरा नं० 18(4-16) 19(4-16), 22(4-16),
23(4-16), रेक्ट नं० 36, खसरा नं० 16(4-02), 17
(4-08), रेक्ट नं० 37, खसरा नं० 3(4-16), 12(4-16),
19(4-12), 20(4-16) और 23(0-04) ग्राम-बिज-
वाशन।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

तारीख : 3-5-1981.

मोहर :

इक्ष्यु अबॉ. टी. एच. एच.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून 1981

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/1/एस०-आर-3/10/80/
5231:—अतः मुझे, विमल विश्वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो विज्वाशन में स्थित है
(और इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अगस्त 1980

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रवृक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पश्चा गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या जन्म अधिनियम को,
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरीत द्वारा प्रकट महीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1). श्री यशिन्द्रसिंह घोर खण्डे, सुपुत्र श्री स्वर्गीय
श्री मीर सिंह ग्राम-विज्वाशन।

(अन्तरक)

(2) दीपशिखा इस्टेट प्रा० लि० 115-अंसल भवन,
16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषः—

(क) इस सूचना के राजमत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
विज्ञ की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजमत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितीय
व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभर्ति
हैं, वहने अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
पड़ता है।

संस्कृती

कृषि भूमि क्षेत्र का 1/12 भाग—46 बिंदे और 18 बिंदे,
रेक्ट नं०, 6, खसरा 18(4-16), 19(4-16), 22(4-16),
23(4-16), रेक्ट न० 36, 16(4-02) 17(4-08),
रेक्ट न० 37, खसरा न० 3(4-16), 12(4-16), 19(4-12)
20(4-16), और 23(0-04), ग्राम विज्वाशन।

तारीख : 3-6-1981

माहूर :

विमल विश्वास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

प्रकल्प वाहिनी द्वारा प्रकल्प हस्तांतरण—

आरामदार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आरामदार, माध्यम आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रांजन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस-आर-३/१०-८०/

5236:—अतः मुझे, विमल विश्वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे

इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा

269-व(1) के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने

का कारण है कि स्थानीय उचित विश्वास मूल्य

23,00/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो विज्ञापन में स्थित है

(और इससे उपायद्वारा अन्यसूची में और पूर्ण रूप से बताया है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-

करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

प्रक्तृबार, 1980

को पूर्वोंकस्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य के कानून के वृत्तमान

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास

हराने का कारण है कि यथापूर्वोंकस्त सम्पत्ति का उचित वाजार

मूल्य, उसके वृत्तमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के

पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अक्तृत (अस्तरकों)

और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिए

तथा वाया वया प्रतिफल, मिल्लमिल्लित उल्लेख है उक्त अन्तरक

स्थिति में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर इसे के घस्तरक के दायित्व में कमी करने वा इससे वावत में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी दूसरी आय या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) के अनुकूलण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) की उपज्ञान।

(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृक्षः—

5—146GI/81

(1) श्री शार्दूल सिंह, राज कुमार सुपुत्र श्री लक्ष्मी सुरेन्द्र, मरिन्द्र, सतेन्द्र सुपुत्र स्वर्गीय श्री भगवान सिंह, राजिन्द्र सिंह और राजेन्द्र सुपुत्र श्री स्वर्गीय श्री मीर सिंह, ग्राम-विज्ञान। (अन्तरक)

(2) मै० दीप पिंडा इस्टेट प्रा० लि० 115-असल भवन, 16-के० अ० अ० सौर्य, नई दिल्ली। (प्रत्यक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकस्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए जारीकर्त्ता कुर करेंगा ॥

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचन।—

(क) इति सूचना ने उक्त वावत में उक्तानन जी लालिक से ६५ दिन की अवधि या उक्तमहस्तो अस्तियों पर पूर्वोंकस्त भी तारीख के ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि वावत में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंकस्त अवधियों में से किसी अविन द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त वावत सम्पत्ति में हितवक लिखी वावत अस्तित्व भवत, प्रश्नोक्त्तरावारी के पास लिखित रूप से किया जा सकते।

स्वाक्षी वरदग——इसमें प्रयुक्त वावती और पवीं जा, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-व(1) में परिभाषित हैं, वही अवृक्ष हींग जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/6 हिस्से हुवि भूमि का क्षेत्र 46 विधे और 18 विधे रेक्ट नं० 6 किला नं० 1 (4-16), 19(4-16), 22(4-16), 23 (4-16), रेक्ट नं० 36 किला नं० 16(4-02), 17(4-08) रेक्ट नं० 37 (किला नं० 3(4-16), 12(4-16), 19(4-12), 20(4-16) और 28(0-04) ग्राम-विज्ञान।

विमल विश्वास

सक्षम प्राधिकारी

महापक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रांजन रेंज I नई दिल्ली।

तारीख : 3-6-1981.

मोहर :

प्राप्ति पाइ. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून 1981

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/१/एस-आर-३/१०/८०/

५२३७:—अतः मुझे, विमल विश्वास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-विज्वाशन में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूली में और पूर्ण रूप से अण्ठित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

अक्टूबर, 1980

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्थान प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्रक्ती (अन्तर्रक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिथित में वास्तविक रूप से कर्त्तव्य नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्यों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधीनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तर्रक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अनुसार निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री शामेय सिंह सुपुत्र श्री लखी ग्राम-विज्वाशन।

(प्रत्तरक)

(2) मैं दीप शिखा एस्टेट प्रा० लि० 115-प्र०सल भवन, 16-क० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

की यह सूचना आरी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद भैं समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 1/12 हिस्सा 46 बिथे और 18 विश्वे रेक्ट नं० 6 किला नं० 18(4-16), 19(4-16), 22(4-16), रेक्ट नं० 36, किला नं० 16(4-02), 17(4-08), रेक्ट नं० 37 किला नं० 3(4-16), 12(4-16), 19(4-12), 20(4-16) और 28(0-04) ग्राम-विज्वाशन।

विमल विश्वास

सभम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज I, नई दिल्ली।

तारीख : 3-6-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, नई दिल्ली
नई विल्ली-110002, दिनांक 4 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्स०१/एस-आर०३/१०-८०
५२३०:—ग्राम: मुझे, विमल बशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो विज्ञान में स्थित है
(ग्राम इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसुन्धान लिखित में व्यास्तिक
कप से कथित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी आद की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आद या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के, अन्सरण
में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्री शामे सिंह सुपुत्र श्री लखी, ग्राम-विज्ञान ।
(अन्तरक)
(2) म० वीप शिखा एस्टेट प्रा० लि० 115-प्रस्तल भवन,
16-के० जी० मार्ग, नई विल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 1/12 हिस्सा का 46 बिधे और 18 बिश्वे,
रेक्ट नं० 6, किला नं० 18(4-16), 19(4-16), 22(4-
16), रेक्ट नं० 36, किला नं०, 16(4-02), 17(4-08),
रेक्ट नं० 37, किला नं० 3(4-16), 12(4-16),
19(4-12) 20(4-16), और 28(0-04) ग्राम-विज्ञान,

विमल बशिष्ट,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज I, नई विल्ली

तारीख : 4-6-1981.

मोहर :

प्राक्षय पाई० ही० एन० एच०—————

प्राक्षय प्रधिनियम, १९८१ (१९८१ का ५) की आदा
५५० वि० (१) के प्रतीक सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्तक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज १, नई दिल्ली

नई दिल्ली-११०००२, दिनांक ३ जून, १९८१

निर्वेश सं० आई० ए० बी० एफ० १९८१-आर० ३/१०/८०/

५२३४:—अतः मुझे, विमल विश्वास,
आयकर प्रधिनियम, १९८१ (१९८१ का ५) (विषे इसमें
दर्खके प्रतीक सूचना के अधिनियम का बाबा है), की आदा २६९-वि०
के प्रतीक सूचना प्रधिकारी भी, यह सूचना के बाबा का कारण
है कि स्थानीय सम्बन्ध, प्रियंका उपरिकारी भूमि २३,०००/-
रुपए से प्रतिक्रिया है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो विज्ञान में स्थित है
(और इससे उपायकर प्राप्तकी में और पूरी रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण प्रधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन, तारीख
मार्चबर, १९८१

को प्रतीक सम्बन्ध के उचित बाजार भूमि के कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बन्ध को उचित बाजार
भूमि, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
उन्नीष्ठ प्रतिक्रिया से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
या पाया गया विभिन्न निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरक
विषित ने वास्तविक काप से कवित नहीं किया था :—

(क) अन्तरण से ही किसी आव वी वाचत उचित
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी छलने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आव या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त प्रधिनियम, या
आयकर प्रधिनियम, १९८७ (१९८७ का २७)
के प्रयोगनामे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उचित प्रधिनियम की आदा २६९-वि० के अनुचरण
में, मैं, उचित प्रधिनियम की आदा २६९-वि० की अनुचरण (१)
अधीन, निम्नलिखित व्यवितरणों, अधित :—

(१) श्री राज कुमार, सुशुप्त श्री लखी ग्राम-विज्ञान,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(२) श्री शीपशिंदा इस्टेट प्रा० लि०, ११५-प्रसल भवन,
१६-के० जी० मार्ग, मई दिल्ली।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना आरोपित करने प्रतीक सम्बन्ध के अर्जन के लिए
कार्यालयों शुरू करता है।

उचित सम्बन्ध के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के उचित भूमि से ४५
दिन भी व्यवित या तस्वीरभूमि व्याप्तियों पर सूचना की
सामीक्षा से ३० विम की अवधि, जो भी व्यवित द्वारा में
समाप्त होती है के भीतर प्रतीक सम्बन्ध में से
किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के उचित भूमि से ४५
दिन के भीतर उचित स्थान सम्बन्ध में व्यवित
किसी प्रथ्य व्यक्ति द्वारा, प्रवोद्धस्तावरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रतीक सम्बन्धों और पर्यावरण का, जो उचित
प्रधिनियम के अध्याय २०-वि० में परिचालित
है, कही अर्थ है, जो सब अध्याय में
लिखा गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र का १/१२ भाग ४६ विषे और १८ विषे,
रेक्ट नं० ६, किला नं० १८(४-१६), १९(४-१६), २२(४-१६)
रेक्ट नं० ३६, किला नं० १०(४-०२), १७(४-०८) रेक्ट नं०
३७, किला नं० ३(५-१६), १२(४-१६), १९(४-१२);
२०(४-१६) और २८(०-०४), ग्राम-विज्ञान।

विमल विश्वास,
सहायक आयकर प्राप्तक (निरीक्षण),
अर्जन रेंज १, नई दिल्ली

तारीख : ३-६-१९८१.

मोहर :

प्रसाद चार्टर्स • डी० एन० एस०

आयकर विधियम, 1961 (1961 का 43) की घटाता 269-प (1) के परवीन सुनवा

प्राप्ति संरक्षण

कार्यीतय सहायक आयकर घायकत (निरीकण)

मर्जन रेज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जन, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस-प्रार-३/१०-८०/

5235.—अतः ममे, विमल वशिष्ट,

आपाहर अविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इनके पश्चात् 'उत्तम प्रविनियम' कहा गया है), को धारा 269-का
हें अधीन सभी प्राधिकारी को, यह प्रिव्याप्त करने का कारण
है कि इचावर सम्बति, जिसका डिविट बाजार मूल्य 25,000/-
रु० ; अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो बिजवाशन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
प्रक्षब्द, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए ग्रन्तित की गई है और युक्ति यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का अच्छह प्रतिकरण से पर्याप्त है और यात्मरक्ष (प्रस्तरकों) और अस्तरिती (ग्रन्तितियों) के बीच ऐसे घटनारूप के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, विस्त्रितिकृत उद्देश्य से उस घटनारूप सिद्धित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस उत्तर अर्थात् नियम के प्रधीन कार देने के प्रत्यारूप के दायित्व में फ़मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ब) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य सामिलियों का जिन्हें भारतीय धार्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसके अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अमर्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम को भारा 260-ए के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम को भारा 260-ए को उचाई (1) के अवीन निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्ति:—

(1) श्री राज कुमार सपूत्र श्री लखी ग्राम-बिजवाशम ।

(प्रान्तारक)

(2) म० दीप शिखा एस्टेट प्रा० लि० 115-ग्रांसल भवन,
16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिनं भेज लिए कार्बनामियाँ करता है।

रुक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उससे अधिक समय के बावजूद, जो भी सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबलि, जो भी अवधि भाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंतर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एपस्टीन:—इसमें प्रयुक्त सब्जों और पदों का, जो उक्त अधिकारियों के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही शब्द होता जो उस अध्याय में किया गया है।

四

कृषि भूमि का 1/12 भाग 46 बिष्ट प्रौर 18 विष्टे रेक्ट
नं० 6, किला नं० 18(4-16), 19(4-16), 22(4-16),
रेक्ट नं० 36 किला नं० 16 (4-02), 17(4-88), रेक्ट
नं० 37 (किला नं० 3(4-16), 12(4-16), 19(4-12),
20(4-16), प्रौर 28(0-84) ग्राम-विजापान।

विमल बशिष्ठ,
संक्षेप अधिकारी,

तारीख : ३-६-१९८१।
सोहर :

प्रलेप आई० दी० एम० एस०—

भारत कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सदायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस-आर/३/१०/८०/

5233:—ग्रहण: मुझे, विमल बिश्वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि इसके पश्चात् व्यावर संपत्ति, विषयका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो विज्वाशन में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा एक्य०११ सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे वृद्ध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं० द्वाई किमो आय की वाबत उक्त अधिनियम ने प्रधीन दर देने के अन्तरक के वायित्व में रुपों तरेया उनसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा निया आय वा किसी धन वा अभ्य आस्तियों को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम या घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीया प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रहण: ग्रह, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जातः—

(1) श्री सुरेन्द्र, नरेन्द्र और सतेन्द्र सुपुत्र श्री स्वर्गीय श्री भगवान् सिंह ग्राम-विज्वाशन।

(अन्तरक)

(2) म० दीपशिखा एस्टेट्स प्रा० लि० 115, अंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रहण के प्रबंध में कोई सो आवेदन :—

(क) इस सूचना के राज्यराज ने ग्रहण की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामीज से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविष्ट बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज्यराज में ग्रहण की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निविन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र का 1/12 हिस्सा 346 विधे और 19 विधे, रेक्ट नं० 6, किला नं० 18(4-16), 19(4-16), 22(4-16), 23(4-16), रेक्ट नं० 36, किला नं० 16(4-02), 17(4-08), रेक्ट नं० 37, किला नं० 3(4-16), 12(4-16), 19(4-12), 20(4-16), और 23(0-04), ग्राम-विज्वाशन।

विमल बिश्वास,
सकाम प्रधिकारी,
सदायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

तारीख : 3-6-1981.

मोहूः

प्रकाश आई० टी० एव० एस०---
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून, 1981

निदास सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस-आर-३/१०-८०/
५२३०:—अतः मुझे, विमल बशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके ११वाँ 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकल प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्त बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो विज्वाशन, दिल्ली में
स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 ('1908 का 16) के अधीन, तारीख
अक्टूबर, 1981.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के इन ऐसे अन्तरण के लिए उन
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
निषिद्धि में वास्तविक रूप से कृदित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रतिक्रिया के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती दाता प्रफट नहीं किया गया
या यों किया जाना चाहिए या, छिपाने में रुकिया के
निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविनियोग अपैत :—

- (1) श्री राजीन्दर सिंह, राजेश सुपुत्र श्री स्वर्गीय श्री भीर
सिंह ग्राम-विज्वाशन।
(अन्तरक)
(2) मैं दीपशिंदा इस्टेट प्रा० न्य० 115, अंसल भवन,
16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।
(जन्तरिती)

को यह सूचना मारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के परंपरा के मन्तव्य में कोई भी प्राप्ते :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्यदी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षनाकारी के
पास लिखित में किए जा सकें।

ट्रॉफीकरण :—इन्हें प्रयुक्त शब्दों और उद्देश्य का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क म परिभाषित
है, बढ़ी गर्द होगा जो उम अध्याय में दिया
गया है।

ग्रनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र का 1/12 हिस्सा 46 बिधे और 18 बिधे,
रेक्ट नं० 6, खसरा नं० 18(4-16), 19(4-16), 22(4-
16), 23(4-16), रेक्ट नं० 36 खसरा नं० 16(4-02),
17(4-08), रेक्ट नं० 37, खसरा नं० 3(4-16), 12 (4-
16), 19(4-12), 20(4-16) और 23(4-04) ग्राम-
विज्वाशन।

विमल बशिष्ट
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली।

तारीख : 3-6-1981.
मोहर :

प्रध्याय आई. ई. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस-आर-३/१०-८०/

५०१४:—प्रति: मुझे, विमल विश्वास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० कृषि भूमि है तथा जो रीमन्यू इस्टेट ग्राम-विज-
वासन, में स्थित है (और इससे उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्टूबर, 1981

की पूर्वावृत्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की नहीं है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात्
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है:—

(1) श्री कन्दार लाल और हासीमार जिह मुपुत्र पुरन,
श्रीमती भरजु देवी एवं यम मारवान पत्नी श्री कन्दार
लाल, ग्राम-विजवासन।

(अन्तरक)

(2) मै० सूरज कन्सट्रक्शन और इस्टेट प्रा० नि० 115—
अंसूल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावृत्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येः—

(क) इस सूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि काद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वावृत्ति
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमवृधि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लप्तीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही ज्ञे होंगा, जो उस अध्याय में विद्या
पाया है।

प्रमुख

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिंदे और 4 बिंदे, रेक्ट नं० 36, खसरा नं०
18 (4-938) रीवेन्यू इस्टेट ग्राम-विजवासन।

विमल विश्वास
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली।

(क) अन्तरण में हाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए, और/या

(क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
गविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जातः—

तारीख : 3-6-1981.

मोहर :

प्रस्तुप माइर्स, टी. एन. एस. —————

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, विनांक 3 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस-प्रा०-३/१०-८०/
५०१३—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
प (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो रिवन्यू इस्टेट ग्राम-विज्वाशन
में स्थित है (प्रीर इससे उपायद्वारा अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पारा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उच्चवेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(1) श्री कन्वार लाल और होसीयार सिंह सुपुत्र श्री पुरन
और श्रीमती सरजु देवी एलीयस मारवान, पत्नी श्री
मनवार लाल, ग्राम-विज्वाशन।

(अन्तरक)

(2) मै० सूरज कन्सट्रक्शन इस्टेट प्रा० लि० ११५-प्र०८८
भवन, १६ के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

विमल वशिष्ठ

कृषि भूमि क्षेत्र 4 विधे प्र० 16 विधे, रेकट नं० 36, खसरा
नं० 23 (4-16), रिवन्यू इस्टेट्स ग्राम-विज्वाशन।

(क) अन्तरण से हृ० किलों आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में
कमी करने या उसमें बचने में स्वीक्षा के लिए;
श्रीर/या

(ख) ऐसी किलों आय या किसी धन या अन्य आस्तियं
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-प के अनुसरण
में, मै०, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितृक—

6—146GI/81

विमल वशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज I, नई दिल्ली।

तारीख : 3-6-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.ए.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

वह विस्तीर्ण-110002, विनांक 3 जून 1981

निरीक्षण सं. आई.ए. सी.ए.एस./I/एस-आर-3/10/80/
4954/-।—अतः मुझे, विमल बशीष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ० कथि भूमि है तथा जो ग्राम-गोदाईपुर, मेहरौली
में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता)
और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(1) श्री तुलसी राम, फलेश चर्चद, बलबीर सुपुत्र श्री समर्दया,
ग्राम-गोदाईपुर, मुनिका, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री ओ० एम० पी० बिल्डर्स, 12 रीगल बिल्डिंग,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मान्यता:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षमा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हर्द किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम की अधीन कर दन्ते के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था वा किसी जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थिता (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत है—

विमल बशीष्ट,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज I, नई दिल्ली

तारीख : 3-6-1981
मोहर :

प्रकृत आई-डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून 1981

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एच-आर-३/१०-८०-
४९५५:—प्रतः मुझे, विमल विश्वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के पश्चात् सज्जन गांधीरारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-ग्रामाई पुर, महरौली, में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पद्धत प्रतिगत अधिक है और ग्रन्तरण (ग्रन्तरकों) और अन्तरिति (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के जिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, विभागित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के वापिल्ले में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयतर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के ग्रन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपषारा '1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री तुलसी राम, फलेह चन्द्र, बलबीर सिंह सुपुत्र श्री रामदेवा ग्राम-मोहदपुर, मुनिका, नई दिल्ली।
(अन्तरक)
(2) श्रो० एम० पी० बिल्डर्स : 12-रीगल बिल्डिंग, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को पह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायबाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा अद्वैताज्ञानी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

पृष्ठद्विकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उम्म अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिल्डर्स और 16 बिल्डर्स, खसरा नं० 162 ग्राम-गोदाई पुर, तहसील-महरौली, नई दिल्ली।

विमल विश्वास,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली।

तारीख : 3-6-1981.

मोहर :

प्रूरुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस०-आर-३/१०/८०/

४९५२:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उत्तिवार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० छुपि भूमि है तथा जो गदईपुर, महोरीली,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखण अनुसूची में और पूर्ण
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उत्तिवार बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उत्तिवार बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ यापा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उत्तरवेद से उक्त अन्तरण उत्तिवार में वास्तविक
क्षमता से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृष्ट किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने से
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प्र के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् इ---

(1) श्री तुलसी राम, कलेश चन्द्र और बलबीर सुपुत्र श्री राम-
देवा ग्राम-मोहरपुर, मुनिका, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रो. एम. पी. विलडर्स, 12-रीगल विलडीग, नई
दिल्ली।

(अम्भरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के उत्तरांश के लिए
कार्यदाताओं करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधेन के सम्बन्ध में कांदा भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लालित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

महोरीली

छुपि भूमि क्षेत्र 4 विधे और 16 विधे, किला नं० 42, ग्राम-
गदईपुर, महोरीली, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सभम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख : 3-6-1981.

मोहर :

प्रस्तुप माई० ई० एम० एस०—

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून, 1981

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस०-भार-३/१०/८०/

4956:—अतः मुझे, विमल बशिष्ट,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यदृ विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—गदर्हपुर, महरौली,
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली नई में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिय के त्रिप्ति अनुरिका रो नहीं है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि एप्पॉर्ट्यून भूमि का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिक्रिय में, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिय का
पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिक्रिय, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्धारित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः ग्रन्थ, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्ननिखित व्यक्तियों, अर्पणतः:—

- (1) श्री तुलसी राम, फतेह अच्छ, बलबीर सुपुत्र श्री रामदेव्या,
ग्राम मोहनपुर मुनिका, नई दिल्ली। दहमा
(अन्तरक)
- (2) श्री० एम० पी० बिल्डर्स, 12-रीगल बिल्डिंग, नई
दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
प्रधिनियम, अप्रृथाय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही तर्क होगा जो उस प्रधाय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिल्डर्स, खसरा नं० 43,
ग्राम—गदर्हपुर, महरौली, नई दिल्ली।

विमल बशिष्ट,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-I, नई दिल्ली

तारीख : 3-6-1981.

मोहन :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/I/एस-आर-3/10-80/

4957:—यतः मुझे, विमल बशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—गदहपुर, महरौली,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(1) श्री तुलसी राम, फतेह अम्ब, बलबीर सुपुत्र श्री रामदेव्या,
ग्राम—मोहदपुर मुनिका, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) ओ० एम० पी० बिल्डस, 12-रीगल बिल्डिंग, नई
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों कारता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आशोयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तात्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तात्पुरता से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदत्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

जन्मसूची

(क) अन्तरण से हूँ द्वारा किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

कृषि भूमि क्षेत्र 5 बिघे और 18 बिघे, खसरा नं० 40/1
(0-13), 40/2 (5-1), 64-माइन० (0-4), ग्राम—गदह-
पुर, महरौली, नई दिल्ली।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्षितः—

विमल बशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली।

तारीख : 3-6-1981.

मौहर :

प्रकृत्य आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून, 1981

निर्देश सं. आई० ए० सी०/एकू०/I/एस-आर-3/10-80/

4953:—श्रतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गदर्हिपुर, मेहरोली, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराना
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसराना प्रतिफल से, ऐसे दूसराना प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में भौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों वर्धातः:—

(1) श्री तुलसी राम, फतेह अन्द, बलबीर सुपुत्र श्री राम-
दह्या, मोहब्बपुर, मुनिका, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रो० एम० पी० बिलडर्स, 12-रीगल बिल्डिंग, नई
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 4 बिल्डे और 16 बिल्डे, किला नं० 63, ग्राम-
गदर्ह पुर, मेहरोली, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख : 3-6-1981.

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, विनाक 4 जून, 1981

निर्वेश सं० आई० ए० सी./एस्य०/।/एस-आर-3/10-80/

5371:—ग्राम: मुझे, विमल बशिष्ट,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परमात्म 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसमा उचित बाजार मूल्य
25,000/- वर्ष से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-देवली में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
अक्टूबर, 1981 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
प्रमाण उक्त प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से लिखित नहीं किया जाया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत [उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी जिसी आय या किसी व्रत या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
प्रमात्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में
सुविधा के लिए;

जल्द: यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के
अनुसूची में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की
उपचार (1) के अधीन, निम्नलिखित अपेक्षियों, अर्थात्:—

(1) श्री कलवाल सिंह और प्रताप सिंह सुपुत्र श्री शिव लाल,
ग्राम-देवली।

(अन्तरक)

(2) श्री ग्रोम प्रकाश सुपुत्र श्री मेलावा राम सी-14,
ग्रीन पार्क एक्स०, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी हरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी
अन्य अवक्षित द्वारा, अधोदृष्टाक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के अध्याय 20-ए में परिभाषित हैं, वही
प्रयृहोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 1 बिबें और 10 विवें रेक्ट नं० 11 किला नं०
2 माइनर (1) और 23 माइनर (1-00), रिम्प्यु इस्टेट,
ग्राम-देवली।

विमल बशिष्ट,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली।

तारीख: 4-6-1981.

मोहर:

प्रकाश साईद० टी० एन० एस० —————

वाक्तव्य अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 जून, 1981

निवेदन सं० आई० ए० सी०/एक्य०/I/एस-आर-3/10-80/
5376:—प्राप्त: मुझे, विमल विशिष्ट,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की बारा
269-प के अधीन सम्भव प्राप्तिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सं॒ति विषका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
द० से अधिक है।
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-देवली में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर,
1980
को पूर्वोक्त सम्भवि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्भवि का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्
प्रतिशत अधिक है और अन्तरेक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल विमलविषित उद्देश से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक
रूप से लघित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई यिसी आय की बचत उक्त अधि-
नियम, के अधीन करदेश के अन्तरक के वाविल में कमी
करने या उपर्युक्त बचने में विवित के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बचन या अन्य आविस्तरों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

उक्त अवधि उक्त अधिनियम की बारा 269-प के अनु-
मत में, ये, उक्त अधिनियम की बारा 269-प की उपचारा
(1) के अधीन, विवित विवित अधिकारी, अर्थात् :—

7-146GI/81

(1) श्री कनवाल सिंह और प्रताप सिंह सुपुत्र श्री शिवलाल
ग्राम-देवली।

(प्रस्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश सुपुत्र श्री मेलावा राम, सी-14,
ग्रीन पार्क एक्स०, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्भवि के अर्जन
के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्भवि के अर्जन के संबंध में कोई भी घावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा; अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्राप्ताय 20-क में परिचित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 2 बिंदे और 9 बिंदे रेफट नं० 11, किला सं०
23 माझनर (2-09) ग्राम-देवली।

विमल विशिष्ट,
सभाम प्राप्तिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली।

तारीख : 4-6-1981.

मोहर :

प्रसूप पाई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-I/एस-आर-3/10-80/
5373:—अतः सुन्न, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के प्रधीन सदाप्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानीय सम्पत्ति निवास उचित बाजार मूल्य
35,000/- में अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-देवली में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,
अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(1) श्री कनवाल सिंह और प्रताप सिंह सुपुत्र श्री शिवलाल
ग्राम-देवली।

(अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश सुपुत्र श्री मेलावा राम, सी०-14,
ग्रीन पार्क, एक्स०, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिकारी के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधिकारी के सम्बन्ध में कोई भी घावेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवधियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त उपाय उपचार सम्पत्ति में हिस्सेदार
किसी अन्य अवधि द्वारा अद्वितीयता के बास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

(क) दृष्टिगत से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन विवरण में
कभी करने पा उक्त संचयन में तुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य धारिकों
की जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थे अस्तरित द्वारा प्रकट मार्ही किया
गया या या किया आना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

कृषि भूमि का क्षेत्र 3 बिल्डे और 7 बिल्डे, रेक्ट नं० 11,
किला नं० 13(3-07), ग्राम-देवली।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख : 4-6-1981.

मोहर :

अतः प्रबृ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसूची
में, भौतिक अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवधियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत आहू.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

(1) श्री कनघाल सिंह और प्रताप सिंह सुपुत्र श्री शिव
लाल ग्राम-वेवली, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश सुपुत्र श्री मेलावा राम सी-14,
ग्रीन पार्क, एक्स०, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, विनांक 4 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य००-I/एस०-आर-3/10-81/
5372:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-वेवली में स्थित है
(और इससे उपावदू अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
अक्टूबर, 1980

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे कन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बनें के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्व आविस्तरों
के, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा ऋे लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दूतबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बोधन:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 2 बिघे और 3 बिघे, रेक्ट नं० 11, किला नं०
24 माइनर (2-05), ग्राम-वेवली।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख: 4-6-1981

मोहर:

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 जून 1981

निर्देश सं. आई० ए० सी०/एक्य०/I/एस-आर-3/10-80/

5375:—भ्रष्ट: मुझे, विमल विश्वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-देवली में स्थित है
(और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर,
1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण अनिवार्य में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
साथियत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (11)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कनवास सिंह, प्रताप सिंह सुपुत्र श्री शिव लाल
ग्राम-देवली, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री ग्रोम प्रकाश सुपुत्र श्री मेलावा राम, सी-14,
ग्रीनपार्क, एफ्स०, नई दिल्ली।

(प्रस्तरिती)

क्यों यह सूचना जाती करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीहीन करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्यों भी आक्रोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
सूचना की तारीख से 30 दिन को अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 2 बिल्डे और 8 बिल्डे रेक्ट नं० 11, किला नं०
3 माइलर (2-08), ग्राम-देवली, दिल्ली।

विमल विश्वास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली।

तारीख : 4-6-1981

मोहर :

प्रस्तुप पाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, विनांक 4 जून 1981

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एस०/१/एस० आर०-३/१०-८०/५३७४:—अतः मुझे, विमल बशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-देवली में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण नियमित में वास्तविक रूप से कर्तव्य नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करने करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षीय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधाके लिए;

अतः प्रथ उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, घर्षात्:—

(1) श्री कमबाल सिंह, प्रताप सिंह सुपुत्र श्री शिवलाल ग्राम-देवली।

(अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश सुपुत्र श्री भेलावा राम, सी-14; ग्रीन पार्क, एक्स०, नई दिल्ली।

(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षयों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा, अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही प्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुखशब्दी

कृषि भूमि का क्षेत्र 2 बिल्डे और 3 बिल्डे, रैकट नं० 11, किला नं० 14 माइनर (2-05), ग्राम-देवली।

विमल बशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 4-6-1981

मोहर:

प्रसंग नार्ह० टी० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) द्वारा की

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस०-आर०-३/१०-८०/५३७३:—आतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-व के प्रधीन संक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-देवली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथात् अनुसूचित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरी (अन्तरित) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप न किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्रस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तारी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

आतः अब उक्त अधिनियम की आरा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की आरा 269-व की उपाधा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अविक्षियों, अर्थात् 1—

(1) श्री कनवाल सिंह और प्रसादप सिंह सुपुत्र श्री शिवलाल, ग्राम-देवली, दिल्ली।

(प्रत्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश सुपुत्र श्री मेलांगा राम, सी०-१४ ग्रीन पार्क, एक्स०, नई दिल्ली।

(प्रत्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रथमिया तत्त्वस्वरूपी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रथमि, जो भी प्राक्षिपि वाले में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में हितवद्धु किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुख महों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20वा में परिभ्राष्ट है, वही ग्रन्थ होगा, जो उस अध्याय में किया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का अंक 2 विवे और 3 विवे, रैक्ट नं० 11, किला नं० 4 माझनर (2-33) ग्राम-देवली।

विमल वशिष्ठ;
संक्षम प्रधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 4-6-1981

मोहर:

प्रकाश पाइँटी० टी० एम० एस०————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई विल्ली-110002, दिनांक 4 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्स०-१/एस-प्रार-३/१०-८०/
५३७।—अतः मुझे, विमल बशिष्ट,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके शब्दात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- डॉ से अधिक हैऔर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-देवली में स्थित है
(और इससे उपाबृद्ध अनुभूति में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर,
1980 कोपूर्वोंकाल सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रतिफल वृथमान
के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोंकाल संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृथमान
प्रतिफल से, ऐसे वृथमान प्रतिफल का पवाह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों)
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं
किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी व्याय की वादत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाचिक्य
में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीय ग्राम प्रकट मही किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः :—(1) श्री कनबाल सिंह और प्रसाप सिंह सुपुत्र श्री शिव लाल
ग्राम-देवली।

(अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश सुपुत्र श्री मेनावा गम, सी-14,
ग्रीनपार्क एक्स०, नई दिल्ली।

(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकाल सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर भूचाल की
सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंकाल व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।संटोषण :—इसे प्रमुख गड़दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 2 बिल्डे और रेक्ट नं० 11, किला नं० 24 ।
माहामर (2-00), ग्राम-देवली।विमल बशिष्ट,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली।

तारीख : 4-6-1981.

मोहर :

प्रकरण शाई० टी० एन० एस०————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

शर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जून, 1981

निरेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/एस-आर-३/१०-८०/

5363:—अतः मुझे, विमल बशिष्ट,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के प्रधीन संशेष प्राधिकारी को यह विवाद करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम देवली में स्थित है।

(और इससे उपावद्ध प्रनुसारी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री
कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख अक्टूबर,
1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह
विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे
दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐस अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में लालचिक रूप से कहित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुरै किसी आय को बाबत उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या वस्तु प्राप्तियों
को, जिस्के भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनात्मक प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या हिया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः घब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष के अनुसार
में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष को उपलाभ (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवैत :—

(1) श्री करन सिंह सुपुत्र श्री अमी चन्द्र, ग्राम-देवली ।
(अन्तरक)

(2) श्री प्रोम प्रकाश सुपुत्र श्री मेलावा राम सी-14,
ग्रीन पार्क एक्स०, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अवैत के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अवैत के संबंध में कोई भी वाचेप :—

(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदूषत जब्तों पौर पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में वरिचापित
है, वही थबं होता, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

हाथी भूमि क्षेत्र 2 विधे और 8 विधे रेक्ट नं० 12, किला नं०
16 माइ० (2-08) ग्राम देवली ।

विमल बशिष्ट,
सभाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
शर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

तारीख : 3-6-1981.

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 जून, 1981

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस-आर-३/१०-८०/
५३६२:—अतः मुझे, विमल बशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सक्ति प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम देवली में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख
अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्राम आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) के
प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—146GI/81

- (1) श्री करन सिंह सुपुत्र श्री ग्रमी घन्द, ग्राम—देवली।
(अन्तरक)
(2) श्री ग्रोम प्रकाश सुपुत्र श्री मेलावा राम, सी-14;
ग्रीन पार्क एक्स०, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन्म के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अपोदृष्टाक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 2 बिब्रे और 8 बिब्रे, रेक्ट नं० 12, किला मै०
16 माइमर (2-08), ग्राम—देवली।

विमल बशिष्ठ
सक्ति प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली।

तारीख : 4-6-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 5 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर-३/१०-८०/

5378:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति निम्नलिखित उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-देवली में स्थित (और इससे उपाबण्ड अनुसूची में औरपूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण। अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि व्याप्रवादत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के अपेक्षय नाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक (निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है):—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दार्यालय भक्षी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री कनवाल सिंह और प्रताप सिंह सुपुत्र श्री शिव लाल ग्राम-देवली।

(अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश सुपुत्र श्री मेलावा राम सी-14, ग्रीन पार्क, एक्स०, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अंदर उक्त स्थावर संपत्ति व्यक्तिगतीय द्वारा दिल्ली की तामोल से 30 दिन का अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों द्वारा किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-प्रदाद या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के लिए जा सकते;

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 2 बिंदे रेक्ट नं० 11, किला नं० 14 माइन० (2-00) ग्राम-देवली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 5-6-1981

मोहर :

लग्न: अद्वा, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ग्र०/१८८-आर-३/१०-८०:—
५०८४ अतः मुझे, विमल विश्वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-नेब सराय, में स्थित
है (और इससे उपावद्व श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), ।
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

अक्टूबर, 1980

को पूर्वोत्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया ग्राम प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की दावत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करत या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री करतार सिंह सुपुत्र श्री राम चन्द्र, ग्राम-नेब सराय।
(अन्तरक)

(2) श्री आर० एम० पुरी सुपुत्र श्री सी० एल० पुरी ए-1,
गीतांजली, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, वो अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 10 बिहे और 15 बिश्वे 1/4 हिस्सा है।
खसरा नं० 19/2(1-08), 279/2(3-06), 180(1-00),
281(2-02), 282(2-00), 284(3-10), 297
(2-16), 301/1(1-15), 385/1(2-09), 399(0-06),
421(4-10), 659(4-16), 660(4-16), 661/1
(3-12), 661/2(1-04), 662/1(3-12), ग्राम-नेब
सराय, नई दिल्ली।

विमल विश्वास
सक्षम अधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली।

तारीख :- 4-6-1981
मोहर :

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 17 जून, 1981

निर्देश सं० आर्द्ध० ए० सी०/एक्य०/ /एस-आर-II/10-80/

3812:—प्रतः मुझे, विमल विशिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैड-66 है तथा जो राजोरी गार्डन नई दिल्ली,
में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के, अधीन,
तारीख अक्टूबर, 1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और भव्य यह विश्वास करने का कारण
है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
दबावेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से की थित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्टै किसी भाव की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरित दबावा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सतीश कुमार शर्मा सुपुत्र वेद भगवान दास और :
श्री सोम नाथ शर्मा सुपुत्र वेद भगवान दास निवासी
जे-10/1 राजोरी गार्डन नई दिल्ली अटारनी श्रीमती
सुनीता शर्मा ।

(अन्तरक) :

(2) श्री मीरा गुप्ता पत्नी श्री सुभाष गुप्ता निवासी जैड-66
राजोरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्प्रत्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
प्रदूष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० जैड-66, राजोरी गार्डन गांव तातारपुर, नई
दिल्ली क्षेत्रफल 500 वर्ग गज ।

विमल विशिष्ट,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली ।

तारीख : 17-6-1981.

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली
नई दिल्ली-110002, दिनांक 17 जून, 1981
मिवेंश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II-एस-आर I/10-80/
7014:—ग्रत: मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 13 है तथा जो रोड नं० 32, पंजाबी
बाग दिल्ली में स्थित है (प्रौढ़ इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली,
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित दातार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पूर्व ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के दीन ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ओम प्रकाश तनेजा सुपुत्र श्री भोला राम तनेजा
निवासी 4/37 डब्ल्यू ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री मुखबीर सिंह जैन सुपुत्र श्री भीठन लाल जैन (2)
सुरेश कुमार जैन (3) मुशील कुमार जैन और अनील
कुमार जैन सुपुत्र श्री मुखबीर सिंह जैन निवासी 14/32,
पंजाबी बाग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोड़ भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर¹ सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

2 ½ मंजिला अधूरा मकान प्लाट नं० 13 रोड नं० 32
पंजाबी बाग नई दिल्ली क्षेत्रफल 279.55 वर्ग गज।

विमल वशिष्ठ

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)।

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

तारीख : 17-6-1981.

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली -110002, दिनांक 17 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-II/एस-आर-II/10-80/

3897:—अतः मुझे, विमल वशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं०जी-112 (डब्ल्यूजैड-216) है तथा जो ब्लाक
जी, हरी नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाब अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख प्रक्तुब्हर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे असुरण के सिए सब पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वापित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 5—

(1) श्री मनोहर लाल चौधरी सुपुत्र श्री दौलत राम निवासी
डब्ल्यूजैड-216 ब्लाक जी०, हरी नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) सरदार सिंह सुपुत्र श्री हेश्वर सिंह निवासी मकान नं०
जी-112 (डब्ल्यूजैड-216) ब्लाक जी, हरी नगर,
नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितष्ट्रूप
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० जी-112 (डब्ल्यूजैड-216) ब्लाक जी, हरी
नगर नई दिल्ली क्षेत्रफल 200 वर्ग गज।

विमल वशिष्ट,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली।

तारीख : 17-6-1981.
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 17 जून 1981

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्य०/

—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जे-137 है तथा जो कीर्ति नगर, नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपावक्त्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्तों) और अन्तरिती
(अन्तरिर्तियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(क) अस्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्टयों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 13) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुस्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकारी :--

(1) श्री किशोरलाल निवासी वी 1/31 जनकपुरी नई
दिल्ली एम० सी० ओबराय निवासी ए-43 राजौरी
नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री अब्दुल्ला प्रसाद (2) श्रीमती सरोज गुप्ता
(3) श्री सुरेन्द्र कुमार (4) दिनेश कुमार निवासी
20 दक्षिण पश्चिम रोड़ पजाबी बाग एक्सटेंशन
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयाँ करता हैं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाबत में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
सिवित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

विमल वशिष्ठ

नहीं दी गई है ।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

तारीख : 17-6-1981

मोहर :

प्रकृपा प्राइंटी•एन•एस•---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 17 जून 1981

निर्देश सं० प्राइंटी० ए० सी०/एक्य०/

अतः मुझे विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-प के प्रधीन मक्कम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है,
और जिसकी सं० 4551/4556, 1-1/16 है तथा जो दरया गंज
नई दिल्ली 110002 में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तुरक
(अन्तर्को) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रस्तुरण निखिल में वास्तविक रूप से कथित
महों किया गया है :—

(क) प्रस्तुरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्क के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आक्षितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

(1) श्री भीम देव चोपरा पुत्र श्री गंगा राम चोपरा निवासी
11/3831 दरया गंज, नई दिल्ली-110002।
(प्रन्तरक)

(2) श्री राधा किशन सेठ पुत्र श्री मोहन लाल सेठ निवासी
शान्ति मोहन निवास 16 दरया गंज, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उस सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में चौई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी रायधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त अधिनियों वें से किसी व्यक्ति द्वारा, या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रत्यक्षित द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पास
विश्वित में किये जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 4551-4556, 1-1/16, दरया गंज, नई
दिल्ली।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

तारीख : 17-6-1981
मोहर :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-प के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः—

प्रारूप आँ. टी. एज. एस. —

आपकर अधिकारी, 1961 (1961 का. 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत-सरकार

स्वायत्तंत्र, सहायता अवकाश आयुष्म (लिप्तीभाषा)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 17 जून, 1981

निर्देश सं. प्राप्ति. प० मी. प्रकृति/प्रस्ताव-V/10-80/
3827.—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विकलप करने
का कारण है कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

प्रौद्योगिकी सं० 14 ए रोड नं० 47 है तथा जो पंजाबी काग, नई दिल्ली में स्थित है (झोर इससे उपाखन भवन स्तरी में और पूर्ण रूप से विपरीत है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिकारीम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शनाल प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथाप्रशंसित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्शनाल प्रतिफल से, ऐसे इधर वह प्रतिफल का पन्थ ह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब प्राप्त गम्भीर प्रतिफल, विभिन्न उचित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित से ब्राह्मणिक रूप से कार्यत माने किया गया है—

(1) ਸ਼੍ਰੀ ਟੀ. ਡੀ. ਆਨੰਦਾ ਸੁਪਤ ਸ਼੍ਰੀ ਨਵਜੀਤ ਮਲ ਜਿਵਾਸੀ
14-ਏ/47 ਪੰਜਾਬੀ ਬਾਗ, ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ।

(2) श्री साक्षिंदी देवी पत्नी श्री जगदीश चन्द श्री सूरज
प्रकाश, (3) चन्द प्रकाश और श्री वेद प्रकाश सुपुत्र
श्री जगदीश चन्द निवासी 3034 काजी बासा,
दरिया गंज, विलसी ।

को यह सूचना जारी करके पूर्ववित सम्यता के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ भी वास्तव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरान्वयी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकाल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस संवेदना के राजपत्र में प्रकाशक की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दू-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति हड्डाया, यथोहस्तामरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त व्याख्यनम् के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अस्तरण से हुई किसी वाय की वापत, उत्तर
अधिभियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
वायिष्य में कमी करने या उससे बचने में हुई वाय
को लिएः नार/या

(b) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1857 का 27) के प्रयोगार्थ अस्तिरती व्यक्ति व्यक्ति किसा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने वा सुविधा के लिए;

क्षमा: अब, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उत्तर अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित लाभकार्यों का विवरित है :—

४५८

मकान नं० 14-ए, रोड़ नं० 47, पंजाबी बाग, नई दिल्ली
क्षेत्रफल 279.55 वर्ग गज ।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

तारीख : १७-६-१९८१
सोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमति शकुन्तला देवी स्त्री लेट श्री देवराज सभरवाल
निवासी 13/28 मान्दित नगर, विल्सो-7।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 17 जून 1981

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०

—अतः मुझे, विमल बशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8 सङ्क नं० 47 है तथा जो पंजाबी बाग,
नई विल्सो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हृदृ किसी आग की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री एस० गुप्ता (2) श्री ब्रिज मोहन गुप्ता,
(3) श्री मदन मोहन गुप्ता, (4) श्री जीतेन्द्र
कुमार गुप्ता पुत्र श्री टोटा राम गुप्ता निवासी म० नं०
8 सङ्क नं० 47, पंजाबी बाग, नई दिल्ली-26।

(अन्तरिती)

करे यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूथ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

2½ स्टोरी जायदाद 279.55 गज जायदाद नं० 8, सङ्क
नं० 47 पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

विमल बशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

तारीख : 17-6-1981

मोहर :

प्रसूफ आई. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, विनांक 17 जून, 1981

निर्देश सं० आई० एन० एक्यू/II/एस-आर-I/10-80/
7047:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 9/3057 है तथा जो गली राजा सोहनलाल
बाजार सीताराम दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) में रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के
कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त अन्तरण
निम्नित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री तरसेम चन्द मितल, (2) सुभाष चन्द मितल
सर्वश्री पुत्र कुन्दन लाल निवासी 2035 बाजार सीता
राम दिल्ली-6 ।

(अन्तरक)

(2) श्री राम अवतार (2) आनन्द कुमार, (3) लक्ष्मी
नारायण पुत्र श्री रामेश्वर दास निवासी 2192
कुंचा आकील खान बाजार सीता राम दिल्ली-6 ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही वर्त होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

मनूसूची

एक दो मजिला मकान जिसका नं० 9/3057, गली राजा
सोहन साल, बाजार सीता राम दिल्ली, जिसका क्षेत्रफल 496
वर्ग गज है ।

विमल वशिष्ठ,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

तारीख : 17-6-1981

मोहर :

प्रैरूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भारतीय, सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 जून 1981

निदेश सं. आई० ए० सी०/एम्यू०/II/एस० आश० 1/
10-80/7021-अतः मुझे, विमल विश्वास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पांचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विवाद करने का
कारबद्ध है कि स्थावर संपत्ति शिक्षा उचित बाजार मूल्य 25,000/-
है और अधिक है।

जिसकी संख्या एन०-25, है तथा जो राजोरी गाँड़न, में स्थित
है (और इससे उत्तरवद् अनुदूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक अक्टूबर, 1980

की पूर्वोत्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अनुदित की गई है और मुझे यह विवाद करने
का कारण है कि यथापूर्वोत्तर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृष्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृष्यमान प्रतिक्रिया का पद्धत
अधिष्ठात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिक्षी
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया ऐसे
प्रतिक्रिया, निम्नोत्तरित उत्तरवद् से उक्त प्रतिरक्षण लिखित में
वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की वापत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापिसी में कमी
करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए जौर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 23)
के प्रयोगनाम अन्वरिती हारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए वा, लिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अन्तरण
में, या, उक्त अधिनियम की भारा 269-व को उपर्योगी (1)
के अधीन निम्नोत्तर अधिकारी वृष्टि:-

1) श्री एम० दलीपीत 'सिंह सुनील श्री स्वर्गीय एस०
जान सिंह एन०-25, राजोरी गाँड़न, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री शिवकुमार मलहोत्रा सुपुत्र श्री गुरदीता राम
वी-75, रमेश नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह 'सूचना' जौरी करके पूर्वोत्तर संपत्ति के अर्जन
के लिए कार्यालयों कहता है।

उक्त संमीलित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई विविध :-

(क) इस सूचना के राजपत्र के प्रत्यक्षीय सूचनाओं से 45
वर्ष की अवधि 'वा' वार्ता वल्डी अधिकारी पर सूचना
की सामग्री से 30 वर्ष की अवधि, जो भी अधिक वर्षों
में संतुष्ट होती है, के भीतर दूरीकरणीय में
किसी विवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारोंतने की तारीख से 45
वर्ष के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य अधिकारी द्वारा, अधिस्तोकरी के पास लिखित
में किये जा सकते।

स्वाक्षरीकरण:-इसमें श्रेष्ठत लब्धी और चर्ची का, जो उक्त अधि-
नियम के अन्तर्गत 20वां अंग विविध है, वही
अन्य होगा जो उस अंडवाय में विद्यों गया है।

मनुष्य

एक भौतिकी लंगों भौतिकी में एन०-25, लीफल 512,
की गज राजोरी गाँड़न, नई दिल्ली, श्रीम वैदेश, वारापुर
दिल्ली।

विमल विश्वास
सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)
दिनांक 9-6-1981
मोहर :

दिनांक : 9-6-1981

मोहर :

प्रश्न प्राप्ति १० एन०एस—

प्रधानमंत्री के प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आमुख (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 जून 1981

निर्देश सं० आई० ऎ० सी०/एक्ष०/II/एस० आर०-I/II-
8/0/7196:—अतः मुझे, विमल विश्वास,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 8, है तथा जो नार्थ एवन्यु रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्दरूनी प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तद पाशा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं लिया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में रूपी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए;

और/।।।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तीनों को जिसमें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसके अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रन्तरितो द्वारा पहले तहों द्वारा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मुदशेन कुमार सुपुत्र श्री हिरा नन्द, 8-नार्थ एवन्यु रोड, पंजाबी बाग नई दिल्ली-26, और श्रीमति विद्यावती पत्नी श्री एच० एन० भाटिया।
(अन्तरक)

(2) श्री संतोष कुमारी पत्नी श्री कृष्ण लाल सचदेव और कृष्ण लाल सचदेव सुपुत्र श्री दीवान चन्द्र सचदेव, 31/71, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी विवादः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन भी अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में विस्तर विस्तरिती के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टदाकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही प्रयोग होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 8-नार्थ एवन्यु रोड, क्षेत्रफल 557.41 वर्ग गज नई दिल्ली।

विमल विश्वास,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आमुख (निरीक्षण),
अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

तारीख : 9-6-1981

मोहर :

प्रक्रम आई० टी० एन० एस०--

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस-प्रार-III/10-80/
6888:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा
269-व के प्रधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० नं० 49 है तथा जो राजा गाडेंग एरिया ग्राम-बसई
वारापुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन, तारीख अक्टूबर, 1980

को, पूर्णोकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोकृत सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान
प्रतिफल का अनुद्ध प्रतिकृत से प्रशिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों)
पौर मन्त्रिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
प्रस्तरण के लिए तथा आय या प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया
नहीं किया जाता है:—

(क) प्रस्तरण से ही किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन करने के उपराक के
वायिले में किसी करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसो किसी आय या किसी छन या प्रम्य प्राप्तियों
को, जिसमें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगकार्य प्रस्तरिती हारा प्रकट नहीं किया जाय
वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-व के प्रस्तरण
में में, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अवैत :—

(1) श्री रतन अन्द चेरीटेबल ट्रस्ट सोसाइटी रेजड 18-
गोल्फ लिंक नई दिल्ली द्वारा चेयर मैन श्री रतन अन्द
सूद।

(प्रत्यक्ष)

(2) श्री अन्दर मोहन दुगल, सुपुत्र श्री हस्त राज दुगल
19/10, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(प्रत्यक्षित)

जो यह सूचना जारी भरके पूर्वोकृत सम्पत्ति के उचित के
लिए कार्यवाहियों करता है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि, या लक्ष्यमानी अधिकारीयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोकृत
अधिकारीयों में से किसी अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद किसी अम्य अधिकत द्वारा यथोद्दृष्टाकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट है,
वही पर्य होगा त्रो उन प्रधायम में दिया जाय है।

अनुसूची

प्लाट नं० 49, क्षेत्रफल 257.7/9 वर्ग गज, राजा गाडेंग
एरिया ग्राम-बसई वारापुर, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेज-II, नई दिल्ली।

तारीख : 9-6-1981

मोहर :

प्रकाश आई० दी० एन० एस०————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जून 1981

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-II/एस-आर-1/10-80/
7033:—प्रतः मुझे, विमल वशिष्ठ,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं०-18, बी-4, है तथा जो राणा प्रताप
बाग, सघोरा कलन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के प्रधीन, तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और
प्रत्यक्ष (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जासा चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः प्रद, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अधिनियम, अवृत्त:—

(1) श्री एस० हरमोहिन्दर सिंह प्रेसिडेन्ट मै० मोन्टगोमरी
को-आप० गुडस ट्रान्सपोर्ट सोसाइटी लि०, रोशनारा
रोड, दिल्ली 396870 रोशनारा रोड, दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री चमन लाल सुपुत्र श्री पन्ना लाल जैन और श्री
ग्रुण कुमार जैन सुपुत्र श्री चमन लाल जैन, 132,
बीर बजार कालोनी, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी बरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ बरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

सम्बद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 ह में परिभाषित है,
वही अर्थ देंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लैन्ड क्षेत्र 347. 4 वर्ग गज, प्लाट सं० 18, बी-4, स्थापित
राणा प्रताप बाग, प्राम-सघोरा कलन, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली।

तारीख : 9-6-1981
मोहर :

प्रकप. बाइंस. टी. एन. एस. - -----

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजुन रेज- , नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-II/एस-आर-I/10-80/
7035:—अतः मुझे, विमल बशिष्ठ,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
आरोप है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० XII/8685 से 9689 (पुराना) XII/8791/3
(नया) है तथा जो रोशनारा रोड सब्जी मंडी, दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भांसीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
मार्च सुबह, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि पूर्वोक्त संपत्ति वाला जानकार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटौं किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के बन्तरक के
वायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भ्र-
स्तुतिभ्र के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभाषा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री गुप्त चन्द्र जैन, सुपुत्र श्री लाला ह्रशन लाल जैन
XII/8791/3, रोशनारा रोड, सब्जी मंडी, दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मल कुमारी पत्नी श्री धनपत राय, XII/
8791/3, रोशनारा रोड, सब्जी मंडी, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना अपरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन्त के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन्त के सम्बन्ध में कोइं भी जाक्षेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तात्त्वीक से
45 दिन की अवधि या तात्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तात्त्वीक से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तात्त्वीक से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्झौतेकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी-नं० XII/8685 से 9689 (पुराना) और XII/8791/
3 (नया) क्षेत्रफल-254.25 वर्ग गज, रोशनारा रोड, सब्जी
मंडी, दिल्ली।

विमल बशिष्ठ,
सभी प्राधिकारी,
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, नई दिल्ली।

तारीख : 9-6-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्ते (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, दिल्ली-2

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-II/एस-आर-I/10-80/
7048:—अतः मुझे, विमल वशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सधम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 2-ए, ब्लाक 'जी'-20, है तथा जो
राजोंगी गाड़न, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1981

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिकार
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अधिकार प्रतिफल से, ऐसे अधिकार प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पांच ग्राम प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की वात्रत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीमां
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिखने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसूचण
में, से, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्याकृतियों प्रथम:—
10—146G/81

(1) श्री सत्य भूषण और सुभाष चन्द्र सुपुत्र श्री देवकी नन्दन,
ई-3, रतन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रामकृष्ण ल एल तुमसी दास, और हर वंश लाल
सुपुत्र श्री राम कृष्ण, 187-डी, नई कालोनी,
वस्ती, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करसा हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापार:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 स्टोरेज मकान प्लाट नं० 2-ए, ब्लाक नं० 'जी'-20,
भेत्रफल 140 बर्ग गज राजोंगी गाड़न, नई दिल्ली ग्राम-बसई
दारापुरा, दिल्ली

विमल वशिष्ट,
मध्यम अधिकारी,
महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, नई दिल्ली

तारीख : 9-6-1981.

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जून 1980

निर्देश सं० आई० ए० सो०/एन्स०/एम- आर-1/10-80/

7055:—अर्जन: मुझे, विमल बशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दृग्के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन राखम प्राधिकारी को यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 20,000/- रु. से अधिक है

प्रौद्योगिकी सं० पुराना नं० 1154, घणा नं० 2513 है तथा जो गली चमारबारा खुर्द तिलक नगर में स्थित है (प्रौद्योगिकी सं० पुराना नं० 1154, घणा नं० 2513 है तथा जो गली चमारबारा खुर्द तिलक नगर में स्थित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1980 (1908 का 16) के अधीन, तारीख प्रक्रिया, 1980

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाठ्य गया प्रतिफल निम्नलिखित नददेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण से है इन किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आग-का अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती चन्द्रो देवी पुत्री श्री नरद किशोर परनी श्री बाबुराम 2513, गली चमारबारा खुर्द, तिलक बजार, फाटक हवास खान, दिल्ली।
(प्रत्यक्ष)(2) मै० नाथु मल दास राज गवाला कला तोबैच, दिल्ली-6, द्वारा देवराज खुराना सुपुत्र श्री देश राज खुराना सी-96, अशोक विहार, फैस-1, दिल्ली-32।
(प्रत्यक्ष)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रेड़ भी आवश्यक :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० पुराना 1154, नया नं० 2513, गली चमारबारा खुर्द, तिलक बजार, फाटक हवास खान, वार्ड नं० 3, दिल्ली-6.

विमल बशिष्ट,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली।

तारीख : 9-6-1981.

मोहर :

आज़: जब, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ के, अनुसरण में, इस लाप्ति अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निरनिरित व्यक्तियों अर्थात्:—

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जून, 1981

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्य०-II/एस-आर-1/10-80/

7057:—अतः मुझे, विमल विश्वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
हमें पहचान उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं०-33 ब्लाक भी नथा जो राजोरी गाड़ेन
नई दिल्ली में स्थित है (श्रौत इसी उपायद अनुसूची में पूर्व,
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख प्रक्तुबर, 1980

को पूर्णिमा संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्षेत्रों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तभ पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आरेन्टियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुमति
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाषा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

(1) मैं० नवमाला कन्सट्रक्शन पार्टनशिप, सन्सर्न जे-164
राजोरी गाड़ेन, नई दिल्ली, द्वारा पार्टनर श्री पी०
एस० चडा इन्दर पालसिंह, बलविन्दर सिंह, सर्वजीत
सिंह, अजीत सिंह और इन्द्र वालसिंह ।।

(अन्तरक)

(2) श्री राम कृष्ण, श्री हरबंस लाल श्री गुरबचन लाल,
दलीप कुमार, डी-17, नई कालोनी, मोडल बस्ती,
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

क्षे यह सूचना आरो फरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के बिए
कार्यालयों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर^{पर}
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
धृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में लिए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं० 33, ब्लाक 'सी' क्षेत्रफल-1030 घर्ग गज, राजोरी
गाड़ेन, नई दिल्ली ।

विमल विश्वास,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, नई दिल्ली ।

तारीख : 9-6-1981.

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, नई दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 16 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस-आर-1/10-80/
7052:—प्रतः मुझ, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- है से अधिक है

और जिसकी सं० 19-ए, है तथा जो दरिया गंज, नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख प्रक्तुबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रख्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रख्यमान प्रतिफल से, एसे रख्यमान प्रतिफल का
पञ्चव प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीय) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तुक्रिक
रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँहै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर वने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रगोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपने में
सुविधा के लिए;

(1) मै० एस० चन्द्र एण्ड कॉ० लि०, द्वारा श्री श्याम लाल
गुप्ता, रामनगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० टलीविजन एण्ड कम्पोनेन्ट्स प्रा० लि० मैनेजिंग
डाइरेक्टर श्री जे० एस० झावरी, 5-दरिया गंज,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्ताक्षरी के प्राप्त
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, उनीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

ग्राउन्ड फ्लोर 19-ए, दरिया गंज, नई दिल्ली मुनिसिपल न०
4633-1472 वर्षे फिट।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, मै० उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत :—

तारीख : 16-6-1981.
मोहर :

प्रस्तुत वाइ. डी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली-220002, दिनांक 6 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य००-२/एस-आर-२/१०-३०

7075:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विप्रवास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. मे आ० तक है

और जिसकी सं० डी-1/1, है तथा जो राजोरी गाड़न, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्प से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विप्रवास
करने का कारण है कि यथापूर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ह ह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सूचिता के लिए
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वाग पकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, असति:—

(1) स्वर्गीय कर्नल-सर्डीक एडवीन कनीघाम फेन्सीस
(भारतीय आर्मी से अवकाश प्राप्त) सुपुत्र स्वर्गीय श्री
भलम कनीघाम फेन्सीस, डी-1/1, राजोरी गाड़न,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० मेला सिंह सुपुत्र एस० सुरजीत सिंह 2/55,
डब्ल्यू० एच० एस० कोर्टी नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्री

112-घण्गाज, प्लाट नं० डी-1/1, राजोरी गाड़न, ग्राम-
बसई दारापुर, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली।

तारीख : 6-6-1981.

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-220002, दिनांक 6 जून 1981

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/एस-आर-१/१०-८०/

7077:—अतः मुझ, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स्थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० सी०-२/१६, है तथा जो राजोरी गाड़ेन, नई दिल्ली
में स्थित है (आर इम्पेरियल उपावाहन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्टूबर, 1981को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान
प्रतिफल वं लिए अर्द्धारत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से एसे उद्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हूर्द किसी आय की वादत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 या 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;(1) श्री मुशील कुमार शर्मा, सुपुत्र श्री गोपी चन्द शर्मा
ई-99, ईगोर गाड़ेन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री परसातम दास एग्रवाल सुपुत्र श्री मंगी लाल अग्रवा-
ल, सी-२/१७६, राजोरी गाड़ेन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

क्वे यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृशुसूची

दो सजिली मकान नं० सी०-२/१६, राजोरी गाड़ेन, नई दिल्ली।

विमल विशिष्ट,
सक्षम प्राधिकारी,,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 6-6-1981.

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
में वर्तीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्पत् ॥—

प्ररूप आहू.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती कमला बाई, पत्नी, श्री हंसा नन्द नागपाल
6/3, मिह सभा रोड, शक्ति नगर, दिल्ली।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायासिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 जून 1981

निर्देश सं० आहू० ए० सी०/एस्प०-II/एस-आर-1/10-80/

7020:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह नियम करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० डी-29, है तथा जो अशोका रोड, आदर्श नगर,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अक्टूबर, 1981को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद स
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याय गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निरिन्द्रित हैं ग्रस्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है:-(क) अन्तरण से हृष्ट किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोहू भी वाक्यः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
बवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
तिवित में किए जा सकेंगे।स्वाक्षरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, जो अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० डी-29, अशोका रोड, आदर्श नगर, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख : 12-6-1981.

मोहर :

अत. अध., उक्त अधिनियम की धारा 269-प के, अनुमति
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की अपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--

प्रमुख आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-220002, दिनांक 6 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी./एक्यू०/II/एस-आर-1/10-80/

7054:—मत: मुझे, विमल वणिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 9-ए, है तथा जो दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छव्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती
(अंतरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कार देने के अन्तरक के वायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सूचिधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तमान :—

- (1) मै० एम० चन्द्र एण्ड कं० सिं०, मैतेजिग डाइरेक्टर,
श्री श्याम लाल गुप्ता, रामनगर, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)
- (2) मै० एटलस रेडियो ट्रेडर्स पार्टनर श्री ज० एस०
ज्ञावरी, 5 अदरिया गंज, दिल्ली ।
(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

नं० 19-ए, दिल्ली गंज, क्षेत्रफल-1500 वर्ग गज, ग्राउण्ड
फ्लोर नई दिल्ली म्युनिसिपल नं० 4633।

विमल वणिष्ठ,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली ।

तारीख : 6-6-1981.

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, विनांक 12 जून, 1981

निर्देश सं० आई ए०सी०/एक्यू०/IIएह-आर-1/10-80/
6995:—श्रतः मुझे, विमल विश्वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यदृ विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुप से अधिक है

और जिसकी सं०प्लाट नं० 1क है तथा जो रामा रोड, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1808 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और उक्त अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(1) श्री चुनी लाल सेठी, मुपुन्न श्री लाला खना चन्द सेठी

ठी० 8, राना प्रताप बाग, दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्री मनोहर लाल गुप्ता, मुपुन्न श्री जय लाल गुप्ता, ग्राम और पो० बैकनर, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर मूल्यानुसूची की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, प्रशोदस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोटो वर्डों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के यथापरिभावित हैं, वही पर्यंत होगा, जो उस अध्याय

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

प्लाट नं० 12, रामा रोड, दिल्ली एसिया ब्लैकफल-365 वर्ग गज, खसरा नं० 36 और 38, आदर्श नगर, दिल्ली।

विमल विश्वास,
सक्रम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-, नई दिल्ली

तारीख : 12-6-1981.

मोद्रूर :

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित अविक्तियों अधार्त :—

11—146GI/81

प्रूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-II/एस-आर-1/10-80/

7007:—अतः मुझे, विमल विश्वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन संक्षेप प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 28 ब्लाक 'सी' है तथा जो नेहरू रोड,
आदर्शनगर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्न अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, अक्टूबर, 1980

के व्यावैक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने
का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने था उससे बनने में सहाया
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमतियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बलदेव कृश्न सूद, सुपुत्र श्री विलायती राम सूद,
सी-41, आचार्य कृपलानी रोड, आदर्श नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रतन लाल गुना सुपुत्र श्री टीका राम, बी-4ए/
10, आर० पी० बाग, दिल्ली, श्रीमती किरन बती
पत्नी श्री आर० डी० गर्ग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रबाल्क्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवैध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रबाल्क्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के
गास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 28, ब्लाक 'सी' नेहरू रोड, आदर्श नगर, दिल्ली
फ्लॉर 200 वर्ग गज।

विमल विश्वास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

तारीख : 12-6-1981.

मोहर :

प्रूफ़ आर्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(1) श्रीमती मेमो देवी जैन, विधवा पत्नी श्री प्रेम चन्द्र
जैन, सी-15/ई, डी० डी० ए०, फ्लॉट्स, मुर्मिका,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-220002, दिनांक 6 जून, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी/एस०-II/एस०-आर-1/10-80/

7066:—अतः मुझे विमल विश्वास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-2392-2403 है तथा जो चेता शाहजी आवरी बाजार दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पारा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पञ्चांशी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/5 अनिश्चित हिस्से प्रोपर्टी नं० बी/2392-2403, चेता शाहजी, चावड़ी बाजार, दिल्ली।

विमल विश्वास,
सम्म अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, नई दिल्ली।

तारीख : 6-6-1981.

गोहर :

प्रूप बाइ० टी० एन० एम० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 जून 1981

निर्देश सं० आइ० ए० सी०/एक्य०/II/एस-आर-1/10-80/

7091—अतः, मुझे, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवादास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डी-5, एस० एम० ए० है तथा जो को० आप०
इंडस्ट्रियल स्टेट लि०, गांव हैदरपुर में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय विली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य को कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवादास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके द्वयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्यों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती पूरन देवी जैन, 6066, बारी मार्किट, सदर
बाजार, दिल्ली-6.

(अन्तरक)

(2) श्री वीरा वुलन मिल्स (प्रा०) लि०, 6066, बारी
मार्किट, सदर बाजार, दिल्ली-6.

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

एक प्राप्टी नं० डी० 5, एस०एम०ए० को-आपरेटिव इंडस्ट्रियल
स्टेट लि० गांव हैदरपुर जी० टी० रोड, करनाल दिल्ली में स्थित
है जिसका क्षेत्रफल 1214. 6 वर्ग गज है।

विमल विशिष्ट,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

तारीख : 6-6-1981

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिया अर्थातः—

प्रख्य प्राई० टी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 6 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एन्य०-२/एस-मार-१/१०-८०/

7101:—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 23,000/- रुपए में अधिक है और जिसकी सं० ए-१/१०, है तथा जो माडल टाऊन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख प्रक्तृबद्र, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया गति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देते के प्रत्यक्ष के वायिक्षण में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों का, जिस्हे भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सूरज भान खन्डालवाल सुपुत्र श्री मन्ना लाल और श्रीमती शान्ता खन्डेलवाल पत्नी श्री सूरजभान, ए-१०-१/१०, माडल टाऊन, दिल्ली, एस और ए प्रपर्स लि० ५७/५८, पक्षग्राम रोड, लिसर्टर (य००के०) द्वारा अटर्नी श्री राम गोपाल।

(अन्तरक)

(2) श्री अल्का वेद, पत्नी श्री विजय कुमार और श्रीमती कुमुम वेद पत्नी श्री अशोक कुमार, ए-१/१०, माडल टाऊन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आज्ञेय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना ही तामील। 30 दिन हो अवधि, तो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संबोधकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2 1/2 डाई मंजिली मकान नं० ए०-१०, माडलटाऊन, दिल्ली, घेवफल 450 वर्ग गज, एरिया ग्राम—मलीकपुर छावनी, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक मायकर मायकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, नई दिल्ली।

तारीख : 6-6-1981.

मोहर:

प्रस्तुप बाइ^१. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वाक्यकर्ता (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/एस० आर०-1/20-
30/7053—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 19-ए, है तथा जो दरियागंज दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपावद्ध ग्रन्तुमूच्ची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक अक्टूबर, 1980

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्ते)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से नहीं फिरा गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

- (1) मैं एस० चन्द एण्ड लि० द्वारा श्री श्याम लाल प्ता
राम नगर, नई दिल्ली
(अन्तरक)
(2) मैं एटलस रेडियो एण्ड इलैक्ट्रोनिक्स इन्डस्ट्रीज प्रा०
लि० द्वारा श्री जे० एस० शंकरी 5-दरिया गंज दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थायर समाजि में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तान्तरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रभुमूल्य

मध्य भाग ग्राउण्ड फ्लोर 19-ए, दरियागंज नई दिल्ली
म्यूनिसीपल नं० 4633-1064 वर्ग फीट एरिया।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, नई दिल्ली

दिनांक : 16-6-1981

मोहर :

प्रृष्ठ प्राप्ति ३१० टी० एस०, एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जून 1981

निर्देश सं० आर्ड० ए० सी०/एक्यू०/२/एस० आर-२/१०-८०/
७०९४—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 15, ब्लाक नं० 'इ' है तथा जो राजोरी
गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से अंकित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के
कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिक्रिया से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी अन्य व्यास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या पाया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः; प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रत्यु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उच्चारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० गुरबक्ष सिंह राम चन्द्र एण्ड कं० प्रा० लि०
८/८६, रमेश नगर, नई दिल्ली द्वारा मैनेजिंग डाशरेक्टर
श्री राम चन्द्र और डाशरेक्टर श्री गुरबक्ष सिंह,
(अन्तरक)

(2) श्री मुकन्द लाल और रमेश कुमार सुपुत्र श्री मूल
चन्द्र, ई-१३, राजोरी गार्डन नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद म
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

उपर्युक्तरण :—दूसरे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं० 15, ब्लाक नं० 'इ' क्षेत्र 598.44, वर्गगज,
टोटल क्षेत्रफल 630 वर्ग गज, राजोरी गार्डन एरिया ग्राम-
वसई दारापुर, नई दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

दिनांक : 6-6-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, 110002, दिनांक 6 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस आर-२१०/८०/

3810—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी० ए८०/७०, है तथा जो हरीनगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10/1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उग्रो दृश्यमान प्रतिफल से, गम्भीर दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृइं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी दिल्ली आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री वेद प्रकाश, सत नरायण सुपुत्र श्री हरी राम डी-118, (डी० एस०) मोतीया खान, दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्रीमती जानबती जैन, पत्नी श्री गोपी राम जैन, श्रीमती मुनी देवी पत्नी श्री महाबीर प्रसाद जैन, 1731, गली नं० 126, वीनगर, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ देखा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० बी०-ए८०/७०, स्थापित-ए८० ब्लौक हरी नगर, दिल्ली क्षेत्र ग्राम-तिहाड़, क्षेत्रफल 223.88 वर्ग गज।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I नई दिल्ली-110002,

दिनांक : 6-6-1981
मोहरः

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर प्रायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली 110002, दिनांक 6 जन 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/एस० आर०-2/10/80/
3836—ग्रन्त: मुझे, विमल वशिष्ठ,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है।

और जिसकी सं० बी-1/3 है तथा जो राजीवी गार्डन नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्वरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्वरित प्रतिशास से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षरकों) और प्रत्यारिती (प्रत्यारितियों) के बीच ऐसे अन्वरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्वरण विधित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(अ) अन्वरण से दूरी किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्वरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) एंसी फिनो आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रतिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धारा-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ने प्रयोजनार्थ अन्वरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अधरू :—

12—146GI/81

(1) श्री हमेश सिंह, देश राज, मुलख राज और सुरिन्द्र कुमार सुपुत्र श्री रेला राम अन्डन, बी-1/84, जनक पुरी नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं बी० और सी० एक्सपोर्ट ए-135, बिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली, द्वारा हिस्सेदार श्री सतपाल सिंह,
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो नी अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही पर्याय होगा, जो उस प्रध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० बी-1/3, क्षेत्र 214-वर्ग गज, राजीवी गार्डन, ग्राम-तत्तारपुर, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 6-6-1981
मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जून 1981

निर्देश सं. आई.ए. सी.ए.एक्यू.II/एस.आर. II
10-80/3884—अतः मुझे, विमल विश्वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर नमूने, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 15, वर्ग 'सी' (तथा जो बेस्ट एवेन्यु
रोड़ पंजाबी बाग में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर, 1980

को पूदाँक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, ऐसे उद्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भौं वास्तविक
रूप से कार्यित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
में, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-जनन अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्री विश्वास नाथ कपूर सुपुत्र श्री तेजा मल कपूर
मकान नं. 55, रोड़ नं. 2, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण कुमार मोंगा, सुपुत्र श्री सुरी लाल मोंगा
11/13, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूदाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूदाँक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय अधिकारी
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षाकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धित:—इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिमाणित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 15, वर्ग 'सी' बेस्ट एवेन्यु रोड़, पंजाबी बाग नई
दिल्ली क्षेत्रफल 541.47 वर्ग गज एरिया प्राम—मादीपुर, दिल्ली।

विमल विश्वास,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 6-6-1981

मोहर :

प्रकृति आई० टी० एस० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्य० 2/एस०-प्रार-2/10-80/
3794—प्रतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
६० से अधिक है

और जिसकी सं० प्रोपर्टी नं० 7, ब्लाक 'जी' है तथा जो शामनगर,
ग्राम ल्याला, भाग-के-4 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी
के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर,
1980

को पूर्वोन्नति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वान्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिकल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिकल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है,
मौर प्रतिकल (प्रतिकलों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बावजूद अन्तरण न लिए तथा पाया गया प्रतिकल,
निष्पत्तिक्रिया उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहै किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे अचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्राम प्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवधारितः—

(1) श्रीमती सुरजीत कौर, पत्नी श्री मोहन्न लिंग सिंह, जी-7,
शाम नगर, ग्राम-ल्याला, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरजीत बब्बर, पत्नी श्री कनवारजील सिंह बब्बर,
बी-1/126, पश्चिम विहार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोन्नति सम्पत्ति के अर्जन के लिए
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन को अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोन्नति
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्वैतस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्वरूपीकरण:— उसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में पारभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० 7, ब्लाक 'जी' क्षेत्रफल 100 वर्ग गज, स्थापित
शाम नगर, ग्राम-ल्याला, दिल्ली भाग नं० 4।

विमल वशिष्ठ,
सभी प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 6-6-1981

मोहर :

प्रृष्ठ पा० ३८१, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई विल्सी, दिनांक 9 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/I /एस० आर-2—अतः
मूँझे, विमल बशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट-10, रोड-68 है तथा जो पंजाबी बाग,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1980
को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिद्धि में वास्तविक रूप से की थी नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गुरदीत लाल शर्मा सुपुत्र प० फतेह चन्द, 33/24,
पुरानी राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० दिविन्द्र सिंह, एस० अवतार सिंह और
एस० हरपाल सिंह सुपुत्र एस० अजीत सिंह, ए-7,
कालोनी, सराय रोहिला, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव भूमि समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताभारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

मूलसूची

विमल बशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 9-6-1981

मोहर :

प्रकृष्ट शाई० टी० एम० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० II/एस० आर-II/10/80-3828—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दृष्टके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० जे०-6/88, है तथा जो राजौरी गढ़न, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और प्रतिरिती (प्रतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नापाग गण प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त प्रभारण लिखित में शास्त्रिक रूप से कथित तरीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिन में कभी करने या उससे बदने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिसी प्राय पा फिसी धन या प्राय प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिगाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयातः :—

- (1) श्रीमती व्यावसी विद्या पत्नी श्री भलिक शिवदास सी०-२ सी०/६ पोकेट-२, जनकपुरी नई दिल्ली।
(अन्तरक)
- (2) श्री मेहरबान सिंह और एस० तेजपाल सिंह सुपुत्र श्री एस० गुरबचन सिंह जे-१२९, जनकपुरी, नई दिल्ली।
(प्रत्यरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी प्रावेदः :—

- (क) इस पूर्वान्तर राजपत्र में घोषित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में घोषित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु निसी अन्य अवित्त द्वारा, प्रधोदशाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्राह्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होता, जो उस ग्राह्याय में दिया गया है।

प्रमुखसूची

प्रोपटी नं० जे०-6/88, क्षत्रफल-160 वर्ग गज, राजौरी गड़न, नई दिल्ली स्थापित ग्राम ततार पुर नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 9-6-1981

मोहरः

प्रस्तुति आई.टी.ए.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जून 1981

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० आर-II/10-
80/3866/—अतः मुझे, विमल बिश्णु,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डीन्डर पुर
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तारितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निर्माता विधित उदाहरण से उक्त अन्तरण विधित में वास्तविक
है (जो की एक नहीं नियम नहीं) नियम नहीं है:—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की आबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वारियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्म आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन विभिन्न व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री राज कुमार क्याम, 45-सहयद अमीर अली
एवन्जु, कलकत्ता

(प्रस्तारक)

(2) श्री विनोद कुमार जैन, अरुण कुमार जैन सुप्रभा
श्री ए० के० जैन, 36-ए, फैन्डस कालीनी, ईस्ट,
नई दिल्ली ।

(प्रस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी ग्राम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्वीर पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शेख : 5 बिधे और 18 बिश्वे खसरा नं० 707/2,

6 बिधे और 13 बिश्वे खसरा नं० 708,

4 बिधे और 10 बिश्वे खसरा नं० 709,

4 बिधे और 16 बिश्वे खसरा नं० 705,

4 बिधे और 13 बिश्वे खसरा नं० 1094/706,

0 बिधे और 4 बिश्वे खसरा नं० 1095/706,

टोटल : 26 बिधे और 14 बिश्वे

विमल बिश्णु;
संसद प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
प्रज्ञन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 10-6-1981

मोहर :

प्र० ल० प्र० ग्राह० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नई दिल्ली-110002

दिनांक 9 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस०-आर-II/
10-80/3869—यतः, मुझे, विमल अशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1, रोड नं० 44 है जो पंजाबी बाग नई
दिल्ली मे स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची मे और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली मे
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
प्रकृत्यार, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे
बास्तविक रूप से कीभित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व मे कमी करने या उससे बचाने मे सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आब या किसी भन मा अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे
सुविधा के लिए;

अतः मग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, बनासरण
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अन्तरिती :—
मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)

(1) श्री संजय कुमार पु० श्री हरी राम निवासी 3231
रंजीत नगर, नई दिल्ली और श्री हरी राम पुत्र श्री
नरमिह दास पुत्र श्री एच नेहरू गाड़ीयन के दो
माइनर संस, कैलाण नारायण और श्री शाम सुन्दर
निवासी 3231, रंजीत नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहिन्द्र कुमार पुत्र श्री गिरधारी लाल बहारा,
निवासी 2/53-बी नार्थ एवेन्यू रोड पंजाबी बाग,
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे क्रोह० भी अक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद मे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति मे हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित मे किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया
गया है ।

ममृतूची

1/4 बिना बटा दुश्मा भाग भकान नं० 1, रोड नं० 44 श्रेणी
'डी, पंजाबी बाग, दिल्ली (क्षेत्रफल 342.22 वर्गेंज) ।

विमल अशिष्ट

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 9-6-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एश्य०II एस० आर०-I/1080/

3874—पत्र: मुझे, विमल विश्वास,

आयकर अधिनियम 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 1 रोड नं० 44 श्रेणी क्लास डी है तथा जो पंजाबी बाग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिशत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुश्यमा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में मुश्यमा के लिए;

अस: अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी वर्धस् ८--

(1) श्री संजय कुमार पुत्र श्री हरी राम निवासी 3231, रंजीत नगर नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहिन्द्र कुमार पुत्र श्री गिरधारी लाल बत्तरा निवासी 2/53-बी० नार्थ एवेन्य० रोड़ पंजाबी बाग दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसन्धी

1/4 बिना बटा हुआ मकान नं० 1 रोड नं० 44 श्रेणी 'डी' पंजाबी बाग में स्थित है तथा जिसका क्षेत्रफल 342.22 वर्ग गज है।

विमल विश्वास,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक: 9-6-1981

मोहर:

प्रकृप प्राई० टी० एन० एस०---

ब्राह्महर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली
नई दिल्ली, 110002, दिनांक 9 जून 1981

सं० प्राई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० प्रार०-II 10-80/
3870—यतः मुझे, विमल बशिष्ट,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (और जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान 1 रोड नं० 44 है जो पंजाबी बाग नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखड़ा प्रनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक अक्टूबर, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हाय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
पौर/या

(ख) ऐसी किसी आय या छिपी धन या प्रन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या भ्रकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनायं
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना आहिए था, छिपाने में मुश्किल के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—
13—146GI/81

(1) श्री हरीराम पुत्र श्री नरसिंह दास निवासी 3231
रंजीत नगर नई दिल्ली नेहरूनगर गार्डियन द्वारा
पुत्र श्री कैलाश नारायण निवासी 3231 रंजीत
नगर नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहिन्द्र कुमार पुत्र श्री गिरवारी लाल बत्तरा
निवासी 2/53-बी नार्थ एवेन्यू रोड पंजाबी बाग
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति ने अर्जन के अवधार में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि आद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के प्रयाय 20-क में परिभाषित हैं, उन्हीं
पर्याय होगा, जो उस प्रयाय में दिया गया है।

प्रनुसूची

1/4 शेयर बिना बटा हुआ जिसका नं० 1 रोड नं० 44
श्रेणी 'डी' पंजाबी बाग दिल्ली जिसका क्षेत्रफल 342.22
वर्गगज है।

विमल बशिष्ट,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

दिनांक : 9-6-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 जून 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०II/एस०आर० III
10-80/3873— यतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1 रोड़ नं० 44 कलास
'डी' में स्थित है, जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित
है, (और इससे उपावधि अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में स्थित है
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीर्त्ति नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटाई जिसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ग्रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अस्तीरती इवारा प्रकट महीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्धते हैं—

(1) श्री हरी राम पुत्र श्री नरसिंह वास निवासी 3231
रंजीत नगर, नई दिल्ली एच० नेचूरल गार्डियन
माइनर पुत्र श्री शाम सुन्दर पुन्दर निवासी ऊपर
दिया हुआ है।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहिन्द्र कुमार पुत्र श्री गिरधारी लाल बत्ता
2/53-बी नार्थ एवेन्यू रोड़ पंजाबी बाग नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीफ से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाबू में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूथ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

विमल वशिष्ठ

1/4 भाग बिना बटा हुआ मकान नं० 1 रोड़ नं० 44 श्रेणी
'डी' पंजाबी बाग दिल्ली एरिया गांव शकुरपुर दिल्ली जिसका
क्षेत्रफल 342.29 वर्ग गज है।

विमल वशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, नई दिल्ली

दिनांक : 9-6-1981
मोहर :

प्रकृत जारी=टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख (1) के पश्चीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मामूलत (निरीकण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 जून 1981

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/—यतः मुझे,
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के पश्चीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 13 है तथा जो जयपुर में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से यणित
है) रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
27 अक्टूबर, 1980 /

को पूर्वोक्त भव्यति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल से अधृत प्रतिशत अधिक है और
अस्तरक (पत्तरकों) और प्रतिरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अस्तरण के लिए तथ यापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त प्रतिरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
द्वारा प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनामं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
करण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा
(1) के प्रश्नीन, निम्नलिखित अवित्यों, प्रर्णातः—

(1) श्री सुसान्तकुमार सैन पुत्र क्षेत्र कुमार सैन बहैसियत
स्वयं व बहैसि मुख्तार आम माटिल्दा सैन,
डान कुमार, श्रीमती नमिता बाशम व अनिता जिरवा
निवासी भहेन्द्र भवन, पाषर हाऊस रोड़, जयपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शांति देवी पत्नि जगदीश प्रसाद गुप्ता व
पुष्पलता पत्नि ओम प्रकाश गर्ग निवासी जयपुर
रास्ता गोविन्द राजीयान ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैत के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अवैत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस पूर्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि था तस्वीरधी अवित्यों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से
किमी अवित द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवित द्वारा, अधोइस्तानशी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

उपलेखकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जयपुर पावर हाऊस रोड़ सैन कालोनी में एक प्लाट
(मकान) नम्बर 13 वो मंजिला, जो उप पंजीयक, जयपुर
द्वारा क्रम संख्या 2755 विनांक 27-10-1980 पर पंजीबद्ध
विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरित है।

एम० एल० चौहान,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर मामूलत (निरीकण);
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 10-6-1981

मोहर :

प्रकाश आई० टी० एम० एस०————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 10 जून 1981

निदेश सं राज सहा०आ०अजून अतः मुझे, एम० एल० चौहान
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) को धारा 269-य
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिन्हा उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो कोटा में, (और
इससे उपाध्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोटा में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक
25 जून, 1980 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में नहीं किया गया है :—

(क) प्रतिरण में दुई किसी शाय को बाबन, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी शाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाबंध अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-य के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तातः—

(1) श्री प्रकाश चन्द्र आत्मज स्वर्गीय सेठ श्री पुरुष
चन्द्र जी बज, निवासी विजय पाड़ा, पुरानी धान
मण्डी, कोटा ।

(अन्तरक)

(2) श्री सत्यप्रकाश जैन आत्मज श्री लक्ष्मी रामजी
जैन, निवासी कोटा नं० बाई, भीमगंजमण्डी, कोटा ।
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में हिए जा सकते।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट स्थित कोटा जंक्शन बाई भीमगंज मण्डी, क्षेत्रफल
6192 वर्ग फुट जो उप पंजियक कोटा द्वारा कम संख्या
1912 विनांक 25-10-80 पर पंजीबद्ध विक्रय पक्ष में और
विस्तृत रूप से विवरीणत है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 10-6-1981

मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 जून 1981
निदेश सं राज सहा० आ० अर्जन प्रसः मृझे,
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25 000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 159 (5) है तथा जो जयपुर में स्थित है
(और इससे उपाधि अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 15 नवम्बर, 1980
को पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्णोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हैर्ड किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना भावित था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

नमः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

(1) श्री जितेन्द्र नाथ पुन्न स्व० शंकर नाथ, निवासी
काशी भवन, मिर्जा इस्माईल रोड, जयपुर ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स जालंधर मोटर एजेंसी (देहली) लिमिटेड,
6 सहगल कालोनी, कोटे लेन, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

करे यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकें ।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जयपुर चौकड़ी छाली शहर मिर्जा इस्माईल रोड,
प्लाट नं० 159 (5) छालक नम्बर एच० सी० 6 में
छाली भूमि पर जो उप-पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम सं०
3029 दिनांक 15-11-80 पर पंजियक विक्रय पद में और
विस्तृत रूप से विवरणित है ।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 10-6-1981

मोहर :

प्रारूप आई० ठी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अञ्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, डिसेंबर 10 जून, 1981

अतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन संभास प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० है तथा जो जयपुर में, स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनेक सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 17-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्हाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तररक (अन्तराना) और प्राचीरी (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण विभिन्न प्राचीरिक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में कमी करने या उपरे बढ़ने में गुरुद्वय के लिए; और

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आदिनियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-ए के प्रमुख सरण में, गैं, उक्त प्रधिनियम हो धारा 269-ए की उपराख्य (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयादः—

(1) श्री ठाकुर जयर्सिंह पुत्र ठाकुर रामलाल सिंह चौम हाउस, सरदार पटेल मार्ग, जयपुर।
(अन्तरक)

(2) मंसरे जयपुर आयरन एण्ड स्पेक्ट्रम एन्ट जरिए पार्टनर श्री अम्बुल गफूर पुत्र श्री बजीर खां, निवासी लुहारों का खुर्रा मकान नं० 3434, जयपुर।

मेरे यह सूचना जाऊ करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोक्षस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों द्वारा पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसूची

प्लाट नं० स्थित संसार चन्द रोड, जयपुर जो उप-पेजियक, जयपुर द्वारा अम संख्या 3052 दिनांक 17-11-80 पर पंजिबद्ध विक्रय-पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
संभास प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अञ्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 10-6-1981

मोहर :

प्रकृष्ट आई० दी० एन० एस०--
आपकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा
269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 जून, 1981

ग्रामेश सं० राज सहा आ० अर्जन-प्रत: मुझे,
एम० एल० चौहान,

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधानात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प(1) के प्रधीन प्रकाशन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संघर्ष जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में प्रधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो जयपुर में स्थित है, और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 का (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 20-11-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तुति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य पे उक्त प्रस्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण मे नुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रस्तुति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिखाने में सुविधा के लिए;

अतः, शब्द, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री रणजीत सिंह पुन्र श्री लालूराम निवासी जाट के कुंए का रास्ता, जयपुर।
(अन्तरक)
(2) श्रीमती प्रेम कंवर पली श्री विजय सिंह, क्लैकटेट विलिंडग के पीछे, जयपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तरस्वन्धनी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जोभी प्रवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रव्योहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अलाय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयृ होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट किशन बाग तहसील व जिला जयपुर में स्थित है और उप-पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 3113 दिनांक 20-11-80 पर पंजिबद्ध विक्रय-पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

दिनांक : 10-6-1981
मोहर :

एम० एल० चौहान,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 जून 1981

निर्वेश सं० राज०/सहा आ० अर्जन/975—यतः मुझे,

एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान व मकान है तथा जो जयपुर में
स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 21 अक्टूबर, 1980।

को पूछाँकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डॉक्टर गुलाबचन्द्र पुरोहित पुत्र श्री कल्याण बक्ष
ज द्वारा मुख्तार आम डा० जगदीश नारायण पुरोहित
निवासी अजमशाह।

(अन्तरक)

(2) श्री गोपाल लाल पुत्र सुखमल अग्रवाल, बम्बई
वाला, लाडली जी का खुरा, चौकड़ी रामचन्द्र जी,
जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूछाँकत सम्पत्ति के अर्जम के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की समिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूछाँकत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक वाणिज्यिक दुकान एवं मकान जो दुकान के ऊपर
स्थित है, सौंगनेरी गेट के बाहर, बम्बई मिष्टान भंडार
के बराबर में जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या
2639 दिनांक 21-10-1980 पर पंजीयन विक्रय पत्र में
और विस्तृत रूप से विवरित है ।

एम० एल० चौहान,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक: 17-6-81

मोहर:

प्रस्तुत आर्डे.टी.एन.एस. -----

(1) श्री गुरमीत सिंह, 23 बी, मेठी कालोनी, जयपुर-4
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 जून 1981

निर्देश सं० राज/सहा० आ० अर्जन 976—यतः मुझे,
एम० एल० चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० के-5 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयगुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16
अक्टूबर, 1980

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-के अधिकारी (i.e. 1927 '927 वा. 17)
के अन्तर्गत अन्तरिती के दृश्यमान रूप से उक्त
गदा था तथा दिलाना आवश्यक था, छिशन के
सुविधा के लिए;

प्लाट नं० के-5, फतेहटीबा, जयपुर का भाग जो उप पंजीयक,
जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2601 दिनांक 16-10-1980
पर पंजीयन विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित
है।

एम० एल० चौहान,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
में अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—
14—146GI/81

दिनांक : 17-6-1981

मोहर :

प्रस्तुत आइ० टी० एन० प्र० स०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जब्तुपुर, दिनांक 18 जून 1981

निर्देश सं० राज/सहा० आ० अर्जन/१९८६—यतः मुझे एम०
एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'डक्ट अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 2 है तथा जो अजमेर में स्थित है,
(और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय अजमेर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
17 नवम्बर, 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पश्चात प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) सर्वीद यूसूफ अली शाह पुत्र सर्वीद मीर याकूब
अली शाह, इस्मीरियल रोड, अजमेर।

(अन्तरक)

(2) श्री शलेन्द्र कुमार अग्रवाल पुत्र श्री राजेन्द्र प्रसाद
अग्रवाल, निवासी अजमेर।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्थन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवश्यक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समानी व्यक्तियों पर
सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त नहीं हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित किए जा सके।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के विरभावित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2, रैम्बल रोड, अजमेर जो उप पंजीयक, अजमेर
द्वारा क्रम संख्या 4452 दिनांक 17-11-1980 पर पंजीयक
विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

यतः आय, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (11)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 18-6-1981

मोहर :

प्रकृष्ट प्रकाश पुस्तक संस्थान द्वारा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जून 1981

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/991—यतः मुझे, एम०
एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक है।

और जिसकी सं० गोदाम व गैरेज है तथा जो जयपुर में
स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जयपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 21 अक्टूबर, 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्ट किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या छाप्से छबने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मासितों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रधानमंत्री अन्तरिती द्वारा प्रकल्प नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के, बनुसरण
में, से, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री देव प्रकाश पुस्तक संस्थान द्वारा, डी-192,
जगदीश मार्ग, बनीपार्क, जयपुर।

(प्रत्यक्ष)

(2) श्रीमती अम्बा देवी पस्ती नेम प्रकाश द्वारा, डी-192
जगदीश मार्ग, बनीपार्क, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करदा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक
बाद में समात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

जनतानी

गोदाम एवं गैरेज, कार्मशियल उपयोग के लिए, द्वारा, जयपुर जो उप-पंजीयक
मैन्सन, ठोलिया सर्किल, एम० आई० रोड़, जयपुर जो उप-पंजीयक
जयपुर द्वारा कम संख्या 2638 दिनांक 21-10-1980 पर
पंजीयक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरित है।

एम० एल० चौहान,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 18-6-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जून 1981

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/987—यतः मुझे, एम०
एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को गहरे विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर नम्बरी, जिसका उद्देश्य द्वारा राहत
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 2 है तथा जो अजमेर में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजमेर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
4 अक्टूबर, 1980

क्षेत्र पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाग्राहित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
(अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसपे नियन्ते में सुधार
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तीनों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम द्वारा धारा 269-घ को उद्धारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) डा० एस० के० शर्मा पुत्र श्री जगन्नाथ शर्मा, अजमेर।
(अन्तरक)

(2) कानमल मूदडा पुत्र मांगी लाल मूदडा, श्री मंडी,
नया बाजार, अजमेर।

(अन्तरिती)

क्षेत्र यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के एवं
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रथम शब्द 'आरे पदों वा, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही क्र० होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2, रैम्बुल रोड, अजमेर जो उप पंजीयक, अजमेर
द्वारा क्रम संख्या 3819 दिनांक 4 अक्टूबर, 1980 पर पंजी-
बद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरित है।

एम० एल० चौहान
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 18-6-1981

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जून 1981

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/990—यतः मुझे,
एम० एल० चौहान,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इनके पश्चात् 'उत्तर प्रधिनियम' रहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सत्रम आधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण
है कि इवावर समाति, त्रिपक्ष उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्री-
करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
21 अक्टूबर, 1980

को पुर्वोत्तम समाति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिकल के तिथि अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का लाभ है कि यात्रूर्जित प्राप्ति का उचित बाजार
मूल्य उत्तर दृश्यमान प्रतिकल न पैदा दृश्यमान प्रतिकल का
नन्दह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
उत्तर दृश्यमान प्रतिकल, तिम्नतिम्बित उद्देश से उक्त अन्तरण
उचित में वात्तवित रूप से नियत नहीं किया गया है :—

(न) अन्तरण से इर्हे निसी पार की गति, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
नायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी वाप या किसी धन या अन्य आस्तियों
हो, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री मदन प्रकाश खण्डाका पुत्र श्री सरदारमल
खण्डाका, डी-192, जगदीश मार्ग, बनीपार्क, जयपुर।
(अन्तरक)
- (2) शांति देवी पत्नी ओम प्रकाश अग्रवाल, निवासी
डी-192, जगदीश मार्ग, बनीपार्क, जयपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वान्त सम्पत्ति के ग्राहन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्राहन के मध्यन्तर में कोई सीधा प्राप्तेव :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रतिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पुर्वोत्तम
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय-20 के परिभाषित है,
वही प्रथम होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खण्डाका मेन्सन, एम० आई०रोड, ठोलिया सक्किल के पास,
जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 2637
दिनांक 21-10-1980 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और
विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 18-6-1981

मोहर :

प्रस्तुत आइ० टी. एस. एस.-----

(1) श्री सी० वी० सत्यवर्ण ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

(2) सोणी हरिलाल एंड को० ।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 16 जून 1981

निदेश सं० एल० सी० 516/81-82—यतः, मुझे,
टी० जैड० माणि,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो तिचूर में स्थित
है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तिचूर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 1 अक्टूबर, 1980।को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिएअन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथार्थवाक्त तात्पुरता या उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशोध प्राप्ति है
और अन्तरक (प्रतिफलों) और अन्तरिती (प्रतिफलों) के
बीच ऐसे अनुरुप के लिए तथा यात्रा गया प्रतिफल, निम्नलिखित
दृश्यमान से उठा अन्तरगतिविहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
गया है :--(क) अन्तरण से हूँ कि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;टी० जैड० माणि
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलमयतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, तृ०, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

दिनांक : 16-6-1981

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० पृ० स०—

(1) श्री जे० महादेव ।

(अन्तरक)

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री बी० ममत ।

(अन्तरिती)

269-ष (1) से अधीन सूचना

भारत सरकार

व्यापारिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, प्रणालुम

प्रणालुम, दिनांक 16 जून 1981

निवेश सं० एन० सी० 517/81-82—यतः, मुझे, टी० जै० माणि,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के पश्चीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समति, जिस का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो कालीकट में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कायलिय कालीकट में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27 प्रबुद्ध, 1980

को प्रवर्वेत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यह प्रवर्वेत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

को यह सूचना जारी करके प्रवर्वेत समति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवर्वेत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समति में विस्तृद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तानकी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हप्तोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-ए में परिभाषित है, वही पर्याप्त होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1.09 acres of land and factory sheds in Sy. R. S. No. 17 ward 1, Block 1 of Calicut Corporation in Calicut District.

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भै, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्तः—

टी० जै० माणि

[सभी प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, प्रणालुम

दिनांक : 16-6-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री कें पी० रामनकुमारी नाथर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सेठन्ड जोमफ मोणास्टरी।

(अन्तरिती)

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

प्रजेन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 16 जून 1981

निवेदण सं० ए१० सी० 518/81-82—यतः, मुझे, टी० जैड
माणि,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो ओट्टप्पालम में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्प से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ओट्टप्पालम
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 23 अक्टूबर, 1980का पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मूल्य से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उदादेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--(क) अन्तरण से हैर्ड किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;क्योंकि यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

4 Acres 18 cents of land with two buildings as per Schedule
attached to Doc. No. 3113/80 dt. 23-10-1980.टी० जैड माणि
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजेन रेंज, एरणाकुलमअतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनांक : 16-6-1981

मोहर :

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एस.-----
 बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-व (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम
 कोचीन-16, दिनांक 16 जून 1981
 निर्देश सं० एल० सी० 519/81-82—यतः मुझे टी० जै०
 मणि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के
 कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो कोचीन में स्थित
 है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
 है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोचीन में भारतीय
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
 15 अक्टूबर, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
 फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
 विक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ है किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में
 कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिये;
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—
 15—146GT/81

(1) श्री प्रबुल रहमान प्रबुला सेठ।

(अन्तरक)

(2) श्री मुहम्मद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
 बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
 अन्य व्यक्ति द्वारा, अन्तरिती के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्रान्ति
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

5.470 cents of land with building in Sy. No. 81/1 of Mathan-chery Village.

टी० जै० मणि,
 सक्षम प्राधिकारी,
 (सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण))
 अर्जन रेज, एरणाकुलम
 कोचीन-16

दिनांक : 16-6-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री जी० सुनील ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जी० गोपालकृष्ण पिलै।

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 15 जून 1981

सिवेंश सं० एल० सी० 520/81-82—यतः मुझे, टी०
जैड मणि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० घनसूची के अनुसार है जो कोलम में
स्थित है (और इससे उपाध्य घनसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय कोलम में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 3 अक्टूबर, 1980।

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
कृप से नाभित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर वने के अन्तरक के
दृश्यमान में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानिकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्जों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

घनसूची

28.591 Cents of land in Sy. No. 9614/1 of Quilon Village.

टी० जैड मणि,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, एरणाकुलम,
कोचीन-16

दिनांक : 15-6-1981

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एम० एस०---

(1) श्री डी० एन० नरहरिमल ।

(अन्तरक)

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदा
269-प(1) के प्रधीन सूचना

(2) श्री पी० आर० मोहन ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज, एरणाकुलम

कोषीन-16, विनांक 16 जून 1981

निर्वेश सं० एल० सी० 521/81-82—यतः मुझे टी० जै० मणि,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाना 'उत्तर प्रधिनियम' कहा गया है), की आदा 269-प(1) के अधीन प्रभाव प्राधिकारी को, पृष्ठ विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4 अक्टूबर, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के एक ही प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आदा की वादत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रधारक के वायिष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या,

(ल) ऐसी किसी आदा या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाबाबू अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की आदा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की आदा 269-प की उपचारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अवधियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों ने से किसी अविक्षियां द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य अविक्षियां द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों पर वदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा जो उन घट्यायमें दिया गया है।

अनुसूची

4.950 cents of land with building as per Schedule attached to
Doc. No. 3128/80 dt. 4-10-1980.

टी० जै० मणि,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रजन रेंज, एरणाकुलम
कोषीन-16

दिनांक : 16-6-1981

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

लोटिस

राष्ट्रीय रक्षा प्रकाशनी परीका, दिसम्बर 1981

नई दिल्ली, विमान 11 जुलाई 1981

सं. का० 7/2/81-प०-I(च) —राष्ट्रीय रक्षा प्रकाशनी के थल-
सेना, नीतिना तथा वायु सेना संकायों में प्रवेश हेतु जुलाई, 1982
में प्रारम्भ होने वाले ४५वें सत्र के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा
२७ दिसम्बर, 1981 से एक परीका आयोजित की जाएगी।

इस परीका के परिणाम के आधार पर भी जागे बासी नियमितों की
मतुमानित संख्या 300 (बल सेना के लिए 195, नीतिना के लिए 39
और वायु सेना के लिए 66) होगी।

व्यापार हैः—उम्मीदवार को आवेदन-पत्र के कालाम 8 में यह स्पष्ट
करने के बलबाना होगा कि वह किता सेवाप्राप्तों के लिए
वरीयता ज्ञम में विचार किए जाने का इच्छुक है।
उसे यह भी सलाह दी जाती है कि वह अपनी इच्छा-
मुसार जितनी बाहे उत्तमी वरीयताओं का उत्सव करे
ताकि योग्यता ज्ञम में उसके ऐक को व्याप में रखते
हुए नियुक्त करते समय उसकी वरीयताओं पर भली-
भांति विचार किया जा सके।

आयोग द्वारा आयोजित होने वाली लिखित परीका तथा उसके बाद
सेवा व्यवस्था बोर्ड द्वारा लिखित परीका में योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों के
लिए आयोजित वैदिक और व्यक्तिगत परीकण के परिणाम के आधार
पर उपर्युक्त पाठ्यपत्रों में प्रवेश दिया जाएगा। (क) परीका की प्रणाली
स्तर और पाठ्यपत्रों, (क) प्रकाशनी में प्रवेश हेतु आरीरिक कमता
स्तर तथा (ग) राष्ट्रीय रक्षा प्रकाशनी में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवारों
की सेवा आदि की संक्षिप्त सूचना से सम्बन्ध में कमता: परिशिष्ट I, II
और III में विस्तार से समाप्ता गया है।

नोटः—परीका के सभी विवरों के प्रवेश पत्रों में केवल वस्तुपूरक
प्रवेश ही होगी। समने के प्रवेश सहित मात्र विवरण के
लिए अपना परिशिष्ट V में उम्मीदवारों को सूचनाएँ
विवरणिका देने ले।

2. परीका के केवलः—अग्रतला, अहमदाबाद, एज़्ज़, इलाहाबाद,
बंगलोर, भोपाल, बैंगलौर, कलकत्ता, चंडीगढ़, कोल्काता, कटक, विल्सी,
रिसपुर (गोहाटी), दिल्लीबाद, इमफाल, इटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट,
कोहिमा, लखनऊ, मध्यप्रदेश, नागपुर, पणजी (गोवा), पटियाला, पटना,
पोर्ट ब्लॉयर, तिलांग, भीलपार और लिम्बुनगर

आयोग यदि जो भी तो उक्त परीका के उपर्युक्त केवलों सथा तारीखों में
परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीका के लिए
उसकी परिवर्तन के केवल देने के सभी प्रयास किए जाएंगे तो भी आयोग परि-
वित्तिवश किसी उम्मीदवार को अपनी विवादों पर प्रसग के न्यूनता से सकता है। जिन उम्मीदवारों जो उस परीका में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय
संकारणी तथा परीका स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएगी (मीठे
दैरा 11) देखिए।

उम्मीदवारों को आयोग रखना चाहिए कि केवल में परिवर्तन से संबद्ध
स्थलों को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई
उम्मीदवार अपने इस केवल में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीका
हेतु अपने आवेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे संचित, संघ लोक सेवा
आयोग को इस बात का पूरा आधिकार बताते हुए एक पत्र रजिस्टर्ड डाक से
मानव भेजना चाहिए कि वह केवल में परिवर्तन करों चाहता है। ऐसे मान-
वों द्वारा गुणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 27 नवम्बर,
1981 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया
जाएगा।

3. पालनपालन की वर्ती:

(क) राष्ट्रियता:

- (i) भारत का नागरिक हो; या
- (ii) भूटान की प्रजा हो; या
- (iii) नेपाल की प्रजा हो; या
- (iv) भारत में स्वाची रूप से रहने के इरादे से 1 जनवरी,
1962 से पहले भारत आया हुआ तिब्बती वर-
जारी हो; या
- (v) भारतीय भूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्वाची
रूप से रहने के उद्देश से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका,
पूर्वी अफ्रीकी देश जैसे कीनिया, उत्तराञ्चल, तथा संजानिया का संयुक्त गणराज्य या जाम्बिया, भूसंसी, जेरे
तथा इथियोपिया और विंतनाम से प्रवासन कर आया
हो।

परन्तु उपर्युक्त वर्ती (iii), (iv) और (v) के अन्तर्गत आगे बाला
उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पालना प्रमाण-
पत्र प्रदान किया हो।

पर नेपाल के गोरखा उम्मीदवारों के लिए यह पालना प्रमाण-पत्र
आवश्यक नहीं होगा।

जिस उम्मीदवार के लिए यह पालना प्रमाण-पत्र आवश्यक होगा,
उसको इस वर्ती पर परीका में प्रवेश दिया जा सकता है और अकालीनी
या शाला में भी, जैसी भी स्थिति हो, प्रवेश दिया जा सकता है कि
वार में भारत सरकार से वह उक्त प्रमाण-पत्र प्राप्त करे।

(ब) आयु सीमाएँ, स्त्री या पुरुष और वैशिक विवाहिति—केवल
वे ही विवाहाहित पुरुष उम्मीदवार यात्रा हैं जिनका जन्म 2 जनवरी, 1964
से पूर्व तथा 1 जुलाई 1966 के बाब त हुए हो।

नोटः—जन्म की तारीख के बाब वही मात्र होगी जो बैंडिक्युलेशन/
हायर सेकेन्डरी या समकक्ष परीका प्रमाण-पत्र में लिखी
गई हो।

(ग) वैशिक योग्यताएँ—राज्य विज्ञा बोर्ड या साम्बता प्राप्त विश्व-
विद्यालय भी हायर सेकेन्डरी परीका या समकक्ष। वे उम्मीदवार भी
पाल हैं जिन्होंने स्कूली विज्ञा की 10+2 प्रणाली के प्रत्यर्थीत 11वीं
कक्षा की परीका पास कर ली है।

ऐसे उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं जिन्होंने भी हायर
सेकेन्डरी या समकक्ष परीका या स्कूली विज्ञा की 10+2 प्रणाली के
प्रत्यर्थी 11वीं परीका पास करनी है।

सं० ४० बोर्ड के साक्षात्कार में भाँहता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों
को 21 जून, 1982 तक अपने हायर सेकेन्डरी या समकक्ष प्रमाण-
पत्र भूल रूप में सेना मुख्यालय रिकूटिंग ८ (सं० १००) (प०),
बैठल भ्लाक III, भार० के० पुरम, नई विल्सन-११००२२ को
प्रस्तुत करने होंगे। ऐसा त करने पर उनकी उम्मीदवारी रह कर भी
जाएगी। ऐसे मानवों में जहाँ बोर्ड/विश्वविद्यालय के हायर वर्जी
प्रमाण-पत्र भारी नहीं किए गए हों, विज्ञा संस्थाओं के प्रशासनाचार्य के द्वारा
ऐसे गए मूल प्रमाण-पत्र भी मान्य की स्वीकार्य होंगे। ऐसे प्रमाण-पत्रों
की प्रमाणित सत्य प्रतिलिपियां स्वीकार नहीं की जाएंगी।

प्रपत्राव की परिवर्तियों में आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार को इस
नियम में निर्धारित योग्यताओं में से किसी से पूर्त न होने पर, भी वैशिक
रूप से योग्य मान सकता है वर्ती कि उसके पास ऐसी योग्यताएँ हों
जिनका स्तर, आयोग के विचार से उसे इस परीका में प्रवेश देना उचित
नहीं हो।

नोट 1:—वे उम्मीदवार, जिन्हें हायर सेकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा में अभी अहंता प्राप्त करती है और जिनको संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में बैठने की अनुमति दे दी है, नोट कर लें कि उनको दी गई यह विशेष कृष्ट है। उन्हें हायर सेकेण्डरी या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण निर्धारित तारीख सक प्रस्तुत करना है और शोहौर/विवाहितालय परीक्षा के देव से आयोजित किए जाने, परिणाम घोषणा में, विसम्ब या अन्य किसी कारण से इस तारीख को और आगे बढ़ाने से सम्बद्ध किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

नोट 2:—जो उम्मीदवार रक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा सेवामें किसी प्रकार के कमीशन से भवित्वित है, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पास नहीं होंगे। अगर प्रवेश दे दिया गया तो उनकी उम्मीदवारी रह की जाएगी।

4. आवेदन के साथ देय शुल्क:—रु. 28.00 (अनुशृण्खित जातियों/अनुशृण्खित जनजातियों के लिए रु. 7.00)। जिन आवेदन-पत्रों के साथ यह निर्धारित शुल्क नहीं भेजा जाएगा, उनको एकत्र अस्वीकार कर दिया जाएगा।

5. शुल्क से कृद:—(1) आयोग, यदि चाहे तो निर्धारित शुल्क के कृद के सक्ता है अब उनको इस बात का ध्यानासन हो कि आवेदन शुल्कपूर्व पूर्वी प्रक्रियालय (भव बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है जो 1-1-1964 और 25-3-1971 के बीच की अवधि में भारत में प्रवानन कर आया है या वह वर्षा से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 को या उसके बाद भारत में प्रवानन कर आया है या वह श्रीलंका से वस्तुतः प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो प्रक्तूर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 अप्रूव, 1964 को या उसके बाद भारत में आया है या आगे बाला है और निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

(2) यज देना के जूनियर कमीशन अक्षरों, नान-कमीशन अक्षरों तथा अन्य ऐकों और भारतीय नौसेना तथा भारतीय बायू सेना के समकक्ष ऐकों के बच्चों और यजदेना के भूतपूर्व जूनियर कमीशन अक्षरों, भूतपूर्व नान-कमीशन अक्षरों तथा भूतपूर्व अन्य ऐकों और भारतीय नौसेना तथा भारतीय बायू सेना के समकक्ष ऐकों के बच्चों की उस स्थिति में निर्धारित शुल्क देने की ज़रूरत नहीं होती जब कि निम्नलिखित जाते पूरी कर देते हैं; प्रथातः—

- (i) कि निलिट्री स्कूलों (पहले किंव जार्ज के स्कूलों के नाम से जात) /सैनिक स्कूल सोसायटी द्वारा बलाए जा रहे सैनिक स्कूलों में शिक्षा पा रहे हैं, और
- (ii) उनके आवेदन सम्बद्ध स्कूल के प्रिसिपल द्वारा इस अनुशंसा के साथ अप्रेवित कर दिए जाते हैं कि उनके लिखित प्रश्न-पत्रों में कुल अंकों के कम से कम 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करने की आशा है।

टिप्पणी:—निलिट्री स्कूलों/सैनिक स्कूलों के उम्मीदवारों के सम्बद्ध स्कूलों के प्रधानाचार्यों द्वारा अप्रेवित आवेदन-पत्रों की संबीक्षा आयोग के कार्यालय में यह निचय करने के लिए की जाएगी कि क्या ऐसे उम्मीदवार उपर्युक्त नौटिस के पैरा 5(2) के अन्तर्गत शुल्क से कृद के तृप्तवार हैं। किन्तु निलिट्री स्कूलों/सैनिक स्कूलों के प्रधानाचार्यों को अपने स्कूल के विद्यार्थियों के आवेदन-पत्र आयोग को अप्रेवित करने से पहले संतुष्ट हो लेना चाहिए कि वे नौटिस की उक्त अवस्था की अपेक्षाओं को पूरा करते हैं। आयोग, प्रधानाचार्यों द्वारा कृद करने या न करने से कुई अड्डाएँ के लिए उत्तरदाती नहीं होगा।

6. आवेदन जैसे किया जाए:—केवल राष्ट्रीय रक्षा अकादमी परीक्षा विसम्बर, 1981 के लिए निर्धारित प्रपत्र में छपे हुए आवेदन-पत्र ही लिए जाएंगे जो इस परीक्षा के नौटिस के साथ लगे हुए हैं। आवेदन-पत्र

भर कर संविष्ट, संघ लोक सेवा आयोग, श्रीलंपुर हाउस, नई विल्सी-110011 को भेजे जाने चाहिए। आवेदन प्रपत्र और परीक्षा के पूरे विवरण निम्न स्थानों से प्राप्त किए जा सकते हैं:—

- (i) संघ लोक सेवा आयोग के संचित को वो रूपये मनीषांबर या नई विल्सी प्रधान डाकघर पर देय रेकॉर्डिंग भारतीय पोस्टल मार्डर द्वारा भेज कर संविष्ट, संघ लोक सेवा आयोग, श्रीलंपुर हाउस, नई विल्सी-110011 के यहां से डाक द्वारा;
- (ii) वो रूपये नक्द देकर आयोग के कार्यालय के काउप्सर पर;
- (iii) निकटतम भर्ती कार्यालय, मिलिट्री एरिया/सब एरिया मुख्यालय, बायू सैनिक बयन केन्द्रों एवं सी० सी० सी० एकत्र तथा नौसेना प्रतिष्ठानों के यहां से निःशुल्क।

आवेदन-प्रपत्र तथा पावरी काउप्सर उम्मीदवार अपने हाथ से ही स्पाही या बालपैन से भरें। सभी प्रविष्टियों लकड़ी में होती चाहिए, रेकॉर्डों या बिल्डिंगों में नहीं। अधूरा या गलत चरा हुआ आवेदन-पत्र रह किया जा सकता है।

उम्मीदवार यह ज्ञान रखें कि आवेदन-पत्रों को भरते समय भारतीय धर्मों के अन्तर्विष्टीय रूप का ही प्रयोग किया जाता है। वे इस बात का विशेष ज्ञान रखें कि आवेदन-पत्र में की गई प्रविष्टियां स्पष्ट और सुप्राकृत हों। यदि प्रविष्टियां अपाधूय या भ्रामक होंगी तो उनके निर्बचन में होने वाले भ्रम तथा संविष्टता के लिए उम्मीदवार उत्तरदाती होंगे।

उम्मीदवारों को ज्ञान रखाए जाहिए कि आयोग द्वारा आवेदन पत्र में उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोई पत्र आविष्टीकार नहीं किया जाएगा। इसलिए उन्हें आवेदन-पत्र सही रूप में भरते के लिए विशेष साक्षाती बरतनी चाहिए।

सभी उम्मीदवारों को, जाहे वे सरकारी स्वामित्व वाले भ्रात्रीयिक उपकरणों या उसी प्रकार के संगठनों में काम कर रहे हों या गैर सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, आयोग को दीर्घ आवेदन-पत्र भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने वियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचे तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, जल्द ही वह नियोक्ता को भ्रात्रीय तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो उम्मीदवार समस्त देना में देवतारत है, उन्हें अपने आवेदन-पत्र अपने कमांडिंग प्राक्षिपर को प्रस्तुत करने चाहिए और पूछाकर (आवेदन-पत्र के भाग 'ज' के भनुसार) को पूरा करके आयोग को अप्रेवित करें।

नोट:—भारतीय नौसेना के नाविक (बाल या कारीगर प्रविष्टु सहित) वहां तरीजीह भारतीय नौसेना को दें। उनके आवेदनों पर तभी विचार होगा जब वे कमान प्रफूल्य द्वारा विविष्ट अवृत्तांसि तर विवरण किया जाते हैं।

राष्ट्रीय ईडियन मिलिट्री कालेज (पहले दीनिक स्कूल के नाम से जात), वेहरावून के फैडेंटों, मिलिट्री स्कूलों (पहले किंव जार्ज के स्कूलों के नाम से जात) तथा दीनिक स्कूल सोसायटी द्वारा बलाए जा रहे दीनिक स्कूलों के विद्यार्थियों को कालिज/स्कूल के प्रिसिपल के माध्यम से अपने आवेदन-पत्र भेजने चाहिए।

7. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ संविष्ट, संघ लोक सेवा आयोग श्रीलंपुर हाउस, नई विल्सी-110011 को 7 सितम्बर, 1981 (7 सितम्बर, 1981 से पहले किंव तारीख से प्रस्तुत, मेवालाय, प्रश्नाचल प्रवेश, मिलिट्री, नागराजूर, लिपुरा, दिलिक्कम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लालबाद ग्रामान, मंडमाल और निकोबार द्वीपसमूह या सज्जाहीप और विशेषों में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 21 सितम्बर, 1981) सक या उससे पहले द्वारा अपने आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

प्रसम, मेषालय, प्रश्नाचल प्रवेश, मिजोरम, मणिपुर, नागार्जुण्य, विपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लहान प्रभाग, बंडमान और निकोबार द्वीप-समूह या लकड़ीप और बिलों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहे तो इस बात का सिविल प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 7 सितम्बर, 1981 से पहले की किसी तारीख से प्रसम, मेषालय, प्रश्नाचल प्रवेश, मिजोरम, मणिपुर, नागार्जुण्य, विपुरा, सिक्किम जम्मू और कश्मीर राज्य के लहान प्रभाग, बंडमान और निकोबार द्वीप-समूह या लकड़ीप या बिलों में रह रहा था।

टिप्पणी (i) जो उम्मीदवार ऐसे लोगों के हैं जहाँ के रहने वाले आवेदन की प्रस्तुति द्वारा प्रतिरिक्षित समय के हनवार हैं उन्हें आवेदन-पत्र के संगत कालम में अपने पतों में प्रतिरिक्षित समय के दृढ़दार इलाके या ज़ेल का नाम (अर्थात् प्रसम, मेषालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य के लहान प्रभाग आदि) स्पष्ट रूप से निविष्ट करना चाहिए अध्ययन हो सकता है कि उन्हें प्रतिरिक्षित समय का लाभ मिले।

टिप्पणी (ii) उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र को इन्हें सं० १०० से० ३० आ० के कार्यालय पर जमा कराएं अबवा रजिस्टर्ड डाक द्वारा भेजें। आयोग के किसी अध्यक्षकारी को दिए गए आवेदन-पत्रों के लिए आयोग उत्तर-दायी नहीं होता।

8. प्रलेख जो आवेदन के साथ प्रस्तुत हों:—

(क) सभी उम्मीदवारों द्वारा:—

(i) द० 28.00 (मनुसूचित जातियों/मनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए द० 7.00) का शुल्क जो सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान डाक घर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल बांडर के जरिए या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक मुद्र्यालय, नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक के किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के जरिए।

टिप्पणी:—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने समय बैंक ड्राफ्ट की पिछली ओर सिरे पर अपना नाम तथा पता लिखा चाहिए। पोस्टल बांडरों के मामले में उम्मीदवार पोस्टल बांडर के पिछली ओर इस प्रयोजन के लिए निर्वाचित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे अपने यहाँ के भारत के उच्च आयुष्ट, राज्यूत या विवेश स्थित प्रतिनिधि, जैसी भी स्थिति हो, के कार्यालय में निर्वाचित शुल्क जमा करें, जिससे वह “०३१ लोक सेवा आयोग परीका शुल्क” के सेवा शीर्ष में जमा हो जाए और उसकी रसीद आवेदन-पत्र के साथ भेज दे।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र:—आयोग जम्मू की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिक्युलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा आयुरक्षित मैट्रिक्युलेशन के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विद्यविद्यालय के समुचित प्राचिकारी द्वारा प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीका या उसकी समकक्ष परीका उत्तीर्ण कर चुका है, वह उच्चतर माध्यमिक परीका या समकक्ष परीका के प्रमाण-पत्र की मध्यिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

आयु के सम्बन्ध में जोई मन्य दसवाइं जैसे जम्मू कुश्याली, शपथपत्र, नगर निगम के सेवा भ्रमिलेख से प्राप्त जम्मू सम्बन्धी उद्धरण, तथा मन्य ऐसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

मनुसूचों के इस भाग में भाए हुए “मैट्रिक्युलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीका प्रमाण-पत्र” वाक्यांश के मन्त्रालय उपर्युक्त बैकलिप्र प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मैट्रिक्युलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीका प्रमाण-पत्र में जम्मू की तारीख महीं होती या आयु के केवल द्वारे वर्ण या वर्ष महीं ही रिह होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिक्युलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीका प्रमाण-पत्र की मध्यिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहाँ से उसमें मैट्रिक्युलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीका उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संख्या के वाचिला रजिस्टर में वर्ज की पाई उसकी जम्मू की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होती चाहिए। उम्मीदवारों को जेतानी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन मनुसूचों में यथा निर्वाचित आयु का पूरा प्रमाण नहीं देंगा यांतो आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया जा सकता है।

टिप्पणी 1: जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से सम्बद्ध प्रतिलिपि वाले पृष्ठ की मध्यिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

टिप्पणी 2: उम्मीदवार यह व्याप में रखे कि आयोग उम्मीदवार की जम्मू की उत्तीर्ण तारीख की स्वीकार करेगा जो कि आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने की तारीख की मैट्रिक्युलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीका प्रमाण-पत्र या समकक्ष परीका की प्रमाण-पत्र में वर्ज है और इसके बावजूद उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी 3: उम्मीदवार यह भी जाने दें कि उनके द्वारा किसी परीका में प्रवेश के लिए जम्मू की तारीख एक बार ओरपित कर देने और आयोग द्वारा उसे अपने भ्रमिलेख में वर्ज कर देने के बावजूद सभी में वर्ज करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(iii) सेविक योग्यता के प्रमाण-पत्र की मध्यिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति:—

उम्मीदवार को इस आधार के प्रमाण-पत्र की एक मध्यिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति आवश्यक प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसके पास पैरा ३(ग) में चिह्नित योग्यताओं में एक योग्यता है या उम्मीदवार द्वारा इसके इस प्रकार प्राप्ति कर देने की उम्मीदवार है कि पैरा ३(ग) में चिह्नित तारीख तक इसको उत्तीर्ण करने का प्रमाण दिया जा सके। जो प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया जाए वह ही हो जो योग्यता चिह्नों को देने वाले प्राधिकरण (अर्थात् विद्यविद्यालय या आयु परीका निकाय) द्वारा जारी किया गया हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की मध्यिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत नहीं दी जाती है तो उम्मीदवार को उसके प्रस्तुत न करने की बजाए बतानी चाहिए और ऐसे प्रमाण प्रस्तुत करने चाहिए जो वह भ्रमिलेख योग्यता रखने के समर्थन में प्रस्तुत कर सकता है। आयोग इस प्रमाण पर गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा वह इस पर्याप्त मामले के लिए बाध्य नहीं होगा।

(iv) उपस्थिति पत्रक (आवेदन-पत्र के साथ संलग्न) विविधत भरा हुआ।

(v) उम्मीदवार के हात ही के पासपोर्ट प्राकार (जगभग ५ सें० ८० मी० × ७ सें० ८० मी०) के कोटों की एक जैसी दो प्रतिलिपि जिनके ऊपरी हिस्से पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर विविधत दिक्कित हों।

कोटों की एक प्रति आवेदन-पत्र के प्रवर्म पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक पर निर्वाचित व्याप में विचार करेगा।

(vi) लगभग १७.५ सें० ८० मी० × २७.५ सें० ८० मी० प्राकार के दो विचार टिकट लगे लिखाए, जिन पर आपका पता लिखा हुआ हो।

(vii) मनुसूचित जातियों/मनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों द्वारा:—

मनुसूचित जाति/मनुसूचित जनजाति का होने के बावजूद समर्थन में जम्मू उम्मीदवार या उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आप हीर पर रहते हों, उसे जिसे के किसी समकक्ष परीका या प्रमाण-पत्र की नीचे उल्लिखित परिवर्तन IV में दिए गए प्रवर्म में लिए गए प्रमाण-पत्र की मध्यिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(ग) शूलक से छूट बाहरे वाले उम्मीदवारों के द्वारा:—

- (i) किसी जिला प्रधिकारी या राजपत्रित प्रधिकारी या संसद या राज्य विधान संघर के सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि उम्मीदवार निर्वाचित शूलक देने की स्थिति में नहीं है।
- (ii) बस्तु: विस्थापित/प्रत्यावर्तित व्यक्ति होने के दावे के समर्थन में निम्नलिखित प्राधिकारियों से लिए गए प्रमाण-पत्र की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (क) भूतपूर्वी पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति

- (i) दृष्टिकोण के दृष्टिकोणों या विभिन्न राज्यों के राहत शिविरों का शिविर कमांडेंट।

प्रथमा

- (ii) उस इलाके का जिला मैजिस्ट्रेट जहाँ पर वह, फिलहाल रह रहा है।

प्रथमा

- (iii) घपने जिले के शरणार्थी पुनर्वास का प्रभारी भर्तिरित जिला मैजिस्ट्रेट।

प्रथमा

- (iv) सब-डिविजनल अफसर घपने अधीनस्थ सब-डिविजन की सीमा तक।

प्रथमा

- (v) शरणार्थी पुनर्वासन उपायुक्त, पश्चिम बंगाल/नियेश्वर (पुनर्वासन), कलकत्ता।

(ष) श्रीलंका से प्रत्यावर्तित:—

श्रीलंका में भारत का उच्चायोग

(ग) वर्मा से प्रत्यावर्तित:—

भारतीय राजदूतावास, रंगून या उस इलाके का जिला मैजिस्ट्रेट जहाँ पर वह रहा है।

टिप्पणी—उम्मीदवारों से यह घरेला की जाती है कि वे मावेदन पत्र के साथ भेजे जाने वाले प्रमाण-पत्रों की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपों पर घपने हस्ताक्षर करके भेजें तथा उस पर तारीख भी लिखें।

१०. शूलक की वापसी:—मावेदन के साथ आयोग की घटा किया गया शूलक वापस करने के लिए अनुरोध पर नीचे की परिस्थितियों को छोड़कर विचार नहीं किया जा सकता और न यह किसी दूसरी परीका या घपने के लिए मुरीदित रखा जा सकता है:—

- (i) जिस उम्मीदवार से निर्वाचित शूलक दे दिया है, पर जिसको आयोग ने परीका में बैठने नहीं किया, उसको ₹० 15.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के मामले में ₹० 4.00) वापस कर दिया जाएगा। परन्तु घगर कोई मावेदन यह सूचना प्राप्त करने पर अस्तीकरण कर दिया गया हो कि उम्मीदवार हायर सेकेण्डरी या समकक्ष परीका में अनुरोध हुआ है या हायर सेकेण्डरी या समकक्ष परीका में उत्तीर्ण होने का प्रमाण निर्वाचित तारीख तक प्रस्तुत नहीं कर पाएगा तो उसके लिए शूलक की वापसी मंजूर नहीं की जाएगी।

- (ii) जो उम्मीदवार मई, 1981 की राष्ट्रीय रका घकादमी परीका में बैठा हो और उस परीका के परिणाम के आधार पर किसी पाल्यकम के लिये उसका नाम अनुशासित हुआ हो तो उनके मामले में ₹० 28.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के मामले में ₹० 7.00) का शूलक वापस किया जा सकता है, पर यह अहरी है कि विसम्बर, 1981 की राष्ट्रीय रका घकादमी परीका के लिये घपनी उम्मीदवारी

रद करने और शूलक वापस पाने के लिए उस उम्मीदवार का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 15 फरवरी, 1982 को या उससे पहले पहुंच जाए।

१०. मावेदन पत्र की पावती:—आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक मावेदन-पत्र की पावती भी जाती है तथा मावेदन पत्र की प्रतिलिपि के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को रोल नम्बर जारी कर दिया जाता है। यदि किसी उम्मीदवार को उक्त परीका के प्रावेदन पत्र प्राप्त करने के लिए निर्वाचित अंतिम तारीख से एक मास के अवधार पावती नहीं मिलती है तो उसे तत्काल आयोग से पावती हेतु समर्पण करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार को रोल नं. जारी कर दिया गया है घपने आप यह पर्याप्त नहीं है कि मावेदन पत्र सभी प्रकार पूर्ण है और आयोग द्वारा स्वीकार कर दिया गया है।

११. मावेदन का परिणाम:—भगवर किसी उम्मीदवार को घपने मावेदन के परिणाम की सूचना परीका शूलकी तारीख से एक महीने पहले तक आयोग से प्राप्त न हुई तो उसे परिणाम की जानकारी के लिये आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए। भगवर इस बात का पालन नहीं हुआ, तो उम्मीदवार घपने मामले में विचार किए जाने के अधिकार से बचत हो जाएगा।

१२. परीका में प्रवेश:—किसी उम्मीदवार की पाक्षता या आपाक्षता के संबंध में संघ लोक सेवा आयोग का निर्णय अनितम होगा। आयोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पत्र के बिना किसी भी उम्मीदवार को परीका ये प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

१३. कवाचार के दोषी उम्मीदवारों के खिलाफ कार्रवाई:—उम्मीदवारों को बेताक्षी भी जाती है कि वे मावेदन-पत्र भरते समय कोई गलत विवरण न दें और न किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं। उम्मीदवार को यह भी बेताक्षी भी जाती है कि उनके द्वारा प्रस्तुत किसी प्रतिलिपि में किसी भी हालत में वे किसी तरह का संशोधन या परिवर्तन या कोई फेर-बदल न करें और न फेर-बदल किए गए/जाली प्रतिलिपि को वे प्रस्तुत करें। भगवर इस प्रकार के दो या अधिक प्रतिलिपियों में या उनकी अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपियों में कोई असुद्धि या असंगति हो तो इस असंगति के बारे में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना चाहिए।

जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निम्नानुकूल करायार का दोषी घोषित होता है वा हो चुका है:—

- (i) किसी प्रकार से घपनी उम्मीदवारी का समर्पण प्राप्त करना;

(ii) किसी व्यक्ति के स्वाम पर स्वयं प्रस्तुत होना; या

- (iii) घपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना; या

- (iv) जासी प्रतिलिपि या फेर-बदल किए गए प्रतिलिपि प्रस्तुत करना; या

- (v) अनुद या असंत्य बक्षण पर वेना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपा कर रखना; या

- (vi) परीका के लिए घपनी उम्मीदवारी के संबंध में किसी अनियमित या अनुसूचित लाभ उठाने का प्रयत्न करना; या

- (vii) परीका के समय अनुसूचित तारीके घपनाए हों; या

- (viii) उत्तर पुस्तिका(ओं) पर असंगत बातें लिखी हों जो अभील भाषा या भ्रमद भाषण की हों; या

- (ix) परीका भवन में और किसी प्रकार का तुर्पत्वहार किया हो; या

- (x) परीका जलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेकान किया हो या आप घपनी की शारीरिक जाति पहुंचाई हो; या

(xi) ऊपर के खण्डों में उल्लिखित सभी या किसी कदाचार का और प्रवृत्त होना या आयोग को उल्लिखित करना।

यह अपने को वण्ड-परियोजन का शिकार बनाने के अतिरिक्तः—

(क) वह जिस परीक्षा का उम्मीदवार है, उसके सिंह आयोग द्वारा घटीय छाराया जा सकता है।

परीक्षा

(म) (i) आयोग द्वारा उल्लिखित किसी भी परीक्षा या अध्ययन के लिए;

(ii) कैफ्य सरकार द्वारा उनके प्रधीन किसी नियुक्ति के लिए स्थायी रूप से या कुछ सिविल प्रबंधि के लिए प्रबंधित किया जा सकता है;

किसी भी यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक—

(i) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित आवाजेवान, जो वह देना चाहे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और

(ii) उम्मीदवार द्वारा अनुमति समय में प्रस्तुत आवाजेवान पर, यदि कोई हो, विचार न कर दिया गया हो।

14. मूल प्रमाण-पत्रों का प्रस्तुतीकरण—जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणामों के आवार पर से० च० बोर्ड के साकारार में अद्वैता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें साकारार के तुरंत बाद प्रधीन पायु तथा गैरिक दोगताओं आदि के समर्थन में अपने मूल प्रमाण-पत्र देना चूक्ष्यालय, आर० टी० बी० ६ (एस० बी०) (६०), बैस्ट ब्लाक III, भार० के० पुरम, नई विल्ली-110022 को प्रस्तुत करते होंगे।

15. आवेदन के संबंध में पत्र-व्यवहार—आवेदन के संबंध में सभी पत्र-व्यवहार संचित, संघ लोक सेवा आयोग, बीलपुर हाउस, नई विल्ली-110011 के पते पर करना चाहिए और उसमें निम्नलिखित विवरण अवश्य होना चाहिए।

(1) परीक्षा का नाम

(2) परीक्षा का वर्व और महिना

(3) रोल नम्बर या जन्म की तारीख (अब रोल नम्बर नहीं मिला हो)

(4) उम्मीदवार का नाम (पूरा और साफ लिखा हुआ)

(5) पत्र-व्यवहार का पता, जैसा अवैदेन-पत्र में दिया है।

ज्ञान दें—(i) जिन पत्रों में ऊपर का व्यौरा नहीं होगा, हो सकता है, उन पर कोई कार्रवाई न हो।

(ii) यदि किसी परीक्षा की समाप्ति के बाव जिसी उम्मीदवार को पत्र/पत्रावि प्राप्त होता है तथा इसमें उसका पूरा नाम और अनुक्रमीक नहीं दिया गया है तो उस पर अवश्य नहीं दिया जाएगा और उस पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

16. बते में वरिचर्सम्—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर देनी चाहिए कि उनके आवेदन-पत्र में दिए पते पर जेजे जाते जाते पत्र आदि आवेदन-पत्र में होने पर उसके नीचे पते पर जिजबा दिये जाएं। पते में जो भी परिवर्ती हो उसे ऊपर के फैरा 15 में उल्लिखित विवरण के साथ आयोग द्वारा अनुसंधान कर देना चाहिए।

सेवा अध्यन बोर्ड के साकारार के लिए आयोग द्वारा अनुसंधान उम्मीदवारों ने अब उपर के लिये आवेदन करने के बाव अपने पता बदल दिया हो तो उनको आविष्ट कि परीक्षा के लिखित आग के परिणाम जोखिम हो जाते ही अपना नया पता तत्काल सेवा चूक्ष्यालय, ए० बी० ब्र०, रिकूटिंग ६ (एस० बी०) (६०) बैस्ट ब्लाक 3, विंग-१ रामकृष्णपुरम, नई विल्ली-110022 के पते पर लिखने चाहिए।

पुरम, नई विल्ली-110022 को सूचित कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार उन अनुदेशों का पालन नहीं करेगा वह सेवा अध्यन बोर्ड के साकारार के लिए सम्बन्ध-पत्र न मिलने पर अपने मामले में विचार किए जाने के बाव से वंचित हो जाएगा।

यद्यपि प्राधिकारी इस प्रकार के परिवर्तीनों पर पूरा-पूरा व्याप देने का प्रयत्न करते हैं, फिर भी इस संबंध में ऐसे अपने ऊपर कोई जिम्मेदारी नहीं हो सकते।

17. लिखित परीक्षा में योग्य उम्मीदवारों के संबंध में प्रूफ्टाइल—जिन उम्मीदवारों के नाम सेवा अध्यन बोर्ड के साकारार के लिये अनुसंधान हैं, उनको अपने साकारार के संबंध में सभी पूछताला और अनुरोध सीधे सेवा मुक्कालय, ए० बी० ब्र०, रिकूटिंग ६ (एस० बी०) (६०) बैस्ट ब्लाक 3, विंग-१ रामकृष्णपुरम, नई विल्ली-110022 के पते पर लिखने चाहिए।

उम्मीदवारों को साकारार के लिए, जेजे गए सम्बन्ध-पत्र द्वारा सूचित की गई तारीख को सेवा अध्यन बोर्ड के समक्ष साकारार हेतु रिपोर्ट करती है। साकारार को स्थगित करने से संबंध अनुरोध पर केवल अपवाहनामक परिस्थितियों में और प्रशासनिक सुविधा को व्याप में रखकर ही विचार किया जाएगा जिसके लिए निरायक प्राधिकरण सेवा मुक्कालय होगा।

जिन उम्मीदवारों के नाम संबंध लोक सेवा आयोग द्वारा जारी की गई अंतिम योग्यता-सूची में हैं यदि उनके पहले दिए गए पते में कोई परिवर्ती हुआ हो तो उनको अपने नवीनतम पते से जी तूना मुक्कालय, ए० बी० ब्र०, रिकूटिंग ६ (एस० बी०) (६०) बैस्ट ब्लाक 3, विंग-१, रामकृष्णपुरम, नई विल्ली-110022 को दे देनी चाहिए ताकि सेवा मुक्कालय द्वारा जारी किए गए कार्यवार संभालने के अनुदेश उन्हें समय पर मिल सकें। यदि ऐसा नहीं किया गया तो कार्यवार संभालने के अनुदेशों के न मिलने की जिम्मेदारी उम्मीदवारों की होगी।

18. लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा, योग्यताप्राप्त उम्मीदवारों का साकारार, अंतिम परिणामों की घोषणा और अंतिम क्रम से योग्य पाए गए उम्मीदवारों का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश—संघ लोक सेवा आयोग, लिखित परीक्षा में आयोग के लिए पर दिक्षिरित अनुताम प्राप्त अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की एक सूची द्वारा करेगा। ये उम्मीदवार औद्योगिक तथा व्यक्तिगत परीक्षणों के लिये सेवा अध्यन बोर्ड के सामने हाजिर होंगे जहाँ अल सेना/नीसेना के उम्मीदवारों की प्रधिकारी अमता तथा आयुसेना के उम्मीदवारों का पाइलट एंटीचूड प्रशिक्षण तथा प्रधिकारी अमता का निष्ठारण किया जाएगा। इस परीक्षण में अंतिम से प्रथम 900 अंक प्राप्त किए जा सकते हैं।

उम्मीदवार सेवा अध्यन बोर्ड के सामने हाजिर होकर अपनी ही जोखिम पर वहाँ के परीक्षणों में शामिल होंगे और सेवा अध्यन बोर्ड में उनका जो परीक्षण होता है उसके दौरान या उसके फलस्वरूप अगर उनको कोई औट पहुंचती है तो उसके लिए सरकार की भोग से कोई जाति पूर्ति या सहायता पाने के बहुत अल सेना/नीसेना के उम्मीदवारों की अमता तथा आयुसेना के उम्मीदवारों का पाइलट एंटीचूड प्रशिक्षण तथा प्रधिकारी अमता का निष्ठारण किया जाएगा। इस परीक्षण में अंतिम से प्रथम 900 अंक प्राप्त किए जा सकते हैं।

स्वीकृति हेतु, अल सेना/नीसेना के उम्मीदवारों को (i) लिखित परीक्षा तथा (ii) प्रधिकारी अमता परीक्षणों में अलग-अलग अनुताम प्राप्त अंक प्राप्त करने होंगे जो कि आयोग द्वारा, उनके निर्णय के अनुसार, निश्चित किये जायेंगे और सेवा अध्यन बोर्ड के लिखित परीक्षा, (ii) प्रधिकारी अमता परीक्षण तथा (iii) पाइलट एंटीचूड प्रशिक्षण में अलग-अलग अनुताम प्राप्त अंक प्राप्त करने होंगे जो कि आयोग द्वारा, उनके निर्णय के अनुसार, निश्चित किये जायेंगे। इन अंतों पर अंत अल सेना/नीसेना के उम्मीदवारों को उनके द्वारा लिखित परीक्षा तथा सेवा अध्यन बोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त कुल अंकों के प्रधार पर योग्यता के अंतिम क्रम में वे अल-अलग सूचियों में—एक अल सेना तथा नी सेना के लिये

और दूसरी बायु सेना के लिये—रक्षा जाएगा। जो उम्मीदवार सेना के तभी बिंगों के लिये अन्तिम प्राप्त कर लेते हैं उनका साम बोर्डों योग्यता-मूल्यों में होगा। राष्ट्रीय रक्षा भ्रातावरी के बल सेना तथा नौसेना के बिंगों में प्रवेश के लिये अंतिम अवन थल मेना तथा नौसेना की योग्यता-सूची में से रिक्तियों की संख्या को देखते हुए योग्यता के कम से किया जाएगा और बायुसेना विंग में प्रवेश के लिये अंतिम अवन बायुसेना की योग्यता सूची में से रिक्तियों की संख्या को देखते हुए योग्यता के कम से किया जाएगा जो शारीरिक स्वस्थता और प्रध्य सभी बातों में उपयुक्तता के आधार पर होगा। जिन उम्मीदवारों के नाम दीनों योग्यता सूचियों में हैं उन पर दोनों सूचियों में अवन हेतु विचार उनके वरीयता कम की देखते हुए होगा और उनके एक सूची से अंतिम रूप से बून लिये जाने पर दूसरी सूची से उनका साम इह कर दिया जाएगा।

प्राप्ति दें:—बायु सेना के प्रत्येक उम्मीदवार का पाइलट एप्टीच्यूट परीक्षण केवल एक बार किया जाता है। भरत: उसके द्वारा प्रथम परीक्षण में प्राप्त घेंड बायुसेना अवन बोर्ड के सामने आव में हीमे वाले प्रत्येक साक्षात्कार में स्वीकार किया जाएगा। जो उम्मीदवार पाइलट एप्टीच्यूट के प्रथम परीक्षण में असफल हो जाता है वह राष्ट्रीय रक्षा भ्रातावरी परीक्षा के बायुसेना विंग या जनरल ड्यूटीज (पाइलट) बोर्ड या नेवल एंड एरो एयरो एम्स में प्रवेश के लिये आवेदन नहीं कर सकता।

जिन उम्मीदवारों का किसी पिछले राय १० रुपयाओं कोर्स में पाइलट एप्टीच्यूट परीक्षण हो गया हो और उन्हें उसमें अन्तिम प्राप्त कर लेने की तुलना मिल गई हो तो उन्हें इस परीक्षा के केवल बायुसेना विंग के लिये ही अपना आवेदन करना चाहिए।

प्रलग-प्रलग उम्मीदवारों को परीक्षा के परिणाम किस रूप में और किस प्रकार सूचित किये जायें, इस बात का निर्णय भायोग अपने आप करेगा और परिणाम के संबंध में उम्मीदवारों से कोई प्रश्न-प्रश्नहार नहीं करेगा।

परीक्षा में सफल होने मात्र से भ्रातावरी में प्रवेश का कोई प्रधिकार नहीं मिलेगा। उम्मीदवार को नियुक्ति प्राप्तिकारी को संतुष्ट करना होगा कि वह भ्रातावरी में प्रवेश के लिये सभी तरह से उपयुक्त है।

19. प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिये अनुरूपताएँ:—जो उम्मीदवार राष्ट्रीय रक्षा भ्रातावरी के किसी पहले कोर्स में प्रवेश पा थके थे पर प्रधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के आधार के बारण या अनुशासनिक आधार पर वहाँ से निकाल दिये गये थे, उनको भ्रातावरी में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

किस्तु जिन उम्मीदवारों को अस्वस्थता के आधार पर पहले राष्ट्रीय रक्षा भ्रातावरी से वापस ले लिया गया हो या जिन्होंने अपनी इच्छा से उक्त भ्रातावरी छोड़ दी हो उन्हें भ्रातावरी में प्रवेश मिल सकता है बरत कि वे स्वास्थ्य तथा प्रध्य निर्धारित रूप से पूरी करते हों।

20. राष्ट्रीय रक्षा भ्रातावरी या अक्सर ट्रेनिंग स्कूल में प्रशिक्षण के दौरान विवाह पर प्रतिबंध:—उम्मीदवारों को इस बात का बच देना है कि जब तक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा, तब तक वे शादी नहीं करेंगे। जो उम्मीदवार प्रधने प्राप्तवेदन की तारीख के बाद शादी कर लेता है, उसको प्रशिक्षण के लिये चूना नहीं जाएगा। चाहे वह इस परीक्षा में या अगली परीक्षा में भले ही सफल हो। जो उम्मीदवार प्रशिक्षण काल में शादी कर लेगा, उसे वापस भेजा जाएगा और उस पर सरकार ने जो पेसा बोर्ड किया है, वह भव उससे बसूल किया जाएगा।

21. शैक्षिक परीक्षण संबंधी सुन्दरना:—रक्षा मंत्रालय (मनोवैज्ञानिक अनुसंधान निवेशालय) ने 'सेवा-न्याय बोर्ड' में उम्मीदवारों की शैक्षिक परीक्षण उपलब्धियों का अध्ययन' (एसटी ग्राफ इंसिजेंस ट्रेस्ट कोर्स ग्राफ हैंडबुक्स एट सर्विसेज सेलेक्शन बोर्ड्स) शीर्षक वाली पुस्तक प्रकाशित की है। इस पुस्तक को प्रकाशित करने का उद्देश्य यह है कि उम्मीदवार शिवा अवन बोर्ड के शैक्षिक परीक्षणों के स्वरूप और स्वामान्वय से परिचित हो जायें।

उक्त पुस्तक समूल्य प्रकाशन है तथा प्रकाशन नियंत्रक सिविल लाइसेंस, विल्सो-110054 के कार्यालय से बेची जाती है। इस बहु से सीधे मेल बार्बर द्वारा या नक्का भुगतान पर लिया जा सकता है। यह पुस्तक के लिये अंतिम अवन थल मेना तथा नौसेना की योग्यता-सूची में से रिक्तियों की संख्या को देखते हुए योग्यता के कम से किया जाएगा और बायुसेना विंग में प्रवेश के लिये अंतिम अवन बायुसेना की योग्यता सूची में से रिक्तियों की संख्या को देखते हुए योग्यता के कम से किया जाएगा जो शारीरिक स्वस्थता और प्रध्य सभी बातों में उपयुक्तता के आधार पर होगा। जिन उम्मीदवारों के नाम दीनों योग्यता सूचियों में हैं ही उन पर दोनों सूचियों में अवन हेतु विचार उनके वरीयता कम की देखते हुए होगा और उनके एक सूची से अंतिम रूप से बून लिये जाने पर दूसरी सूची से उनका साम इह कर दिया जाएगा।

विनय शा, उप सचिव

परिशिष्ट I

(परीक्षा की योजना और पाठ्य विवरण)

(क) परीक्षा की योजना

1. लिखित परीक्षा के विषय, नियत समय तथा प्रत्येक विषय के प्रधिकार अंक निम्नलिखित हैं :—

विषय	समय	प्रधिकार अंक
1. अंग्रेजी	2 घंटे	250
2. गणित—प्रश्न पत्र I	2 घंटे	125
प्रश्न पत्र II	2 घंटे	125
3. सामान्य ज्ञान—प्रश्न पत्र I (विज्ञान)	2 घंटे	200
प्रश्न पत्र II (सामाजिक अध्ययन, भूगोल तथा सामाजिक मामले)	2 घंटे	200
		900

2. सभी विषयों के प्रश्न पत्रों में केवल बस्तुपरक प्रश्न ही हैं। अपने के प्रश्नों सहित अन्य विवरण के लिये कृपया परिशिष्ट V में उम्मीदवारों को सूचनार्थी विवरणिक देखें।

3. प्रश्न पत्रों में जहाँ भी आवश्यक होगा, केवल तोल और माप की भीटी पढ़ति से संबंधित प्रश्नों को ही प्रूफ जाएगा।

4. उम्मीदवारों को प्रश्न पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखते चाहिए, किसी भी हालत में उन्हें प्रश्न पत्रों के उत्तर लिखने के लिए लिखने वाले की सहायता सुलभ नहीं की जायेगी।

5. परीक्षा के एक या सभी विषयों के प्रारूप भक्तों का निष्पारिण भायोग की विवाहा पर है।

6. केवल सहारी ज्ञान के लिये अंक नहीं दिये जायेंगे।

(ब) परीक्षा का पाठ्य विवरण

अंग्रेजी

प्रश्न पत्र इस प्रकार से बनाया जाएगा कि जिससे उम्मीदवार को अप्रेजी ज्ञान को समझने तथा उसे सही और सुहावरेवार ढंग से लिखने की योग्यता की जांच की जा सके। इसमें उम्मीदवार के व्याकरण, सुहावरे तथा प्रयोगों संबंधी ज्ञान की जांच के लिये भी प्रश्न शामिल किये जायेंगे। प्रश्न पत्र में सारांश या सार सेवन के लिये भी गणांश सामाजिक रक्षा जाएगा।

गणित

प्रश्न पत्र-I

अंक गणित

सभ्य पद्धतियाँ—धनपूर्ण संख्यायें, पूर्णांक, परिमेय और वास्तविक संख्याएँ, मूल संक्रिया—जोड़, घटाना, गुणन और भिन्नांश, वर्गमूल भिन्न।

एकिक विधि—समय तथा दूरी, मध्य तथा कार्य, प्रतिशतता—साधारण तथा चक्रवृद्धि व्याप्र ये गणनायोग, लाभ तथा हानि, अनुपात और समानुपात विवरण।

प्रारम्भिक संडूचों सिद्धांत— विभाजन की कृपन विधि, यसायत और साय्य संडूचों 1, 2, 3, 4, 5, 6 और 11 हारा विभाजनों के परोक्षण प्रबलत्वे और गणन संहेद। गणन संहेद परेय। महान् यमापवर्तक तथा संयुक्त समापवर्त्य, वृक्षिक का कलन विवेद।

भाषार 10 तक संयुगणक, संयुगणक के नियम, संयुगणकीय सारणियों का प्रयोग।

बीज गणित

भाषारसूत्र प्रक्रियाएँ: साधारण गुणन खण्ड। ग्रेष फल प्रसेय, अनुपदों का महात्म समापवर्तक और नवनम समावरण। द्वितीय समीकरणों का हल, इसके मूलों और गुणानों के बीच व्यवर्त्य (के इन वास्तविक मूल विचार किया जाए)। ऐसे प्रजात गणियों में तात्पात्र समोकरण—विभालेण और याफ मवभी इन। गणियिक प्रश्न जिनसे वो चरों में हो युग्मत् शैक्षिक समीकरण बनते हैं या एक चर में द्वितीय समीकरण तथा उनके हल, समुच्चय आवा तथा तम समुच्चय संकलन बद्धति, परिसेय अंत्रिक तथा मप्रतिबन्ध नस्तमक आनांक नियम।

क्रिकोणमिति:

ज्या \times , कोटिज्या \times , स्पर्श रेखा \times ज्या $0^\circ \times \frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = 90^\circ$
ज्या \times , कोटिज्या \times , स्पर्श रेखा \times का मान क्योंकि $\times = 0^\circ 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ$, और 90° , सरल क्रिकोणमितीय तत्त्वमक।

क्रिकोणमितीय सारणियों का प्रयोग।

कृचार्यों और दूरियों के सरल कोण।

प्रश्न पत्र-II

व्यायामिति

रेखा और कोण, समांतर और समतल आकृति। निम्नलिखित परेयः—

- किसी छिन्न पर कोणों के गुण-धर्म,
- समांतर रेखाएँ,
- किसी विभूज की मूलायें और कोण,
- विभूजों की सर्वांगसमता।
- समरूप विभूज,
- मन्दिकाओं और शीर्ष सम्बद्धों का संगमन,
- समांतर चतुर्भुजों, आयत और त्रियों के छोपों, गुजायों के विकर्णों के गुण धर्म,
- वृत्त और उसके गुण धर्म विसर्ग, स्पर्श रेखा तथा प्रभिन्नता भी शामिल है।
- स्थानिक संघटक।

विस्तार कलन

बांधों, आयतों, समांतर चतुर्भुजों, विभूजों और त्रियों के क्षेत्रफल। उन प्राकृतियों के क्षेत्रफल जो इन प्राकृतियों में विभाजित की जा सकती है। (क्षेत्रवाही) घनमोरों का पृष्ठीय भेदफल तथा आयतम/लम्ब वृत्तीय चतुर्भुजों और बेसमों का पार्श्व-पृष्ठ तथा आयतम/गोलकों का पृष्ठीय भेदफल तथा आयतम।

सांख्यिकी

सांख्यिकीय तथ्यों का संग्रहण तथा सारणीयन। आलेखी निष्पत्ति वारस्तारता, यूक्तिभूज, आयत विल, शलाका चार्ट, पाई चार्ट आदि।

प्रपरिष्कृत और समूहित ग्रांकडों का परिकलन माध्य।

सामान्य ज्ञान

वे प्रश्न पत्र होंगे।

प्रश्न-पत्र (i)—इसमें, शौनिकी, रसायन और सामान्य विज्ञान होंगा;

और

प्रश्न-पत्र (ii)—इसमें सामाजिक प्रध्ययन, भूगोल और सामयिक समाज होंगा।

इन प्रश्न-पत्रों में शामिल किये गये विषयों का शेष निम्नलिखित पाठ्य विवरण पर प्राप्तान्तर होगा। उल्लिखित विषयों को, सर्वांग नहीं मान लेना चाहिए तथा ही प्रकार के ऐसे विषयों पर भी प्रश्न पूछे जा सकते हैं जिनका पाठ्य-विवरण में उल्लेख नहीं किया गया है। उम्मीदवारों के उत्तरों से प्रश्नों को बोधगम्य ढंग में समझने की में प्रश्न और ज्ञान का पास लेना चाहिए।

प्रश्न-पत्र I

विज्ञान

सामान्य विज्ञान प्रश्न-पत्र I में निम्नलिखित पाठ्यविवरण शामिल होंगा—

(क) दृश्य के भौतिक गुण धर्म तथा स्थितियां, संहृति, भार, आयतम, अन्तर्लय तथा विशिष्ट गठनाकरण। शाक्तभित्ति का नियम, शब्द, वापुवाद, आपी।

विवेद की गति। वेग और व्यवरण। व्यूटन के गति नियम। बल और मंडेगों। वन समान्तर चतुर्भुज। पिण्ड का स्थापित और संतुलन। गृहस्त्राकरण कार्य, शक्ति और ऊर्जा का प्रारम्भिक ज्ञान।

ऊर्जा का प्रभाव। नापान का नाप और ऊर्जा। स्थिति वरिवर्तन और गुण ऊर्जा। ऊर्जा प्रशिगमन विधियां।

छवनि तरंगे और उनके गुणधर्म। सरल वाच्य यत्र।

प्रकाश का व्युत्तरेक्षीय संतरण। परावर्तन और प्रपर्वर्तन गोलीय वृत्तीय और लेन्सेस, मानव देह।

प्राकृतिक तथा नृनिय चम्क। चम्क के गुणधर्म। पृष्ठीय चम्क के रूप में।

रथैतिक तथा आरा विद्युत। चालक तथा अचालक। श्रीम नियम-I, साधारण विद्युत परिपथ। आरा ह तापन, प्रकाश तथा चम्कीय प्रभाव। वैद्युत शक्ति के माप। प्रायमिक और गैरी मेल। एकम-रे के उपयोग।

निम्नलिखित के कार्य मध्यावन के सामान्य सिद्धांत।

सरल लोकल। सरल विरनी, माइक्रन, उसोलक, गृह्यारा, पम्प। द्वाहप्रोमीठर, पेणर कुहर, अर्मे नालक, ग्रामीण, टेलीप्राफ, टैलीफोन, भेसिस्कोप, टैलीस्कोप, माइक्रोस्कोप, नाविक विम्बुचक, तड़ित चालक युरका पूर्ज।

(ख) भौतिक तथा रामार्थनिक परिवर्तन तत्व। मिश्रण तथा यौगिक। प्रतीन शूल और सरल रासायनिक समीकरण। रासायनिक संयोग के नियम (समस्याओं को श्रोड़िकर) वायु और जल के रासायनिक गुण धर्म।

द्वाहप्रोजेन, ग्रामीणजन, नाहाप्रोजेन, कार्बन-डाई-मास्टर्सैड की रचना और गुण धर्म। ग्रामीणक और प्रपचयन।

प्रम्ल, भारक और लवण।

कार्बन—पिण्ड रूप।

उर्वरक—प्राकृतिक और फृक्षिम।

ग्रहन, काच, म्यादी, कागज, मीपौड, रेट, दिपामलाई और गन दाउड़र में उद्दारणों को वैद्यार करने के लिये प्रयुक्त सामग्री।

परमाणु की रचना, परमाणु तुल्यमान और प्रणृष्टार प्रनृष्टार संयोजनका का प्रारम्भिक ज्ञान।

(ग) जड़ और चेतन म अन्तर।

जीव कोशिकाओं, जीव द्रव और ऊतकों का आधार।

धनस्थिति और प्राणियों में वृद्धि और जनन।

पानव शरीर और इसके महापूर्ण ग्रंथों का प्रारम्भिक ज्ञान।

सामान्य महामारियों, उनके कारण तथा रोकने के उपाय।

आद्य—मन्त्र्य के लिये ऊर्जा का लोन। आद्य का संषटन।

संतुलित माहार।

मौर परिवार: उत्का और उमकेतु। गहण।

प्रतिष्ठित दैशानिकों की उपलब्धियों।

टिप्पणी:—इस प्रश्नपत्र के अधिकतम अंकों से सामान्यतया भाग (क), (ख) और (ग) के लिये कमशः 50 प्रतिशत, 30 प्रतिशत और 20 प्रतिशत अंक होंगे।

प्रश्न पत्र II

(सामाजिक प्रध्ययन, भूगोल और सामयिक मामले) ।

सामान्य ज्ञान पत्र में निम्नलिखित पाठ्यविवरण शामिल होगा:—

(क) भारतीय इतिहास का घोटे तौर पर गवेषणा तथा संस्कृति और सभ्यता की विशेष जानकारी।

भारत का स्वतंत्रता आन्दोलन।

भारतीय संविधान और प्रणाली का प्रारम्भिक प्रध्ययन।

भारत की पंचवर्षीय योजनाओं, पचासवीं राज, भूकारी भवितियों और नामूदायिक विकास की प्रारम्भिक जानकारी।

भूदान, सर्विय, राष्ट्रीय एकता और कल्याणकारी राज्य। महात्मा गांधी के मूल उपदेश।

आशुतोष के प्रसारित करने वाली शक्तियाँ, पुनर्जीवन। प्रस्त्रेषण और खोज। ग्रमीणों का स्वाधीनता संग्राम। फार्म/भी कृषि, ग्रीष्मीय कृषि, छसी कृषि, यमाज पर विज्ञान और ग्रीष्मीयकी का प्रभाव।

एक विषय की संकल्पना, संयुक्त गण्ड। पंचशील, लोकलंबन, समाजवाद, साम्यवाद वर्तमान विषय में भारत का योगदान।

(ब) पृथ्वी, इसकी ध्वाकृति और ग्राहक, पक्षांश और रेखांश। समय। संकल्पना। अन्तर्राष्ट्रीय तारीख रेखा। पृथ्वी की गतियाँ और नमके प्रभाव। पृथ्वी का उत्थन, चट्टानें और नमक का वर्गीकरण।

प्रपञ्च—रासायनिक और भौतिक। शूकाल तथा ज्वालामुखी।

राष्ट्रांग धारणे और लेन्डर भाटे।

बायुमण्डल और इसका संघटन। नामानन्द और वायुमण्डलीय दान, भूमण्डलीय पक्ष, अक्रवात और प्रतिक्रियात आवृत्ति। इक्वल और वर्षण। जलवायु के प्रकार।

विषय के प्रमुख प्राकृतिक घोड़।

भारत का लोकाय भूगोल—जलवाय, प्राकृतिक वनस्पति, अविज और शक्ति साधन, कृषि और ग्रीष्मीयकी कार्यकलापों के स्थान और विवरण।

महत्वपूर्ण समृद्धि पक्ष, भारत के मूल समृद्धि, मूल और बायु साधन। भारत के ग्रामान्द मौर नियन्ति की मुख्य मर्द।

(ग) हाल ही के वर्षों में भारत में युद्ध महत्वपूर्ण घटनाओं की जानकारी। सामयिक महत्वपूर्ण विषय घटनायें।

महत्वपूर्ण व्यक्ति—भारतीय और आंतर्राष्ट्रीय, इनमें सर्वांगिक कार्यकलापों और खेल क्षेत्र से संबंधित महत्वपूर्ण व्यक्ति भी शामिल हैं।

टिप्पणी:—इस प्रश्न पत्र के अधिकतम अंकों में से सामान्यतया भाग

(क), (ख) और (ग) के लिये कमशः 10 प्रतिशत, 40 प्रतिशत और 20 प्रतिशत अंक होंगे।

कृषि तथा व्यवित्ति वर्तीकरण

उम्मीदवार की दुनियादी कृषि की जांच करने के लिये माध्यांकार के अतिरिक्त मौखिक तथा लिखित कृषि परीक्षा भी जाएगी। उनके पुष्प परीक्षण भी किये जायेंगे, जैसे पुष्प परिवर्चन, पुष्प योजना, बहिर्भुग्य पुष्प कार्यकलाप तथा उन्हें निर्विल्ट विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान भेजे के लिये उठाया जाएगा। ये सभी परीक्षण उम्मीदवारों की मेधाविक भी जांच के लिये हैं। घोटे तौर पर ये परीक्षण वास्तव में न लेया उनके वौद्धिक गुणों की जांच के लिये हैं भगिन्तु इनमें उनकी सामाजिक विशेषताओं तथा सामयिक घटनाओं के प्रति विलक्षणी की भी पता लगेगा।

परिषिक्षा-II

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रवेश के लिए उम्मीदवारों के शारीरिक मानक के मार्गदर्शक संकेत

टिप्पणी—उम्मीदवारों को निर्धारित शारीरिक मानकों के प्रनुसार शारीरिक रूप से स्वस्थ होना आवश्यक है। स्वस्थता सम्बन्धी मानक नीचे दिए गए हैं।

मृदूल से अहसाप्राप्त उम्मीदवारों द्वारा भ्रात्य में स्वास्थ्य के आधार पर अस्थी-कृत कर दिए जाते हैं। भ्रातः उम्मीदवारों को उनके भ्रप्तमें हित में सलाह दी जाती है कि वे अतिम अवस्था पर निराशा से बचने के लिए आवेदन-पत्र भेजने से पहले अपने स्वास्थ्य की जांच करा लें।

सेवा वयन बोर्ड द्वारा प्रनुसारित उम्मीदवार को सेवा के चिकित्सा प्रधिकारियों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा करानी होगी। अकादमी या प्रशिक्षण-शाला में केवल उन्हीं उम्मीदवारों को प्रवेश दिया जायेगा जो चिकित्सा बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित कर दिए जाते हैं। चिकित्सा बोर्ड का कार्यपूर्ण गोपनीय होता है जिसे किसी को नहीं दिखाया जाएगा। किन्तु ग्रयोग्य/अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित उम्मीदवारों को उनके परिणाम की जानकारी चिकित्सा बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा दी जाएगी स्थाय उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड से अपील का अमूरोध करने की प्रक्रिया भी बता दी जाएगी। उम्मीदवारों के लिए नीचे सार रूप में दिए गए निर्धारित शारीरिक मानकों के प्रनुसार स्वस्थ होना आवश्यक है।

(क) उम्मीदवारों का शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ ठीक होना चाहिए तथा उन्हें ऐसी बीमारी/ध्याकराता से मुक्त होना चाहिए जिससे उनके कुशलतापूर्वक कार्य करने में व्याधा पड़ सकती हो।

(ख) उसमें कमज़ोर शारीरिक गठन/वैद्युतिक वोष या बजन की कमी नहीं होनी चाहिए।

(ग) कद कम से कम 157.5 सें. मी० (नीसेना के लिए 157 सें. मी० तथा बायु सेना के लिए 162.5 सें. मी०) का हो। गोरखा और भारत के उत्तर-पूर्व क्षेत्र के पर्वतीय प्रवेशों, गढ़वाल तथा कुमार्यु के व्यक्तियों का 5 सें. मी० कम कव श्वेतकार्य होगा। लक्ष्मीप के उम्मीदवारों के मामले में व्यूनतम कव में 2 सें. मी० की कमी भी श्वेतकार्य की जा सकती है। कद और बजन के मानक नीचे दिए गए जाते हैं:—

कद और बजन के मानक

सेटीमीटरों में कद (विना जूता)	किलोग्रामों में बजन		
	15-16 वर्ष	16-17 वर्ष	17-18 वर्ष
152	.	41.0	42.5
155	.	42.0	43.5
157	.	43.5	45.0
160	.	45.0	46.0
162	.	46.5	48.0
165	.	48.0	50.0
167	.	49.0	51.0
170	.	51.0	52.5
173	.	52.5	54.5
175	.	54.5	56.0
178	.	56.0	58.0
180	.	58.5	60.0
183	.	61.0	62.5

उपर्युक्त सारणी में लिए गए औसत वज्र से 10 प्रतिशत कम-उथादा (नीसेना के लिए 6 कि० प्रा० कम-उथादा) वजन सामान्य सीमा के अन्दर भाला जाएगा। किन्तु भारी हवाओं वाले सम्बोधनों अवधियों तथा पतले पर अस्थाया स्वस्थ अविकल्पों के मामले में गुणवत्ता के भावात पर इसमें कुछ कूट भी जा सकती है।

टिप्पणी 1—ऐसे भामलों में जहाँ चिकित्सा बोर्ड यह प्रमाणित कर देता है कि उम्मीदवार प्रशिक्षण पूर्य होने तक बढ़कर अपेक्षित भावक तक हो सकता है कब में 2.5 सें० भी० की कूट भी जा सकती है।

टिप्पणी 2—बायुसेना में पाइलट के रूप में विशेष अपेक्षाओं की पूर्ति हेतु टांग की सम्भाई, जंडा की लम्बाई तथा ऐठे हुए लम्बाई की स्वीकार्य माप मिल प्रकार होती —

	स्थूनतम	अधिकतम
टांग की लम्बाई	90.00	120 सें० भी०
जंडा की लम्बाई	64.00	81.50 सें० भी०
ऐठे हुए लम्बाई	81.50	96.00 सें० भी०

(क) छाती भीती प्रकार विकसित होनी चाहिए तथा पूरा सांस लेने के बाद इसका स्थूनतम फैलाव 5 सें० भी० होना चाहिए। माप इस तरह भीती लगाकर की जाएगी कि इसका निचला किनारा सामने कूचक से लगा रहे और भीते का ऊपरी भाग भी लम्बाई फलक (शोल्वर लोड) के निम्न कोण (लोअर एंगिल) को कूते रहता चाहिए। छाती का एकसरे करना जरूरी है इसे यह जानने के लिए किया जाएगा कि छाती का कोई रोग नहीं है।

(द) जारीर में हवाओं और जोड़ों का कोई रोग नहीं होना चाहिए कहाँ रीढ़ की हड्डी का विकास ठोक न हुआ हो इसके लिए भेद का एकसरे किया जाएगा। ऐसे जन्मजात दोष गुणवत्ता पर त्वीकार किए जा सकते हैं जिनमें सेना कर्तव्यों के विधायन में बाधा पड़ने की समाजना न हो।

कहीं जिम्मेदारियां रोग न हो इसके लिए बायु सेना के उम्मीदवारों के बेशब्द का एकसरे करना जरूरी है।

- (i) काव की पठाति द्वारा 7 से अधिक का स्कालियोसिस।
- (ii) एस० भी०-I को छोड़कर स्पाइका बाहिरिया।
- (iii) एस० भी०-5 का एक पार्श्व का सेलेक्शनजेशन।
- (iv) व्हेरेनैन रोग : व्हेरेनैन ग्रोइस स्पॉडिलोसिस या स्पॉडिलोसिस बेसिस।

(क) उम्मीदवार मानसिक विकृति या दौरे पर्याने का प्रिलक्षण रीढ़ नहीं होना चाहिए।

(ल) उम्मीदवार सामान्य रूप से सुन सके। उम्मीदवार को इस योग्य हीना चाहिए कि वह शारीर कर्मरे में प्रत्येक कान से 610 सें० भी० की दूरी से जोर भी कानाघूसी सुन सके। कर्ण-मासिका-कठ की पिछली या घबकी भीमारी का कोई प्रमाण न हो।

बायुसेना के लिए अध्यतामितिक परीक्षण किए जाएंगे। 250 एच० जैड, 400 एच० जैड के लीच की आवश्यियों में अध्यतामितिक कमी +10 डेविल से अधिक नहीं हो।

(ज) तृप्तय या रक्त वाहिकाओं के सम्बन्ध में कोई क्रियात्मक या ग्राहिक रोग होना नहीं चाहिए। रक्त वाल सामान्य ही।

(झ) उद्देश्यित सुविकसित हों तथा जिगर या तिल्ली बड़ी हुई न ही। उद्दर के आंतरिक धूग की कोई भीमारी होने पर उम्मीदवार अस्थीकृत कर दिया जाएगा।

(ञ) यदि किसी उम्मीदवार को हर्मिया है और उसकी शल्य चिकित्सा न की गई हो, तो वह उम्मीदवार प्रतुप्रकृत होगा। यदि हर्मिया की शल्य चिकित्सा हो गई हो तो वह बर्तमान परीक्षा से कम से कम एक बर्व पहले हुई हो और उसका जल्म भी पूरी तरह ठीक ही चुका हो।

(ट) हाइड्रोसीप, बेरिकोसील या पाइलस का रोग नहीं होना चाहिए।

(ठ) मूत्र की परीक्षा की जाएगी और यदि इसमें कोई असामान्यता मिलती है तो इस पर उम्मीदवार अस्थीकृत हो जायेगा।

(ड) अग्रकृतता साने या आकृति चिकित्साएं वाले अर्थे रोग के हीने पर उम्मीदवार अस्थीकृत किया जाएगा।

(३) उम्मीदवार को दूर दृष्टि भाँड़ में प्रत्येक आंख से ऐनक राहित या ऐनक बिना (नीसेना तथा बायु सेना के लिए केवल ऐनक बिना) 6/6 पढ़ने में समर्थ होना चाहिए। मायोपिया 2.5 भी० तथा हाइपरमेट्रीपिया 3.5 (एस्टिगमेटिजम सहित) से अधिक नहीं होना चाहिए। यह जानने के लिए कि आंख में कोई रोग तो नहीं है आंख की आन्तरिक परीक्षा औपचलमोस्कोप से की जाएगी। उम्मीदवार के दोनों नेत्रों की दृष्टि अच्छी होनी चाहिए। वर्ष दृष्टि का भावक सी० भी०-३ होगा। उम्मीदवार में लाल व हरे रंगों को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए। नीसेना के उम्मीदवारों के लिए रात्रि दृष्टि की तीक्ष्णता सामान्य होनी चाहिए तथा उनको इस ग्राशय का प्रमाण-प्रब्र देना होगा कि उसे या उसके परिवार के किसी सवस्य को जान्मजात रक्ताधी भागे का रोग नहीं होगा है।

बायु सेना के लिए निम्नलिखित मापदण्ड हैं:—

दूर की दृष्टि :	6/6, 6/6 तक सुधार योग्य 6/9
पास की दृष्टि :	प्रत्येक आंख की एन-५
वर्ष दृष्टि :	सी० भी०-१ (एम०टी०एल०)
मनीफेस्ट हाइपरमेट्रीपिया	2.00 भी से अधिक न हो।

नेत्र वेशी सन्तुलन

मेडबोक्स रोड टेस्ट के साथ हैटरोफोरिया निम्नलिखित से अधिक न हो:—

(i) 6 मीटर पर	एक्सोफोरिया	6 प्रिम डायोप्ट्रेस
	ऐसोफोरिया	6 प्रिम डायोप्ट्रेस
	हाइपरफोरिया	1 प्रिम डायोप्ट्रेस
(ii) 33 सेंटीमीटर पर	एक्सोफोरिया	16 प्रिम डायोप्ट्रेस
	ऐसोफोरिया	6 प्रिम डायोप्ट्रेस
	हाइपरफोरिया	1 प्रिम डायोप्ट्रेस
	मायोपिया	कुछ महीं
	ऐस्टिगमेटिम	+०. 70 भी०

द्विनेत्रीदृष्टि द्विनेत्री दृष्टि का होना अनिवार्य है (प्यूजा तथा स्टर्बोफिस्स तथा साथ में अच्छा ग्रायाम व गहनता)।

(ज) iii) उम्मीदवार के पर्याप्त संचय में कुधरती व मजबूत धात जोने चाहिए। कम से कम 14 धात जिन्हु वाला उम्मीदवार स्वीकार्य है। जब 32 धात होते हैं तब कुल 12 धात होते हैं। उम्मीदवार को तीव्र पायरिया का रोग नहीं होना चाहिए।

(झ) बायुसेना के उम्मीदवारों के लिए शटिन ५० सी० जी० तथा ५० ई० जी० सामान्य सीना में होने जरूरी हैं।

परिक्षण III

(सेवा ग्रादि का संक्षिप्त विवरण)

1. ग्राकादमी में मर्ती होने से पूर्व भाता रिता या संरक्षक को निम्नलिखित प्रमाण पत्रों पर हस्ताक्षर करने होंगे:—

(क) इस ग्राशय का प्रमाण पत्र कि वह यह समस्त है कि किसी प्रधिक्षण के बीचन या उसके परिणामस्वरूप यदि उसे कोई लोट लग जाए या ऊपर निविष्ट किसी कारण से या भन्यथा ग्रावरिक किसी मर्तिकल प्राप्तरेशन या संवेदनाहरक दवा के परिणामस्वरूप उसमें कोई शारीरिक ग्रावरिता या जाने या उसकी मृत्यु हो जाने पर वह या उसके बष उत्तराधिकारी को संक्षार के विषय किसी भुक्तजे या ग्राम्य प्रकार की राहत का दावा करने का हक न होगा।

(क) इस प्राप्ति का बंध पत्र कि यदि किसी तेस कारण से जो उसके नियन्त्रण में समझे जाते हैं, उम्मीदवार पाठ्यक्रम पूरा होने से पहले भाषण प्राप्त करता है या कमीशन प्रस्त्रीकार कर देता है तो उस पर शिक्षा दूर्लक, घोषन, वस्तु पर किए गए व्यय तथा विए गए वेतन और भत्ते की कुल राशि या सतनी राशि जो सरकार निश्चित करे, उसे वापस करनी होगी।

2. आवास, पुस्तकों, वर्दी बोर्डिंग और चिकित्सा महिल, प्रशिक्षण के बच्चे को सरकार बहन करती है। उम्मीदवार के माता-पिता या सरकार से यह प्राप्ति की जाती है कि उम्मीदवार का जेब बच्चे के कुल बदायित करें। सामान्यतया इन बच्चों के 40.00 रुपये से अधिक होने की संभावना नहीं है। यदि किसी फैटेट के माता पिता या बंधकार इस बच्चे की भी पूरा या प्राथिक रूप में बदायित करने में असमर्थ हों तो पहले भी दूसरे बच्चे के लिए ८० ४०.०० तक और राष्ट्रीय रक्षा भकादमी में तीसरे बच्चे के शिक्षण के लिए ८० ४५.०० और यस देना/नीसेना/चायुसेना प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में प्राप्त विशिष्ट प्रशिक्षण के लिए १० ५५.०० तक सरकार द्वारा वित्तीय सहायता दी जा सकती है। लेकिन जिन उम्मीदवारों के माता पिता या संरक्षक की मासिक आय १० ५००.०० या इससे अधिक हो, वे इस वित्तीय सहायता के पात्र नहीं होंगे। वित्तीय सहायता की प्राप्तता निर्धारित करने के लिए प्रधान सम्पत्तियों और सभी साधनों से होने वाली आय का भी व्याप्त रखा जाएगा।

यदि उम्मीदवार के माता-पिता/संरक्षक सरकार से किसी प्रकार की वित्तीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक हों तो उन्हें यथोपर्याप्त पुढ़ियां संभावित के राष्ट्रीय रक्षा भकादमी में प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने जाने के दृश्यत बाब धन्यने जिले के जिला ऐजिस्ट्रेट अपारी भनुशंसा सहित राष्ट्रीय रक्षा भकादमी, छाकड़कासला पूर्ण (411023) के कमांडेट को प्रदेशित कर देगा।

3. भकादमी में प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने गए उम्मीदवारों को धन्यने पर, कमांडेट राष्ट्रीय रक्षा भकादमी के पास निम्नलिखित राशि जमा करनी होगी:—

(क) प्रति मास ४०.०० रुपये के हिसाब से पांच महीने	८०
का जेब बच्चे	२००.००
(ख) वस्तु तथा उपस्कर की मदों के लिए	६५०.००
धन्य	८५०.००

उम्मीदवारों को वित्तीय सहायता मंजूर हो जाने पर उपर्युक्त राशि में से नीचे लिखी राशि वापस कर दी जाएगी:—

(क) ४०.०० रुपये प्रति माह के हिसाब से पांच महीने	८०
का जेब बच्चे	२००.००
(ख) वस्तु तथा उपस्कर की मदों के लिए धन्य	४७५.००
4. राष्ट्रीय रक्षा भकादमी में निम्नलिखित आवासियों उपलब्ध है:—	

(1) पर्यु राम भाऊ पटेल्हान आवासि:—यह आवासि महाराष्ट्र तथा कनिंघम के फैटेटों को दी जाती है जिनके माता पिता की आय सभी साधनों से १० ३५०.०० तथा १० ५००.०० के बीच हो। आवासि की राशि सरकारी वित्तीय सहायता के बाबाबर होगी। बाब तक फैटेट राष्ट्रीय रक्षा भकादमी पा धन्य कमीशन पूर्ण प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में रहेगा तब तक के लिए वह प्राप्त होगी किन्तु शर्त यह है कि फैटेट का अवहार घटाए रहे और वह संतोषजनक प्रगति करते रहे और उसके माता पिता की आय निर्धारित सीमा से कम रहे। जिन फैटेटों को यह आवासि दी जाएगी उन्हें सरकार से धन्य वित्तीय सहायता महीने दी जाएगी:—

(2) कर्नल कॉडिल ब्रिंग मैमोरियल आवासि:—यह आवासि ३६०.०० रुपये प्रति बच्चे की है और उस मराठा फैटेट को दी जाती है जो भत्तूर्य सैनिक का पूर्ण हो। वह आवासि सरकार से प्राप्त वित्तीय सहायता के भत्तिरक्षत होगी।

(3) कूम्हर सिंह मैमोरियल आवासि:—दो आवासियों उन दो फैटेटों को प्रदान की जाती है जिन्हें बिहार के उम्मीदवारों में उच्चतम स्थान प्राप्त हो। प्रत्येक आवासि ३७.०० रुपये प्रति मास की है तथा प्रशिक्षण साथ बच्चे के लिए राष्ट्रीय रक्षा भकादमी छाकड़कासला में प्रशिक्षण के दौरान तथा उसके बाब भारतीय सेना भकादमी छाकड़कासला में प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय रक्षा भकादमी प्रशिक्षण पूर्ण करने पर भेजा जाएगा, जो जाती रहेगी। आवासि तभी मिलती रहेगी जबकि फैटेट उपर्युक्त संस्थाओं में भग्नी प्रगति करता रहे।

(4) प्रसम सरकार आवासियों:—दो आवासियों प्रसम के फैटेटों को प्रदान की जाएगी। प्रत्येक आवासि ३०.०० रुपये प्रतिमास की होगी। तथा बच्चे तक आवास राष्ट्रीय रक्षा भकादमी में रहेगा उसे मिलती रहेगी। आवासि प्रसम के दो सर्वोत्तम फैटेटों को उनके माता-पिता की प्राप्ति पर ध्यान विए बिना प्रदान की जाएगी। जिन फैटेटों को यह आवासि प्रदान की जाएगी उन्हें सरकार की ओर से धन्य वित्तीय सहायता प्रदान नहीं की जाएगी।

(5) उत्तर प्रदेश सरकार आवासियों:—दो आवासियों ३०.०० रुपये प्रतिमास की तथा ४००.०० रुपये की परिवान वृत्ति उत्तर प्रदेश सरकार के दो फैटेटों की योग्यता तथा आय के प्राप्तार पर राष्ट्रीय रक्षा भकादमी में संतोषजनक प्रगति करने पर तीन बच्चे के लिए दी जाएगी। जिन फैटेटों को यह आवासि योग्यता मिलेंगी उन्हें धन्य प्रकार की वित्तीय सहायता सरकार से नहीं मिलेंगी।

(6) केरल सरकार आवासि:—पूरे बच्चे के लिए ४८० रुपये की एक योग्यता आवासि १०० रुपये भकादमी में प्रशिक्षण की पूरी प्रवधि के लिए केरल राज्य सरकार द्वारा उस फैटेट को दी जाती है जो केरल राज्य का प्रधिवासी निवासी हो और जो १०.२० भकादमी हेतु प्रधिल भारतीय सं० ६०.०० से १०.१० से १०.१० प्रत्येक प्रदेश परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त कर लेता है, उसे ही उसमें वह परीक्षा राष्ट्रीय भारतीय सेना कालिज से या भारत भर में किसी सैनिक स्कूल से उत्तीर्ण की हो। ऐसा करते समय फैटेट के प्रिया/संरक्षक की प्राप्तिक स्थिति पर कोई व्याप्त नहीं दिया जाता है।

(7) बिहारी लाल भंवानी पुरस्कार:—बह ५००.०० रुपये का नकद पुरस्कार सर्वोत्तम बंगाली लड़के को भकादमी से प्रदेश कोर्ट के लिए मिलता है। प्रावेदन प्रपत्र कमांडेट, राष्ट्रीय रक्षा भकादमी से मिलते हैं।

(8) उडीसा सरकार आवासियों:—तीन आवासि योग्यता—एक धन्य सेना, एक नीसेना तथा एक वायु सेना के फैटेट के लिए प्रत्येक ८०.०० रुपये प्रति मास के हिसाब से उडीसा सरकार द्वारा उन फैटेटों को दी जाएगी जो उडीसा राज्य के स्थाई निवासी हैं। इनमें से दो आवासियों फैटेटों की योग्यता तथा आय साधन के प्राप्तार पर दी जाएंगी जिनके माता पिता या प्रधिवासीक की आय १० ५,००० प्रतिवर्ष से प्रधिक न हो तथा तीसरी आवासि उपलब्ध बिना उसके माता पिता या प्रधिवासीक की आय की व्याप्त में रहते हुए सर्वोत्तम फैटेट को दी जाएगी।

(9) पश्चिमी बंगाल सरकार आवासियों:—निम्नलिखित वर्गों की आवासियों पश्चिमी बंगाल सरकार द्वारा उन फैटेटों को दी जाएगी जो पश्चिमी बंगाल के स्थाई निवासी हैं:—

(क) वर्ग १:—ये आवासियों—(यन सेना, नीसेना तथा वायु सेना के लिए एक एक) ३८०.०० रुपये प्रतिवर्ष वहसे और दूसरे बच्चे के लिए एक प्रति भकादमी में तीसरे वर्ष के लिए तथा विशेष प्रशिक्षण संस्था में जीये वर्ष के लिए ४९०.०० रुपये तथा इसके प्रतिवर्ष ४००.०० रुपये परिवान वृत्ति। यह उन फैटेटों को दी जाएगी जो भकादमी की व्याप्ति पाने के पाल नहीं हैं।

(ख) वर्ग २:—तीन आवासियों १०० रुपये प्रतिवर्ष एक मुस्त सरकारी वित्तीय सहायता के प्रतिवर्ष दी जाएगी।

(10) नापलट प्रकार गुरुमीत तिह थेदी शाकबूति :—

ह० 420 प्रतिमास की एक शाकबूति ऐसे कैडेटों को दी जाती है जो वायु सेना कैडेटों के चीजों सदृ के अन्त में योग्यता में सर्वोत्तम होगा। यह एक वर्ष की प्रशिक्षण के लिए होती है। पांचवें और छठे सदृ के दीरान पह शाकबूति धन्द कर दी जाएगी यदि प्राप्तकर्ता रेलीगेब कर दिया गया हो या इसके प्राप्त करने की अवधि में छोड़ कर छला गया हो। जो कैडेट इस प्रकार की पक्ष्य में दी कोई योग्यता शाकबूति या वित्तीय सहायता ले रहा है, उसे शाकबूति नहीं दी जाएगी।

(11) शिमाचल प्रदेश सरकार शाकबूतियाँ :—हिमाचल प्रदेश के कैडेटों को धार शाकबूतियाँ प्रदान की जाएगी। प्रशिक्षण के प्रथम दो वर्षों के लिए शाकबूतियाँ 30.00 रुपए प्रतिमास तथा प्रशिक्षण के भौमरे वर्ष के लिए 40.00 रुपए प्रतिमास मिलेगी। यह शाकबूति उन कैडेटों को मिलेगी जिनके माता पिता को मासिक आय 500.00 रुपए प्रति मास से कम होती है। जो कैडेट सरकार से वित्तीय सहायता में रहा हो उसे शाकबूति नहीं दी जाएगी।

(12) तमिलनाडु सरकार की शाकबूति :—तमिलनाडु सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रति कोर्स 30 रु ५० मास की एक शाकबूति तथा साथ में 400 रु ० मज्जा भत्ता (कैडेट के प्रशिक्षण की परी प्रशिक्षण के दीरान केवल एक बार) देना शुरू किया है जो उस कैडेट की दिया जाएगा जो तमिलनाडु राज्य का हो तथा जिसके अधिकारी/सरकार की मासिक आय 500 रु से अधिक न हो। पांच कैडेट प्रति, अधिकतम, कमाडेट, राष्ट्रीय अकादमी को बहु वृद्धि पर प्रस्तुत कर सकते हैं।

(13) कर्नाटक सरकार की शाकबूति :—कर्नाटक सरकार ने प्रति वर्ष 18 (प्राठारह) शाकबूतियाँ—9 जनवरी से शुरू होने वाले कोमों के लिए और 9 जुलाई से शुरू होने वाले कोसों के लिए—कर्नाटक राज्य के उन कैडेटों को दी है जो सेनिक स्कूल बीजापुर या राष्ट्रीय इंडियन मिलिंट्री कालेज, बेहराबूल में अपनी शिक्षा पूरी करके राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में आते हैं। इन शाकबूतियों की राशि 480.00 रुपए प्रतिवर्ष है।

ह० 480.00 प्रतिवर्ष भी चार (4) भीर शाकबूतियाँ (दो प्रति सदृ) कर्नाटक राज्य के उन छात्रों को दी गई हैं जो भैनिक स्कूल बीजापुर/राष्ट्रीय इंडियन मिलिंट्री कालेज, बेहराबूल के अलावा अग्र स्थान पर अपनी शिक्षा पूरी करके राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में आते हैं।

इन शाकबूतियों की भारत राष्ट्रीय अकादमी, खड़कवासला पुणे (411023) से प्राप्त की जा सकती है।

5. चुने हुए उम्मीदवारों के अकादमी में प्राप्त के बाव भवास उनके लिए निम्नलिखित विषयों में एक प्रारंभिक परीक्षा होगी।

- (क) अंग्रेजी
- (ख) गणित
- (ग) विज्ञान
- (घ) हिन्दी

(क), (ख) तथा (ग) के लिए परीक्षा का स्तर, भारतीय विषय-विद्यालय या हायर सेकेन्डरी शिक्षा बोर्ड की हायर सेकेन्डरी परीक्षा के स्तर से ऊंचा नहीं होगा। (ख) पर लिखित विषय की परीक्षा में यह जाएगा कि उम्मीदवार को अकादमी में भर्ती होने के समय हिन्दी का कितना हाल है।

अतः उम्मीदवारों के सलाह दी जाती है कि प्रतियोगिता परीक्षा के उपरान्त अध्ययन के लिए अवधीन न हो। आए।

प्रशिक्षण

6. तीनों सेनाओं पर्याप्त यत्र यत्र सेना, नीसेना और वायु सेना के लिए चुने गए उम्मीदवारों को तीन वर्ष के लिए भैनिक नवा शारीरिक दोनों प्रकार का प्रारम्भिक प्रशिक्षण राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में दिया जाता है जो एक सर्व सेना संस्था है। पहले तीर्थ वर्ष का प्रशिक्षण तीनों सेनाओं के लिए समान है। सफल होने पर कैडेटों को जवाहर लाल नेहरू विषय-विद्यालय, विली द्वारा भी० एस०-भी०/०००.०० ए० इयरी प्रवान की जाएगी।

7. राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में पार होने के बाव यत्र सेना कैडेट भारतीय सेना अकादमी, बेहराबूल में, नीसेना कैडेट कैडेटों के प्रशिक्षण प्रोत में भीर वायु सेना कैडेट भी० ए० ए०.०० विदार जायेंगे।

8. भारतीय सेना अकादमी में सेना कैडेटों को 'जेन्डल रैन कैडेट' कहा जाता है और उन्हें एक वर्ष तक कड़ा प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे इन्हेंट्री के उप यूनिटों का नेतृत्व करते प्रोग्राम अफसर बन सकें। प्रशिक्षण सफलता से पूरा करने के बाब जेस्टलमेन कैडेटों की उनके शेष (Shape) शारीरिक दृष्टि से योग्य होने पर सैकेप्ट लैपिटनेंट के पव पर स्थाई कमीशन दिया जाता है।

9. नीसेना कैडेटों के राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में पास होने पर उन्हें नीसेना की कार्यपालक इजानियरों, विजली और शाखाओं के लिए चुना जाता है। उन्हें दू महीने के लिए कैडेट प्रशिक्षण-पोरा पर अन्तर्वर्ष प्रशिक्षण दिया जाता है। जिसे गफलतापूर्वक पूरा करने पर उन्हें प्रिशिक्षणमेन एक में पदोन्नत किया जाता है। संबद्ध शाखा में 6 महीने तक घारे प्रशिक्षण पाने के बाब उन्हें कार्यकारी तथा लैपिटनेंट के रैक में पदोन्नत किया जाता है।

10. वायु सेना कैडेटों को हथाई उड़ान का बेळ वर्ष का प्रशिक्षण दिया जाता है। तथापि उन्हें एक वर्ष का प्रशिक्षण पूरा होने पर वायरिटम रूप से पायलट अफसर के रूप में कमीशन प्रदान किया जाता है उसके बाब उँ: महीने का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने पर उन्हें एक वर्ष का अधिक के लिए परिसीधा पर स्थाई रूप से कमीशन अफसर के रूप में समानूत कर दिया जाता है।

सेवा की शर्त

11. यत्र सेना अधिकारी

(i) वेतन

रैक	वेतनमान
सैकिण्ड लैपिटनेंट	रुपए 760-790
लैपिटनेंट	रुपए 830-950
कैप्टन	रुपए 1100-1350
मेजर	रुपए 1450-1800
लैपिटनेंट कर्नल (जयन द्वारा)	रुपए 1750-1950
लैपिटनेंट कर्नल (समय वेतनमान)	रुपए 1900 मियत
कर्नल	रुपए 1950-2175
डिगेंडियर	रुपए 2200-2400
मेजर जनरल	रुपए 2500-125/2 2750
लैपिटनेंट जनरल	रुपए 3000 प्रतिमास

(ii) योग्यता वेतन और प्रदूषण

लैपिटनेंट कर्नल और उससे नीचे के रैक के कुछ तिबारित योग्यता रखने वाले अधिकारी अपनी योग्यताओं के आधार पर 1600/- रु०, 2400/- रु०, 4500-रु० प्रथमा 6000/-रु० के एकमुक्त प्रमुदान के हफवार हैं। उड़ान प्रशिक्षक (वर्ग 'ख') 70/- रु० की वर पर योग्यता वेतन के अधिकारी होते हैं।

(iii) प्रमै

वेतन के प्रतिरक्षित अफसरों को इस समय निम्नलिखित भाव मिलते हैं:—

- (क) सिविलियन राजावित अफसरों पर समय-समय पर सार्व दरों और शर्तों के अनुसार ही इन्हें भी नयर प्रतिकर तथा महंगाई भावे दिये जाते हैं।
- (ख) रु० ३०/- प्रतिमास की वर से किंव अमुरक्षण भासा।
- (ग) भारत के बाहर सेवा करने पर ही प्रवास भत्ता मिलेगा। यह विदेश भर्तों की तदनुकूली एकल वर का 25 प्रतिशत से 48 प्रतिशत तक होता।
- (घ) नियुक्त भत्ता: गव विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर हीनात किया जाता है जहा परिवार सहित नहीं रहा जा सकता है तब अफसर 70/- रु० प्रतिमास की वर से नियुक्त भत्ता प्राप्त करने के हकदार होते हैं।

(इ) सज्जा भता प्रारम्भिक सज्जा भता ₹ 1400/- है। प्रथम कमीशन की लारोल में ₹ 1200/- की दर से प्रथम साल वर्षे के बाद एक ताजे के बाजे का धनान किया जा यकता है।

(iv) तैमारी

यह सेना अकसर भारत में या विदेश में कही भी तैमार किया जा सकते हैं।

(v) पारंपरिक(क) स्थाई पदोन्नति

उच्चतर ईंकों पर स्थायी पदोन्नति के लिए निम्नलिखित सेवा सीमाएँ हैं :—

(i) समय बेतनमान से

न्यूनतम सेवा सीमा

लेफिटेनेंट	2 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
फैटन	6 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर	13 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर में लेफिटेनेंट कर्नल यदि वयन द्वारा पदोन्नति न हुई हो	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
(ii) वयन द्वारा	न्यूनतम सेवा सीमा
लेफिटेनेंट कर्नल	18 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कर्नल	20 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
प्रिंसिपर	23 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर जनरल	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
लेफिटेनेंट जनरल	28 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
जनरल	कोई प्रतिक्रिया नहीं।

(ष) कार्यकारी पदोन्नति

निम्नलिखित न्यूनतम सेवा सीमाएँ पूरी करने पर प्रकाश उच्चतर ईंकों पर कार्यकारी पदोन्नति के लिए पात्र होंगे जबते कि रिक्तिया उपलब्ध हो :—

फैटन	3 वर्ष
मेजर	6 वर्ष
लेफिटेनेंट कर्नल	6 1/2 वर्ष
कर्नल	8 1/2 वर्ष
प्रिंसिपर	12 वर्ष
मेजर जनरल	20 वर्ष
लेफिटेनेंट जनरल	25 वर्ष

12. नौसेना प्रकाश(i) वेतन

ईक	बेतनमान	
	सामान्य सेवा	नीसेना विमानन और परमाणुकी
मिहायिपमेंट	560	560
कार्यकारी सबलेफिटेनेंट	750	825
सब लेफिटेनेंट	830-870	910-950
लेफिटेनेंट	1100-1450	1200-1550
लेफिटेनेंट कमांडर	1450-1800	1450-1800
कमांडर	1750-1950	1750-1950
कॉर्टन	1950-2400	1950-2400
कमांडर का बढ़ी बेतन मिलता है जिसके लिए वह कैटन के रूप में प्राप्ती वरिष्ठता के अनुसार हक्कार है।		
प्रिंसिपर एडमिरल	2500-125/2-2750	
वाइस एडमिरल	3000/- प्रतिमास	

कृष्ण निर्वाचित योग्यताएँ रखने वाले कमांडर और उसके नीचे के ईक के व्यवहार की अपनी योग्यताओं के आधार पर 1600/- ₹ 0, 2400/- ₹ 0, 4300/- ₹ 0 या 8000/- ₹ 0 के एकत्रूप अनुदान के हक्कार हैं।

(ii) भरती

नौसेना विमानन व्यवहार उड़ान भता के लिये उन्हीं दरों तथा शर्तों के अधीन होंगे जो वायु सेना अकसरों के अनुशंशी रैकों के लिए लागू हैं नी सेना प्रकाश ममकश ईंक में अपसेना अकसरों को मिलने वाले यते के लिये भी हक्कार हैं। इसके अतिरिक्त उन्हें हाँड़ लाइंगमनी, पनडुड़ी भता, पनडुड़ी बेतन और गोता बेतन जैसी विशेष रियायतें भी दी जाती हैं।

(iii) प्रशंसनिया(क) मूल पदोन्नति

उच्चतर ईंकों पर कार्यकारी पदोन्नति रेट के लिये निम्नलिखित सेवा सीमाएँ हैं :—

समय बेतनमान द्वारा	1 वर्ष
प्रथम लेफिटेनेट	3 वर्ष (परिष्कार लाभ/जबती के अधीन)
लेफिटेनेट कमांडर	लेफिटेनेट कमांडर के रूप में 8 वर्ष की परिष्कारा।
कमांडर	24 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा (यदि वयन द्वारा पदोन्नति नहीं हुई है)।

वयन द्वारा

कमांडर कार्यपालक भाषा	लेफिटेनेट कमांडर के रूप में 2-8 वर्ष की परिष्कारा।
कमांडर इंजीनियरी शास्त्रा	लेफिटेनेट कमांडर के रूप में 2-10 वर्ष की परिष्कारा।
कमांडर विशुल शास्त्रा	लेफिटेनेट कमांडर के रूप में 2-10 वर्ष की परिष्कारा।
कैटन	कमांडर के रूप में 4 वर्ष की परिष्कारा।
प्रिंसिपर एडमिरल	कोई प्रतिक्रिया नहीं।
वाइस एडमिरल	कोई प्रतिक्रिया नहीं।

(ए) कार्यकारी पदोन्नति

लेफिटेनेट कमांडर के ईक लोहार विषयके लिये किसी प्रकाश को लेफिटेनेट के रूप में 6 वर्ष की परिष्कारा होती थारिए, जैसेना जी कार्यकारी पदोन्नति के लिये कोई सेवा सीमा नहीं है।

13. वायु सेना प्रभावर

(i) बेतन

ईक	बेतनमान रुपये
पाइलट अकसर	825-855
स्टाईंग प्रफेशन	910-1030
स्टाईंग-लेफिटेनेट	1300-1550
लेफिटेनेट लोडर	1650-1800
विंग कमांडर (वयन)	1750-1950
विंग कमांडर (समय बेतनमान)	1900 नियत
पूप ईंटन	1950-2175
एयर कमांडर	2200-2400
एयर वाइस मार्शल	2500-2750
एयर मार्शल	3000
एयर मार्शल (रुपये सी० ए० ए० ए० ए०)	3250
मौर ए० ग्र० ए० ए० सी०-इन-सी०)	
एयर चोक मार्शल (सी० ए० ए० ए०)	4000

(ii) मत्ते

उडान भत्ता—उडान शाखा (पायलट और नीवीगेटर) शाखाओं के प्रफसर निम्नलिखित दर पर उडान भत्ता लेने के बाहर हैं—

	प्रतिमास
प्रतिमास	50
पायलट भफसर से लेकर	
विंग कमांडर तक	375
पृष्ठ केष्टन और एयर कमांडर	133 33
एयर वाइस मार्शल और उच्चमेर ऊर्जा	300

(iii) योग्यता वेतन/प्रमुद्दान—निम्नलिखित दरों पर उडान शाखा प्रफसरों को प्राप्य जिनके पास निर्धारित योग्यताएँ हैं—

योग्यता वेतन	50 100/- प्र० माझ या 50 70/- प्र० माझ
	50 50
योग्यता प्रमुद्दान	6000/- 50 4500/- 2400/- या 1600/-

(vi) परोन्नति

(क) मूल परोन्नति

उच्चतर रैंकों पर मूल परोन्नति के लिये निम्नलिखित दरों सीमाएँ हैं—

सभय वेतनमान द्वारा
प्लाईंग प्रफसर
प्लाईंग लैनिंगस्ट
स्क्याक्स लीडर
विंग कमांडर

1 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा
5 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा
11 वर्ष की कमीशन प्राप्त सेवा
यदि वयन द्वारा परोन्नति न हुई हो
तो 24 वर्ष की कमीशन-प्राप्त
सेवा पूरी कर ली हो।

वयन द्वारा

विंग कमांडर

मूल कैटेन

एयर कमांडर

एयर वाइस मार्शल

एयर मार्शल

16 वर्ष मूल कमीशन प्राप्त सेवा
प्रिया जाएगी

22 वर्ष —वही—

24 वर्ष —वही—

26 वर्ष —वही—

28 वर्ष —वही—

(ब) कार्यकारी परोन्नति

प्रफसरों की कार्यकारी परोन्नति के लिये प्रतिक्रिया व्यूनतम सेवा सीमा इस प्रकार है—

प्लाईंग सीफिटेन्ट'

स्क्याक्स लीडर

विंग कमांडर

एयर कमोडोर

एयर वाइस मार्शल

एयर मार्शल

2 वर्ष

5 वर्ष

6 वर्ष (स्क्याक्स लीडर के रैंक में
एक वर्ष की सेवा के बाद)।

11½ वर्ष (विंग कमांडर और
मूल कैटेन के रैंक में 3 वर्ष की
सेवा के बाद)।

15 वर्ष विंग कमांडर, मूल कैटेन
और एयर कमोडोर के रैंक
में 5* वर्ष की सेवा के बाद)।

23 वर्ष

*विकित पराणियों को समिल करके

14. सेवा नियुक्ति लाप्त

ऐसाथ, उपवान और वैधुती नेतृत्वी व्यवाधि समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार स्वीकार्य होते हैं।

15. कृपी

समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार कृपी स्वीकार्य होते हैं।

परिशिष्ट IV

भारत सरकार के अधीन परों पर नियुक्त हैं आवेदन करने वाले प्रनुसूचित जातियों और प्रनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म:

प्रमाणित किया जाता है कि थी.....

मुझ की जो गाँव/कस्बा* जिला/मंडल*

राज्य/संघ* राज्य के के निवासी हैं
जाति/जन* जाति के हैं जिसे निम्नलिखित के मध्यम प्रनुसूचित जाति/प्रनुसूचित जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है—

संविधान (प्रनुसूचित जातियों) प्रादेश, 1950*

संविधान (प्रनुसूचित जन जातियों) प्रादेश, 1950*

संविधान (प्रनुसूचित जातियों) (संघ राज्य के) प्रादेश, 1951*

संविधान (प्रनुसूचित जन जातियों) (संघ राज्य के) प्रादेश, 1951*

[प्रनुसूचित जातियों और प्रनुसूचित जन जातियों सूचिया (ग्रामोध्यन) प्रादेश, 1950, बम्बई पुनर्जन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्जन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य प्रतिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी जिला (पुनर्जन) प्रतिनियम, 1971 और प्रनुसूचित जातियों तथा प्रनुसूचित जन जातियों* आवेदन (संघोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित]

संविधान (ग्रम्म और कामीर) प्रनुसूचित जातियों प्रादेश, 1956*

संविधान (दावरा और नागर हृषेश्वर) प्रनुसूचित जन जातियों प्रादेश, 1959 प्रनुसूचित जातियों तथा प्रनुसूचित जन जातियों प्रादेश (संशोधन) प्रतिनियम, 1978 द्वारा तथा संशोधित*

संविधान (दावरा और नागर हृषेश्वर) प्रनुसूचित जातियों प्रादेश, 1962*

संविधान (दावरा और नागर हृषेश्वर) प्रनुसूचित जन जातियों प्रादेश, 1962*

संविधान (वाडिबेनी) प्रनुसूचित जातियों प्रादेश, 1964*

संविधान (प्रनुसूचित जन जातियों) उत्तर प्रदेश प्रादेश, 1967*

संविधान (गोप्ता, दमन और विधु) प्रनुसूचित जातियों प्रादेश, 1968*

संविधान (गोप्ता, दमन और विधु) प्रनुसूचित जन जातियों प्रादेश, 1968*

संविधान (नागालैण्ड) प्रनुसूचित जन जातियों प्रादेश, 1970*

संविधान (सिक्किम) प्रनुसूचित जाति प्रादेश, 1978*

संविधान (सिक्किम) प्रनुसूचित जन जाति प्रादेश, 1978*

2. मी भौतिकीय उत्तराधीन

परिवार आमतौर से गाँव/कस्बा*

जिला/मंडल* राज्य/संघ* राज्य के

में रहता है।

राज्य/संघ* राज्य के

हस्ताक्षर *

**विवादाम

(कार्यालय की मौहर के साथ)

स्थान

तारीख

*जो शब्द लागू न हों उन्हें छोपमा काढ दें।

जोट—यहां “आम तौर से रहता है” का अर्थ वही होगा जो ‘पिंडे-जेटेन’ प्रदेश प्राक वि पिंड ऐस्ट, 1950’ की शाय 20 में है।

**जाति/जन जाति का प्रमाण-पत्र जारी करने के लिये संघम प्रधिकारी।

- (i) जिसा मैजिस्ट्रेट/प्रतिरिक्त जिसा मैजिस्ट्रेट/कोमिटर/डिप्टी कमिटर/एवीशनल चिप्टी कमिटर/डिप्टी कलीकटर/ प्रब्रह्म श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट /+ सब विवीजनल मैजिस्ट्रेट/नालूक मैजिस्ट्रेट/एकजीक्युटिव मैजिस्ट्रेट/एक्सट्रा प्रसिस्टेट कमिटर।

प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ऊंचे का नहीं।

- (ii) चीफ प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/एवीशनल चीफ प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/ प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेक्ट्रो प्रफसर जिनका ग्रोहा तहसीलदार से कम न हो।

- (iv) उस इसके का सब-डिवीजनल प्रफसर जहाँ उम्मीदवार और या उसका परिवार आम तौर से रहता हो।

- (v) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/इकलपमंत्र प्रफसर (लकड़ीप)।

परिविष्ट V

उम्मीदवारों को सुनवाई विवरणिका

क बस्तु परक परीक्षण

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं वह “बस्तुपरक परीक्षण” होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में आपको उत्तर लिखने नहीं होगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसकी आपने प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिए कोई सुनाए गए उत्तर (जिसको आपने प्रत्युत्तर कहा जाएगा) दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक उत्तर चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

क. परीक्षण का स्वरूप

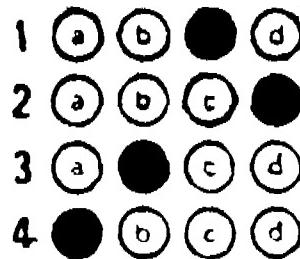
प्रश्न पत्र “परीक्षण पुस्तिका” के रूप में होते हैं। इस पुस्तिका में कम संख्या 1, 2, 3-प्राप्ति के कम से प्रश्नांश होते हैं। हर प्रश्नांश के नीचे a, b, c, d चिह्न के साथ सुनाए गए प्रत्युत्तर लिखे होते हैं। आपका काम एक सही या यदि आपको एक से अधिक प्रत्युत्तर सही लगते तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होगा। (भूत में दिए गए नमूने के प्रश्नांश देख लें) किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक सही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो आपका प्रत्युत्तर गलत माना जाएगा।

ग. उत्तर देने की विधि:

परीक्षा भवन में आपको ग्रन्त एक उत्तर पत्रक दिया जाएगा। जिसकी एक नमूना प्रति आपको प्रवेश प्रमाणन्त्र के साथ भेजी जाएगी। आपको आपने प्रत्युत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होते हैं। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गये उत्तर नहीं जाओ जाएंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नांशों की संख्याएं 1 से 160 तक चार लाठों में आपी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने a, b, c, d चिह्न वाले बुलाकार स्थान लिखे होते हैं। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय कर लेने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है आपको उस प्रत्युत्तर के अधार पर काला बुला लिखिल से पूरी तरह काला बना कर उसे अंकित कर देना है, जैसा कि (आपका उत्तर बचाने 17—146GI/81

के लिए) नीचे दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के बुले को काला बनाने के लिए स्पाही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



यह जरूरी है कि:—

1. प्रश्नांशों के उत्तरों के लिए केवल घट्टी फिल्म यी एच० बी० पैसिल (पैसिल) ही लाएं और उसी का प्रयोग करें।

2. गलत निशान को बदलने के लिए उसे पूरा मिटा कर फिर से सही उत्तर पर निशान लगा दें। इसके लिए आप आपने साथ एक रख भी लाएं।

3. उत्तर पत्रक का प्रयोग करते समय कोई ऐसी घसावधानी न हो जिससे बहु फट आए या उसमें मोड़ या सिलवट आदि पड़ जाएं या बहु अराव हो जाएं।

घ. कुछ महरवपूर्ण विविधमः

1. आपको परीक्षा आरम्भ करने के लिए निर्धारित समय से 20 मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही आपना स्वाम प्रहण करना होगा।

2. परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी दो परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।

4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सौंप दें। आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इस नियम का उल्लंघन करने पर कड़ा खंड दिया जाएगा।

5. आपको परीक्षा भवन में उत्तर पत्रक पर कुछ विवरण भरना होगा। आपको उत्तर पत्रक पर कुछ विवरण कूटबद्ध भी करना होगा। इसके बारे में अनुदेश आपके प्रवेश प्रमाण पत्र के साथ भेज दिये जाएंगे।

6. परीक्षण-पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदेश आपको साब्दशास्त्री से पढ़ने हैं। इन अनुदेशों का साधारणी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो सकते हैं। भगवार उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध है, तो उस प्रश्नांश के प्रत्युत्तर के लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कहें तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. आप आपने प्रवेश प्रमाण-पत्र साथ लाएं, आपको आपने साथ एक एच० बी० पैसिल, एक खड़ा, एक पैसिल आर्पेन्टर और नीली या काली स्पाही बाली कलम भी लानी होगी। आपको सलाह दी जाती है कि आप आपने साथ एक किलो बोई या हार्ड बोई भी लाएं जिस पर कुछ लिखा न हो। आपको परीक्षा भवन से कोई बाली कागज या कागज का टुकड़ा या वैमाना या आरेखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जहरन होती होती है। सामने पर कल्पे काम के लिए आपको एक अलग कागज दिया जाएगा। आप कल्पा काम या शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, आपना रोल नम्बर, और परीक्षण की तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे आपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को बापस कर दें।

३. विशेष घनवृत्ति

परीक्षा में घने स्थान पर बैठ जाने के बावजूद आपको उत्तर पढ़कर देंगे। उत्तर पढ़कर पर अपेक्षित सूचना भर दें। यह काम पूरा होने के बावजूद आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। परीक्षण पुस्तिका मिलने पर आप यह अवश्य देख सें कि उस पर पुस्तिका की संख्या जिसी ही है अन्यथा, उसे बदलवा दें। आपको परीक्षण पुस्तिका तब तक खोलने की अनुमति नहीं है जब तक पर्यवेक्षक ऐसा करने के लिए न करें।

४. कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा शुद्धता को जाओवा है, फिर भी यह जड़ही है कि आप घने समय का यथार्थवद वक्ता से उपयोग करें। संतुलन के साथ आप जितनी जल्दी काम कर सकते हैं, करें पर लापरवाही न हो। आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दें पाते हों तो चिन्ह न करें। आपको जो प्रश्न अत्यधिक कठिन मालूम पड़े उन पर समय अर्थात् न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बावजूद विचार करें।

सभी प्रश्नों के ब्रैक समाप्त होंगे। उन सभी के उत्तर दें। आपके द्वारा अंकित सही प्रत्युत्तरों की संख्या के आवार पर ही आपको ब्रैक दिए जाएंगे। गलत उत्तरों के लिए ब्रैक नहीं दिए जाएंगे।

५. परीक्षण का समाप्त

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बन्द करने को कहें, आप लिखना बंद कर दें। आप घने स्थान पर तत्काल बैठें रहें जब तक निरीक्षक आप के पास आकर आपसे सभी आवश्यक वस्तुएं ने जाएं और आपको हाल छोड़ने की अनुमति दें। आपको परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर पढ़कर तथा कठबैंध कार्य का कागज परीक्षा में से आहुर से जाने की अनुमति नहीं है।

नमूने के प्रश्नांश (प्रश्न)

(मोट) :- *सही/सहीलम उत्तर-विकल्प को निर्दिष्ट करता है।

१. सामान्य अध्ययन

बहुत ऊँचाई पर पर्वतारोहियों के नाम तथा काम से निम्नलिखित में से किस कारण से रक्त बाह्य होता है?

- रक्त का बाह्य वायुमण्डल के बाह्य से कम होता है।
- रक्त का बाह्य वायुमण्डल के बाह्य से अधिक होता है।
- रक्त बाहिकार्यों की अव्यरुत्ती तथा बाहुरी शिरार्थों पर बाह्य समान होता है।
- रक्त का बाह्य वायुमण्डल के बाह्य के अनुरूप बढ़ता-बढ़ता है।

२. कृषि

अखड़ा में फूलों का सहना निम्नलिखित में से किस एक उपाय से कम किया जा सकता है।

- बृद्धि नियंत्रक द्वारा छिकाव
- बूर्डूर पौधे लगाना
- सही बहुत में पौधे लगाना
- घोड़े पौधे फासले पर पौधे लगाना।

३. रसायन विज्ञान

H_3VO_4 का एनहाइड्राइड निम्नलिखित में से क्या होता है?

- VO_3
- VO_4
- V_2O_4
- V_2O_5

४. अर्थशास्त्र

अम का एकाधिकारी शोषण निम्नलिखित में से किस दिनति में होता है।

- सीमान्त राजस्व उत्पाद से मजदूरी कम ही।
- मजदूरी तथा सीमान्त राजस्व उत्पाद बोनों बराबर हों।
- मजदूरी सीमान्त राजस्व उत्पाद से अधिक हो।
- मजदूरी सीमान्त अधिक उत्पाद के बराबर हो।

५. बैचूत इंजीनियरी

एक समकारिता को अपेक्षित परावैशुलांक ३ के परावैशुल से सम्बूद्धित किया गया है। यदि C मुक्त अन्तराल में संचरण बेग देखीता है तो लाइन में संचरण का बेग क्या होगा?

- 3C
- C
- C/3
- C/9

६. भूविज्ञान

बेसल्ट में प्लेजिओक्लेस क्या होता है।

- मालिगीमस्ज
- लेनोडोराइट
- एल्बाइट
- एनाथाइट

७. गणित

मूल बिन्हु से गुजरने वाला और $\frac{dy}{dx} = \frac{dy}{x+2}$ समीकरण

को संगत रखने वाला बक-परिवार निम्नलिखित में से किस से निर्विच्छिन्न है?

- $y=ax$
- $y=ax^2$
- $y=ae^x + be^{-x}$
- $y=ae^x - a$

८. चौरिकी

एक भावर्ण ऊँचा 400°K और 300°K तापमान के मध्य कार्य करता है। इसकी अवस्था निम्नलिखित में से क्या होगी?

- 3/4
- (4-3)/4
- 4/(3+4)
- 3/(3+4)

९. सांकेतिकी

यदि द्विपद विचर का मात्रा 5 है तो इसका प्रसरण निम्नलिखित में से क्या होगा?

- 42
- 3
- 00
- 5

१०. भौगोलिकी

वर्षा के विकिरणी भाग की अत्यधिक समुद्रि का कारण निम्नलिखित में से क्या है?

- यहाँ पर विनियोग साधनों का विपुल बढ़ाव है।
- वर्षा की अधिकांश नदियों का बेस्टाई भाग है।
- यहाँ शेष जल संपदा है।
- वेष के अधिकांश तेज जल इसी भाग में है।

11. भारतीय धर्मशास्त्र

- ब्राह्मणवाद के संबोध में निम्नलिखित में से क्या सत्य नहीं है ?
- बीदर धर्म के उत्कर्ष काल में भी ब्राह्मणवाद के अनुयायियों की संख्या बहुत घटिक थी।
 - ब्राह्मणवाद बहुत घटिक कर्मकांड और धार्मिक संस्कार संबोधित है।
 - ब्राह्मणवाद के प्रम्यवय के साथ, वही सम्बन्धी यज्ञ कर्म का महत्व कम ही पाया।
 - अवित के जीवन-विकास की विभिन्न दशाओं को प्रकट करने के लिए धार्मिक संस्कार निर्वाचित थे।

12. (धर्मोन्)

निम्नलिखित में से निरीक्षणवादी धर्मोन् समूह कौन-सा है ?

- बीदर, न्याय, चार्कि, भीमासा
- न्याय, वैशेषिक, जैन और बीदर, चार्कि
- धृति, वेदान्त, सांख्य, चार्कि, योग
- बीदर, सांख्य, भीमासा, चार्कि,

13. (राजनीति विज्ञान)

“बृतिगत प्रतिनिधित्व” का भर्त्य निम्नलिखित में से क्या है ?

- व्यवसाय के प्राविहार पर विवानमण्डल में प्रतिनिधियों का निर्वाचन।

(b) किसी समूह या किसी व्यावसायिक समुदाय के पक्ष का समर्थन।

- (c) किसी रोजगार संबंधी संगठन में प्रतिनिधियों का चुनाव।
(d) अमिक संघों द्वारा अप्रस्पष्ट प्रतिनिधित्व।

14. (मनोविज्ञान)

लक्ष्य की प्रतिक्रिया निम्नलिखित में से किस को निर्वाचित करती है ?

- लक्ष्य संबंधी आवश्यकता में धृति।
- मनस्तनोद अवस्था में न्यूनता
- व्यावहारिक अधिगम
- पक्षपात पूर्ण अधिगम

15. (समाजशास्त्र)

भारत में पंचायती राज संस्थाओं की देन लिम्न में से कौन-सी है ?

- धाम सरकार में महिलाओं तथा कमज़ोर वर्गों को शोपचारिक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ है।
- छुपाकूत कम हुई है।
- वर्धित वर्गों के लोगों को भूत्याक्षित्व का लाभ मिला है।
- जन साक्षात्रण में शिक्षा का प्रसार हुआ है।

टिप्पणी — उम्मीदवारों को यह घ्यान रखना चाहिए कि उपर्युक्त नमूने के प्रश्नांश (प्रश्न) केवल उत्तराहरण के लिए दिए गए हैं और यह ज़रूरी नहीं है कि ये इस परीक्षा की पाठ्यक्रमी के अनुसार हों।

संघ शोक सेवा प्रायोग
राष्ट्रीय रक्त भारतीय परीक्षा विसम्बाद, 1981
मार्ग वर्णक संकेत
(प्रावेदन पत्र भरते के लिए)

- क. जिन आवेदन-पत्रों के साथ निम्नलिखित यूल्क नहीं होगा, उन्हें एक वर्ष मध्यवीकार कर दिया जाएगा और किसी भी परिवर्तित वे इस अस्वीकृति के विषय किसी भी अस्यावेदन को स्वीकार नहीं किया जाएगा।
- ब. प्रायोग के कार्यालय में धर्मितम तारीख के बावजूद आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।
- ग. प्रावेदन पत्र भरने से पहले नियमावली तथा उम्मीदवारों को दिए गए अनुयोग पड़ में। कोई भी कालम बाली न छोड़ा जाए। आपके मामले में यदि कोई कालम लागू नहीं होता तो “लागू नहीं” अथवा “नहीं” लिख में। अपूरे या अक्षत घरे हुए आवेदन-पत्र अस्वीकार किए जा सकते हैं।
- द. उम्मीदवार को आवेदन-पत्र स्पष्टीय या बाल पैम से भरने हाथ से ही भरने चाहिए। यदि कोई संशोधन हो, तो वह पर्यायी ही तथा उम्मीदवार द्वारा प्रभिप्रमाणित हो।
- इ. सम्मीदवार आवेदन प्रपत्रों को भरते समय तथा शोड लिखते समय भारतीय धर्मों के अन्तर्बृद्धि इप का ही प्रयोग करें। (वैसे 1, 2, 3, 4, 5, 6, आदि)। केवल इसी प्रकार लिखे गए कोड नम्बरों पर प्र्याय दिया जाएगा। अन्य विवरण पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

उम्मीदवारों से प्रत्युत्तर है कि आवेदन-पत्र भरते समय निम्नलिखित निर्देशों को सावधानी पूर्वक पालन करें क्योंकि इन्हें संगणक विधि द्वारा साधित किया जाता है और अधिकांश सूचना कोड फार्म में देनी होती है। सही कोड देने में पर्याय सावधान रहना चाहिए। जब कभी एक या दो बाल्स, वैसे □ उत्तर के लिए दिए गये हों, तो सावधानी रखनी चाहिए कि एक से अधिक धर्म एक बाल्स में अंकित न किये जाएं। बार बार कोड को दो या अधिक धर्मों में दिया जाना है तो उतने ही बाल्स दिए जाते हैं। जब कभी किसी कोड में 01 अथवा 02 जैसा अंकन हो, अर्थात् दोप्रीय या 0 हो, सावधानी पूर्वक 0 के साथ कोड का अंकन करना चाहिए। जैसा कि नीचे दिया गया है, जिन 0 के कोड का अंकन नहीं करना चाहिए।

10 1

बालत

सही

आवेदन-पत्र में विभिन्न कालमों के लिए दिए जाने वाले कोड का उत्त्वेष नीचे किया गया है।

कालम 2-परीक्षा-नोट्स

कोड	परीक्षा केन्द्र
01	महाराष्ट्रावाद
02	दलाहालावाद
03	मंगलोर
04	सोपाल
05	बन्द्रई
06	कलकत्ता
07	कटक
08	दिल्ली
09	विस्पुर (गोहाटी)

कोड	परीक्षा केन्द्र
10	हैवराबाद
11	जयपुर
12	मद्रास
13	शांगपुर
14	पटियाला
15	पटना
16	शिल्पांग
17	श्रीनगर
18	तिबेन्द्रिम
24	कोचीन
26	लखनऊ
34	जम्मू
35	बड़ीगढ़
36	पणजी (गोप्ता)
37	पोटे ब्लैयर
43	कोहिमा
44	इम्फाल
45	अगरतला
46	ओरहाड़
47	ऐजल
48	हिंदौरागर

कालम 6

कोड	धर्म
1	हिन्दू
2	इस्लाम
3	हिंदौरा
4	बूद्ध
5	सिन्धु
6	जैन
7	ग्रन्थ

कालम 10—यूल्क से छूट भी बारा (वेदिए नोट्स का दूरा 8)

कोड	वर्ण
1	यूल्क पूर्वी पाकिस्तान (यह बंगला देश) का प्राचीनिक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में प्रवास कर भारत आया हो।
2	1 जून, 1963 को या उसके बाद, वर्षी के वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ प्रवास के बाद भारतीय व्यक्ति।
3	प्रस्तुत, 1964 के भारत-बीलका करार के अवधि 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद बीलका से यूल्क रूप के वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ या आने वाला यूल्क रूप से भारतीय व्यक्ति।
4	उन सभी रक्त कार्मिकों के बच्चे जोकि प्रोटिस के पैरा 5 (2) की तरीं को हुए करते हैं।

कालम 11 (क) नागरिकता-स्थिति [विविहि नोटिस का पैरा 3 (क)]

कोड	विवरण
1	भारत का नागरिक
2	नेपाल की प्रजा
3	भूटान की प्रजा
4	1 जनवरी, 1962 से पहले भारत में स्थायी रूप से रहने के इरादे से आया हुआ तिब्बती शरणार्थी हो।
5	भारत में स्थायी निवास के इरादे से चाँड़ी, दामान, बर्मा, श्रीलंका, भौतिया, उगान्डा और संयुक्त गणराज्य तंजानिया के पूर्वी संकीर्ण देशों, जाम्बिया, मलायी, जेरे, यथोपिया और वियतनाम में प्रव्रजन कर आया हुआ। मूलतः भारतीय अधिक्षित हो।

कालम 11(क) विधिवास-स्थिति

कोड	राज्य ग्राहका संघ राज्य कोड
01	झारखंड प्रदेश
02	झसम
03	बिहार
04	गुजरात
05	हरियाणा
06	हिमाचल प्रदेश
07	जम्मू तथा काश्मीर
08	कर्नाटक

कोड	राज्य ग्राहका संघ राज्य कोड
09	केरल
10	मध्य प्रदेश
11	महाराष्ट्र
12	मणिपुर
13	मेघालय
14	नागालैण्ड
15	लड़क्ष
16	पंजाब
17	राजस्थान
18	सिक्किम
19	तमिलनाडु
20	बिहुरा
21	उत्तर प्रदेश
22	पश्चिम बंगाल
23	पंडिमान एवं निकोबार द्वीपसमूह
24	ग्रणाचल प्रदेश
25	चंडीगढ़
26	वाराण सी और मानर हुबली
27	दिल्ली
28	गोवा, दमन और विष्णु
29	लकड़ीप
30	मिजोरम
31	पांडिचेरी

SUPREME COURT OF INDIA
(ADMN. BRANCH-I)

New Delhi, the 16th June 1981

No. F.6/81-S.C.A. (I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Shri T. Bhattacharya, Section Officer to officiate as Assistant Registrar with effect from June 8, 1981 to July 3, 1981 *vice* Shri A. Appa Rao, Offg. Assistant Registrar granted leave until further orders.

II. The Hon'ble the Chief Justice of India has also promoted and appointed Shri S. Ghosh, Section Officer to officiating as Offg. Assistant Registrar with effect from June 16, 1981 to June 30, 1981 *vice* Shri K. B. Lal, Offg. Assistant Registrar granted leave, until further orders.

III. The Hon'ble the Chief Justice of India has further promoted and appointed Mrs. Krishna Bala Sud, Stenographer to officiate as Private Secretary to the Hon'ble Judge with effect from June 15, 1981 to July 3, 1981 *vice* Shri P. S. Parvatheesam, Offg. P. S. to Hon'ble Judge granted leave, until further orders.

MAHESH PRASAD,
Dy. Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 30th May 1981

No. A. 38013/6/80-Admn. III.—The President is pleased to permit Shri R. N. Sharma a permanent Section Officer of Central Secretariat Service Cadre and officiating in Grade I of Central Secretariat Service as Under Secretary in the office of Union Public Service Commission to retire from Government Service after attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 31st May, 1981.

The 8th June 1981

No. A. 38015/4/80-Admn.-II.—Consequent upon his retirement on superannuation with effect from 31st May, 1981 (Afternoon), Shri J.L. Kapur has relinquished the charge of the office of the Assistant Controller (D.P.) in the office of the Union Public Service Commission.

Y. R. GANDHI,
Under Secy.

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 18th June 1981

No. 6-K/R.C.T./26.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri R. K. Rohani, a permanent Personal Assistant in the Commission as Senior P. A. in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-880-E.B.-40-1040 in an officiating capacity on *ad-hoc* basis w.e.f. 15-6-1981 until further orders.

K. L. MALHOTRA,
Under Secy.
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL AND A. R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 19th June 1981

No. A/19036/11/78/Ad. V.—The services of Shri V. H. Mirajkar, Dy. Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation, an officer of Maharashtra State Police on deputation to Central Bureau of Investigation are placed at the dis-

posal of the Maharashtra State with effect from the forenoon of 8-6-1981.

HERO A. SHAHANEY,
Administrative Officer (E)

DIRECTORATE GENERAL
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110022, the 16th June 1981

No. O-II-1580/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Inder Mohan Thakur as General Duty Officer Grade-II (Dy. S.P./Coy. Commander) in the C.R.P. Force in a temporary capacity with effect from 21-5-1981 (F.N.) subject to his being medically fit.

The 23rd June 1981

No. O-II-354/70-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion Shri B. L. Takiar as Assistant Commandant in the Central Reserve Police Force in a temporary capacity until further orders.

2. Shri B. L. Takiar took over charge of the post of Asstt. Commandant 65 Bn., C.R.P.F. on the afternoon of 14-2-1981.

A. K. SURI,
Assistant Director (Estt.).

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi, the 12th June 1981

No. E-38013(4)/5/81-Pers.—On his promotion, Shri V. K. L. Rao assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, BSL Bokaro with effect from the forenoon of 6th April, 1981.

The 15th June 1981

No. E-38013(4)/81-Pers.—On his promotion, Shri N. Ghosh assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF unit, BSP Bhilai, w.e.f. the forenoon of 27th April, 1981.

No. E-38014(4)/5/81-Pers.—On his promotion, Shri R. M. Ahluwalia, assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit, BSP Bhilai w.e.f. the afternoon of 2nd May, 1981.

No. E. 38013(4)/5/81-Pers.—On his promotion Shri S. D. Dangwal assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF unit, BCCL Jharla with effect from the afternoon of 2nd May, 1981.

No. E-38013(4)/5/81-Pers.—On his promotion, Shri B. K. Mehta assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF unit, IOC Gujarat Refinery, Baroda w.e.f. the forenoon of 19th March, 1981.

No. E-38013(4)/5/81-Pers.—On his promotion, Shri Darbha Viswanath assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF unit, ISRO Thumba w.e.f. the forenoon of 7th April, 1981.

No. E-38013(4)/5/81-Pers.—On his transfer from Madras, Shri S. S. Kadian assumed the charge of the post of Asstt. Comdt., CISF unit, A.S.P. Durgapur, with effect from the afternoon of 4th May, 1981.

No. E-16016/11/79-Pers.—On his retirement on attaining the age of superannuation, Shri S. N. Dandona relinquished the charge of the post of Accounts Officer, CISF HQ New Delhi w.e.f. the afternoon of 30th April, 1981.

SURENDRA NATH,
Director General.

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 18th June 1981

No. 10/20/79-Ad. I.—In continuation of this office notification of even number dated 18th August, 1980, the President is pleased to extend the *ad-hoc* appointment of Smt. Krishna Chaudhuri as Linguist in the office of the Registrar General, India (Language Division) at Calcutta, upto 30th June, 1981, or till the post is filled in, on regular basis, whichever is earlier, on the terms and conditions as mentioned in Paragraph 2 of this office notification No. 12/5/74-RG (Ad.-I) dated 28-3-1979.

2. The headquarters of Smt. Chaudhuri will be at Calcutta.

No. 7/6/80-Ad. I.—The President is pleased to appoint S/Shri R. P. Gupta and Pradeep Mehra, officiating in the post of Assistant Director (Programme) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, to the same post, in substantive capacity, with effect from the 28th October, 1980.

No. 11/27/81-Ad. I.—The President is pleased to appoint, by promotion, Shri S. M. Nehal Hossain, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Bihar, Patna to the post of Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a period of one year with effect from the forenoon of the 28th May, 1981, or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

The headquarters of Shri Hossain will be at Patna.

P. PADMANABHA,
Registrar General, India.

SHRAM MANTRALAYA

SHRAM BUREAU

Simla-171004, the 11th July 1981

No. 23/3/81-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960=100 increased by six points to reach 433 (Four hundred and thirty three) during the month of May, 1981. Converted to base : 1949=100, the index for the month of May 1981 works out to 526 (Five hundred and twenty six).

T. YOGANAND,
Deputy Director

MINISTRY OF FINANCE

DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 18th June 1981

F. No. B.N.P./G./4-79.—In continuation to this Deptt.'s Notification of even number Dated 20-5-1981 the appointment of Shri S. B. Deshmukh as Deputy Control Officer on *ad-hoc* basis is extended upto 28-6-1981 on the same terms and conditions.

M. V. CHAR.
General Manager

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT

COMMERCE WORKS & MJSC.

New Delhi, the 30th May 1981

No. Admn.-I/8 (27)/II/974.—The Comptroller and Auditor General of India has, with the concurrence of the Ministry of

Finance, sanctioned the permanent absorption of Shri N. K Verma, Audit Officer in the Bharat Heavy Electricals Limited with effect from 1-12-1978. He is deemed to have retired from Govt. service with effect from the date of his absorption in the B.H.E.L. as per Rule 37 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972.

M. S. SARNA,
Director of Audit.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
JAMMU & KASHMIR

Srinagar, the 6th June 1981

No. Admn.-I/60 (83)/81-82/1063.—The Accountant General, Jammu & Kashmir has appointed Shri Avtar Krishen Qanoongo, a permanent Section Officer, to the post of as Accounts Officer in Scale 840-1200 in an officiating capacity with effect from the forenoon of 3rd June 1981 till further orders.

JAMES JOSEPH,
Sr. Dy. Acctt. General

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
MAHARASHTRA-I

Bombay-400020, the 11th May 1981

No. Admn.-I/I.A.D./5 (337)/2.—Shri A. L. Satyanarayana, Subt. Accounts Officer of this office is deemed to have retired from Govt. service w.e.f. 12-3-1981 (F.N.) under Rule 37 of the C.C.S (Pension) Rules, 1972 read with Ministry of Finance O.M. No. 44(1)EV/71 dated 13-4-73 consequent on his permanent absorption in Goa Shipyard, Ltd., from the same date.

The Ministry of Finance has conveyed the sanction to the Permanent absorption of Shri A. L. Satyanarayana, Accounts Officer in Goa Shipyard Ltd., Goa w.e.f. 12-3-1981 (F.N.) on the terms & conditions communicated under Comptroller & Auditor General's office d.o. letter No. 1057/GE.II/1-81 dated 27-4-1981.

R. S. SHARMA,
Sr. Dy. Accountant General/S

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I
UTTAR PRADESH

Allahabad, the 9th June 1981

No. Admn.-I/11-144/Notification/87.—The Accountant General—I U.P. Allahabad has appointed the following section Officers to officiate as Accounts Officer in this until further orders with effect from the dates noted against each.

- | | |
|------------------------------|------------------|
| 1. Shri Ram Lakhan Agarwal | 2-6-1981 (F.N.) |
| 2. Shri Shiv Prasad Shukla | 23-4-1981 (F.N.) |
| 3. Shri Triloki Nath Tewari | 23-4-1981 (F.N.) |
| 4. Shri Santosh Kumar Moitra | 22-4-1981 (A.N.) |
| 5. Shri Ramesh Chandra Anand | 25-4-1981 (A.N.) |
| 6. Shri Ram Dhani Singh-I | 2-5-1981 (F.N.) |
| 7. Shri Prakash Bahadur | 25-4-1981 (A.N.) |
| 8. Shri Abhai Charan Sinha | 2-6-1981 (F.N.) |

S. J. S. AHLUWALIA,
Sr. Dy. Accountant General (A)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-22, the 12th June 1981

No. A.N./I/1824/5/Vol.-I.—Shri D. Raghava Rao, IDAS, who will be attaining the age of 58 years on 29-12-1981 (his

date of birth being 30-12-1923) will be transferred to the Pension Establishment with effect from 31-12-1981 (A.N.) and shall accordingly be struck off the strength of Defence Accounts Department with effect from 31-12-1981 (A.N.) in terms of Rule F.R. 56 (a).

C. V. NAGENDRA,
Addl. Controller General of Defence Accounts
(A.N.)

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
ORDNANCE FACTORY BOARD
Calcutta, the 16th June 1981

No. 21/81/G.—Shri N. K. Nair, Offg. Assistant Manager (Subst. & Permt. Foreman), retired voluntarily from service with effect from 10-4-1981 (F.N.).

V. K. MEHTA,
Assistant Director General

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF
IMPORTS AND EXPORTS
New Delhi, the 18th June 1981
IMPORTS AND EXPORTS TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 1/2/81-Admn. (G)/3616.—The President is pleased to appoint Smt. P. Mohan and Shri M. L. Jayant (CSS Grade I Select List 1978 to officiate in Grade I of the CSS and as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in this office with effect from 21-7-1980, until further orders.

No. 6/540/59-Admn. (G)/3633.—On attaining the age of superannuation, Shri K. B. Lall Kapoor, officiating Dy. Chief Controller of Imports and Exports in this office, has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 31st May, 1981.

A. N. KAUL,
Dy. Chief Controller of Imports and Exports
for Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES
New Delhi-110011, the 12th June 1981

No. A-19018/505/80-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri Pradip Kumar Mukherjee as Deputy Director (Mechanical) at Regional Testing Centre, Calcutta with effect from the forenoon of 20th May, 1981, until further orders.

C. C. ROY,
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 12th June 1981

No. A-1/1 (1122).—Shri A. R. Subramanian, Assistant Director (Admn.) (Gr. II) in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay retired from Government Service

with effect from the afternoon of 30th April, 1981 on attaining the age of superannuation.

No. A-1/1 (1154).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri M. J. Tahiliani, officiating Assistant Director (Gr. II) in the office of the Director of Supplies and Disposals, Bombay to officiate on regular basis as Assistant Director (Admn.) (Gr. II) in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay with effect from 8-5-1981 (F.N.).

No. A-1/1 (1164).—Shri Paritosh Ghosh, officiating Assistant Director (Lit.) (Gr. I) on *ad-hoc* deputation basis in the office of Director of Supplies and Disposals, Calcutta, is reverted to the post of Junior Field Officer in the same office with effect from 16-4-1981 (A.N.).

No. A-1/1 (1176)/81.—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri M. Ekambaram, J.F.O. at Headquarters to officiate on *ad-hoc* basis as Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies (Textiles), Ecm bay with effect from the forenoon of 29th May, 1981 and until further orders.

2. The *ad-hoc* appointment of Shri Ekambaram as Assistant Director (Gr. II) will not bestow on him a claim for regular appointment and that *ad-hoc* service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.

3. Shri Ekambaram relinquished charge of the post of J.F.O. at Headquarters on 25-5-1981 (A.N.) and assumed charge of the post of Asstt. Director (Gr. II) with effect from the forenoon of 29th May, 1981 in the office of Director of Supplies (Textiles), Bombay.

(ADMN. SECTION A-6)

No. A-17011/188-A-6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri P. P. Sengupta, Examiner of Stores (Met.) in the office of Director of Inspection, Burnpur to officiate as Assistant Inspecting Officer (Met.) in the same office w.e.f. the forenoon of 22nd May, 1981 purely on *ad-hoc* basis until further orders.

P. D. SETH,
Deputy Director (Administration)
for Director General

New Delhi, the 6th June 1981

No. A-6/247 (543).—The President is pleased to appoint Shri Shyama Prasad Basu, Assistant Inspecting Officer (Met.) in the office of Director of Inspection (Met.), Burnpur to officiate in the post of Assistant Director of Inspection (Met.) Grade III of Indian Inspection Service Group 'A' Met. Branch in the same office with effect from the forenoon of 19th May, 1981.

2. Shri Basu relinquished the charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Met.) on the forenoon of 19th May, 1981.

3. Shri Basu will be on probation for a period of 2 years from the forenoon of 19th May, 1981.

No. A-31013/9/80-A-6.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Inspection Wing of the Directorate General of Supplies and Disposals substantively in the permanent posts of Deputy Director of Inspection (Met.) in the Metallurgical Branch of Grade II of the Indian Inspection

Service, Group 'A' with effect from the date indicated against the name of each officer :—

S. No.	Name	Post held	Post in which confirmed	Date of confirmation
1.	S/Shri P. C. Bose (Retired)	Director of Inspection (Jamshedpur) (Retired w.e.f. 30-9-78 A.N.).	DDI (Met.)	12-11-1975
2.	K.C. Chatterjee (Retired)	Deputy Director of Inspection (Burnpur) (Retired w.e.f. 30-11-1980 A.N.)	DDI (Met.)	12-11-1975
3.	P. K. Mustafi	Deputy Director of Inspection (Jamshedpur)	DDI (Met.)	12-11-1975
4.	R. M. Rudra (Retired)	Deputy Director of Inspection Durgapur, under the Dte. of Inspection (Met), Jam- shedpur (Retd. w.e.f. 31-8-1976 A.N.)	DDI (Met.)	1-07-1976
5.	S. K. Pandey	Deputy Director of Inspection Bhilai under the Dte. of Inspection (Met.), Jamshed- pur.	DDI (Met.)	14-7-1978

P. D. SETH,
Deputy Director (Administration)

**ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA
(KHAN VIRBHAG)**

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 12th June, 1981

No. 3315B/50/66 (SA).—Shri S. Anantha Ram, Shift Boss, Southern Region, Geological Survey of India is released on resignation on the forenoon of 5th December, 1977 from the services of this Department.

The 15th June, 1981

No. 3425B/A-19012/3-T.K.M./80-19B.—Shri Tapan Kumar Mandal is appointed as Assistant Chemist in the Geological Survey of India in the minimum of the pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 560-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200 in an officiating capacity with effect from the forenoon of 6-4-1981, until further orders.

The 16th June, 1981

No. 3461B/A-32014 (1-Ass'tt. Geol.)/78-19A.—Shri S. V.R. Murthy Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geologist in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200—146 GI/81

1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 2nd April, 1981 until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY
Director General.

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 16th June 1981

No. C-5730/718-A.—Shri N. Ramaswami, Office Superintendent (Sr. Scale), CST&MP, Hyderabad is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post), on ad-hoc basis in Survey Training Institute, Survey of India, Hyderabad in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-E.B.-40-1200 with effect from 24th April, 1981 (A.N.) vice Shri K. V. Krishnamurthy, Establishment and Accounts Officer proceeded on Earned Leave for 45 days.

No. C-5731/718-A.—Shri G. R. Sharma, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office, is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (G.C.S. Group 'B' post) on ad-hoc basis in Survey Training Institute, Survey of India, Hyderabad in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-E.B.-40-1200 with effect from 2nd May, 1981 (F.N.) vice Shri S. N. Subba Rao, Establishment and Accounts Officer transferred.

K. L. KHOSLA
Lieut. General,
Surveyor General of India
(Appointing Authority)

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700012, the 15th June, 1981

No. F-92-168/80-Estt./9816.—Dr. Radheshyam Murildhar Sharma is hereby appointed to the post of Assistant Zoologist (Group 'B' in the Scale of Rs. 650-1200) in Andaman and Nicobar Regional Station, Zoological Survey of India, Port Blair in a temporary capacity with effect from 21-4-1981 (forenoon) and until further orders.

DR. B. K. TIKADER
Director,
Zoological Survey of India.

DIRECTOR GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 12th May, 1981

No. 31/5/80-SII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint the following Field Reporters to officiate as Extension Officers in the pay scale of Rs. 650-1200 with effect from the date at AIR Stations/Offices, shown against their names :—

S. No.	Name	Date of appointment	Office where posted
1.	Shri P. N. Mishra	19-12-80	AIR, New Delhi
2.	Shri M.C.P. Nambiar	19-12-80	AIR, Calicut
3.	Shri A. C. Majhi	19-12-80	AIR, Cuttack
4.	Shri K. G. Sinha	12-1-81	AIR, Jaipur
5.	Shri A. Dasa	26-3-81	AIR, Panaji

The 22th June 1981

No. 2/22/62-SII.—Director General, All India Radio, is hereby pleased to appoint Shri Ram Prakash, HC/Actt., Central Stores, All India Radio, New Delhi to officiate as Administrative Officer, All India Radio Leh with effect from 8-6-1981 (F.N.).

S. V. SESHA DRI
Deputy Director of Administration
for Director General.

New Delhi, the 11th June 1981

No. 4 (77)/75-SI.—With reference to the Notification dated 7th March, 1981 published in the Gazette of India (Part IV, No. 10 at page 36) and in accordance with the instructions contained in the Ministry of Home Affairs O.M. No. 60/272/48-Ests. dated 3-11-1948, Shri Nanda Ram Sharma, Programme Executive, All India Radio, Jodhpur will hereafter be known as Shri "Nanda Bharadwaj".

The 17th June 1981

CORRIGENDUM

No. 5 (54) 68-S.I.—For words "as Programme Executive, AIR, Trivandrum" appearing in third line of this Directorate's Notification No. 5 (54) 68-S.I. dated 22-4-81 concerning the appointment of Smt. A. Indira Joseph, TREX, CBS, AIR, Trivandrum as Programme Executive please *read* as "as Programme Executive, CBS, AIR, Trivandrum".

The 18th June 1981

No. 5 (11) 68-S.I.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Mahmood Khan, Transmission Executive, AIR, Vijayawada as Programme Executive, All India Radio, Pondicherry in a temporary capacity with effect from the 30th May, 1981 and until further orders.

No. 4 (29) 80-S.I.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Smt. Nilima Harjal as Programme Executive, All India Radio, Jaipur in a temporary capacity with effect from 30th May, 1981 and until further orders.

No. 5 (9)/68-S.I.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri K. S. Ramanujam, Transmission Executive, Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Hyderabad as Programme Executive, All India Radio, Tiruchirapalli in a temporary capacity with effect from 5th June, 1981 and until further orders.

No. 5 (33) 68-S.I.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Smt. Kusum Zutshi, Transmission Executive, AIR, Allahabad as Programme Executive, All India Radio, Allahabad in a temporary capacity with effect from the 1st April, 1981 and until further orders.

H. C. JAYAL,
Dy. Director of Administration
for Director General.

New Delhi, the 12th June, 1981

No. 10/34/80-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Pankajakshan Janardhana Kurup as Assistant Engineer, at the Office of the Director of Sales, Vividh Bharati Service, All India Radio, Bombay in a temporary capacity with effect from 27-4-1981 (F.N.) until further orders.

H. N. BISWAS
Deputy Director of Administration,
for Director General

**MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
DIRECTORATE OF ADVERTISING AND
VISUAL PUBLICITY**

New Delhi, the 12th June 1981

No. A-12026/5/78-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri Bhaskar Nayar, Technical

Assistant (Advertising) to officiate as Assistant Media Executive in this Directorate, on ad-hoc basis, with effect from 1st June 1981, vice Shri C. Abraham, Assistant Media Executive, granted leave.

J. R. LIKHI
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advertising & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 5th June 1981

No. 17-28/73-Admn.-I—Consequent on his appointment as Officer on Special Duty (a Grade II post of the I.S.S.) in the Department of Statistics, Central Statistical Organisation, New Delhi, Dr. P. M. Roy relinquished charge of the post of Statistical Office (Planning) in the Directorate General of Health Services, New Delhi with effect from the forenoon of the 20th May, 1981.

The 16th June 1981

Carrigendum

No. A. 31013/5/80- (J.I.P.)/Admn. I.—In this Directorate Notification No. 31013/5/80 (J.I.P.)/Admn.-I., dated 14-4-1981, for the date "with effect from the 26th December, 1979", *read* "with effect from the 26th December, 1977".

The 17th June 1981

No. A-12026/5/81 (H.Q.)/Admn.-II.—The Director General of Health Services, is pleased to appoint Shri S. G. Bhardwaj, Chief Architectural Assistant, Central Design Bureau, Directorate General of Health Services to the post of Technical Officer in the same Directorate on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 1st June, 1981, until further orders.

T. C. JAIN
Dy. Director of Administration

O & M

New Delhi The 11th June 1981

No. A-19019/5/79-C.G.H.S.-I.—Consequent upon her transfer from C.G.H.S. Meerut to C.G.H.S. Delhi Dr. Miss. B. M. Roy relinquished charge of the post of Homoeopathic Physician under C.G.H.S. Meerut with effect from the afternoon of 17-2-81 and assumed charge of the post of Homoeopathic Physician under C.G.H.S. Delhi with effect from the forenoon of 18-2-1981.

The 15th June 1981

No. A-19018/13/81-C.G.H.S.-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Vinod Kumari Sharma to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme on temporary basis with effect from the forenoon of 6-5-1981.

No. A-12023/5/79-C.G.H.S.-I.—Consequent upon his transfer from C.G.H.S. Delhi to C.G.H.S. Lucknow, Hakeem M. A. Samad, Unani Physician relinquished charge of the post of Unani Physician under C.G.H.S. Delhi with effect from the afternoon of 6-11-1980 A.N. and assumed charge of the post of Unani Physician under C.G.S. Lucknow with effect from the forenoon of 17-11-1980.

No. A-19018/21/80-C.G.H.S.-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. R. S. Ukey to the post of Homoeopathic Physician in the Central Government Health Scheme on temporary basis with effect from the forenoon of 4-5-1981.

T. S. RAO
Dy. Director Admn. (C.G.H.S.I)

MINISTRY OF AGRICULTURE
DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION
DIRECTORATE OF ECONOMICS & STATISTICS

New Delhi, the 7th May 1981

No. 1-2/81-Estt. I-E.S.—Shri M. L. Jain, Hindi Translator (Grade II) in the Ministry of Irrigation is appointed by the Economic & Statistical Adviser as Hindi Officer in the Directorate of Economics & Statistics (Group 'B' Gazetted) in the Scale of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200 on an ad-hoc basis with effect from 15-4-1981 (A.N.) on the terms and conditions contained in this Directorate letter of even number dated 1-4-1981.

DARBARI LAL
Chief Administrative Office
for Economic & Statistical Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 11th June 1981

No. P.A./79(11)/79-R.-III.—The Controller Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Kartarsingh Gopalsingh Vaswaney, Stenographer-III, Power Projects Engineering Division of D.A.E. to officiate as Assistant Personnel Officer (Rs. 650-960) in Bhabha Atomic Research Centre with effect from the forenoon of June 1, 1981 until further orders.

The 19th June 1981

No. P.A./26 (3)/79-R.-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Surendra Awadhnarain Jha, Assistant Accounts Officer, D.A.E. to officiate as Accounts Officer II (Rs. 840-1200) in VEC Project, BARC, Calcutta with effect from the afternoon of May 20, 1981 until further orders.

A. SANTHAKUMARA MENON
Dy. Establishment Officer.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

NARORA ATOMIC POWER POJE CT

Bulandshahr, the 22nd June 1981

No. N.A.P.P./Adm./18(I)/81/S./7485.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints Shri Om Prakash, a permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk to officiate as Assistant Personnel Officer on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-E.B.-40-960/- in the Narora Atomic Power Project from June 1, 1981 to July 10, 1981, vice Shri S. C. Jain, Assistant Personnel Officer proceeded on leave.

K. V. SETHUMADHAVAN
Senior Administrative Officer.

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 10th June 1981

No. P.A.R./0704/2889.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex appoints Shri S. Raghavendra Rao, Upper Division Clerk to officiate as Asstt. Personnel Officer on ad-hoc basis, against a leave vacancy in Nuclear Fuel Complex from 1-6-81 to 17-6-81, or until further orders, whichever is earlier.

G. G. KULK ARNI

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 17th June 1981

No. ref 05052/81/Feb./4495.—Officer-on-Special Duty Heavy Water Projects, appoints Shri Subramanyam Natarajan, a temporary Foreman of Heavy Water Project (Baroda) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, with effect from the forenoon of February 1, 1981 until further orders.

The 22nd June 1981

No. ref 05000/R-1/O.P./4570.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Pandarathil Padmanabhan Nambari, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Accountant in Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Assistant Accounts Officer in the same office, in a temporary capacity, on ad-hoc basis from the forenoon of March 20, 1981 to May 27, 1981 (A.N.) vice Shri S.K. Limaye, Assistant Accounts Officer, transferred to Department of Atomic Energy, Bombay. This issues in supersession of this office notification No. 05000/R-1/O.P./2077 dated April 30, 1981.

R. C. KOTANKAR
Administrative Officer.

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Thane, the 3rd June 1981

No. T.A.P.S./1/18 (3)/77-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints Shri K. V. Raghavan, a permanent Selection Grade Clerk to officiate as an Officer in Assistant Administrative Officer's grade (Rs. 650-30-740-35-880-E.B.-40-960) on ad-hoc basis in the Tarapur Atomic Power Station with effect from the forenoon of April 20, 1981 and upto May 30, 1981 (A.N.) vice Shri J. L. Jain, Assistant Personnel Officer proceeded on leave.

D. V. MARKALE
Administrative Officer-III.

DEPARTMENT OF SPACE

SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380053, the 6th June 1981

No. S. A. C./Est./I.S.C.E.S./7099/81.—The Director is pleased to appoint Shri Vijay J. Bhatt as Engineer S.B. in a temporary capacity in the Space Applications Centre of Department of Space, with effect from the forenoon of April 27, 1981 for a period upto November 30, 1981.

No. SAC/EST/ISCES/9001/81.—The Director is pleased to appoint Shri Nilim Jayantilal Shah as Engineer SB in a temporary capacity in the Space Applications Centre of Department of Space with effect from the forenoon of April 30 1981 for a period upto November 30, 1981.

The 10th June 1981

No. EST/ISCES/5176/81.—The Director, SAC is pleased to accept the resignation from service of Shri D. A. Shah, a temporary Engineer SB of this Centre with effect from the afternoon of June 1, 1981.

C. R. SHAH
Administrative Officer-II

**MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT**

New Delhi the 20th June 1981

No. E(T) 04317.—Dr. Y. Ramanathan Meteorologist Grade I of the Headquarters office of the Director General of Meteorology New Delhi, India Meteorological Department has voluntarily retired from the Government service with effect from the afternoon of 15-6-1981.

NOOTAN DAS
Director (Administration)
for Director General of Meteorology.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi the 28th May 1981

No. A-38013/1/81-E.C.—The undermentioned two Technical Officers of Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of their office on retirement on attaining the age of superannuation on 30-4-81 (A.N.) at station indicated against each :—

S. No.	Name	Station of posting
1.	Shri K. G. Louis	Aero. Comm. Station Hyderabad
2.	Shri R. S. Sandhu	Radio Construction & Dev. Units New Delhi.

PREM CHAND
Assistant Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi the 11th June 1981

No. A-38013/1/81-E.A.—Shri Sarup Singh Aerodrome Officer Office of the Regional Director Delhi retired from Government Services on the 31st May 1981 (A.N.) on attaining the age of superannuation.

S. GUPTA.
Deputy Director of Admin.

New Delhi the 28th May, 1981

No. A-32013/11/79-E.C.—The President is pleased to appoint the following two Technical Officers to the grade of Senior Technical Officer on ad-hoc basis for a period of six months w.e.f. the date indicated against each and to post them to the station indicated against each :—

S. No.	Name	Present Stn. of posting	Stn. to which posted	Date of taking over charge.
S/Shri				
1.	S.C. Dureja	Aero. Comm. Stn. Palam	Aero. Comm. St. Palam	30-4-81 (F.N.)
2.	S. P. Jain	Aero. Comm. Stn. Pala	Aero. Comm. St. Palam.	30-4-81 (F.N.)

No. A-39012/1/81-E.C.—The President is pleased to accept the resignation of Shri V. B. Singh, Communication Officer, Aero. Comm. Stn., Ahmedabad w.e.f. 31-3-1981 (A. N.).

The 15th June 1981

No. A-32013/2/80-E.C.—The President is pleased to appoint the following three Assistant Technical Officer to the grade of Technical Officer on ad-hoc basis upto 30-6-1981 w.e.f. the date indicated against each and to post them to the station indicated against each :—

S. No.	Name	Present Stn. of posting.	Station to which posted.	Date of taking over charge.
1.	M. Raghavan	Aero. Comm. St., Bombay	Aero. Comm. Stn., Bombay.	16-4-81 (F.N.)
2.	P.K.K. Pillai	Aero. Comm. St., Bombay	Aero Comm. Stn, Bombay	2-5-81 (F.N.)
3.	J. K. Chopra	Aero. Comm. Stn, Palam.	Aero. Comm. Stn, Palam.	2-6-81 (F.N.)

No. A. 32013/10/80-E.C.—The President is pleased to appoint Shri N. Sadasisa Sarma, Communication Officer, Aeronautical Comm. Station, Trivandrum to the grade of Senior Communication Officer on ad-hoc basis with effect from 31-3-81 (F.N.) for a period of six months and to post him in the office of the Director of Communication, Aero. Comm. Station, Madras Airport, Madras.

The 16th June 1981

No. A. 38013/1/81-E.C.—Shri S. K. Guha, Assistant Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Calcutta relinquished charge of his office on 30-4-81 (A.N.) on retirement on attaining the age of superannuation.

The 18th June 1981

No. A-32014/5/80-E.C.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri O. P. Batra, Technical Assistant, Aero. Comm. Station, Lucknow to the grade of Asst. Tech. Officer on regular basis with effect from 29-4-81 (F.N.) and to post him at Civil Aviation Training Centre, Allahabad.

No. A. 32014/5/80-E.C.—In partial modification of this office Notification No. A. 32014/5/80-E.C. dated 5-5-81, S. No. 20 thereof is amended to read as under :—

S. No.	Name	Station of posting
20.	Shri I. S. Vedi	Radio Constr. & Dev. Units, New Delhi.

The 20th June 1981

No. A. 38013/1/81-E.C.—The undermentioned three officers of the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of their office on retirement on attaining the age of superannuation on date and station indicated against each :—

S. No.	Name and designation	Station of posting.	Date of retirement.
S/Shri			
1.	K. G. Joseph, Asstt. Tech. Officer	Aero. Comm. Snt., Cochin	30-4-81 (A.N.)
2.	R. Srinivasan, Asstt. Tech. Officer	Aero. Comm. Stn., Madras	30-4-81 (A.N.)
3.	S. P. Sahani, Tech. Officer.	Director, Radio Const. & Dev. Units, New Delhi.	30-5-81 (A.N.)

No. A-32013/11/79-E.C. (Pt.).—The President is pleased to appoint Shri S. Sundararaman, Technical Officer in the office of the Regional Controller of Communication, Calcutta Airport, Calcutta to the grade of Senior Technical Officer on ad-hoc basis

for a period of six months with effect from 7-4-81 (F.N.) and to post him in the same office.

PREM CHAND
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 20th June 1981

No. A-32013/3/79-E.S.—The President is pleased to appoint Shri S. G. Goswami to the grade of Dy. Director/Controller of Aeronautical Inspection on ad-hoc basis with effect from 10-6-81 to 10-7-81 in the vacancy caused by Shri T. K. K. Nair, Controller of Aeronautical Inspection, Bangalore who proceeded on earned leave.

J. C. GARG
Asstt. Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 22nd June 1981

No. 1/9/81-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri P. V. Perumal, Technical Assistant, Madras as Assistant Engineer in an officiating capacity, in the same Branch, with effect from the forenoon of the 23rd March, 1981, and until further orders.

No. 1/118/81-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri V. V. Bengal, Asstt. Admn. Officer, D. T. S. Poona as Administrative Officer, in an officiating capacity, in the Madras Branch with effect from the forenoon of the 28th February, 1981 and until further orders, on regular basis.

No. 1/185/81-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Indra Pal Singh, as Assistant Engineer, in a temporary capacity, in the Q.C.S. Field Office, Srinagar, with effect from the forenoon of the 24th February, 1981 and until further orders.

No. 1/490/81-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri M. J. Puri, Tech. Assistant, New Delhi as Assistant Engineer, in an officiating capacity in the same Branch with effect from the forenoon of the 25th March, 1981 and until further orders.

No. 1/492/81-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri V. K. Sharma, Technical Assistant, New Delhi as Assistant Engineer, in an officiating capacity in the Q.C.S., Ahmed Satellite Earth Station, Lakhisarai, Dehra Dun with effect from the forenoon of the 2nd April, 1981 and until further orders.

H. L. MALHOTRA
Dy. Director (Admn.)
for Director General

FOREST RESEARCH INSTITUTE & COLLEGES

Dehra Dun, the 21st April 1981

No. 16/362/80-Ests. I.—In supersession of this office Notification of even number dated the 5th July, 1980, the President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Padam Sain, Accounts Officer of the Office of Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehra Dun, as Accounts Officer, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, with effect from the afternoon of 3rd June, 1980 until further orders. The deputation of Shri Padam Sain will be governed under the provisions of Ministry of Finance (Dept. of Expenditure) O.M. No. F. 10 (34/E-III/60 dated 4-3-1961) as amended from time to time.

R. N. MOHANTY
Registrar,
Forest Research Institute & Colleges.

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Nagpur, the 17th June 1981

No. 6/81.—Consequent upon his transfer Shri A. K. Kaushal, Superintendent, Group-A, Central Excise, Hqrs. Office, Nagpur

has assumed charge as Additional Superintendent, Group-A, Central Excise Range, Ballarpur in the forenoon of the 6th May, 1981.

No. 7/81.—Consequent upon his transfer Shri Harjinder Singh, Superintendent (Technical), Group-A, Central Excise, Division-I, Nagpur has assumed charge as Additional Superintendent (Valuation) Group-A, Central Excise, Hqrs. Office, Nagpur in the afternoon of the 11th May, 1981.

K. SANKARARAMAN
Collecto

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 20th June 1981

No. 8/81.—Shri N. K. R. Nair, Appraiser of Bombay Customs House, on transfer to the West Regional Unit of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise at Bombay vide Directorate order C. No. 1041/2/81 dated 5-12-80 assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'B' on 8-5-81 (afternoon).

No. 9/81.—Shri N. M. Kohli, lately posted as Assistant Collector of Central Excise, Delhi Collectorate, on transfer to the Headquarters Office of the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise, New Delhi vide Department of Revenue order No. 81/81 (F. No. A-22012/18/81-Ad. II) dated 13-5-81, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'A' on 3-6-1981 (Afternoon).

K. J. RAMAN,
Director of Inspection.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 19th June 1981

No. A-32012/I/81-Estt. V (Vol. II).—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), Chairman, Central Water Commission appoints the following Officers officiating as Extra Assistant Director/Assistant Engineers, on ad-hoc basis in the Central Water Commission on a regular basis in the same post in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200 with effect from the forenoon of 10th June, 1981 until further orders :—

Sl. No.	Name of Officer
---------	-----------------

S/Shri

1. S. P. Sehgal
2. Abdul Saleem
3. S. C. Sharma
4. S. C. Singhal
5. R. N. Tiwari
6. V. N. Srivastava
7. H. C. Yadav
8. P. P. Singh
9. B. P. Pant
10. Biswa Ranjan Das
11. I. N. Dwivedi
12. D. N. Bera
13. Narendra Nath
14. Thamanjit Singh
15. N. Mathai
16. Awadhesh Sharma
17. G. P. Verma
18. Mehboob Ali
19. Pashupati Das
20. Ashok Ahluwalia
21. K. Choudhary
22. Munni Ram
23. V. P. S. Tomer

Sl. No.	Name of Officer
S/Shri	
24.	J. C. Das
25.	Pramod Kumar
26.	Ram Sumiram
27.	P. K. Chatterjee
28.	Jai Ram
29.	N. R. C. Rao
30.	L. Hargopal Rao
31.	Jai Prakash
32.	Umesh Kumar
33.	S. D. Khatri
34.	Mangal Dutta
35.	R. P. Tripathy
36.	M. G. Lulla
37.	R. N. Roy
38.	Vinay Kumar Sharma
39.	Ajay Sinha
40.	Jagmohan Singh Taneja
41.	A. D. Singh
42.	Nakul Dev
43.	I. C. Tyagi
44.	S. K. Babber
45.	S. R. Saini
46.	Ravinder Kumar Bathla
47.	I. J. Sharma
48.	V. K. Malhotra
49.	Bal Kishan
50.	A. K. M. Govil
51.	Rajeshwar Prasad
52.	Ajay Kumar Sharma
53.	K. R. K. Shastry
54.	Gautam Prasad Mathur
55.	J. K. Chopra
56.	M. R. Chakraborty
57.	G. M. Merani
58.	V. A. Sathirajan
59.	Kirti P. Desai
60.	Rajpal Singh Bir
61.	Shiv Charn
62.	A. S. Chawla
63.	S. L. Kewalramani
64.	D. N. Dahiya
65.	V. P. Ravindran
66.	Vijay Kumar Midha
67.	Chidha Singh

(2) The above mentioned officers will be on probation in the grade of EAD/AE in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

A. BHATTACHARYA
Under Secy.

CENTRAL RAILWAY

Bombay, the 4th May 1981

(CHANGE OF NAME)

No. H.P.B./Gaz./B.F./B.T.—Consequent upon her marriage Dr. (Miss) Basanti Toppo, A.D.M.O. (Class I) Bhusawal has intimated her desires to be known in future by the name of Dr. Mrs. Basanti Minj. This has been agreed to.

T. N. RAMACHANDRAN
General Manager

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION

(DEPARTMENT OF SUPPLY)

Calcutta-27, the 9th June 1981

No. G-65/B (Con.)—The Director General, National Test House, Alipore, Calcutta has been pleased to appoint Shri Parag Dutta, Scientific Assistant (Chemical) National Test House, Calcutta as Scientific Officer (Chem.) in the same office on an adhoc basis w.e.f. 23-5-1981 until further orders.

A. BANERJEE
Deputy Director (Admn.)
for Director General.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) (COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES KARNATAKA

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Hexagon Construction Company Private Limited.

Bangalore, the 16th June 1981

No. 2964/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Hexagon Construction Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI
Registrar of Companies
Karnataka, Bangalore.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Dhanad Benefit Private Limited.

Ahmedabad, the 19th June 1981

No. 2085/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Dhanad Benefit Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Cane Juice Private Limited.

Ahmedabad, the 19th June 1981

No. 1961/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Cane Juice Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. Y. RANE
Asstt. Registrar of Companies,
Gujarat.

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 20th June 1981

No. F-48-Ad. (A.T.)/81.—Shri A. Ramakrishnan, Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay who was appointed to officiate as Assistant Registrars

Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from 26-3-1981 vide this office Notification No. F. 48-Ad. (A.T.)/81, dated 6th April, 1981, is now permitted to continue to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar on ad-hoc basis in a temporary capacity for a further period of 3 months with effect from the 26th June, 1981 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri A. Ramakrishnan, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA
President
Income-Tax Appellate
Tribunal

FORM ITNS

(1) Shri Charan Singh
s/o Shri Lala
r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

(2) M/s. Green Park Theatres Associated (P) Ltd.,
115-Ansal Bhawan,
16-K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S.R.-III/10-80/5222.—Whereas I,
VIMAL VASISHT
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Bijwasan (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural lands mg. 4 bighas and 9 biswas comprised in Rect. No. 37, Kila No. 1 min. (4-09) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 3-6-1981
Seal ;

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**

New Delhi, the 3rd June 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S.R.-III/10-80/5223.—Whereas 1,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Bijwasan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Charan Singh
s/o Shri Lala
r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

(2) M/s. Green Park Theatres Associated (P) Ltd.,
115 Ansal Bhawan,
16 K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 bighas and 9 biswas comprised in Rect. 37, Kila No. 8 min. (4-09) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 3-6-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
19---146GI/81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**

New Delhi, the 3rd June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/5229.—Whereas I,
VIMAL VASISHT
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Agricultural land situated at Village Bijwasan
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the Office of the Registering Officer at
Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee by
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Charan Singh
s/o Shri Lala
r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

(2) M/s. Green Park Theatres Associated (P) Ltd.,
115-Ansal Bhawan,
16-K.G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands mg. 4 bighas and 9 biswas comprised in
Rect. No. 36, Kila No. 15 min. (4-09) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 3-6-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**

New Delhi, the 4th June 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S.R.-III/10-80/5241.—Whereas I,
VIMAL VASISHT
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
 (hereinafter referred to as the 'said Act'),
 have reason to believe that the immovable property, having
 a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
 Agricultural land situated at Village Bijwasan
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
 of 1908) in the office of the Registering Officer
 at Delhi on October, 1980
 for an apparent consideration
 which is less than the fair market value of the aforesaid
 property, and I have reason to believe that the fair market
 value of the property as aforesaid exceeds the apparent
 consideration therefor by more than fifteen per cent of
 such apparent consideration and that the consideration for
 such transfer as agreed to between the parties has not been
 truly stated in the said instrument of transfer with the
 object of :—

(1) Shri Charan Singh
 s/o Shri Lala
 r/o Village Bijwasan

(Transferor)

(2) M/s. Green Park Theatres Associated (P) Ltd.,
 115-Ansal Bhawan,
 16 K. G. Marg,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein
 as are defined in Chapter XXA of
 the said Act, shall have the same meaning
 is given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer,
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or which
 ought to be disclosed by the transferee for the purposes
 of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act. to the following
 persons, namely :—

THE SCHEDULE

Agricultural lands mg. 4 bighas and 9 biswas comprised in
 Rect. No. 36, Kila No. 14 min. (4-09) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 4-6-1981
 Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/5227.—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Bijwasan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Charan Singh
a/o Shri Lala
r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

(2) M/s. Green Park Theatres Associated (P) Ltd.,
115-Ansal Bhawan,
16 K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural lands mg. 4 bighas and 9 biswas comprised in Rect. 37, Kila No. 10 min. (4-09) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New DelhiDate : 3-6-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Charan Singh
s/o Shri Lala
r/o Village Bijwasan

(Transferor)

(2) M/s. Green Park Theatres Associated (P) Ltd.,
113-Ansal Bhawan,
16-K.G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-J/S.R.-III/10-80/5226.—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Bijwasan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural lands mg. 4 bighas and 9 biswas comprised in Rect. No. 36, Kila No. 6 min. (4-09) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 3-6-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**

New Delhi, the 3rd June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/5221.—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Bijwasan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Charan Singh
s/o Shri Lala
r/o Village Bijwasan

(Transferor)

(2) M/s. Green Park Theatres Associated (P) Ltd.,
115-Ansal Bhawan,
16 K.G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have in the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 bighas and 9 biswas comprised in Rect. 37, Kila No. 11 min. (4-09) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE NEW DELHI

New Delhi, the 3 June, 1981

Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Vil ge Bijwasan (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct., 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1 Shri Charan Singh
s/o Shri Lala r/o
village Bijwasan,

(Transferor)

2 M/s. Green Park Treatres
Associate (P) Ltd.
115, Ansal Bhavan,
16 K.G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas and 9 biswas comprised in Rect. No. 6, Kila No. 21 (4-09) in Villabe Biswasan.

VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting assistant Commissioner of IncomeTax
Acquisition Range-I,
New Delhi

Dated : 3-6-81

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**

New Delhi, the 3rd June, 1981

Reference No. IAC/Aaq.-I/SR-III/10-80/5224—Whereas, I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situate at village Bijwasan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1 Shri Charan Singh
S/o Shri Lalaji
r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

2 M/s. Green Park Theatres
Associated (P) Ltd.,
115, Ansal Bhawan, 16 K.G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. lands mg. 4 bighas and 9 boswas comprised in Rect. No. 37, Kila No. 9 min.(4-09) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Dated : 3-6-1981
Seal :

FORM IT.N.S.—

1 Shri Charan Singh
S/o Shri Lala
r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

2 M/s. Green Park Theatres
Associated Private Ltd.,
15, Ansal Bhawan,
16, K.G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd, June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/10-80/5225—Whereas
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Village Bijwasan

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agr. lands mg. 3 bighas and 9 biswas comprised in Rect. No. 6, Kial No. 21 min. (0-07), Rect. No. 36, K. No. 6 min. (0-07), 14 min. (0-07), 15 min. (0-07), Rect. No. 37, K. No. 1 min. (0-07), min. (0-07) 8 min (0-02), 9 min. (0-2), 10 min. (0-07), 11 min. (0-07) and 26 (0-09), in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
New Delhi

Date : 3-6-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
20—146GI/81

FORM ITNS

1 Shri Mahabir Singh
S/o Nanhey r/o. Village Bijwasan.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

2 M/s. Green Park Theatres
Associates (P) Ltd.,
115, Ansal Bhawan,
16, K.G. Marg,
New Delhi.

(Transfree)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 5th June, 1981

Ref. : No. IAC/Acq-I/SR-111/10-80/5098 where as
I, VIMAL VASISHT,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Delhi village Bijwasan
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi on Oct. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XVA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agr. lands mg. 3 bighas and 19 biswas comprised in Ret.
No. 37, K. No. 22(3-19) in Village Bijwasan.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Dated : 5-6-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT****COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI**

New Delhi, the 5th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/10-80/5097— Where as I,
VIMAL VASISHT
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Village Bijwasan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

1 Shri Mahabir Singh
 S/o Shri Nanhey
 r/o. Village Bijwasan

(Transferor)

2 M/s. Green Park Theatres
 Associates (P) Ltd.,
 115, Ansal Bhawan,
 16 K.G. Marg,
 New Delhi.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used hereina as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agr. lands mg. 4 bighas and 9 biswas comprised in Rect. No. 37, K. Nos. 23 (4-07) and 29 (0-02) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioneer of Income-Tax
 Acquisition Range-I,
 New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 5th June, 1981
 Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**

New Delhi, the 5th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/10-80/5096—Whereas, I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Village Bijwasan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Oct., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- 1 Shri Mahabir Singh
S/o Shri Nanhey
r/o Village Bijwasan.
2 M/s. Green Park Theatres
Associates (P) Ltd.,
115 Ansal Bhawan,
16 K.G. Marg,
New Delhi.

(Transferor)
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 3 bighas and 7 biswas comprised in Rect. No. 44, K. No. 1 South (3-07) in Village Bijwasan.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
New Delhi

Date : 5-6-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 5th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/10-80/5095—whereas I, VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Village Bijwasan (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Oct., 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1 Shri Mahabir Singh
s/o Shri Namhey
r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

2 M/s. Green Park Theatres
Associates (P) Ltd.,
115 Ansai Bhawan,
16 K. G. Marg,
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agr. lands mg. 4 bighas and 16 biswas comprised in Re No. 45 K. No. 5 (4-16) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
New Delhi

Dated : 5-6-1981

Seal :

FORM EME**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**

New Delhi, the 5th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/10-80/5094—whereas, I,
VIMAL VASISHT,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
 and bearing

No. Agr. land situated at Village Bijwasan
 (and more fully described in the Schedule
 annexed hereto), has been transferred under the Registration
 Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
 at Delhi on Oct., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that
 the consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

1 Shri Dewan Singh
 S/o Risal r/o Village Bijwasan

(Transferor)

2 M/s. Green Park Theatres
 Associates (P) Ltd.,
 115 Ansal Bhawan,
 16 K.G. Marg,
 New Delhi

(Transfreee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agr. lands mg. 5 bighas and 4 biswas comprised in Rect. No. 37, Kila No. 21 (4-08) and Rect. No. 44, K. No. 1 North (0-16), situated in Village Bijwasan

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

VIMAL VASISHT
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
 Acquisition Range -I,
 New Delhi

Dated : 5-6-1981

Seal :

FORM ITNB

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/5232.—Whereas I,
VIMAL VASISHT

Being the Competent Authority under Section 269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Bijwasan
on October, 1980

(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) **SNN Satender,**
 Shri Narendra and
 Shri Satender
 sons of late Shri Bhagwan Singh
 through their mother
 Smt. Gondes
 r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

(2) M/s. **Deep Shikha Estates (P) Ltd.,**
 115-Ansal Bhawan,
 16 K. G. Marg,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One-twelfth share of all those Agricultural lands measuring 46 bighás and 18 biswas comprised in Rect. No. 6, K. Nos. 18 (4-16), 19 (4-16), 22 (4-16), 23 (4-16), Rect. No. 36, K. Nos. 16 (4-02), 17 (4-08), Rect. No. 37, K. Nos. 3 (4-16), 12 (4-16), 19 (4-12), 20 (4-16) and 23 (0-04) in Village Bijwasan.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

VIMAL VASISHT
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 3-6-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June 1981

Ref. No. I.A.C/Acq.-I/S. R.-III/10-80/5231.—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at Village Bijwasan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 268C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rajinder Singh and Rajesh sons of Late Shri Mir Singh through their mother Smt. Murti r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

(2) M/s. Deep Shikha Estates (P) Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One-twelfth share of all those Agricultural lands measuring 46 bighas and 18 biswas comprised in Rect. No. 6, K. Nos. 18 (4-16), 19 (4-16), 22 (4-16), 23 (4-16), Rect. No. 36, K. Nos. 18 (4-16), 19 (4-16), 22 (4-16), 23 (4-16), Rect. No. 36, K. Nos. 16 (4-02), 17 (4-08), Rect. No. 37, K. Nos. 3 (4-16), 12 (4-16), 19 (4-12), 20 (4-16) and 23 (0-04) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 3-6-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**

New Delhi, the 3rd June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/5236.—Whereas I,
VIMAL VASISHT,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Bijwasan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957) :—

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) if Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
 21—146GI—81

(1) S/Shri Shamey Singh,
 Raj Kumar and
 sons of Shri Lakhi,
 S/Shri Surender,
 Narendar and
 Satender
 sons of late Shri Bhagwan Singh
 and S/Shri Rajinder Singh and
 Rajesh
 sons of late Shri Mir Singh
 r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

(2) M/s. Deep Shikha Estates (P) Ltd.,
 115 Ansal Bhawan,
 16 K. G. MARG,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One-sixth share of Agricultural lands measuring 46 bighas and 18 biswas comprised in Rect. No. 6, K. Nos. 18 (4-16), 19 (4-16), 22 (4-16), 23 (4-16), Rect. No. 36, K. Nos. 16 (4-02), 17 (4-08), Rect. No. 37, K. Nos. 3 (4-16), 12 (4-16), 19 (4-12), 20 (4-16), and 28 (0-04) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 3-6-1981
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/5237.—Whereas I,
VIMAL VASISHT,
 being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. Agricultural land situated at Village Bijwasan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Shamey Singh
 son of Shri Lakhi,
 r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

(2) M/s. Deep Shikha Estates (P) Ltd.
 115 Ansal Bhawan,
 16 K. G. Marg,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring one-twelfth share in 46 bighas and 18 biswas comprised in Rect. No. 6, Kila Nos. 18 (4-16), 19 (4-16), 22 (4-16), Rect. No. 36, Kila Nos. 16 (4-02), 17 (4-08), Rect. No. 37, Kila Nos. 3 (4-16), 12 (4-16), 19 (4-12), 20 (4-16), and 28 (0-04) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT
 Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1981
 Seal :

FORM LT.N.S.—**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**

New Delhi, the 4th June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/5230.—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Bijwasan (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shamey Singh
son of Shri Lakhi
r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

(2) M/s. Deep Shikha Estates (P) Ltd.,
115 Ansal Bhawan,
16 K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring one-twelfth share in 46 bighas and 18 biswas comprised in Rect. No. 6, Kila Nos. 18 (4-16), 19 (4-16), 22 (4-16), Rect. No. 36, Kila Nos. 16 (4-02), 17 (4-08), Rect. No. 37, Kila Nos. 3 (4-16), 12 (4-16), 19 (4-12), 20 (4-16), and 28 (0-04) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 4-6-1981

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Raj Kishan
son of Shri Lakhi
r/o Village Bijwasan

(Transferor)

(2) M/s. Deep Shikha Estates (P) Ltd.,
115-Ansal Bhawan,
16 K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**

New Delhi, the 3rd June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S.R.-III/10-80/5234.—Whereas I, **VIMAL VASISHT**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Bijwasan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring one-twelfth share in 46 bighas and 18 biswas comprised in Rect. No. 6, Kila Nos. 18 (4-16), 19 (4-16), 22 (4-16), Rect. No. 36, Kila No. 16 (4-02), 17 (4-08), Rect. No. 37, Kila Nos. 3 (4-16), 12 (4-16), 19 (4-12), 20 (4-16), and 28 (0-04) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

(1) Shri Raj Kumar
son of Shri Laxmi
r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

(2) M/s. Deep Shikha Estates (P) Ltd.
115-Ansal Bhawan,
16 K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**

New Delhi, the 3rd June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/5235.—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at Village Bijwasan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring one-twelfth share in 46 bighas and 18 biswas comprised in Rect No. 6, Kila Nos. 18 (4-16), 19 (4-16), 22 (4-16), Rect. No. 36, Kila Nos. 16 (4-02), 17 (4-08), Rect. No. 37, Kila Nos. 3 (4-16), 12 (4-16), 19 (4-12), 20 (4-16) and 28 (0-04) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 3-6-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**
New Delhi, the 3rd June 1981

Ref. No. I. A. C/Acq.-J/S. R.-III/10-80/5233.—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Bijwasan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Surender,
Narender and
Satender
sons of late Shri Bhagwan Singh
through their mother Smt. Gidondee
r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

(2) M/s. Deep Shikha Estates (P) Ltd.,
115 Ansal Bhawan,
16 K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in this Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One-twelfth share of all those Agricultural lands measuring 46 bighas and 18 biswas comprised in Rect. No. 6, K. Nos. 18 (4-16), 19 (4-16), 22 (4-16), 23 (4-16), Rect. No. 36, K. Nos. 16 (4-02), 17 (4-08), Rect. No. 37 K. Nos. 3 (4-16), 12 (4-16), 19 (4-12), 20 (4-16) and 23 (0-04) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 3-6-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI
New Delhi, the 3rd June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/5230.—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Bijwasan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) S/Shri Rajinder Singh and
Rajesh
sons of late Shri Mir Singh
through their mother Smt. Murti
r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

(2) M/s. Deep Shikha Estates (P) Ltd.,
115 Ansal Bhawan,
16 K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One-twelfth share of all those Agriculture lands measuring bighas and 18 biswas comprised in Rect. No. 6, K. Nos. 18 (4-16), 19 (4-16), 22 (4-16), 23 (4-16), Rect. No. 36, K. Nos. 16 (4-02), 17 (4-08), Rect. No. 37, K. Nos. 3 (4-16), 12 (4-16), 19 (4-12), 20 (4-16) and 23 (0-04) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 3-6-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S.R.-III/10-80/5014.—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Revenue Estate, Village Bijwasan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Kanwarlal and Hoshilal Singh sons of Shri Puran and Smt. Sarjo Devi alias Marwan,

w/o Shri Kanwarlal,
r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

(2) M/s. Suraj Construction & Estates (P) Ltd.
115-Ansal Bhawan,
16 K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 4 bighas and 8 biswas comprised in Rct. No. 36, K. No. 18 (4-08), situated in the Revenue, Estate of Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 3-6-1981

Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/5013.—Whereas I,
VIMAL VASISHT,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Revenue Estate of Village Bijwasan
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980
for an apparent consideration which is less than the fair market value of theforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration and that the consideration for such transfer parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri Kanwarlal and
Hoshiar Singh
sons of Shri Puran, and
Smt. Sarjo Devi alias
Marwan,
w/o Shri Kanwarlal
r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

(2) M/s. Suraj Construction & Estates (P) Ltd.,
115 Ansal Bhawan,
16, K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 bighas and 16 biswas comprised in Rect. 36, K. No. 23 (4-16), situated in the Revenue Estate of Village Bijwasan.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
22—146GJ/81

VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 3-6-1981
Seal :

FORM LT.N.S.—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/4954—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at Village Gadaipur, Tehsil (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mehrauli, New Delhi on Oct. 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Tulsi Ram,
Fateh Chand,
Balbir Singh
sons of Ram Daia
r/o Village Modhpur,
Munirka,
New Delhi.

(Transferor)

(2) O. M. P. Builders,
12-Regal Building,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas and 16 biswas K. No. 61, Village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT,
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 3-6-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-JII/10-80/4955.—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Tulsi Ram,
Shri Fateh Chand,
Shri Balbir Singh
sons of Ram Daia
r/o Village Mohdpur Munirka,
New Delhi.

(Transferor)

(2) O. M. P. Builders,
12-Regal Building,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas and 16 biswas K. No. 62, Village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 3-6-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June 1981

Ref. No. J. A. C./Acq.-J/S. R.-III/10-80/4952.—Whereas I,

VIMAL VASISHT,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Tulsi Ram,
Shri Fateh Chand
Shri Balbir Singh
Balbir Singh
sons of Ram Dala
r/o Village Mohdpur Munirka,
New Delhi.

(Transferor)

(2) O. M. P. Builders,
12, Regal Building,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas and 16 biswas, K. No. 42
Village Gadalpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 3-6-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Tulsi Ram,
Fateh Chand,
Balbir Singh
sons of Ram Daia
r/o Village Mohdpur Munirka,
New Delhi.

(Transferor)

(2) O.M.P. Builders,
12-Regal Building,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June, 1981 ||

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/4956.—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas and 16 biswas, K. No. 43, Village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 3-6-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**

New Delhi, the 3rd June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/4957.—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Tulsi Ram,
Fateh Chand,
Shri Balbir Singh
sons of Ram Daia
r/o Modhpur Munirka,
Tehsil Mehrauli,
New Delhi.

(Transferor)

(2) O. M. P. Builders,
12-Regal Building,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land area 5 bighas and 18 biswas, K. No. 40/1 (0-13), 40/2 (5-1), 64 min (0-4), Village Gadaipur Tehsil Mehrauli, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 3-6-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/4953.—

Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Tulsiram,
Fateh Chand,
Shri Balbir Singh
sons of Ram Dala
r/o Village Mohdpur Munirka,
New Delhi.

(Transferor)

(2) O. M. P. Builders,
12-Regal Building,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas and 16 biswas K. No. 63, Village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 4th June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/5371.—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Deoli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri Kanwal Singh and
Partap Singh
sons of Shri Sib Lal,
r/o Village Deoli.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash
s/o Shri Malawa Ram
C-14, Green Park Extension,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring one bigha and 18 bighas comprised in Rect. No. 11 Kila No. 2 min (0-18) and No. 23 min (1-00) in the Revenue Estate of Village Deoli.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 4-6-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI
New Delhi, the 4th June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/5376.—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Deoli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri Kanwal Singh and Partap Singh
s/o Shri Sib Lal,
r/o Village Deoli.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash
s/o Shri Malawa Ram,
r/o C-14, Green Park Extension,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2 bighas and 9 biswas comprised in Rect. No. 11, Kila No. 23 min (2-09) in Village Deoli.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 4-6-1981
Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—146GI/81

FORM I.T.N.S.—

(1) S/Shri Kanwal Singh
and Shri Partap Singh
s/o Shri Sib Lal,
r/o Village Deoli,

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash
s/o Shri Malawa Ram,
C-14 Green Park Extension,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 4th June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/5373.—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Deoli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 3 bighas and 7 biswas comprised in Rect. No. 11, Kila No. 13 (3-07) situated in Village Deoli.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 4-6-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**

New Delhi, the 4th June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/5372.—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Agricultural land situated at Village Deoli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri Kanwal Singh and Partap Singh s/o Shri Sib Lal, r/o Village Deoli, Union Territory of Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash s/o Shri Malawa Ram, C-14, Green Park Extension, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2 bighas and 1 biswas comprised in Rect. No. 11 Kila No. 24 min (2-05) n Village Deoli.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi New Delhi.

Date : 4-6-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 4th June, 1981

Ref No. I.A.C. /Acq. I/SR-III/10-80/5375—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Deoli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri Kanwal Singh and
Shri Partap Singh
s/o Shri Sib Lal
r/o Village Deoli.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash
s/o Shri Malawa Ram,
C-14, Green Park Extension,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

'EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.'

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2 bighas and 8 biswas comprised in Rect. No. 11, Kila No. 3 min. (2-08) in Deoli.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-6-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, NEW DELHI**

New Delhi, the 4th June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/5374.—Whereas I,
VIMAL VASISHT,
 being the Competent Authority under Section
 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
 (hereinafter referred to as the 'said Act'),
 have reason to believe that the immovable property,
 having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. Agricultural land situated at Village Deoli
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)
 has been transferred under the Registration
 Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the registering officer
 at New Delhi on October, 1980
 for an apparent consideration which
 is less than the fair market value of the aforesaid property,
 and I have reason to believe that the fair market
 value of the property as aforesaid exceeds the apparent
 consideration therefor by more than fifteen per cent of
 such apparent consideration and that the consideration
 for such transfer as agreed to between the parties has not
 been truly stated in the said instrument of transfer with the
 object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for the
 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act
 1957 (27 of 1957);

(1) S/Shri Kanwal Singh and
 Partap Singh
 S/o Shri Sib Lal,
 r/o Village Deoli.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash
 s/o Shri Malawa Ram,
 C-14, Green Park Extension,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2 bighas and 5 biswas comprised in Rect. No. 11, Kila No. 14 min (2-05) in Village Deoli.

VIMAL VASISHT
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-6-1981
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 4th June, 1981

Ref. No. I A C/Acq.-I/S., R.-III/10-80/5373.—Whereas, I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Deoli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri Kanwal Singh
Shri Partap Singh
S/o Shri Sib Lal,
r/o Village Deoli.

(2) Shri Om Parkash
S/o Shri Malawa Ram,
C-14, Green Park Extension,
New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2 bighas and 3 biswas comprised in Rect. No. 11, Kila No. 4 min. (2-03) in Deoli.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-6-1981
Seal :

FORM NO. LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 4th June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/10-80/5371.—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Deoli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri Kanwal Singh and Partap Singh
s/o of Shri Sib Lal,
r/o Village Deoli.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash
s/o Shri Malawa Ram,
C-14, Green Park Extension,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2 bighas in Rect. No. 11 Kila No. 24 min (2-00) in Village Deoli.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Dated : 4-6-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-OF-INCOME-TAX.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/10-80/5363—Whereas I,
VIMAL VASISTH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. Agr. land situated at Village Deoli (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Kanan Singh son of
Shri Ami Chand r/o
Village Deoli

(Transferor)

(2) Shri Om Prakash son of
Shri Malawa Ram,
C-14, Green Park Extension,
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax (1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 2 bighas and 8 biswas comprised in Rectangle No. 12 Kila No. 16 in (2-08) in Village Deoli.

VIMAL VASISTH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissitoner of Income Tax
Acquisition Range-I,
New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June, 1980

Ref. No. IAC/Acq.-J/SR-III/10-80/5362—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Village Dchli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Karan Singh S/o
Shri Ami Chand
r/o Village Deoli.

(Transferor)

(2) Shri Om Prakash son of
Shri Malawa Ram
C-14, Green Park Extention,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 2 bighas and biswas comprised in Rect. No. 12, Kila No. 16 min. (2-08) in Village Deoli.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 3-6-1981

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24—146GI/81

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**

New Delhi, the 5th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/10-80/5378—Whereas, I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Agr. land situated at Village Deoli
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on Oct., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kanwal Singh and Partap Singh sons of Shri Sib Lal, r/o Villag Deoli.

(Transferor)

(2) Shri Om Prakash son of Shri Malawa Ram, C-14, Green Park Extension, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.**THE SCHEDULE**

Agr. land mg. 2 bighas comprised in Rect. No. 11, Kila No. 14 min. (2-00) in Village Deoli.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 5-6-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 4th June, 1981

Ref. No. I/A C/Acq.-I/S. R.-III/10-80/5088.—Whereas, I,

VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Neb Sarai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Kamar Singh
S/o Shri Ram Chand
r/o Village Neb Sarai

(Transferor)

(2) Shri R. M. Puri,
S/o Shri C. L. Puri,
A-1, Geetanjali,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 10 bighas and 15-1/2 biswas being one-fourth share comprised in K. Nos. 190/2 (1-08), 279/2 (3-06), 180 (1-00), 281 (2-02), 282 (2-00), 284 (3-10), 297 (2-16), 301/1 (1-15), 385/1 (2-09), 399 (0-06), 421 (4-10), 659 (4-16), 660 (4-16), 661/1 (3-12), 661/2 (1-04), 662/1 (3-12) situated in Village Neb Sarai.

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 4-6-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 17th June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/October, 1980/3812.—
Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Z-66, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Satish Kumar Sharma
s/o Shri Vaid Bhagwan Dass &
Shri Ram Nath Sharma
s/o Shri Vaid Bhagwan
r/o J-10/1, Rajouri Garden, New Delhi
through his attorney Smt. Sunita Sharma.

(Transferor)

(2) Smt. Meera Gupta
w/o Shri Subhash Gupta
r/o Z-66, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House on Plot No. Z-66, measuring 500 sq. yds. situated at Rajouri Garden, area of Village Tatarpur Delhi State, Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 17-6-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 17th June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/10-80/7014.—Whereas I,
VIMAL VASISHT
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 13, Road No. 32 situated at Punjabi Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Om Parkash Taneja
 s/o Shri Bhola Ram Taneja
 r/o 4/37, WEA,
 Karol Bagh,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sukhbir Singh Jain
 s/o Mithan Lal Jain
 2. Suresh Kumar Jain
 3. Sushil Kumar Jain and
 4. Anil Kumar Jain
 sons of Shri Sukhbir Singh Jain
 r/o 14/32, Punjabi Bagh,
 Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Incomplete 2-1/2 storeyed house on Plot No. 13, Road No. 32, measuring 279.55 sq. yds. at Punjabi Bagh, area of Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISHT
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-6-1981
 Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 17th June, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-II/10-80/3897.—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

G-112 (WZ-216), Block 'G' situated at Hari Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(I) Shri Manohar Lal Chaudhary
s/o Shri Daulat Ram or
WZ-216, Block 'G',
Hari Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sardar Singh
s/o Shri Isher Singh,
Part of House No. G-112 (WZ-216),
Block 'G',
Hari Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

House No. G-112 (WZ-216), Block 'G', Hari Nagar, area 200 sq. yd.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 17-6-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 17th June, 1981

Ref. No. I A C/Acq.-II/S. R.I/10-80/7027.—Whereas, I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. J-137, situated at Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Krishan Lal
r/o B-1/31, Janakpuri,
New Delhi and
M. C. Oberoi
r/o A-43, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri Ajudhya Prasad
2. Smt. Saroj Gupta
3 Shri Surinder Kumar
4. Shri Dinesh Kumar
all r/o 20 North West Avenue Road,
Punjabi Bagh Extension,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storied house on Plot No. J-137, measuring 250 sq. yd. at Kirti Nagar, area of Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 17-6-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS —**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 17th June, 1981

Ref. No. I A C/Acq.-II/S. R.-I/Oct. 1980/7056.—
 Whereas, I, VIMAL VASISHT,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing
 No. 4551-4556, I-1/16, situated at Darya Ganj, New Delhi-
 110002
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the office of the Registering Officer
 at New Delhi on October, 1980
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that
 the consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of—

(b) facilitating the concealment of any income or any
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

(1) Shri Radha Kishan Seth
 S/o Shri Mohan Lal Seth,
 r/o Shanti Mohan Niwas,
 16 Darya Ganj,
 New Delhi-110002.

(Transferor)

(2) Shri Bhim Dev Chopra
 S/o Shri Ganga Ram Chopra,
 r/o XI/3831, Darya Ganj,
 New Delhi-110002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 4551-4556, I-1/16, Darya Ganj, New Delhi.

VIMAL VASISHT,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 17-6-1981
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 17th June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/October, 1980/3827.—
Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 14-A, on Road No. 47, situated at Punjabi Bagh, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri T. D. Chandna
s/o Shri Navnit Mal
r/o 14-A/47, Punjabi Bagh,
Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Savitri Devi
w/o Shri Jagdish Chand
2. Shri Suraj Parkash
3. Shri Chander Parkash &
4. Shri Vcd Parkash
S/o Shri Jagdish Chand
r/o 3034, Quaziwara, Darya Ganj,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House on Plot No. 14-A, on Road No. 47, measuring 279.53 sq. yd. situated at Punjabi Bagh, area of Village Madipur Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
25—146GT/81

Date : 17-6-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-JI, NEW DELHI**

New Delhi, the 17th June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/October, 1980/3882.—

Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8, Road No. 47, situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Shakuntala Devi
w/o Late Shri Dev Raj Sabharwal
r/o 13/28, Shakti Nagar,
Delhi-7.

(Transferor)

(2) 1. Shri S. K. Gupta
2. Shri Brij Mohan Gupta
3. Shri Madan Mohan Gupta
4. Shri Jitender Kumar Gupta,
sons of Shri Tota Ram Gupta,
r/o House No. 8,
Road No. 47,
Punjabi Bagh,
New Delhi-26.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2-1/2 storeyed property admeasuring 279·55 sq. yd. bearing property No. 8, situated at Road No. 47, Punjabi Bagh ,New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 17-6-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 17th June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/October, 1980/7047.—
 Whereas I, VIMAL VASISHT
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

IX/3057, situated at Gali Raja Sohan Lal, Bazar Sita Ram, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) 1. Shri Tersem Chand Mittal and
 2. Shri Subash Chand Mittal
 ss/o Shri Kundan Lal
 r/o 2035, Bazar Sita Ram,
 Delhi-6.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Ram Avtar
 2. Shri Anand Kumar and
 3. Lakshmi Narain
 Ss/o Shri Rameshwari Dass
 r/o 2192, Kucha Aakil Khan,
 Bazar Sita Ram,
 Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A double storeyed house No. IX/3057, Gali Raja Sohan Lal, Bazar Sita Ram, Delhi. With land measuring 496 sq. yd.

VIMAL VASISHT
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 17-6-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 9th June, 1981

Ref. No. I, A. C./Acq.-II/S. R.-I/Oct. 80/7021.—Whereas I,
VIMAL VASISHT
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. N-25, situated at Rajouri Garden, New Delhi
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
 at New Delhi on October, 1980
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri S. Daljit Singh
 s/o Late Shri Gyan Singh
 r/o N-25, Rajouri Garden,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Shiv Kumar Malhotra
 s/o Shri Gurditta Ram,
 B-75, Ramesh Nagar,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed house built on plot No. N-25, measuring 512 sq. yd. Rajouri Garden, Village Bassai Darapur, Delhi.

VIMAL VASISHT,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 9-6-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 9th June, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-I/Nov. 80/7196.—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 8 situated at North Avenue Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sudershan Kumar
s/o Shri Hira Nand,
8-North Avenue Road,
Punjabi Bagh,
New Delhi-26,
and Smt. Vidya Wati
w/o sh. H. N. Bhatia,
8-North Avenue Road,
Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Santosh Kumari
w/o Shri Krishan Lal Sachdev and
2. Shri Krishan Lal Sachdev
s/o Dewan Chand Sachdev
31/71, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built up property on plot No. 8-North Avenue Road, mg. 557.41 sq. yd. New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 9-6-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 9th June 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/6888/10-80—Whereas I,
VIMAL VASISHT
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 49 situated at Raja Garden, area of Village Bassai Dara pur, Delhi State Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of:—

(1) Shri Rattan Chand Cheritable Trust Society Regd.,
at 19, Golf Links, New Delhi through its Chairman Shri Rattan Chand Sood.

(Transferor)

(2) Shri Chander Mohan Duggal
s/o Shri Hans Raj Duggal
r/o 19/10, Punjabi Bagh,
New Delhi-26.

((Transferee))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 49, mg. 257.7/9 sq. yd. at Raja Garden, area of Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 9-6-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 9th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/10-80/7033—Whereas I,
VIMAL VASISHT
 being the Competent Authority under Section 269B
 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
 referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
 immovable property, having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 18, B-4, situated at Rana Pratap Bagh, Village
 Sadhora Kalan, Delhi,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the Office of the Registering Officer
 at Delhi on Oct., 1981

for an apparent consideration which is less than
 the fair market value of the aforesaid property and I have
 reason to believe that the fair market value of the property
 as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
 more than fifteen per cent of such apparent consideration and
 that the consideration for such transfer as agreed to between
 the parties has not been truly stated in the said instrument
 of transfer with the object of :—

(1) Shri Harmohinder Singh President of
 M/s. Montgomery Co-Operative Goods
 Transport Society Ltd.,
 Roshanara Road, Delhi. r/o
 3968-70 Roshanara Road, Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Chaman Lal S/o Shri Panna Lal Jain and
 2. Shri Arun Kumar Jain s/o
 Chaman Lal Jain r/o
 132, Vir Bazar Colony, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in that
 Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
 the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land mg. 347.4 sq. yr. bearing Plot No. 18, B-4, situated
 in Rana Pratap Bagh, Village Sadhora Kalan, Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
 ing persons, namely:—

VIMAL VASISHT
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
 Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 9-6-1981
 Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 9th June 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/10-80/7035—Whereas I, **VIMAL VASISHT** being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. XII/8685 to 9689 (Old) and XII/8791/3 (New) situated at Roshanara Road, Subzi Mandi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct., 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

I, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Gup Chand Jain s/o Lala Kishore Lal Jain, r/o XII/8791/3, Roshanara Road, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmal Kumari w/o Shri Dhanpat Rai r/o XII/8791/3, Roshanara Road, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. XII/8685 to 9689 (old) and XII/8791/3 (New) mg. 254 $\frac{1}{2}$ sq. yd, at Roshanara Road, Subzi Mandi, Delhi,

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Dated : 9-6-1981
Seal :

FORM ITMS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 9th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/Oct. 80/7048—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 2-A, Block G-20, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Oct., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) 1. Shri Satya Bhushan and
2. Shri Subhash Chander sons of Shri Devki Nandan r/o E-3, Rattan Park, New Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Ram Krishan s/o Lala Tulsi Dass and
2. Shri Harbans Lall S/o Shri Ram Krishan of 17-D, New Colony, Model Basti, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
26—146GI/81

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 9-6-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE -II, NEW DELHI

New Delhi, the 9th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/Oct. 80/7055—Whereas I, VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Old No. 1154, New No. 2513 situated at Gali Chamar Wara Khurd, Tilak Nagar, Phattak Habas Khan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shmt Chandro Devi d/o
Shri Nand Kishore,
w/o Shri Babu Ram r/o
2513, Gali Chamar wara Khurd,
Tilak Bazar,
Phattak Habas Khan,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Nathu Mal Das Raj Rangwala
Katra Tobacco, Delhi-6 through
Shri Dev Raj Khurana s/o
Shri Des Raj Khurana
r/o C-96, Ashok Vihar,
Phase-I, Delhi-52.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. Mpl. Old No. 1154, New No. 2513 situated at Gali Chamar Wara Khurd, Tilak Bazar, Phattak Habas Khan, Ward No. 3, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 9-6-1981.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 9th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/Ocr. 80/7057—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 33 Block C situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Oct., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri M/s Navmala Construction Partnership concern at J-164, Rajouri Garden, New Delhi through its partners :
1. P. S. Chaudha, Inder Pal Singh, Balvindrer Pal Singh, Sarjit Singh, Arjit Singh & Inder Pal Singh
(Transferor)

(2) Shri Ram Krishna, Shri Harbans Lal, Gurbachan Lal, Dalip Kumar, D-17, New Colony, Model Basti, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 33 in Block C mg. 1030 sq. yd. at Rajouri Garden New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 9-6-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 16th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-1/Oct. 80/7052—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 19-A, situated at Darya Ganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. S. Chand & Co. Ltd., through its Managing Director Shri Shyam Lal Gupta of Ram Nagar, New Delhi-1.

(Transferee)

(2) M/s. Television & Components Pvt. Ltd., through its Mg. Dir. Shri J.S. Jhaveri of 5, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Rear portion of the existing ground floor of the premises at 19-A, Darya Ganj, Delhi New Mun. No. 4633—1472 sft.

THE SCHEDULE

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomt Tax
Acquisiton Range-II, New Delhi

Date : 16-6-81

Seal :

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/10-80/7075 —Whereas I,
VIMAL VASISHT
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-1/1, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Oct., 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Lt Col. Cedric Edwin Conyngham Francis (Retired Indian Army)
 s/o Late Shri Alam Conyngham Francis r/o
 D-1/1, Rajouri Garden,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri S. Mela Singh s/o S. Surjit Singh r/o
 2/55, W.H.S. Kirti Nagar,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 112 sq. yd. portion of Plot No. D-1/1, at Rajouri Garden, area of Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISHT
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
 Acquisition Range II, New Delhi

Date : 6-6-1981
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/q10-80/7077—Whereas I,

VIMAL VASISTH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C-2/16 situated at Rajonri Garden, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patiala in October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Sushil Kumar s/o
Shri Gopi Chand Sharma r/o
E-99, Tagore Garden,
New Delhi.

(2) Shri Purshotam Dass Aggarwal s/o
Shri Mangi Lal Aggarwal,
C-2/16, Rajori Garden,
New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed building No. C-2/16, Rajouri Garden
New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 6-6-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/Oct., 80/7020—Whereas I, VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. D-29, situated at Ashok Road, Adrash Nagar, Delhi-33

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Oct., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Kamla Bai w/o
Shri Hasa Nand Nagpal,
6/3, Singh Sabha Road,
Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vasdev Amarpuri s/o
Rikhi Ram Amarpuri r/o
A-14, Nanda Road, Adrash Nagar,
Delhi -33 and others.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. D-29, Ashoka Road, Adrash Nagar, Delhi-33.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-6-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. S Chand & Co. Ltd. through its
Mg. Dir. Shri Shyam Lal Gupta of
Ram Nagar,
New Delhi-1.

(Transferor)

(2) M/s. Atlas Radio Traders through its partner
Shri J.S. Jhaveri of
5, Darya ganj, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/Ot. 80/7054—Whereas I,
VIMAL VASISTH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 19-A, situated at Daryaganj, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Delhi in Oct., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property No. 19-A, Darya ganj, mg. 1500 sq. ft. portion of the existing ground floor of premises, New Delhi Mun. No. 4633.

VIMAL VASISTH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 6-6-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI**

New Delhi, the 12th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I//Oct. 80/6995—r Whereas I, VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. 659 and T.S. No. Plot No. 12, situated at Rama Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Oct., 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of :—

(1) Shri Chuni Lal Sethi s/o Lala Khan Chand Sethi, r/o D-8, Rana Pratap Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Manohar Lal Gupta s/o Shri Jai Lal Gupta, r/o Village & P.O. Bankner, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land No. 12, on Rama Road, Delhi, area 375 sq. yd. K. No. 36 and 38 situated in the Abadi of Adarsh Nagar, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
27-146GI/81

Date : 12-6-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/10-80/7007—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 28 Block C, situated at Nehru Road, Adrash Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Oct., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Baldev Krishan Sood s/o
Shri Walaiti Ram Sood
r/o C-41, Acharya Kriplani Road,
Adrash Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rattau Lal R Gupta s/o
Shri Tika Ram r/o
B-4A/10 R.P. Bagh,
Delhi & Smt. Kiran Wati w/o
Shri R. D. Garg.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 28 Block C on Nehru Road, Adrash Nagar, Delhi, area 200 sq. yd,

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 12-6-1981
Seal:

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANRE II, NEW DELHI
 New Delhi, the 6th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/10-80/7066—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. V/2392-2403 situated at Chatta Shahji, Chawri Bazar Delhi
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Oct., 1908

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Memo Devi Jain, wd/o
 Shri Prem Chand Jain,
 r/o C-15/E, DDA Flates,
 Munirka, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Link Properties Private Limited,
 IX/697, Chawri Bazar,
 Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/5th undefined share in property No. V/2392-2403
 Chatta Shahji Chawri Bazar, Delhi.

VIMAL VASISHT
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
 Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-6-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI**
New Delhi, the 6th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/10-80/7091—Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-5, SMA, situated at Cooperative Industrial Estate Ltd., Village Haiderpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi in Oct., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) **Smt. Purna Devi Jain,
6066 Bari Market,
Sadar Bazar,
Delhi-6.**

(Transferor)

(2) **Shree Veera Woolen Mills Private Limited,
6066, Bari Market, Sadar Bazar,
Delhi-6.**

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:

EXPLANATION:— The terms and expressions used hereinbelow are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

D-5, SMA Cooperative Industrial Estate Ltd., Village Haiderpur, G.T. Karnal Road, Delhi-6, 1244.6 sq. yd.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-6-1981
Seal :

FORM LT.N.S.—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 6th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/10-80/7101—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A-1/10 situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Oct., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Suraj Bhan Khandelwal s/o
Shri Manna Lal & Smt.
Shanta Khandelwal w/o
Shri Suraj Bhan r/o
A-1/10, Model Town,
Delhi at Present S & A Drapers Ltd.
57/59, Padgrave Rd.
Licester (UK) through their attorney
Shri Siri Ram Gopal.

(Transferor)

(2) Smt. Alka Vaid w/o
Sh. Vijay Kumar &
Smt. Kusum Vaid w/o
Shri Ashok Kumar r/o
A-1/10, Model Town,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

THE SCHEDULE

21/2 storeyed house No. A-1/10, Model Town, Delhi mg. 450 sq. yd. area of Village Malikpur Chhaoni, Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 6-6-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. S. Chand & Co. Ltd., through its
Mg. Dir. Shri Shyam Lal Gupta,
of Ram Nagar, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) M/s. Atlas Radio & Electronic Industries
Pvt. Ltd., through its Mg. Dir. Shri J.S.
Jhaveri of 5, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 16th June, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/10-80/7053—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

19-A, situated at Darya Ganj, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Middle portion of the existing ground floor of the premise & at 19-A, Darya Ganj, New Delhi, Mun. No. 4633-1064 sft area.

VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 16-6-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S.R.-I/October, 1980/7094.—

Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 15, Block E, situated at Rajouri Garden, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer New Delhi on October 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(1) M/s. Gurbax Singh Ram Chand & Co. (P) Ltd., 8/86, Ramesh Nagar, New Delhi through Managing Director Shri Ram Chand & Director
Shri Gurbax Singh

(Transferor)

(2) Shri Mukand Lal and
Shri Ramesh Kumar
ss/o Shri Mool Chand
r/o E-13, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 15, in Block E, measuring 598.44 sq. yds. out total measuring 630 sq. yds. at Rajouri Garden, area of Village Darapur Delhi State, Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 6-6-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/10-80/3810.—Whereas I,
VIMAL VASISHT
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
 and bearing No.

BL/70, situated at Hari Nagar, Delhi
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the office of the Registering Officer
 at Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is
 less than the fair market value of the aforesaid property, and
 I have reason to believe that the fair market value of the
 property as aforesaid exceeds the apparent consideration
 therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
 sideration and that the consideration for such transfer as
 agreed to between the parties has not been truly stated in the
 said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri Ved Parkash &
 2. Shri Sat Narain
 ss/o Shri Hari Ram,
 t/o D-118, (DS) Motia Khan,
 Delhi.

(Transferor)

- (2) 1 Smt. Gian Wati Jain,
 w/o Shri Gopi Ram Jain &
 2. Smt. Munni Devi
 w/o Shri Mahvir Parshad Jain
 t/o 1731, Gall No. 126,
 Tri Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
 vable property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act
 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. BL/70, situated in L Block, Hari Nagar, Delhi
 area of Village Tehar, Delhi measuring 223.88 sq. yds.

VIMAL VASISHT
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 6-6-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
 tion(1) of Section 269D of the said Act, to the following
 ing persons, namely :—

FORM ITN9

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/October, 1980/3836.—
Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. V-1/3, situated at Rajouri Garden, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Harnesh Singh,
Des Raj
Mulch Raj and
Surinder Kumar
s/o Shri Ralha Ram Dandona
All r/o B-1/84, Janakpuri,
New Delhi.(2) M/s. B & C Exports,
A-135, Defence Colony,
New Delhi
through its partner Shri Sat Pal Singh

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. V-1/3, measuring 214 sq. yd. at Rajouri Garden, New Delhi area of Village Tatarpur, Delhi State, Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
28—146GI—81

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 6-6-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/Oct. 80/3884.—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 15, Class 'C', situated at West Avenue Road, Punjabi Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bishamber Nath Kapoor
s/o Shri Teja Mal Kapoor
r/o H. No. 55, Road No. 2,
Punjabi Bagh,
New Delhi.

(2) Shri Krishan Kumar Monga
s/o Shri Shori Lal Monga
r/o 11/13, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 15, in Class 'C' situated at West Avenue Road, Punjabi Bagh, New Delhi measuring 541.47 sq. yd. area of Village Madipur, Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 6-6-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/10-80/3794.—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property No. 7, Block G, situated at Sham Nagar, Village Khyala Delhi Part of K. No. 4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer (as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Surjit Kaur
w/o Shri Mohinder Singh
r/o G/7, Sham Nagar,
Village Khyala,
Delhi.

(2) Smt. Surjit Babbar
w/o Shri Kanwarjit Singh Babbar,
r/o B-1/126, Pachim Vihar,
Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 7, Block G, area 100 sq. yd. situated in Sham Nagar, Village Khyala Delhi Part of K. No. 4.

VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 6-6-1981

Seal ;

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 9th June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/Oct. 80/3817.—Whereas I,
VIMAL VASISHT
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 10, Road No. 68, situated at Punjabi Bagh, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Gurdit Lal Sharma
s/o Pt. Fateh Chand
r/o 33/24, Old Rajinder Nagar,
New Delhi.

(2) 1. S. Davinder Singh
2. S. Avtar Singh and
3. S. Harpal Singh
sons of S. Ajit Singh
r/o A-7, Subhadra Colony,
Sarai Rohilla,
Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 10, on Road No. 68, Class 'D' measuring 279.55 sq. yd. situated at Punjabi Bagh, New Delhi on Rohtak Road area of Village Madipur Delhi State, Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 9-6-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 9th June, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S.R.-II/Oct. 80/3828.—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. J-6/88, situated at Rajouri Garden, Village Tatarpur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Daya Wanti
wd/o Shri Malik Shiv Dass
r/o C2C/6, Pocket-II,
Janakpuri,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Meharban Singh and
S. Tejpal Singh
sons of S. Gurbachan Singh
r/o J-9/29, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. J-6/88, measuring 160 sq. yd. situated at Rajouri Garden, New Delhi-area of Village Tatarpur, Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.Date : 9-6-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITN8

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 10th June, 1981

Ref: No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/Oct. 80/3866.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Dinder Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Raj Kumar Kayan,
r/o 45-Sayed Amir Ali Avenue,
Calcutta.

(Transferor)

(2) 1. Shri Vinod Kumar Jain
2. Shri Arun Kumar Jain
ss/o Shri A. K. Jain,
36-A, Friends Colony East,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

THE SCHEDULE

Agricultural lands K. No. 707/2 (5-18), 708/(6-13), 709/(4-10) 705/(5-16), 1094/706 (4-13), 1095/706 (0-4) Total 26-14, Village Dinder Pur, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 10-6-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 9th June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-JI/10-80/3869.—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 1 on Road No. 44 situated at Punjai Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument (of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) **Shri Sanjay Kumar**
s/o **Shri Hari Ram**
r/o 3231, Ranjt Nagar,
New Delhi and
Shri Hari Ram
s/o **Shri Narsingh Dass**
r/o as above,
natural Guardian of his two minor sons
Kailash Narain and
Shri Sham Sunder
r/o as above.

(2) **Shri Mahinder Kumar**
s/o **Shri Girdhari Lal Batra**,
r/o 2/53-B, North Avenue Road,
Punjabi Begh,
Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share of House bearing No. 1, on Road No. 44, Class 'D' Punjai Bagh, Delhi (342.22 sq. yds.).

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 9-6-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 9th June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/10-80/3894.—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 1 on Road No. 44 situated at Punjabi Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sanjay Kumar
s/o Shri Hari Ram
r/o 3231, Ranjit Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mahinder Kumar
s/o Shri Girdhari Lal Batra
r/o 2/53-B, North Avenue Road,
Punjabi Bagh,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share of House bearing No. 1, on Road No. 44, Class 'D' Punjabi Bagh, Delhi (342.22 sq. yds.).

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.
Date : 9-6-1981
Sd/- :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 9th June 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/10-80/3870.—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. H. No. 1 Rd. No. 44, situated at Punjabi Bagh,
New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
29—146GI—81

(1) **Shri Hari Ram**
s/o Shri Narsingh Dass
r/o 3231, Ranjit Nagar,
New Delhi
as natural Guardian of his minor son
Shri Kailash Narain
r/o as above.

(Transferor)

(2) **Shri Mahinder Kumar**
s/o Shri Girdhari Lal Batra
r/o 2/53-B, North Avenue Road,
Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share House No. 1, on Road No. 44, Class 'D', Punjabi Bagh, Delhi (342.22 sq. yd.).

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 9-6-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 9th June, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-II/10-80/3873.—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

() ()

No. House No. 1, Road No. 44, Class 'D' situated at Punjabi Bagh, New Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Hari Ram
s/o Shri Natsingh Dass
r/o 3231, Ranjit Nagar,
New Delhi as natural Guardian of his minor son
Shri Sham Sunder
r/o as above.

(Transferor)

(2) Shri Mahinder Kumar
s/o Shri Girdhari Lal Batra
r/o 2/53, North Avenue Road,
Punjabi Bagh,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/4th undivided share of one House bearing No. 1, on Road No. 44, Class D, situated at Punjabi Bagh, Delhi area of Village Shakurpur, Delhi with the land measuring 342.22 sq. yds.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 9-6-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th June 1981

Ref. No. .—Whereas I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 27-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considered therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Sushant Kumar Sen
s/o Shri Kshetra Kumar Sen,
Self & G.P.A. of Martilda,
Dawn Kumar,
Smt. Namita Washan,
Anita Girwa,
Mahinder Bhawan,
Power House Road,
Jaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Shanti Devi
W/o Shri Jagdish Prasad Gupta and
Pushpa Lata
W/o Shri Omprakash Garg,
Govind Rajai Ji Ka Rastra,
Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Two storey building bearing No. 13 Sen Colony, Power House Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vido registration No. 2755 dated 27-10-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Jaipur.

Date : 10-6-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM FINE**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 10th June 1981

Ref. No. Whereas I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land situated at Bhimganj Mandi, Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kota on 25-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Prakash Chander
s/o Shri Poonamchand Baj,
Vijai Pura,
Old Dhan Mandi,
Kotah.

(2) Shri Satya Prakash Jain
s/o Shri Lakhiram Jain,
Ward Kotah Jn.,
Bhimganj Mandi,
Kotah.

(Transferee)

(Transferee)

:Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land situated at Ward Kotah Jn., Bhim Ganj Mandi, Kotah and more fully described in the sale-deed registered by S. R. Kotah vide registration No. 1912 dt. 25-10-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 10-6-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th June 1981

Ref. No. —Whereas I, M. L. CHAUHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open Land situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jaipur on 25-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Dijender
s/o Shri Shankernath,
Kasi Bhawan,
M. I. Road,
Jaipur.

(Transferor)

(2) M/s. Jullundur Motor Agency Delhi Ltd.
6, Sehgal Colony,
Court Lane,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land in block No. HC-6, Plot No. 159/5, MI Road, Jaipur and more fully described in the sale-deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 3029 dated 25-11-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 10-6-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 10th June 1981

Ref. No. —Whereas, I, M. L. CHAUHAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 17-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1) Shri Thakur Jai Singh
S/o Thakur Ram Lal Singh,
Sardar Patel Marg,
Chomu House, Jaipur.

(Transferor

(2) M/s. Jaipur Iron & Scrap Merchant
Through Partner
Shri Abdul Gaffoor
S/o Vazir Khan,
H. No. 3434,
Loharon Ka Khura,
Jaipur.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7, situated at Sansarchandra Road, Duduwalon Ka Bagh, Jaipur and more fully described in sale-deed registered by S. R. Jaipur vide registration No. 3052, dated 17-11-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 10-6-81

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR
Jaipur, the 10th June 1981

Ref. No. —Whereas I, M. L. CHAUHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 20-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ranjit Singh
S/o Shri Ladu Ram
Jat Ke Kue Ka Rasta,
Jaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Prem Kanwar
W/o Shri Vijai Singh
Behind Collectorate,
Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Kishan Bagh, Jaipur and more fully described in the sale-deed registered by S. R. Jaipur vide registration No. 3113 dated 20-11-1980.

M. L. Chahan

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 10-6-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Dr. Gulabchand Purohit
S/o Shri Kalyan Bux
through GPA holder
R/o Ajamshah.

(Transferor)

(2) Shri Gopal Lal
s/o Surajmal Agarwal,
Bombay Wala,
Ladliji Ka Khura,
Chokri Ramchander Ji,
Jaipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR
Jaipur, the 16th June 1981

Ref. No. —Whereas I, M. L. CHAUHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop & House situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 21-10-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One commercial shop and house constructed upon the shop situated at Outside Sangani Gate, Adjeant to M/s. Bombay Misthan Bhandar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 2639 dated 21-10-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 16-6-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 16th June 1981

Ref. No. —Whereas, I, M. L. CHAUHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. K-5, situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 16-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Gurmeet Singh,
23B, Sethi Colony,
Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Ram Kishan Jajoo,
K-5, Fatetiba,
Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SCHEDULE

Part of the house property situated at Plot No. K-5, Fatetiba, Jaipur and more fully described in the sale-deed registered by the S. R., Jaipur vide registration No. 2601 dated 16-10-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 16-6-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
30—146GI—81

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Sayad Usuf Ali
S/o Sayad Meer Yakub, Ali,
Sahab Imperial Road,
Ajmer.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th June, 1981

Ref. No. 986.—Whereas I, M. L. CHAUHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Ajmer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ajmer on 4-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Shelendra Kumar Agarwal
S/o Shri Rajendra Prasad Agarwal,
Ajmer.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 2 situated at Ramble Road, Ajmer and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Ajmer vide registration No. 4452 dated 17-11-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-6-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th June 1981

Ref. No. 991.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Godown & Gurrage situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 21-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Dev Prakash
S/o Sardar Mal Khandaka
D-192, Jagdish Marg,
Rani Park,
Jaipur.

(Transferor)

(2) Smt. Chanda Devi
W/o Nem Prakash Khandaka,
D-192, Jagdish Marg,
Bani Park,
Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Godown and gurrage situated at Khandaka Mansion, Tholia Circle, M. I. Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 2638 dated 21-10-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 18-6-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Dr. S. K. Sharma
S/o Shri Jaggan Nath Sharma,
Ajmer.

(Transferor)

(2) Shri Kanmal Mundra
S/o Shri Mangilal Mundra,
Ghee Mandi,
Naya Bajar,
Ajmer.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 18th June 1981

Ref. No. 987.—Whereas I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Ajmer (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ajmer on 4-10-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 2, situated at Ramble Road, Ajmer and more fully described in the sale-deed registered by the S. R. Ajmer vide registration No. 3819 dated 4-10-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 18-6-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Madan Prakash Kandka
S/o Soodarmal Khandka,
D-192, Jagdish Marg,
Bani Park, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Shanti Devi
W/o Omprakash Agarwal
D-192, Jagdish Marg,
Bani Park,
Jaipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th June 1981

Ref. No. 990.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential House situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 21-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Residential House situated at Khandka Manson, M. I. Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 2637 dated 21-10-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 18-6-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri C. V. Sathyavrathan,
S/o Shri Velayudhan,
Saw Mill Road,
Koorkencherry,
Trichur.

(Transferors)

(2) M/s. Soni Harilal & Co.,
Jewellers,
1128, High Road,
Trichur-680001.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM**

Ernakulam, the 12th June 1981

Ref. L. C. No. 516/81-82.—Whereas I, T. Z. MANI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Trichur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 1st October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Welath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 right over 8.3 cents of land with a building in Sy. No. 1166/4 of Trichur Village.

T. Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-6-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM**

Ernakulam, the 12th June 1981

Ref. L. C. No. 517/81-82.—Whereas I, T. Z. MANI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Kozhikode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kozhikode on 27th October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(1) Shri J. Mahadevan,
Partner,
M/s. Elite Products,
K. R. S. Road,
Mysore,
Karnataka.

(Transferors)

(2) Shri Vazhayil Mammed,
S/o Shri Abu Haji,
Panniankara,
Calicut.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1.09 acres of land and factory shed in R. S. No. 17, Ward 1, Block 1 of Calicut Corporation in Calicut District.

T. Z. MANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-6-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 12th June 1981

Ref. No. L. C. No. 518/81-82.—Whereas I, T. Z. MANI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Sy. No. as per schedule situated at Ottappalam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ottappalam on 23rd October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(1) Shri K. P. Ramankutty Nair,
Lakshmi Nivas,
Shoranur-2.

(Transferors)

(2) Rev. Fr. Antony Manjaly
CMI Superior,
St. Joseph Monastery,
Varmel Garden,
Kallippadom, Shorapur-2.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

4 acres 18 cents of land with 2 buildings as per schedule attached to document No. 3113/80 dated 23rd October, 1980.

T. Z. MANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Cochin-682016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-6-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, COCHIN-682016

Cochin-682016 the 15th June 1981

Ref. No. L. C. No. 519/81-82.—Whereas I, T. Z. MANI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sy. No. as per schedule situated at Cochin (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cochin on 15th October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
31—146GI/81

(1) Shri Abdul Rahiman Abdulla Sait,
VIII/1267, "Mona", Kappalandimukku,
Cochin-2.

(Transferors)

(2) Shri Muhammed,
S/o Shri Kunju,
Theruvathu Ithikkottu,
Kadapra Amsom,
Chavakkad Desom,
Trichur District.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5.470 cents of land with building in Sy. No. 81/1 of Mattancherry Village.

T. Z. MANI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Cochin-682016.

Date : 15-6-1981
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE, COCHIN-682016**

Cochin, the 15th June 1981

Ref. L. C. No. 520/81-82.—Whereas I, T. Z. MANI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Sy. No. as per schedule situated at Quilon and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Quilon on 3rd October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri G. Sunil,
Dwaraka,
Pattathanam,
Quilon-2.

(2) Shri G. Gopalakrishna Pillai,
Smithalayam,
Mukhthala (P. O.),
Quilon.

(Transferors)

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

28.591 cents of land in Sy. No. 9614/1 of Quilon Village.

T. Z. MANI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Cochin-682016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-6-1981
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, COCHIN-682016**

Cochin-682016 the 15th June, 1981

Ref. L. C. No. 521/81-82.—Whereas I, T. Z. MANI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer No. at Ernakulam on 4th October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri D. N. Narahari Bhatt,
C/o Gokul Restaurant,
Warriam Road,
Ernakulam.

(Transferors)

(2) Shri P. R. Mohan,
(Son of Shri P. N. Ramakrishna Rao,
"Woodlands",
Ernakulam
Karnataka Bank,
M. G. Road,
Ernakulam.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

4.950 cents of land with building as per schedule attached to document No. 3128/80 dated 4-10-1980.

T. Z. MANI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Cochin-682016.

Date : 15-6-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Charan Singh
s/o Shri Lala
r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

(2) M/s. Green Park Theatres Association (P) Ltd.,
115-Ansal Bhawan,
16 K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S.R.-III/10-80/5228.—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Bijwasan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land mg. 4 bighas and 9 biswas comprised in Rect. No. 37, K. No. 2 min. (4-09) in Village Bijwasan.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 3-6-1981

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION,

DECEMBER, 1981

New Delhi, the 11th July, 1981

No. F-7/2/81-EI(B).—An Examination will be held by the Union Public Service Commission commencing from 27th December, 1981 for admission to the Army, Navy and Air Force Wings of the NDA for the 68th Course Commencing July, 1982.

The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination will be 300 (195 for the Army, 39 for Navy and 66 for the Air Force).

N.B.—A candidate is required to specify clearly in Col. 8 of the Application Form the Services for which he wishes to be considered in the order of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that having regard to his rank in the order of merit, due consideration can be given to his preferences when making appointments.

Admission to the above course will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme, and syllabus of the examination, (b) physical standards for admission to the Academy and (c) brief particulars of the service etc. for candidates joining the National Defence Academy are given in Appendices I, II and III respectively.

Note :—THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS OF THE EXAMINATION WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

2. CENTRES OF EXAMINATION :—Agartala, Ahmedabad, Aizawl, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Imphal, Itanagar, Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patiala, Patna, Port Blair, Shillong, Srinagar and Trivandrum.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See para 11 below).

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 27th November 1981 will not be entertained under any circumstances.

3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY

(a) *Nationality* :—A candidate must be either :—

(i) a citizen of India, or

(ii) a subject of Bhutan, or

(iii) a subject of Nepal, or

(iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or

(v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, the East African countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iii) (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not, however, be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also provisionally be admitted to the Academy subject to the necessary certificate being given to him by the Government

(b) *Age limits, sex and marital status* :—Unmarried male candidates born not earlier than 2nd January, 1964 and not later than 1st July, 1966 are only eligible.

Note :—Date of birth as recorded in Matriculation/Higher Secondary or equivalent examination certificate will only be accepted.

(c) *Educational Qualifications* :—Higher Secondary Examination of a State Education Board or of a recognised university or equivalent. Candidates who have passed the 11th class examination under the 10+2 Pattern of School Education are also eligible.

Candidates who have yet to pass the Higher Secondary or Equivalent Examination or the 11th class examination under the 10+2 Pattern of School education can also apply.

Candidates who qualify in the SSB interview will be required to submit Higher Secondary or equivalent certificates in original to Army HQ, Rtg 6(SP) (a), West Block III, R. K. Puram, New Delhi-110022 by 21st June, 1982 failing which their candidature will be cancelled. Certificates in original issued by the Principals of the institutions are also acceptable in cases where Boards/Universities have not yet issued certificates. Certified true copies of such certificates will not be accepted.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

Note 1. Those candidates who have yet to qualify in the Higher Secondary or equivalent examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit the proof of passing the Higher Secondary or equivalent examination by the prescribed date and no request for extending this date will be entertained on the grounds of late conduct of Board/University Examination, delay in declaration of result or any other ground what-so-ever.

Note 2.—Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of commission in the Defence services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted their candidature will be cancelled.

4. FEE TO BE PAID WITH THE APPLICATION:—Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates). Applications not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected.

5. REMISSION OF FEE.—(1) The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1-1-1964 and 25-3-1971 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1-6-1963 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India on or after 1-11-1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

(2) The children of Junior Commissioned Officers, Non-Commissioned Officers and other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and the Indian Air Force and children of Ex-Junior Commissioned Officers, Ex-Non-Commissioned Officers and Ex-other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and Indian Air Force are not required to pay the prescribed fee if they satisfy the following conditions viz.

- (i) they are studying in the Military School, (formerly known as King George's School)/Sainik Schools run by the Sainik Schools Society, and
- (ii) their applications are forwarded by the Principal of the concerned School with the recommendation that they are expected to secure at least 30 per cent of the aggregate marks of the written papers.

NOTE:—Applications of candidates from the Military Schools/Sainik Schools forwarded by the Principals of the concerned schools will be scrutinised in the Commission's Office to determine whether such candidates are entitled to remission of fee in terms of para 5(2) of the Notice above. The Principals of the Military Schools/Sainik Schools should, however, satisfy themselves that students of their schools fulfil the requirements of the aforesaid provision of the Notice before forwarding their applications to the Commission. The Commission will not take any responsibility for any acts of omission or commission committed by the Principals.

6. HOW TO APPLY:—Only printed applications on the form prescribed for the National Defence Academy Examination, December, 1981 appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House,

New Delhi-110011. Application forms and full particulars of the examination can be had from the following sources:—

- (i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by remitting Rs. 2/- by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, UPSC at New Delhi GPO.
- (ii) On cash payment of Rs. 2/- at the counter in the Commission's Office.
- (iii) Free of charge from nearest Recruiting Office, Military Area/Sub-Area Headquarters/Airmen's Selection Centres, N.C.C. Units, and Naval Establishments.

The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball point pen. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form (e.g. 1, 2, 3 etc.). They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates whether already in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

A candidate serving in the Armed Forces must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (*vide* Section 'B' of the application form) and forward it to the Commission.

NOTE:—Sailors (including boys and artificer apprentices) of the Indian Navy must give Indian Navy as their first preference. Their applications will be entertained only if these have duly been recommended by their Commanding Officers.

Cadets of the Rashtriya Indian Military College (previously known as Sainik School) Dehra Dun, students of Military Schools (formerly known as King George's Schools) and Sainik Schools run by the Sainik Schools Society should submit their applications through the Principal of the College/School concerned.

7. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 7th September, 1981 (21st September, 1981 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 7th September, 1981) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman & Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 7th September, 1981.

NOTE (i) :— Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

NOTE (ii) :— Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

8. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION :—

(A) By all candidates :—

- (i) Fee of Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India Main Branch, New Delhi.

NOTE :— Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be for credit to the account Head "051, Public Service Commission—Examination Fees" and the receipt attached with the application.

(ii) Certificate of Age :—

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in any extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the

attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these Instructions is sent with an application, the application will be rejected.

NOTE 1 :—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLETED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED/CERTIFIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

NOTE 2 :—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

NOTE 3 :—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) Attested/certified copy of certificate of educational qualification.

A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in para 3(c) or is likely to acquire it so as to be able to submit proof of passing it by the date prescribed in para 3(c). The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

(iv) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled.

(v) Two identical copies of recent passport size (5 cm x 7 cm approx.) photographs of the candidates duly signed on the front side.

One copy of the photograph should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

(vi) Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms. X 27.5 cms.

(B) By Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates :—

Attested/certified copy of certificates in the form given in Appendix IV from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe.

(C) *By candidates claiming remission of fee :—*

(i) An attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer or a Member of Parliament or State Legislature certifying that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(ii) An attested/certified copy of certificates from the following authorities in support of his claim to be a bona fide displaced person/repatriate—

(a) *Displaced person from erstwhile East Pakistan*

(i) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakanya Project or of Relief Camps in various States.

OR

(ii) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be a resident.

OR

(iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

OR

(iv) Sub-Divisional Officer within the sub division in his charge.

OR

(v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta

(b) *Repatriate from Sri Lanka :—*

High Commission for India in Sri Lanka.

(c) *Repatriate from Burma :—*

Embassy of India, Rangoon, or District Magistrate of the area in which the candidate may be resident.

NOTE : Candidates are required to sign the attested/certified copies of all the certificates sent along with the application form and also to put the date.

9. REFUND OF FEE :—No refund of fee paid to the Commission with the application will be entertained except in the following cases, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection :—

(i) A refund of Rs. 15/- (Rs. 4/- in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be made to a candidate who had paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the Higher Secondary or equivalent examination or will not be able to submit the proof of passing the Higher Secondary or equivalent examination by the prescribed date, he will not be allowed refund of fee.

(ii) A refund of Rs. 28/- (Rs. 7/- in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be allowed in the case of a candidate who took the NDA Examination May, 1981 and is recommended for admission to any of the courses on the results of the Examination provided his request for cancellation of candidature for the NDA Examination December 1981 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 15th February, 1982.

10. ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATION

Every application received in the Commission's Office is acknowledged and Roll No. is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Roll No. has been issued to the candidate does not, *ipso-facto*, mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

11. RESULT OF APPLICATION :—If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. ADMISSION TO THE EXAMINATION :—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

13. ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCT :—Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested/certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested/certified copies, an explanation regarding the discrepancy should be submitted.

A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support of his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or

(xi) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable :—

- (a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
- (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
- (ii) by the Central Government, from any employment under them; and

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

14. ORIGINAL CERTIFICATES—SUBMISSION OF—

Candidates who qualify at the SSB interview on the results of the written examination will be required to submit their original certificates in support of their age and educational qualifications etc. to Army HQ Rtg 6 (SP) (a), West Block 3, R. K. Puram, New Delhi-110022, soon after the interview.

15. COMMUNICATIONS REGARDING APPLICATIONS.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

- (1) NAME OF EXAMINATION
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.(i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (ii).—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

16. CHANGE OF ADDRESS.—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are re-directed if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 15 above.

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATIONS SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS, A.G.S. BRANCH RTG., 6(SP) (a) WEST BLOCK 3, WING I, RAMAKRISHNAPURAM, NEW DELHI-110022. FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTER FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

17. ENQUIRIES ABOUT INTERVIEW OF CANDIDATES QUALIFYING IN THE WRITTEN EXAMINATION.—Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board should address enquiries or requests if any relating to their interview direct to the Army Headquarters, AG's Branch RTG, 6 (SP) (a) West Block 3, Wing I, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022.

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call-up letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in exceptional circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army HQ will be sole deciding authority.

Candidates whose names appear in the final merit list issued by the UPSC must notify their latest address to Army HQ AG's Branch, Rtg. 6 (SP) (a) (i) West Block 3, Wing I Ramakrishnapuram, New Delhi-110022, immediately after publication of the merit list in the newspapers, if there is any change in the address already given so that joining instructions issued by Army HQ reach them in time. In case this is not done, the responsibility of non-receipt of the joining instructions will rest with the candidate.

18. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES.—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Service Selection Board for Intelligence and Personality Tests, where candidates for the Army/Navv will be assessed in officer potentiality and those for the Air Force in Pilot Aptitude Test and officer potentiality. The maximum marks obtainable at these tests are 900.

Candidates will appear before the Services Selection Board and undergo the tests therat at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief, from Government in respect of any injury which they may suffer in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Parents or guardians of the candidates will be required to sign a certificate to this effect.

To be acceptable candidates for the Army/Navv should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination, and (ii) officer potentiality tests, as fixed by the Commission in their discretion and candidates for the Air Force should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination, (ii) officer potentiality

test, and (iii) Pilot Aptitude Test fixed by the Commission in their discretion. Subject to these conditions the qualified candidates will then be placed in the final order of merit on the basis of total marks secured by them in the written examination, and the Services Selection Board Tests in two separate lists—one for the Army and the Navy and the other for the Air Force. The names of candidates who qualify for all the Services will appear in both the Merit Lists. The final selection for admission to the Army and Naval Wings of the National Defence Academy will be made in order of merit up to the number of vacancies available from the order of merit list for the Army and the Navy and for the Air Force Wing from the order of merit list for the Air Force subject to medical fitness and suitability in all other respects. The candidates who are common to both the merit lists will be considered for selection from both the lists with reference to their order of preferences and in the event of their final selection from one list, their names will be cancelled from the other list.

N.B.—EVERY CANDIDATE FOR THE AIR FORCE IS GIVEN PILOT APTITUDE TEST ONLY ONCE THE GRADES SECURED BY HIM AT THE FIRST TEST WILL THEREFORE, HOLD GOOD FOR EVERY SUBSEQUENT INTERVIEW HE HAS WITH THE AIR FORCE SELECTION BOARD. A CANDIDATE WHO FAILS IN THE FIRST PILOT APTITUDE TEST CANNOT APPLY FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION FOR THE AIR FORCE WING OR GENERAL DUTIES (PILOT) BRANCH OR NAVAL AIR ARM.

Candidates who have been given the Pilot Aptitude Test for any previous N.D.A. course should submit their application for this examination for the Air Force Wing only if they have been notified as having qualified in Pilot Aptitude Test.

The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success in the examination confers no right of admission to the Academy. A candidate must satisfy the appointing authority that he is suitable in all respects for admission to the Academy.

19. DISQUALIFICATION FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE.—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, but were removed therefrom for lack of officer-like qualities or on disciplinary grounds will not be admitted to the Academy.

Candidates who were previously withdrawn from the National Defence Academy on medical grounds or left the above Academy voluntarily are, however, eligible for admission to the Academy provided they satisfy the medical and other prescribed conditions.

20. RESTRICTION ON MARRIAGE DURING TRAINING IN THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY.—Candidates must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application, though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.

21. INTELLIGENCE TESTS—INFORMATION ABOUT.—The Ministry of Defence (Directorate of Psychological Research) have published a book with the title "A Study of Intelligence Test Scores of candidates at Services Selection Boards". The purpose of publishing this book is that the candidates should familiarise themselves with the type of Intelligence Tests they are given at the Services Selection Boards.

The book is priced publication and is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publication Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001.

VINAY JHA
Joint Secretary

APPENDIX I

(The Scheme and Syllabus of the examination)

A. SCHEME OF THE EXAMINATION

1. The subject of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows :

Subject	Duration	Max. Marks
1. English . . .	2 hours	250
2. Mathematics— Paper I Paper II . .	2 hours 2 hours	125 125
3. General Knowledge—Paper I (Science) . .	2 hours	200
Paper II (Social Studies Geography and Current Events)	2 hours	200
		900

2. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

3. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of Weights and Measures only will be set.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

6. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

B. SYLLABUS OF THE EXAMINATION

ENGLISH.—The question paper will be designed to test the candidate's understanding of and his power to write English correctly and idiomatically. It will also include questions to test the candidate's knowledge of grammar, Idiom and usage.

MATHEMATICS

PAPER I

Arithmetic

Number Systems—Natural numbers, Integers, Rational and Real numbers. Fundamental operations—addition, subtraction, Multiplication, division, Square roots, Decimal fractions.

Unitary method—time and distance, time and work. Percentage—applications to simple and compound interest, profit and loss. Ratio and proportion, variation.

Elementary Number Theory—Division algorithm. Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9, and 11. Multiples and factors. Factorisation Theorem, H.C.F. and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables.

Algebra

Basic Operations; simple factors, Remainder Theorem, H.C.F., L.C.M. of polynomials, Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients. (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations in two unknowns, analytical and graphical solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language and set notation. Rational expressions and conditional identities. Laws of indices.

Trigonometry

Sine X, Cosine X, Tangent X when $0^\circ \leq x \leq 90^\circ$

Value of sin x, cos x and tan x, for $x = 0^\circ, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ$ and 90° .

Simple trigonometric identities.

Use of trigonometrical tables.

Simple cases of heights and distances.

PAPER II

Geometry

Lines and angles, Plane and plane figures. Theorems on (i) Properties of angles at a point, (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle, (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes, (vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and square, (viii) Circle and its properties including tangents and normals, (ix) Loci.

Mensuration

Areas of squares, rectangles, parallelograms, triangle and circles. Areas of figures which can be split up into these figures (Field Book). Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular cones and cylinders. Surface area and volume of spheres.

Statistics

Collection and tabulation of statistical data. Graphical representation—frequency polygons, histograms, bar charts, pie charts etc.

Calculation of mean of raw and grouped data

GENERAL KNOWLEDGE

There will be two papers:

Paper I—Comprising Physics, Chemistry and General Science; and

Paper II—Comprising Social Studies, Geography and Current Events.

The following syllabus is designed to indicate the scope of the subjects included in these papers. The topics mentioned are not to be regarded as exhaustive, and questions on topics of similar nature not specially mentioned in the syllabus may also be asked. Candidates' answers are expected to show their knowledge and intelligent understanding of the questions.

PAPER I

SCIENCE

General knowledge Paper I will comprise the following—

(A) Physical Properties and States of Matter, Mass, Weight, Volume. Density and Specific Gravity. Principle of Archimedes, Pressure Barometer.

Motion of objects. Velocity and Acceleration. Newton's Laws of Motion. Force and Momentum. Parallelogram of Forces. Stability and Equilibrium of bodies. Gravitation, elementary ideas of Work, Power and Energy.

Effects of Heat. Measurement of Temperature and Heat. Change of State and Latent Heat. Modes of transference of Heat.

Sound Waves and their properties. Simple musical instruments.

Rectilinear propagation of Light. Reflection and refraction. Spherical Mirrors and Lenses. Human Eye.

Natural and Artificial Magnets. Properties of a Magnet. Earth as a Magnet.

Static and Current Electricity. Conductors and Non-conductors. Ohm's Law. Simple Electrical Circuits. Heating, Lighting and Magnetic effects of Current. Measurement of Electrical Power. Primary and Secondary Cells. Uses of X-Rays.

General Principles in the working of the following :—

Simple Pendulum. Simple Pulleys, Siphon, Levers, Balloon, Pumps, Hydrometer. Pressure Cooker. Thermos Flask, Gramophone, Telegraph, Telephone, Periscope, Telescope, Microscope, Mariner's Compass, Lightning Conductors, Safety Fuses.

(B) Physical and Chemical changes. Elements. Mixtures and Compounds. Symbols. Formulae and simple Chemical Equations. Laws of Chemical Combination (excluding problems). Properties of Air and Water.

Preparation and Properties of Hydrogen, Oxygen, Nitrogen and Carbon dioxide. Oxidation and reduction.

Acids, Bases and Salts.

Carbon—Different forms.

Fertilizers—Natural and Artificial.

Materials used in the preparation of substances like Soap Glass, Ink, Paper, Cement, Paints, Safety Matches and Gun Powder.

Elementary ideas about the Structure of Atom. Atomic Equivalent and Molecular Weights, Valency.

(C) Difference between the living and non-living.

Basis of Life—Cells Protoplasm and Tissues.

Growth and Reproduction in Plants and Animals.

Elementary knowledge of Human Body and its important organs.

Common Epidemics, their causes and prevention.

Food—Source of Energy for Man. Constituent of food. Balanced Diet.

The Solar System. Meteors and Comets. Eclipses.

Achievements of Eminent Scientists.

NOTE : Out of maximum marks assigned to the paper, questions on Part (A), (B) and (C) will, generally carry 50%, 30%, and 20% marks respectively.

PAPER II

(SOCIAL STUDIES GEOGRAPHY AND CURRENT EVENTS)

General Knowledge Paper II will comprise the following :—

(A) A broad survey of Indian History with emphasis on Culture and Civilisation.

Freedom Movement in India.

Elementary study of Indian Constitution and Administration.

Elementary knowledge of Five Year Plans of India.

Panchayati Raj, Co-operatives and Community Development.

Bhoodan, Sarvodaya, National Integration and Welfare State. Basic teachings of Mahatma Gandhi.

Forces shaping the modern world; Renaissance Exploration and Discovery; War of American Independence. French Revolution. Industrial Revolution, and Russian Revolution. Impact of Science and Technology on Society.

Concept of one World, United Nations, Panchsheel, Democracy, Socialism and Communism. Role of India in the present world.

(B) The Earth, its shape and size. Latitudes and Longitudes. Concept of Time, International Date Line. Movements of Earth and their effects.

Origin of Earth, Rocks and their classification; Weathering—Mechanical and Chemical; Earthquakes and Volcanoes.

Ocean Currents and Tides.

Atmosphere and its composition; Temperature and Atmospheric Pressure; Planetary Winds; Cyclones and Anti-cyclones; Humidity. Condensation and Precipitation; Types of Climate.

Major Natural regions of the World.

Regional Geography of India—Climate, Natural vegetation. Mineral and Power resources; location and distribution of Agricultural and industrial activities.

Important Sea Ports and main sea, land and air routes of India. Main items of Imports and Exports of India.

(C) Knowledge of important events that have happened in India in the recent years.

Current important world events.

Prominent personalities—both Indian and International including those connected with cultural activities and sports,

NOTE : Out of the maximum marks assigned to the paper, question on Parts (A), (B) and (C) will generally carry 40%, 40% and 20% marks respectively.

INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition to the interview, the candidates will be put to Intelligence Test both verbal and non-verbal designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests, such as group discussions, group planning, outdoor group tasks and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

APPENDIX-II

GUIDELINES FOR PHYSICAL STANDARDS FOR ADMISSION TO THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY

Note :—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARDS. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW :—

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTERESTS TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

A candidate recommended by the Services Selection Board will undergo a medical examination by a Board of Service Medical Officers. Only those candidates will be admitted to the academy or school who are declared fit by the Medical Board. The proceedings of the Medical Board are confidential and will not be divulged to anyone. However, the candidates declared unfit/temporarily unfit will be intimated by the President of the Medical Boards & the procedure for request for an Appeal Medical Board will also be intimated to the candidate. The candidates must be physically fit according to the prescribed physical standards which are summarised below :—

(a) The candidate must be in good physical and mental health and free from any disease/disability which is likely to interfere with the efficient performance of duties.

(b) There should be no evidence of weak constitution, bodily defects or under-weight.

(c) The minimum acceptable height is 157.5 cms (157 cms for Navy and 162.5 cms for Air Force). For Gorkhas and individuals belonging to hills of North Eastern regions of India, Garhwal and Kumaon, the minimum acceptable height will be 5 cms less. In case of candidates from Laccadives the minimum acceptable height can be reduced by 2 cms. Height and weight standards are given below :—

HEIGHT/WEIGHT STANDARDS

Height in Centimetres (Without shoes)	Weight in Kgs.		
	15-16 years	16-17 years	17-18 years
152 . . .	41.0	42.5	44.0
155 . . .	42.0	43.5	43.5
157 . . .	43.5	45.0	47.0
160 . . .	45.0	46.5	48.0
162 . . .	46.5	48.0	50.0
165 . . .	48.0	50.0	52.0
167 . . .	49.0	51.0	53.0
170 . . .	51.0	52.5	55.0
173 . . .	52.5	54.5	57.0
175 . . .	54.5	56.0	59.0
178 . . .	56.0	58.0	61.0
180 . . .	58.5	60.0	63.0
183 . . .	61.0	62.5	65.0

A ± 10% (± 6 Kg for Navy) departure from the average weight given in the table above is to be considered within

normal limits. However, in individuals with heavy bones and broad-built as well as individuals with thin built but otherwise healthy this may be relaxed to some extent on merit.

Note 1 :—Height relaxation upto 2.5 cms (5 cms for Navy) may be allowed where the Medical Board certifies that the candidate is likely to grow and come up to the required standard on completion of his training.

NOTE 2 :—To meet special requirement as a Pilot in the Air Force the acceptable measurements of leg length, thigh length and sitting height will be as under :—

	Minimum	Maximum
Leg Length	99.00	120.00 cms
Thigh Length	64.00	81.50 cms
Sitting height	81.50	96.00 cms

- (d) Chest should be well developed. The minimum range of expansion after full inspiration should be 5 cms. The measurement will be taken with a tape so adjusted that its lower edge should touch the nipple in front and the upper part of the tape should touch the lower angle of the shoulder blades behind. X-Ray of the chest is compulsory and will be taken to rule out any disease of the chest.

(e) There should be no disease of bones and joints of the body. X-Ray of spine will be taken to exclude and mal-development of the backbone. Minor congenital defects which are not likely to interfere in the performance of military duties may be acceptable on merit.

For Air Force, X-Ray spine is necessary to exclude the following :—

- (i) Scoliosis of more than 7 by Cobb's method.
 - (ii) Spina bifida except at SV-I.
 - (iii) Unilateral sacralisation of LV-5.
 - (iv) Scheuermann's disease; Scheuermann's nodes, spondylosis or spondylolisthesis.

(f) A candidate should have no past history of mental breakdown or fits.

(g) The hearing should be normal. A candidate should be able to hear a forced whisper with each ear at a distance of 610 cms in a quiet room. There should be no evidence of present or past disease of the ear, nose and throat.

Audiometric test will be done for AF

Audiometric loss should not exceed +10 db in frequencies between 250 Hz and 400, Hz.

- (h) There should be no signs of functional or organic disease of the heart and blood vessels. Blood pressure should be normal.

(i) The muscles of abdomen should be well developed and there should be no enlargement of liver or spleen. Any evidence of disease of internal organs of the abdomen will be a cause for rejection.

(j) Un-operated hernia will make a candidate unfit. If operated, this should have been done at least a year prior to the present examination and the healing is complete.

- (k) There should be no hydrocele, varicocele or piles.
 - (l) Urine examination will be done and any abnormality if detected will be a cause for rejection.
 - (m) Any disease of the skin which is likely to cause disability or disfigurement will also be a cause for rejection.
 - (n) A candidate should be able to read 6/6 in a distant vision chart with each eye with or without glasses (For Navy and Air Force without glasses only). Myopia should not be more than 2.5 D and hypermetropia not more than 3.5 D including Astigmatism. Internal examination of the eye will be done by means of ophthalmoscope to rule out any disease of the eye. A candidate must have good binocular vision. The colour vision standard will be CP 3. A candidate should be able to recognise red and green colours. The candidates for the Navy should have normal night vision acuity and will be required to give a certificate that neither he nor any member of his family had suffered from congenital night blindness.

For Air Forces, the criteria are :—

Distant Vision 6/6 6/9 correctable to 6/6
Near Vision N-5 each eye
Colour Vision CP-I(MLT)

Manifest Hypermetropia . . . must not exceed 2.00 D

Ocular Muscle Balance

Heterophoria with the Maddox Rod Test must not exceed—

- | | |
|---|---|
| (i) at 6 meters | Exophoria 6 prism dioptres.
Esophoria 6 prism dioptres
Hyperphoria 1 prism dioptres |
| (ii) at 33 cms | Exophoria 16 prism dioptres
Esophoria 6 prism dioptres
Hyperphoria 1 prism dioptres
Myopia Nil —
Astigmatism + 0.75 D |
| Binocular Vision | Must possess good binocular vision (fusion and stereopsis with good amplitude and depth). |
| (o) The candidate should have sufficient number of natural and sound teeth. A minimum of 14 dental points will be acceptable. When 32 teeth are present, the total dental points are 22. A candidate should not be suffering from severe pyorrhoea. | |
| (p) Routine ECG and EEG for Air Force candidates must be within normal limits. | |

APPENDIX III

(Brief particulars of the Services etc.)

1. Before a candidate joins the Academy, the parent or guardian will be required to sign.—

- (a) a certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.

(b) A bond to the effect that if for any reasons considered within the control of the candidate he wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.

2. The cost of training including accommodation, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will however, be required to meet their pocket and other private expenses. Normally, these expenses are not likely to exceed Rs. 40.00 p.m. If in any case a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance up to Rs. 40.00 p.m. for the 1st and 2nd years, Rs. 45.00 p.m. for the 3rd year training at NDA and Rs. 55.00 p.m. for further specialist training in Army/Navy/Air Force Training Establishments may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 500.00 p.m. or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having financial assistance from the Government should immediately after his son/ward having been finally selected for training at the National Defence Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will forward the application with his recommendation to the Commandant National Defence Academy, KHADAKWASLA, PUNE (411023).

3. Candidates finally selected for training at the Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant, National Defence Academy, on arrival there:

(a) Pocket allowance for five months at Rs. 40.00 per month	Rs. 200.00
(b) For items of clothing and equipment	Rs. 650.00
Total	Rs. 850.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial aid being sanctioned to them:

(a) Pocket allowance for five months at Rs. 40.00 per month	Rs. 200.00
(b) For items of clothing and equipment	Rs. 475.00 approximately

4. The following scholarships are tenable at the National Defence Academy:

(1) **PARSHURAM BHAU PATWARDHAN Scholarship.**—This scholarship is granted to boys who belong to MAHARASHTRA AND KARNATAKA and whose parent's income is between Rs. 350.00 and 500.00 per month from all sources. The value of the scholarship is equal to the Government financial assistance. It is admissible for the duration of a Cadet's stay in the National Defence Academy and other Pre-commission training establishments subject to the Cadet's good conduct and satisfactory progress in the training and his parent's income remaining below the prescribed limit. Cadets who are granted this scholarship, will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

(2) **COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Scholarship.**—This scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and awarded to a MARATHA cadet who should be the son of an ex-serviceman. The scholarship is in addition to any financial assistance from the Government.

(3) **KUER SINGH MEMORIAL Scholarships.**—Two scholarships are awarded to two cadets who obtain the highest position amongst candidates from BIHAR. The value of each scholarship is Rs. 37.00 per mensem tenable for a maximum period of 4 years during the training at the National Defence Academy Kharakwasla and thereafter at the Indian Military Academy, Dehra Dun and the Air Force Flying College and Naval Academy Cochin where the cadets may be sent for training on completion of their training at the National Defence Academy. The scholarships will, however, be continued subject to making good progress at the above institution.

(4) **ASSAM GOVERNMENT Scholarships.**—Two scholarships will be awarded to the cadets from ASSAM. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per mensem and is tenable for the duration of a cadet's stay at the National Defence Academy. The scholarships will be awarded to the two best cadets from ASSAM without any reference to the income of their parents. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

(5) **UTTAR PRADESH GOVERNMENT Scholarships.**—Two scholarships each of the value of Rs. 30.00 per month and an outfit stipend of Rs. 400.00 are awarded to two cadets who belong to UTTAR PRADESH on merit-cum-means basis and are tenable for a period of three years subject to satisfactory performance by the cadets at National Defence Academy. Cadets who are granted these Scholarships are not entitled to any other financial assistance from Government.

(6) **KERALA GOVERNMENT Scholarship.**—One merit scholarship of the value of Rs. 480/- per annum for the entire period of training at NDA, will be awarded by the State Government of Kerala to a Cadet who is a domiciled resident of the State of KERALA and who secures the first position in the all India UPSC Entrance Examination to NDA irrespective of the fact whether he has passed out from RIMC or from any of the Sainik Schools in India. The financial position of a Cadet's father/guardian is not taken into consideration.

(7) **BIHARI LAL MANDAKINI Prize.**—This is a cash prize of Rs. 500.00 available for the best BENGALI boy in each Course of the Academy. Application forms are available with the Commandant, National Defence Academy.

(8) **ORISSA GOVERNMENT Scholarships.**—These scholarships, one for the Army, one for the Navy and the other for the Air Force of the value of Rs. 80.00 each per month will be awarded by the Government of Orissa to the cadets who are permanent residents of the State of ORISSA. Two of these scholarships will be awarded on the basis of merit cum-means of the cadets whose parent's or guardian's income does not exceed Rs. 5,000 per annum and the other one will be given to the best cadet irrespective of his parent's or guardian's income.

(9) **WEST BENGAL GOVERNMENT Scholarships.**—Following categories of scholarships are awarded by the West Bengal Government to those cadets who are permanent residents of WEST BENGAL :—

(a) Category 1.—These scholarships, one each for Army, Navy and Air Force at the rate of Rs. 360 per annum during 1st and 2nd years and at the rate of Rs. 480 per annum during the 3rd year at the Academy and 4th year at the specialised training institution, with an initial outfit stipend of Rs. 400 in addition for these cadets who are not eligible for any other scholarships at the Academy.

(b) Category 2.—The scholarships of a lump-sum grant of Rs. 100 per annum in addition to Government financial assistance.

(10) Pilot Officer GURMEET SINGH BEDI MEMORIAL Scholarship.—One Scholarship of Rs. 420.00 per annum is granted to the cadet who stands highest in the overall order of merit amongst Air Force Cadets at the end of the 4th term. It is for the duration of one year (during 5th and 6th terms). This scholarship will be withdrawn if the recipient is relegated or withdrawn during the period of its receipt. The Cadet who is already in receipt of any such merit scholarship or financial assistance is not entitled to this scholarship.

(11) HIMACHAL PRADESH GOVERNMENT Scholarships.—Four scholarships will be awarded to cadets from HIMACHAL PRADESH. The value of each scholarship is Rs. 30.00 per month during the first two years of training and Rs. 48.00 per month during the third year of training. These scholarships will be available to those cadets whose parent's income is below Rs. 500.00 per month. No cadet in receipt of financial assistance from the Government will be eligible for this scholarship.

(12) TAMIL NADU GOVERNMENT Scholarship.—The Government of Tamil Nadu has instituted at NDA one scholarship per course of the value of Rs. 30/- per month plus an outfit allowance of Rs. 400/- (one only during the entire period of cadet's training) to be awarded to a cadet belonging to the State of Tamilnadu whose parent's/guardian's monthly income does not exceed Rs. 500/-. The application by an eligible cadet can be made to the Commandant, National Defence Academy on their arrival.

(13) KARNATAKA GOVERNMENT Scholarships.—The Government of Karnataka has awarded 18 scholarships (eighteen Scholarships) 9 in respect of courses commencing from January and 9 in respect of courses from July every year for award to cadets from Karnataka State who join the National Defence Academy after completion of their education at the Sainik School Bijapur or at the Rashtriya Indian Military College, Dehra Dun. The Value of the scholarships shall be Rs 480/- (rupees four hundred and eighty) each per annum.

Four (4) more scholarships (two per term) at the rate of Rs. 480/- per annum for the cadets of Karnataka State who join NDA after completion of education other than at Sainik School Bijapur/RIMC College Dehra Dun have been awarded.

Terms and conditions governing these scholarships are obtainable from the Commandant, National Defence Academy, KHADAKWASLA, Pune (411023).

5. Immediately after the selected candidates join the Academy, a preliminary examination will be held in the following subjects :—

- (a) English;
- (b) Mathematics;
- (c) Science;
- (d) Hindi.

The standard of the examination in the subjects, at (a) (b) and (c) will not be higher than that of the Higher Secondary Examination of an Indian University or Board of Higher Secondary Education. The paper in the subject at (d) is intended to test the standard attained by the candidate in Hindi at the time of joining the Academy.

Candidates are therefore advised not to neglect their studies after the competitive examination.

TRAINING

6. The selected candidates for the three services viz., Army, Navy and Air Force are given preliminary training both academic and physical for a period of 3 years at the National Defence Academy which is an Inter-Service Institution. The training during the first two and a half years is common to the cadets of three wings. The cadets on passing out will be awarded B.Sc./BA degree from Jawaharlal Nehru University, Delhi.

7. On passing out from the National Defence Academy Army Cadets go to the Indian Military Academy Dehra Dun Naval Cadets to the Cadet's Trainingship and Air Force cadets to FFS BIDAR.

8. At the I.M.A. Army Cadets are known as Gentlemen Cadets and are given strenuous military training for a period of one year aimed at turning Officers capable of leaving infantry sub-units. On successful completion of training, Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd Lt. subject to being medically fit in "SHAPE".

9. The Naval cadets are selected for the Executive, Engineering and Electrical Branches of the Navy, on passing out from the National Defence Academy and are given sea training on the Cadet Trainingship for a period of six months, on successful completion of which they are promoted to the rank of Midshipmen. After a further training of 6 months in the respective branches of which they are allocated they are promoted to the rank of acting Sub-Lieutenants.

10. Air Force Cadets receive flying training for a period of 1½ years. However, at the end of 1 year of training they are given provisional commission in the rank of Pilot Officer. After successful completion of further training of six months, they are absorbed as permanent commissioned officers on probation for a period of one year.

TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE

11. ARMY OFFICERS

(i) PAY

Rank	Pay Scale	Rank	Pay Scale
2nd Lieut . . .	Rs. 750—790	Lt. Colonel (time scale)	Rs. 1900 fixed
Lieut . . .	830—950	Colonel	1950—2175
Captain . . .	1100—1550	Brigadier	2200—2400
Major . . .	1450—1800	Major-General	2500—125/2750
Lt. Colonel . . . By Selection	1750—1950	Lt. General	3000 p.m.

(ii) QUALIFICATION, PAY AND GRANT

Officers of the rank of Lt Col and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to a lump sum grant of Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/- or 6000/-, based on the qualifications held by them. Flying Instructors (Cat 'B') are authorised to qualification pay @ Rs. 70/-.

(iii) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer at present receives the following allowances :—

- (a) Commensatory (city) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the civilian Gazetted officers from time to time.
- (b) A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.
- (c) Expatriation Allowance is admissible when serving outside India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of foreign allowance.
- (d) Separation allowance. Married Officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 70 p.m.

(e) Outfit Allowance—Initial outfit allowance is Rs. 1400/- A fresh outfit allowance @ Rs. 1200/- is payable against claim after every 7 years of effective service commencing from the date of first commission.

(iv) POSTING

Army Officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

(v) PROMOTIONS

(a) Substantive Promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks:—

(i) By Time Scale

	<i>Minimum Service Limit</i>
Lt.	2 years of commissioned service
Captain	6 years of commissioned service
Major	13 years of commissioned service
Lt. Col. from Major if not promoted by selection	25 years of commissioned service

(ii) By Selection

Lt. Col.	16 years of commissioned service
Col.	20 years of commissioned service
Brigadier	23 years of commissioned service
Major Gen.	25 years of commissioned service
Lt. Gen.	28 years of commissioned service
Gen.	No restriction

(b) Acting Promotion

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum service limits subject to availability of vacancies:—

Captain	3 years
Major	6 years
Lt. Colonel	6½ years
Colonel	8½ years
Brigadier	12 years
Maj. General	20 years
Lt. General	25 years

12. NAVAL OFFICERS

(i) PAY

Rank	Pay Scales	
	General service	Naval Aviation and Submarine
Midshipman	Rs. p.	Rs. p.
Ag. Sub Lieut.	560/-	560/-
Sub. Lieut.	750/-	825/-
Lieut.	830/870	910-950
Lieut-Cdr.	1100-1450	1200-1350
Cdr.	1450-1800	1450-1800
Captain	1750-1950	1750-1950
Rear Admiral	1950-2400	1950-2400
Vice Admiral	2500—125/2—2750.	Commodore receives pay to which entitled according to Seniority as Captain

Qualifications pay/grant is also admissible to—

Officers of the rank of CDR and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to lump sum grant of Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/- or 6000/- based on the qualification held by them.

(ii) ALLOWANCES

Naval Aviation Officers are entitled to Flying pay at monthly rates and under conditions applicable to corresponding ranks for Air Force Officers.

Naval Officers are entitled to other allowances as applicable to Army Officers of equivalent rank. In addition certain special concessions, like hardlying money submarine allowance, submarine pay and diving pay are admissible to them.

(iii) PROMOTIONS

(a) Substantive Promotions

The following are the service limits for the grant of substance, submarine pay and diving pay are admissible to them.

By Time Scale

Sub Lt.	1 year
Lt.	3 years (subject to gain/forfeiture of seniority).
Lt. Cdr.	8 years seniority as Lt.
Cdr	24 years commissioned service (if not promoted by selection)

By Selection

Ex Comdr cutive Branch 2-8 years of seniority as Lt Cdr.

Cmdr. Engineering

Branch	2-10 years seniority as Lt. Cdr.
Cmjr. Electrical Branch	2-10 years seniority as Lt. Cdr.
Capt.	4 years seniority as Cdr.
Rear Admiral	No restriction
Vice Admiral	No restriction

(b) Acting Promotion

There is no service limit for grant of acting promotion in the Navy except to the rank of Lt. Cdr. for which an officer should have attained 6 years seniority as Lieutenant.

13. AIR FORCE OFFICER

(i) PAY

Rank	Pay Scale
	Rs.
Plt. Offr.	825-865
Fg. Offr.	910-1030
Fit. Lt	1300--1550
Sqd. Ldr.	1650--1800
Wg. Cdr. (Selection)	1750--1950
Wg. Cdr. (Time Scale)	1900 (fixed)
Gp. Capt.	1950--2175
Air Cdre.	2200—2400
Air Vice-Marshal	2500—2750
Air Marshal	3000
Air Marshal (VCAS and AOS C in C)	3250
Air Chief Marshal (CAS)	4000

(ii) ALLOWANCES

Flying Pay—Officers of the Flying Branch (Pilots and Navigators) are entitled to get flying pay at the following rates :

	Rs.
Plt Offr to Wg. Cdre	375.00 p.m.
Gp Capt and Air Cdr	333.33 p.m.
Air Vice Marshal & above	300.00 p.m.

(iii) *Qualification Pay/Grant*—Admissible to Flying Branch Officers possessing certain prescribed qualifications at the rate given below

Qualification pay	Rs. 100 p.m. or Rs. 70 p.m.
Qualification Grants	Rs. 6,000/- or Rs. 4500/- Rs. 2,400/- or Rs. 1,600/-

(iv) PROMOTIONS

(a) *Substantive Promotion*

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks:

By Time Scale

Flying Officer	1 year service.	commissioned
Flt Lt.	5 years service.	commissioned
Sqn. Ldr.	11 years service.	commissioned
Wg. Cdr.	On completion of 24 years of commissioned service if not promot- ed by selection.	

By Selection

Wg. Cdr	16 years reckonable total commissioned service.
Gp Capt.	22 years reckonable total commissioned service.
Air Cmde	24 years reckonable total commissioned service.
Air Vice Marshal	26 years reckonable total commissioned service.
Air Marshal	28 years reckonable total commissioned service.

(b) *Acting Promotion*

The following are the minimum service limits required for acting promotion of officers :

Flt. Lt.	2 years
Sqn. Ldr.	5 years
Wg. Cdr.	6 years (After service of 1 year in the rank of Sqn. Ldr.)
Gp Captain	8 years (After service of 1 year in the rank of Wg. Cdr.)
Air Cdr.	11½ years (After ser- vice of 3 years in the ranks of Wg. Cdr. and Gp Captain)
Air Vice-Marshall	15 years (After service of 5* years in the ranks of Wg. Cdr. Gp Capt. and Air Cdr.)
Air Marshal	23 years

*Inclusive of broken period.

14. RETIRING BENEFITS

Pension gratuity and casualty pensionary award will be admissible in accordance with the rules in force from time to time.

15. LEAVE

Leave will be admissible in accordance with the rules in force from time to time.

APPENDIX IV

The forms of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India

This is to certify, that Shri son of of village/town* in District/Division* of the State/Union Territory* belongs to the Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

[As amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966 the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act 1976.]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution Scheduled Tribes (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978*

2. Shri and*/or his family ordinarily reside(s) in village*/town of District*/Division of the State*/Union Territory of State

Union Territory*

Place.....

Date.....

Signature.....

**Designation.....

(with seal of office)

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "Ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

Officers competent to issue Castes/Tribes Certificate.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

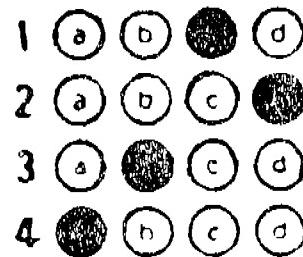
(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officer not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep

your response). Ink should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.



IT IS IMPORTANT THAT—

1. You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.

2. To change a wrong marking, erase it completely and remark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.

3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.

2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.

3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.

4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.

5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on the Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.

6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.

7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

APPENDIX-V

CANDIDATES INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOKLET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, ..., etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you alongwith the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklet or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of the items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor, to do so.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note :—*denotes the correct/best answer-option)

1. (General Studies)

Bleeding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure,
- (b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure,
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls,
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure.

2. (English)

(Vocabulary—Synonyms)

There was a *record* turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- (d) largest so far

3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below :—

- (a) spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) planting with close spacing

4. (Chemistry)

The anhydride of H_2VO_4 is

- (a) VO_2
- (b) VO_4
- (c) V_2O_3
- (d) V_2O_5

5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- (a) wage is less than marginal revenue product.
- (b) both wage and marginal revenue product are equal.
- (c) wage is more than the marginal revenue product.
- (d) wage is equal to marginal physical product.

6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of relative permittivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be

- (a) $3C$
- (b) C
- (c) $C/3$
- (d) $C/9$

7. (Geology)

Plagioclase in a basalt is

- (a) Oligoclase
- (b) Labradorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite

8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

$$\frac{d^2y}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = 0 \text{ is given by}$$

- (a) $y=ax+b$
- (b) $y=ax$
- (c) $y=ae^x + be^{-x}$
- (d) $y=ae^x - a$

9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperatures $400^\circ K$ and $300^\circ K$. Its efficiency is

- (a) $3/4$
- (b) $(4-3)/4$
- (c) $4/(3+4)$
- (d) $3/(3+4)$

10. (Statistics)

The mean of a binomial variate is 5. The variance is

- (a) 4^2
- (b) 3
- (c) ∞
- (d) -5

11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- (b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma
- (c) it has excellent forest resources
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country

12. (*Indian History*)

Which of the following is NOT true of Brahmanism ?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion
- (c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual

13. (*Philosophy*)

Identify the atheistic group of philosophical systems in the following :

- (a) Buddhism, Nyāya, Cārvāka, Mīmāṃsā
- (b) Nyāya, Vaisesika, Jainism and Buddhism, Cārvāka
- (c) Advaita, Vedānta, Sāṃkhya, Cārvāka Yoga
- (d) Buddhism, Sāṃkhya Mīmāṃsā, Cārvāka

14. (*Political Science*)

Functional representation means

- (a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation

(b) pleading the cause of a group or a professional association

(c) election of representatives in vocational organization

(d) indirect representation through Trade Unions

15. (*Psychology*)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- (b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning

16. (*Sociology*)

Panchayati Raj institutions in India have brought about one of the following :

- (a) formal representation of women and weaker sections in village government
- (b) untouchability has decreased
- (c) land-ownership has spread to deprived classes
- (d) education has spread to the masses

NOTE :—Candidates should note that the above sample items (questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.